

सं0 35]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 28, 1982 (भांद्रपद 6, 1904)

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 28, 1982 (BHADRA 6, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठे संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा अवोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई, 1982

सं० ए० 32014/4/80-प्रशाo-II---मचिव, संघ लोक सेवा त्रायोग एतद्द्वारा इस कार्यालय के स्थायी संपदा पर्यवेक्षक श्री ग्रार० पी० सिंह को 24-7-82 से 23-10-82 तक तीन मास को ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-810-द० रो०--35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में संपदा प्रबंधक एवं बैठक अधिकारों के पद पर तदर्थ आधार पर स्थादापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

2. श्री ग्रार० पी० सिंह ग्रवगत कर लें कि संपदा प्रबंधक एवं बैठक ग्रधिकारी के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति का उन्हें नियमित विलियन अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता कः स्वतः हक नहीं मिलेगा।

सं० ए० 32015/1/80-प्रशा०-2--इस कार्यालय की सम-संख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 20 अप्रैल, 1982 के ग्रनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अ० एवं सां०) तथा स्थानापन्न अनु-संधान अन्वेषक श्री म्रार० डी० क्षत्रिय को 15-7-1982 से

29-8-1982 तक 46 दिन की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, श्रीमती राजकुमारी ग्रानंद, कनिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्र० एवं सां०) के ग्रवकाश पर होने के कारण उनके स्थान पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ० एवं सां) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई, 1982

सं० ए० 32013/2/82-प्रगा० ॥--इम कार्यालय की म्रधि-सूचना सं० ए० 32014/1/80-प्र शा० II-- दिनांक 29-5-82 का आंशिक आशोधन करते हुए अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा श्री एम० एल० धवन तथा कुमारा संतोष हांडा को 16-7-1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक उप नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थान एन रूप से कार्य क्र ते के लिए नियुक्त करते हैं।

> कुलदोप कुमार ग्रनुभाग ग्रधिकारी कृते संघ लोक सेवा श्रायोग

(11595)

नई विस्ली-110011, दिनांक 26 जुलाई, 1982 तं । ए० 11016/1/81-प्रभात III—र्सभ लो ह सेवा श्रायोग के के ति संव संवर्ग के श्रनुभाग अधिकारी श्री वेद प्रकाण की जो सम्प्रति तदर्थ आधार पर डेस्क अधिकारों के रूप में कार्यरत हैं, राष्ट्रपति द्वारा 9-7-1982 से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारों के पद पर नियमित आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष निमुक्त किया जाता है।

2. श्री वेद प्रकाण कार्मिक श्रीर प्रणासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-सी० एस०(1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्ती के श्रनुसार क० 75-प्र० मा० विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

य० ४१० गांधी ग्रव४ सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली, दिनांक 4 ग्रगरून 1982

सं० श्रो० दो०—1716/82/स्थापना—-महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) स्नेह लता को 9 जुलाई. 1982 के पूर्वाह्व से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिक्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर मदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो०-1754/82-स्थापना---राष्ट्रपति जी शिगे-डियर एन० हुवैर्ट (अनकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उपनिदेशक के पद पर श्रागामी आदेश जारी होने तक पुर्नीनयुक्ति करते हैं।

2. किगेबियर एल ० हुर्बर्ट ने महातिदेशालय के रि० गु० बल, नई विरुत्ती में दिसांक 1/6/82 के पूर्वाम्न से उपनिदेशक (कम्यूनि-केशन) के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 6 प्रगम्त 1982

सं० श्री० दी०-1765/82-स्थापना--मह। निदेशक केन्द्रं य रिजर्ब पृतिस बल ने डाक्टर प्रफुल्ला कुमार बोराह की 26 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने नक इनमें जो भी पहले हो उस ताराख नक केन्द्रोय रिजर्ब पुतिन बल में किनिष्ठ चिकितना श्रिधकारों के पद पर तदर्ब रूप में नियुक्त किया है।

> ए० के० सूरी सहामक निषेणक (स्थापना)

वित्त ग्रामीग

नई बिरुली, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० 8 एफ० सो०, 2(2-ए/82—गृह मंत्रालय के सी० एम०एस०एम० संवर्ग के स्थाई प्रेड कि के श्रिधकारी श्रीप सांख्यिकी विभाग के निजी सचिव श्री बी० श्राप्ठ पुरो को योजना मंत्रालय, सांख्यिकी विभाग से स्थानान्तरण पर, पहली जुलाई, 1982 के प्वाह्म से श्रीर शागे श्रादेश श्राने तक, 1100—1600 रू० के वेतनमान में, श्राठवें वित्त श्रायोग के सदस्य (श्री जी० मी० बवेजा), के निजी सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 21 जुलाई, 1982

सं० 8 एफ० सी० 2(3)ए/82—आर्थिक कार्य विभाग, नई विस्ती से स्थानान्तरण होने पर वित्त मंत्रालय संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्रो टी० सी० नंदा को 20 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक आठवें वित्त आयोग में 700-1300 रुपए के वेतनमान में प्रणासनिक एवं लेखा अधिकारी निमुक्त किया गया है।

दिनांक 28 जुलाई 1982

मं० 8 एफ० मी० 2(4)-ए०/82---राष्ट्रपति श्री एस० पी० बनशी, सेवा निवृत्त संगुक्त निदेशक, व्यय विभाग, वित्त मंत्रा-लय को आठवें बित आयोग में, पुर्तीनयोजन के आधर पर 22 जुलाई, 1982 में 21 जुलाई, 1983 तक संयुक्त निदेशक (1500-1800 रुपये के वेतनमान में) नियुक्त करते हैं।

सं० 8 एफ० सी० 2(5)-ए०/82---सूचना और प्रसारण मंजालय के अनुसंधान भीर संदर्भ प्रभाग नई दिल्ली से स्थाना-नंरण होने पर श्री जे० पी० मिश्र, प्रशासनिक अधिकारी को 26 जुलाई, 1982 के पूर्वाल से प्रगता श्रादेण जारी होने तक, प्रतिमियुक्ति की सामान्य शर्मी पर 650-1200 रूपये के बेसन-मान में अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

> एन० वी० कृष्णत स**चि**व

कार्यालयः निदेशक ले**खा**परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली⊸2, दिनांक - 7 श्रगस्त, 1982

मं० प्रणासन-1/कार्यालय भ्रादेण/220---निवेशक लेखा-परीक्षा केन्द्रीय राजहत्र इस कार्यालय के स्थानायक लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री सी० एस० मंगला को ,840--1200 रुपये समयमान में दिनांक 1-8-1982 में स्थायी रूप से नियुक्त करने हैं।

> ग्र० सि० मीहिन्द्रा संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा(प्रशासन)

महालेखाकार (1) का कार्यालय (स्थानीय स्रंकेक्षण विभाग)

राचि।--834002 दिनांक 6 भ्रगस्त, 1982

सं० एफ० ए० प्रशा०—I—स्था०—I—1988——महालेखा-कार (1), बिहार, रांची श्रपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण जाक्षा के स्मायी अनुमाग प्रक्षिकारी श्री राजेस्बर प्रसाद को उनके पद ग्रहण की तिथि ने अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा गरीक्षक के पद पर सहवं पदीन्नत करते हैं।

> बुधलाल बोईपाई स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार, रांची

कार्यालय महालेखाकार--प्रथम, पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनांक 2 श्रगस्त 1982

सं० प्रणा० I/1038—XVIII /143—महालेखाकार-प्रथम, पिष्णम बंगाल ने स्थायी अनुभाग प्रधिकारी श्री णणांक कुमार बासु की अगले आदेश तक, तदर्थ तथा स्थायी तौर पर पिष्णम बंगाल सरकार के णिक्षा निदेशालय पर प्रतिनियुक्ति से मुक्त होने पर जिस तारीख से वे सचमुज लेखा श्रिधकारी के हैसियत से अपना कार्यभार सम्भालते हैं उस तारीख से उन्हें लेखा श्रिधकारी के पद पर श्रस्थायी और स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने की कृपा की है। यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि लेखा श्रिधकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोत्त जब तक कलकता उच्च त्यायालय में एक मुकदमें में निर्णय निलंबित रहे तब तक पूर्णनया श्रस्थायी रूप से है श्रीर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० श्रार० केस सं० 14818 (डब्ल्य०) के श्रन्तिस फैसले के श्रिधीन है।

लेखा श्रधिकारी के संवर्ग में प्रोन्नित के उपरान्त श्री शशांक कुमार बासु की सेवायें लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री बी० एन० राय चौधुरी की पश्चिम बंगाल सरकार में दिनांक 19-7-82 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति के कारण रिक्त स्थान पर निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता को मौंपी जाती है।

कलकत्ता-700001, दिनांक 5 श्रगस्त, 1982

सं प्रशा ०-I/947-III 1 87--महालेखाकार- प्रथम, पिक्यम बंगाल, इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार दितीय, पिक्यम बंगाल/कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता, के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के आगे दिखाये गये दिनाक में लेखा अधिकारियों के पदक्रम पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं :--

ऋमांक	नाम	पुष्टि की तारी ब
. 1.	श्री जनार्दन घोप	1-3-1980
2.	'' गोपाल चन्द्र दास (ग्र०जा०)	1-3-1980
3.	'' भ्रमूल्य चन्द्र चौधरी	1-3-1980
4.	'' यज्ञेष्यर चौधरी	1-3-1980
5.	'' तड़ित कुमार मुखोपाध्याय	1-3-1980
6.	′′ मनोरंजन कर	1-3-1980
7.	'' पु ण्य वत लाहिड़ी	1-3-1980
8.	'' क्षितीस्थर विस्वास	1-3-1980

क्रमांक	नाम	पुण्डिकी तारीच
9.	'' ज्योतिर्मय होम चौ धरी	1-3-1980
10.	" विमल चन्द्र समाद्वार	1-3-1980
11.	'' सुधीर चन्द्र भावाल	1-3-1980
1 2.	'' परमानन्द पालित	1-3-1980
13.	" गोपाल चन्द्र शर्मा भौध री	1-3-1980
14.	ं यज्ञेण्वर माण्डी (श्र ं ठउ०जा०)	1-3-1980
15.	" कमल कुमार घोष " कसीन्द्र नाथ घोष	1-3-1980
16.	યાબાપ્ત્ર પાલ લાલ	1-3-1980
17.	'' सुघांगु रंजन भट्टाचार्य '' निर्मलेन्द्र भूईयां	1-3-1980
18. 19.	" श्रपूर्व कुमार भट्टाचार्य	1-3-1980 1-3-1980
20.	भूत ३५०० पष्टाचान '' म्र खिल रंजन रा य	1-3-1980
21.	" गोविन्द देव मु ख र्जी	1-3-1980
22.	'' सुप्रकाश चट्टोपाध्याय	1-3-1980
23.	" तारापद भट्टाचार्य-II	1-3-1980
24.	'' नित्यानन्द पाल	1-3-1980
25.	'' कालिदास चटर्जी	1-3-1980
26.	'' मनि भूषण गुह	1-3-1980
27.	'' रबीन्द्र नाथ मोस	1-3-1980
28.	'' कालिदास मल्लिक	1-3-1980
29.	श्री ज्योतिर्मय राय (श्र० जा०)	1-3-1980
30.	'' बरेन्द्र नाथ चकवर्ती	1-3-1980
31.	'' समीरेन्द्र नाथ बोस	1-4-1980
32.	′′ राजेन्द्र नाथ दास (ग्र०जा०)	1-7-1980
33.	'' श्रजय कुमार लाला	1-7-1980
34.	'' शक्षेन बन्दो पाध्याय	1-8-1980
35.	'' कमलांग भट्टाचार्य	1-8-1980
36.	'' सुशील कुमार चक्रवर्ती	1-9-1980
37.	'' मुनील कुमार मस्लिक	1-11-1980
38-	" सुशील कुमार सरदार (ज०जा० _.) 1-11-1980
39.	'' बिजित कुमार मुखर्जी	1-12-1980
40.	$^{\prime\prime}$ देवी प्रसाद बनर्जी -1	1-2-1981
41.	'' मधुसूदन सेन शर्मा	1-2-1981
42.	" मुनील रनन गंगोपाध्याय	1-3-1981
43.	″ देव प्रसाद मित्र−[1-3-1981
4 4.	'' ग्रमरेन्द्र घोषल	1-3-1981
45.	'' मृगेन्द्र नाथ नाग	1-3-1981
46.	" श्रध्यंकुसुम मजुमदार	1-3-1981
47.	'' गौरी शंकर चौधरी	1-6-1981
	—————————————————————————————————————	ो० स० मेहरोज्ञा
	वरिष्ठ उप महाने ग	

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंस्रक नई दिल्ली~110066, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

सं० प्रगा०/1/5/1737/जि०-I--श्री चरनजीत लाल मागो प्राई० डी० ए० एस० को, दिनांक 4-12-82 को 58 वर्ष की प्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 5-12-24 होने के कारण), दिनांक 31-12-1982 (प्रपराह्म) से पेंगन स्थापना को प्रन्तरित कर दिया जाएगा प्राँद तदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए०) की शर्तों के प्रनुसार दिनांक 31-12-1982 (प्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

सं० प्रशा०/1/1895/5/जि०——श्री ग्रार० नरसिम्हन श्राई० डी० ए० एस० को, दिनाक 5-7-1982 को 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक उ-7-1924 होने के कारण), दिनांक 31-7-1982 (श्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है और तदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए०) की शर्तों के अनुसार दिनांक 31-7-1982 (श्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहे।

सं० प्रशा०/1/1896/5/जि०—І——श्री स्रोम प्रकाश स्राई० ङी० ए० एस० को, दिनांक 28-02-1982 को 58 वर्ष की स्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 1-3-1924 होने के कारण), दिनांक 28-02-1982 (स्रपराह्न) से पेंशन

स्थापना को श्रम्तरित कर दिया गया है श्रौर तदनुसार वे भूत विनियमावली के नियम 56(ए०) की शतों के श्रनुसार दिनांक 28-2-1982 (श्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहे।

मं० प्रमा०/1/1901/5/जि०-ा—श्री असर नाथ गुप्ता श्राई० डी० ए० एस० को, दिनांक 16-5-82 को 58 वर्ष की श्राय प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 17-5-24 होने के कारण), दिनांक 31-5-1982 (श्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है श्रौर तदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए०) की शतों के श्रनुसार दिनांक 31-5-1982 (श्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहे।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1982

मं० प्रशा०/1/1927/जिल्द-I--श्री जे० एम० एल० शर्मा, श्राई० डी० ए० एस० को, दिनांक 9-6-1982 को 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 10-6-1924 होने के कारण) दिनांक 30-6-1982 (अपराह्म) से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया गया है और तदनुसार वे मल नियमावली के नियम 56(ए०) की शर्तों के श्रनुसार दिनांक 30-6-1982 (अपराह्म) मे रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहे।

ग्रार० के० माथुर रक्षा लेखा ग्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

ग्रार्श्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० 5/82/ए०/एम०—-राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकत्सा श्रधिकारियों का त्याग-पत्र मंजूर करते हैं। तदनुसार ग्रार्डनैन्स फैक्टरी संघटन की नफरी सं उनके नाम प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से काट दिए जाते हैं।

ऋ० सं०	नाम एवं पद	नियुक्ति की फैक्टरी का नाम	दिनांक	वं	िफियत
	ा० (कु०) पी० राखिनी हायक चिकरिसा भ्रधिकारी	कार्डाइट फैक्टरी ग्रुरुवंकाडू	8-6-1981 (पूर्वाह्न)	न्याग-पन्न	दिया
_	ा० पी० चन्द्रशेखर राव, हायक चिकित्सा श्रधिकारी	वेहिकल फक्टरी ज ब लपुर	18-12-1981 (श्रपराह्न)	त्याग-पत्न	दिया
	ा० रणदेव विश्वास स्हायक चिकित्सा श्रधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर	14-10-1981 (अपराह्न)	त्याग-पत्न	दिया
	ग० मंजीर हसनैन नहायक चिकित्सा ग्रधिकारी _।	वे हि कल फैक्टरी जबलपुर	1-4-1982 (म्रपराङ्ग्)	त्याग-पत्न	दिया

सी० एस० गौरीशंकरन् भपर महानिवेशक, भार्जनैन्स फैक्टरियां/सदस्य (कार्सिक)

कलकता, दिनांक 30 जुलाई 1982

मं० 38/जी०/82—वार्धवय निवृत्त ग्रायु प्राप्तकर, जे० सी० बोस, स्थानापन्न महापक प्रवन्यक (मीलिक एवं स्थापी स्टोर होल्डर) दिनांक 31 मई, 1982 ग्रापाह्न से सेवा निवृत हए ।

> बी० के० मेहता सहायक निदंशक, ग्राईनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मन्नालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रामान-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1982 ग्रामान-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० -6/586/59---प्रणा० (राजपित्रत)/4218-- सेवा निवृत्ति की श्रायु होते पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकता में श्री टो० के० राय, उथ मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात को 31 भई 1982 (अपराह्न) में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

श्रनोख सिंह कौल उप मुख्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1982

मं० 6/730/64-प्रशा० (राज०)/4425--श्रीके० सी० श्राचार्य, नियंत्रक श्रायात-निर्यात (गैर केन्द्रीय मचिवालय सेवा) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, कार्यालय, कलकत्ता में 28-2-1979 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा में पुनः बहाल किया गया है। उनको सेवा से हटाए जाने के श्रादेश रह किए जाते हैं देखिए समसंख्यक श्रधिसूचना दिनांक 17-4-1978।

2. सेवानिवृत्ति की श्रायु होने पर श्री के० सी० श्राचार्य, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (गैर-केन्द्रीय सचिवालय सेवा) 31 श्रक्तूबर, 1979 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

> ग्रनौख सिंह कौल उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात

उद्योगः मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

सं० ए० 19018 (97) / 73-प्रशासन (राजपन्नित) — राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्राम के भहायक निदेशक ग्रेड-2 (कांच/मृत्तिका) श्री पी० पी० राय को 22-7-82

(पूर्वाह्म) थे अगले अदिशों तक, तथु उद्योग सेवा संस्थान, हैंदरायाद में सहायक निदेशक ग्रेड -II (कांब/मृश्लिका) नियुक्त करते हैं।

स० ए० 19018 (604) 82-प्रण ० (राज०) — विकास आगुस्त, प्राने कार्यालय के लबु उद्योग संबर्धन प्रधिकारी, श्री एच० ग्रार० कपूर. (कांच/मृत्तिका) को 15-6-82 (पूर्वाह्न) में ग्रागामी ग्रादेशों तक, विव्तार केन्द्र, बांत हुगली (लघ उद्योग सवा संस्थान, करकत्ता के ग्रावीन) में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (काच/मृत्तिका) नियुक्त करते हैं।

र्मा० सी० राय उपनिदेशक (प्रमा०)

पूर्ति तथा तिपटान महानिदेणालथ (प्रणासन स्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 स्रगस्त 1982

सं० प्र०-1/1(1181)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में प्रधीक्षक श्री जें० पी० दास को दिनांक 14-5-1982 (पूर्वाह्न) से 31-5-1982 तक श्री एच० एन० समद्दार की अवकाण रिक्ति में उसी के कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रणामन) (ग्रेड-ग्रा) के रूप में स्थानापक्ष रूप से नियुक्त किया जाता है।

निरीक्षण निर्देणक कलकत्ता के कार्यालय में तबादल पर श्री जें पी दारा को महायक निर्देशक (प्रशासन) (ग्रड-II) के रूप में दिनांक 1-6-1982 (पूर्वाह्न) में श्री जें एल शाह महायक निर्देशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) जो 31-5-1982 (श्रवराह्म) के मेवा निवृत्त हुए के स्थान पर नियुक्त किया जाता है।

> सीहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, विनांक 4 ग्रगस्त 1982

सं० 5551बी/ए०-32013(ए० स्रो०)/19 ए०— भारतीय भूवेजानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षक श्री एस० के० पवार को प्रणासनिक श्रधिकारों के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-53-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, तबर्थ श्राधार पर भारतीय भूवेज्ञानिक पर्वेक्षण, केन्द्रीय क्षेत्र, नागपुर के प्रणासनिक श्रधिकारी श्री एम० के० गांगुली की अवकाश-रिक्ति के स्थान पर 12-4-82 के पूर्वाह्म से 31-5-1982 तक पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है ।

> ते० स्वामी नाथ महानिवेशक

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए०—19011(272)/81—स्था० ए०—भारत के राष्ट्रपति ने श्री संजीवन रे, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो का त्याग पत्न दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1981 (श्रपराह्म) से स्वीकार कर लिया है। उनका नाम भरतीय खान ब्यूरो के श्रिकारियों की सूची से उपरोक्त तारीब से हटा दिया गया है।

दिनांक 4 श्रगस्त 1982

सं० ए०-19011 (304) / 82-स्था० ए०---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री एच० के० दासगुप्ता, खनिज श्रधिकारी (श्रासूचना) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर स्थानापक्ष रूप में दिनांक 30 श्रप्रैल, 1982 (पूर्वाह्म) से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 श्रगस्त 1982

सं ए०-19012(142)/81-स्था ए०-संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर डा० श्रनवर रईस, को दिमांक 3-6-1982 के पूर्वीह्न से भारतीय खान भ्यूरों में स्थानापन्न सहायक खनन भूबिज्ञानी के पद पर नियुक्त किया गया है।

> व० च० मिश्र कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय **खा**न ब्युरो

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रगस्त 1982

सं० ए०-19012/13/80/एस०-2(एस०-3)--श्री जी० वी० रेड्डी, सहायक इंजीनियर, उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद का त्यागपत स्वीकार करने पर उन्हें 29-5-1982 की श्रपराङ्ग से श्राकाशवाणी में उनके कार्यभार ने मुक्त कर दिया गया है।

> सी० एल० भसीन प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

सं० 4/30/81-एस०-1-महानिवेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बाला सुग्रमणियन मणि को 650-30-740-35-810-वं० रो० -35-880-40-1000-वं० रो० -40-1200 रुपये के वैतनमान में 27 जुलाई, 1982 से श्रगले श्रावेश तक, श्राकाणवाणी, नई विस्ली में, श्रस्थाई रूप में, कार्य-क्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करने हैं।

दिनांक **6 भ्र**गस्त 1992

सं० 6(116)/63-स्टाफ-1-सेमा निमृत की म्रायु प्राप्त होने पर श्री पी० के० भट्टाचार्य जी, कार्यक्रम निष्पादन, श्राकाशवाणी गीहाटी 30-6-1982 (श्रवराह्न) में सरकारी सेवा में मुक्त ही गए हैं।

हरीश चन्द्र जमाल प्रशासन उपनिदेशक कृते नहामिदेशक

स्वास्ट्य सेवा महानिदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० ए. • 19018/10/80 — सी० जी० एच० एस • — [.— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने वैद्य जी पी० वर्मा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के प्रधीन प्रायुर्वेषिक चिकित्सक के पद पर 4 श्रगस्त, 1980 पूर्वीह्न से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है ।

वैद्य जी॰ पी० वर्मा ने इस पद का कर्यभार 4 अगस्त,
 1980 पूर्वाह्म से सम्भाल लिया है।

टी॰ एस॰ राव उपु निदेशक प्रशासन (सी॰ जी॰ एच॰ एस॰)

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1982

सं० ए० 12026/4/81--- प्रशासन-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एन० के० रायसिवानी को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपसानी श्रस्पताल, नई दिस्ली में दन्त चिकित्सा के लेक्चरर के पद पर 1 जून, 1982 प्रशास्त्र से 15, जुलाई, 1982 श्रपराह्म सक पूर्णनया तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

जिलोक जन्द जैन उप निदेशक प्रशासन (श्रो० एडड एम)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेगालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 भ्रगस्त 1982

सं० ए०-19023/1/81--प्र० III--इस निदेशालय के प्रधीन फरीदाबदाद में फोटो श्रिधिकारी के पद पर श्री जें ० एम० बागले की तदर्थ नियुक्ति की छः महीने की श्रवधि के लिए दिनांक 10-1-1982 तक या जब नक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

मं० ए० 19026/1/82-प्र० तू०--महालेखाकार, हरियाणा, चंडीगढ़ कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एस० डी० एस० यादव को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबद में दिनांक 14/6/1982 (पूर्वाल) से स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। श्री यादव, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्ती के अजीन इस निदेशालय में उनके पूर्व कार्यात्र में कार्य मुक्त होने की

तारीख झर्यात् 3-6-1982 (पूर्वाञ्च) से प्रथमतः दो वर्षों के लिए प्रतिनिमुक्ति पर रहेंगे ।

> गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार

परमाण् ऊर्जा विभाग

ऋय और भंडार निदेशासय

बम्बई 400001 दिनांक श्रगस्त, 1982

सं० ऋ० नि०/2/1(3)/82-प्रशासन/16490--मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना से स्थानान्तरण हो जाने पर स्थायी लेखा सहायक श्रीर स्थानापन्न लेखा श्रीक्षकारी-11 श्री एस० जें० शेंनाएं को इसी क्षमता में ऋय और भंडार निर्देशालय परमाणु कजी विभाग में 25 जून, 1982 (पूर्वाहन) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोतक प्रशासन श्रक्षिकारी

नाभिकीय धैंबन सस्मिश्र

हैदराबाद 500762, दिनांक 2 प्रगस्त, 1982

सं० ना० ई० स०/का प्र० भ०/0241/1959—निभिक्षीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी ने राजस्थान परमाणु विद्युत्त परियोजना के (प्रवरण भेणी) सहायक सुरक्षाधिकारी श्री प्रीत्तम सिंह को निभिक्षीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में दिनांक 16-7-1982 के पूर्वाह्म से स्वानातक सुरक्षाधिकारी के पद पर ग्रंगले ग्रादेन पर्वंत नियुक्त किया है।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

(परामण् जनिज प्रभाग)

हैवराबाद 500016, 2 अगस्त, 1982

सं० प० ख० प्र०-16/2/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खिनज प्रभाग के स्थानी वरिष्ठ प्राशुलिपिक और स्थानीपन प्राशुलिपिक बेड][] श्री पी० श्री० करणाकरण को उसी प्रभाग में 29 जून 1982 के अपराह्न से श्रमले श्रीदेश होने तक स्थानीपन रूप से सहायक कार्मिक श्रीधकारी निमुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-16-/7/82--भर्ती--परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक एसद्द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय प्रशासनिक संवर्ग में सहायक प्रशासनिक प्रधिकारी के ग्रेड में स्थायी प्रधिकारी श्रीर इस प्रभाग में कार्यरत श्री देव राज तुली को इसी प्रभाग में 29 जून 1982 के अपराह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने सक स्थानापश रूप से प्रशासनिक श्रीकारी ग्रेड]] नियुक्त करते हैं।

सं० प० खा० प्र०-16/7/82-भर्ती-परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतब्द्वारा गरमाणु कर्जा विभाग के केन्द्रीय प्रणासिक संवर्ग में सहायक प्रधासिक श्रीधकारी के ग्रेड में स्थायी। श्रीधकारी श्रीर इस प्रभाग में सहायक कार्मिक श्रीधकारी के पद पर कार्भरत श्री प० क० बिजयकृष्णन को इसी प्रभाग में 14 जून, 1982 के पूर्वाह्न से लेकर श्रेगले श्रीदेश होने तक स्थानापन्न रूप से प्रशासिक श्रीधकारी ग्रेड II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अगस्त 1982

सं० प० खा० प्र०-I/1/81-भर्सी-परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्हारा श्री ग्रार० बी० एस० शीष राव को परमाणु खनिज प्रभाग में 22 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश होने तक ग्रस्थायी रूप से वैशानिक श्रधि-कारी/ग्राभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

टी० डी० भाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा श्रक्षिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र, दिनांक 31 जुलाई, 1982

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(2)/77-आर०-- परमाणु खनिज प्रभाग, हैदराबाद से स्थानांतरण होने पर, परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीकृत संवर्ग में सहायक प्रशासनिक श्रधिकारी के ग्रेड में स्थायी श्रधिकारी ग्रीर कनिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी के ग्रेड में स्थायी श्रधिकारी श्री डी० पी० कुलकर्णी को 9 जुलाई, 1982 की पूर्वाह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रशासनिक श्रधिकारी-II के रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० पी० राव मु**रूप श्र**धीक्षक

महाराष्ट्र, दिनांक 31 जुलाई, 1982

मं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-श्रार०--मुख्य श्र धीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, बम्बई में स्थामी श्राणुलिपिक श्रौर स्थानापन्न श्राणुलिपिक (बरिष्ठ) श्री एन० पी० गणेशन को, 9 जुलाई, 1882 की पूर्वाह्म से श्रगले श्रावेशों तक के लिए सारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक प्रशासनिक श्रधिकारी के ग्रेड (क० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में, एक श्रधिकारी के स्प में नियुक्त करते हैं।

सी॰ शंकर मृख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई, 1982

सं० ए० 32014/2/81—ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सदायकों के उच्चतर पद का कार्यभार सम्भालने की तारीख में सहायक तकनीकी श्रिधकारी के खेड में नियमित श्रधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर सैनान किया है :---

ऋ० सं० नाम	वर्तमान तैमाती स्टेश	ान तया तैनाती स्टेशन	कार्यभार सम्भाल ने की नारीख
 सर्व श्री :			
1. वी० एच० रंगाराव	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	वै० सं० स्टे०, हैदराबाद	15-2-82 (ग्रपराह्न)
2. डी० सेल्वाराज	वै० सं० स्टेशन, त्रिवेन्द्रम	वै० सै ० स्टे० स्निवेन्द्रम	15-2-1982 (भ्रप०)
3. पी० एन० मणि	वै० सं० स्टेशन, मदुराई	वै० सं० स्टे०, मदुराई	15-2-1982 (भ्रापर्)
 जोगिन्दर सिंह् 	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली 🦠	वै० सं० स्टे०, दिल्ली	12-2-1982 (म्रप०)
5. टी० एन० जे० नम्बियार	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टे०, मद्रास	13-2-1982 (भ्रप०)
 हरनेक सिंह 	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० मं० स्टे०, दिल्ली	15-2-1982(ग्रप०)
7. टी० एस० जोली	वै० सं० स्टेशन, श्रहमदाबाद	वै० मं० स्टे०, श्रहमदाबाद	12-2-1982 (श्र प ०)
৪. वाई० सी० पुनेठा	वै० सं० स्टेणन, लखनऊ	बै० सं० स्टे०, इलाहाबाद	19-2-1982 (भ्रप्

दिनांक 24 जुलाई, 1982

मं० ए०-32014/2/81—ई० सी० (पार्ट)—महानिदेशक नागर विभानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके उच्चतर पद पर कार्यभार - ग्रहण करने की तारीख से सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तद्दर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रौर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर नैनात किया है :—

त ∘ सं∘ नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया नैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वे श्री			
1. डी० एस० जागीरदार	वै० सं० स्टेशन बम्बई	वै० सं० स्टेशन नागपूर	1-5-82 (पूर्वाह्न)
2. श्रमलेन्द्र दला	वै० सं० स्टेशन झारसाग्ढ	वै० सं० स्टेशन तेज <u>ु</u>	3-4-82 (पूर्वाह्म)
 एम० ए० एस० प्रकाण राव 	बै० सं० स्टेशन बै लरी	वै० सं० स्टेशन मद्रास	12-6-82 (पूर्वाह्म)
ा. एस०एन०गुप्ता	वै० सं० स्टेशन मोहनबाड़ी	बै० मं० स्टेशन सिलचर	9-3-82 (पूर्वाह्म)
5. श्री वि ष्यंभ र लाल	वै० सं० स्टेशन दिल्ली	वै० सं० स्टेशन वाराणर्गा	6-5-82 (पूर्वाह्म)
6. एच ०पी०घोष	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन गौहाटी	23-2-82 (पूर्वाह्म) '

दिनांक 26 जुलाई, 1982

मं० ए०-32013/4/81—ई० सी०-1—इस विभाग की 10 अप्रैल, 81, 18 अप्रैल, 81, 4 मई, 81, 28 मई, 81, 12 जून 81, 20 जून 81, आँर 3 जुलाई 81 की अधिसूचना सं० ए०-32013/11/79—ई० सी० के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के बाद दिनांक 31-8-82 तक की अविध के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें मे जो भी पहले हो, जारी रखने की स्विक्वित दी है:—

ऋ० सं० नाम	तैनाती स्टेणन	नारीख
1 2	3	4
सर्वे श्री		
1. पी⊕ ছী৹ অংসা	निवेशक , रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली	19-9-81
 एस० सुन्दररामन 	क्षेत्रीय नियन्त्रक संचार का कार्यालय कलकत्ता	6-10-81

1 2	3	4
3. एम० के० पाल	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकक्ता	22-9-81
4. श्रार० वेठ सिंगुना	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	22-8-81
 वी० ग्रनन्तमूर्ति 	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	3-12-81
 पी० जे० भ्रय्यर 	नागर विमानन विभाग, नई विल्ली	10-11-81
7. एन० शंकर	रेडियो निर्माण विकास एकक, नई दिल्ली	19-9-81
8. एस० पी० जैन	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	29-10-81
9. क न्हैया लाल	रें <mark>डियो निर्माण ग्रौर विकास एकक, नई दिल्ली</mark>	19-9-81
 एस० सी० दुरैजा 	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	29-10-81
1. एस० के० शर्मा	वैमानिक सं चा र स्टेशन, पालम	19-9:81
2. रवि प्रकाश	क्षेत्रीय निदेशक क। कार्यालय, दिल्ली	29-9-81
3. डी० के० शर्मा	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दिल्ली	14-12-81

प्रेम चन्द सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक

सं० 1/342/82-स्था०-विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० श्रार० श्रीनिवासन् को 1 जून, 1982 के पूर्वाह्न से श्रागामी भादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा उप निदेशक (प्रशा०) इते महानिवेशक

वन ग्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 29 जुलाई 1982

सं० 16/383/82-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहरादून, श्री एम० सी० गोयल, स्थानापश्च लेखाधिकारी (एन० वाई०ए०), नियंत्रक रक्षालेखा (मुख्यालय), नई दिल्ली को वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय, वेहरादून में दिनांक 18 जून, 1982 की पूर्वाह्र से आगामी आदेणों तक सहर्ष लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 31 जुलाई, 1982

सं० 16/306/78—स्थापना—I--श्री मानस रे का केन्द्रीय सूचना सेवा जो कि भारत सरकार के सूचना खौर प्रसारण मंद्रा-लय के ग्रधीन हैं, में ग्रेड गृतीय के पद पर चयन होने के फलस्वरूप ग्रध्यक्ष वनग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून उन्हें 31 जुलाई, 1982 के ग्रपराह्न से बन, ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहायक प्रचार व सम्पर्क ग्रधिकारी के पद को कार्यभार से सहर्ष मुक्त करते हैं।

रजत कुमार कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमाशुल्क का कार्यालय बंगलीर-560001, दिनांक 28 मई, 1982 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

मं० 2/82—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ताश्रों को, उनके अपने-श्रपने श्रधिकार क्षेत्र में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 56 'क' के विभिन्न उपनियमों के श्रधीन समाहर्ती की शक्तियां प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

भ्रार० एन० शुक्ल समाहर्ता केन्द्रीय उल्पादन शुल्क बंगलौर

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 श्रगस्त, 1982

सं० ए०-32011/1/81-स्था०-5(खण्ड-दो)--विभागीय पदोन्नति समिति (युप ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेणक/सहायक इंजीनियर के पद पर तदर्थ आधार पर स्थाना-पन्न रूप में कार्यरत, हैं, निम्नलिखित अधिकारियों को रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नामों के सामने दिखाई गयी तारीख के (पूर्वाह्न) से उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :--

3 50	मं ०	नाम		ऋतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीयसयर के रूप में नियमित हो जाने की तारीख
	सर्व	श्री		
1.	. एस०	एन ०	लाल	29-7-81
2.	एन ०	सी०	गुप्ता	29-7-81

1 2	3
3. ग्रार० सी० मल्होता	29-7-81
4. बो० सयामन	6-9-81
श्रार० के० पाल	1-10 81
 भ्रार० बी० सोनी 	18-10-81
7. डी० एस० श्रग्रवाल	1-1-82
8. बी० बी० सिंह	7-182
9. डी० एन० सचदेव	15-2-82
0. ए० एल० झुरानी	15-2-82
l 1. गुलजारी लाल	1-3-82
।2. एँम० जी० पाण्डे	3-3-82
. ३. ग्राई० एस० गुप्ता	1-4-82
4. एस० नम्बूद्रिपाद के० एस०	1-5-82

उपर्युक्त भ्रधिकारीगण केन्द्रीय जल भ्रायोग में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीखों से दो वर्षों की भ्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

> ए० भट्टाचार्य श्रवर सचिव केन्द्रीय जस श्रायोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 5 ग्रगस्त 1982

सं०-22/6/81-प्रशा०-I(ब)---श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्द्वारा श्री श्रार० के० राय, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग-ख) सेवा में श्रतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक श्रभियन्ता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में, 30 जून, 1982 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रावेशों तक नियुक्त करते हैं।

एस० विश्वास श्रवर सचिव

विधि न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और जिंक आक्साइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रगस्त 1982

मं० 29354/560(3)—कम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर जिंक श्राक्साइड इण्डिया प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर श्रक्षय कुमार पाल (मैन्युफैक्चर्रस) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 श्रगटन 1982

सं० 26492/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर श्रक्षय कुमार पाल (मैन्युफैक्चर्रेस) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० **प्रा**र० वि० वि० सत्यनारायन ∮ कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम वंगाल

श्रायकर विभाग

श्रायकर ब्रायुक्त का कार्यालय कोच्चिन, दिनांक 26 जून 1982

सं० 1/1982-83--आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (ग्रिधि-नियम 1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (I) के अनुसार मुझे प्रदत्त ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, श्रायकर ग्रायुक्त, कोच्चिन, एतद्द्वारा मैं 'श्रायकर कार्यालय, सर्वे सर्किल-1 एरणाकुलम' नामक एक नया कार्यालय का सृजन करता हूं। इस कार्यालय में नियुक्त श्रायकर ग्रिधिकारी को 'श्रायकर ग्रिधि-कारी, सर्वे सर्किल-1, एरणाकुलम' नाम से माना जायेगा। इस कार्यालय का पता निम्नलिखत है:--

श्रायकर कार्यालय, सर्वे सर्किल−1, वारियम रोड, एरणाकुलम, कोच्चिन−682 016 । यह श्रादेश दूसरी तारीख, श्रगस्त 1982 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा ।

सं० 2/1982-83-आयकर प्रधिनियम 1961(1961 का 43) की 124 वीं धारा की उपधारा (I) के प्रनुसार मुझे प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उकत धारा 124 के प्रनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाश्रों का प्रधिक्रमण करते हुए, ग्रायकर ग्रायुक्त, कोन्धिन, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न श्रनुसूची को कोलम (3) में बताये हुए ग्रायकर ग्रधिकारी 2 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से कोलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्य-क्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी ग्रादि कोलम (4) में दी गई हैं:---

श्रनुसूची

कर मण्डल का नाम श्रायकर श्रधि- क्षेत्राधिकार
सं० कारी का पद
संशा

1 2 3 4

1. सर्वे सर्किल-J, श्रायकर श्रधि- (I) 2 श्रगस्त, 1982
एरणाकुलम कारी, सर्वे से श्रालुवाय,

1 2	3	4	1 2	3	4
सर्किस-1 एरणाकुल		एरणाकुलम भीर मट्टान्धेरो के आयकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सभी मामलों का निर्धारण या निर्धा- रिति आयकर के सर्वे सकिल एरणाकुलम करेगा। (II) आलुवाय, एरणाकुलम तथा मट्टान्चेरी के प्रायकर मंडलों के प्रायकर मंडलों के प्रावेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण के फलस्वरूप प्रविष्कृत सभी नई निर्धारित।		. (II)	के प्रावेशिक क्षेत्रा- धिकार के प्रंतर्गत सभा मामलों का निर्धारण या निर्धा- रिति धनकर के सर्वे सिंकल-1, एरणाकुलम करेगा। निर्धारितियों की सूची में जो भ्रालुवाय, एरणा- कुलम तथा मट्टान्वेर्र। के धनकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्राधिकार के ग्रंतर्गत भ्रायेगा उन सभी मामलों का निर्धारिती भ्रायकर के सर्वे सिंकल-1,
		(III) सभी निर्धास्ती— जिनके मामले 1961 के ग्रायकर ग्रधि- नियम को धारा 127 (1) के अनुसार ग्रायकर श्रिधिकारी को हस्तान्तरित किये जाते हैं।		(III)	एरणाकुलम करेगा । सभी निर्धारिती जिनके मामले 1957 के धनकर ग्रधिनियम की धारा 8-वी के ग्रनुसार धनकर ग्रधि- कारी को हस्तान्तरित किये जाते हैं।

सं 3/1982-83-धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) की 8ए धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदक्ष अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस कार्यालय के समय समय पर स्वित पुरानी सूचनाओं का अधिकमण करते हुए धनकर श्रामुक्त कोचीन, में निवेश करता हूं कि संलग्न श्रनुसूची की कोलम (3) में बताये हुए धनकर श्रधिकारी 2 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्न के कोलम (4) में बताये हुये कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कोलम (4) में दी गई हैं:—

ग्र**न्**सूची

ऋम संख्या	मण्डल का नाम	धन-कर श्रधिकारी का पद संज्ञा	क्षेत्राधि कार
1	2	3	4
	ार्षे सर्किल-1 १ रणाकु लम	धनकर ग्रधिकारी सर्वे सर्किल-I एरणाकुलम	(I) 2 अगस्त, 1982 से ग्रालूनाय, एरणा- कुलम और मट्टा- म्बेरी के धनकर मंडलों

सं० 4/1982-83—-उपहारकर श्रीधिनयम 158 (1958 का 18) की 7ए० धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस कार्यालय के समय समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए उपहारकर श्रायुक्त, कोच्चिन, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न अनुसूची की कोलम (3) में बताये हुए उपहारकर श्रिधकारी 2 सक्त, 1982 के पूर्वाह्न से कोलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कोनम (4) में दी गई हैं:—

ग्रनुस्षी

ऋ० सं०	मण्डल का नाम	उपहा र कर श्र धिकारी का पद संज्ञा	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
	सर्वे सर्किल-I, एरणाकुलम	उपहारकर ग्रधिकारी,	(1) 2 मगस्त, 1982 से म्रासुवाय, एरणा-

1

सर्वे सक्तिल⊸!, एरण≀क्लम

3

2

4

भुलम भीर महान्वेरी के उपहारकर मंडलों के प्रावेशिक क्षेता-धिकार के अन्तर्गत सभी मामलों का निर्धारण या निर्धा-रिति उपहारकर के सर्वे सकिल, एरणा-

(II) प्रासुवाय, एरणाकुलम श्रौर मट्टान्वेरी के उपहारकर
मण्डलों के प्रावेशिक
भेत्राधिकार के श्रन्तगैत सभी निर्धारित
जिनके कर-निर्धारण
श्रभी तक श्रायकर
या धनकर के विषय में
नहीं किया है।

1 2 3

(III) सभी निर्धारिति
जिनके मामले 1958
के उपहारकर अधिनियम की धारा
7 बी० के अनुसार
उपहारकर प्रधिकारी को हस्तान्तरित

सं० 5/1982-83-मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, कोण्यिन, एतद्वारा दूसरी तारीख अगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से ए० और बी०-वार्ड, सर्वे सर्किल, एरणाकुलम के आयकर अधिकारी का कार्यालय समाप्त करता हूं।

> बी० जे० चाक्की श्रायकर श्रायुक्त कोच्चिन

प्रक्य आहं. टी. एन्. एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

वीयकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

िनि**द**ेश् सं. चण्डी/178[/]81-82——अतः मूक्षे, सूखदेथ् इन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 80 है तथा जा सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1981

क अधान, तारील नवस्वर, 1981 को पृथों के तारील नवस्वर, 1981 को पृथों के तारील के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की गानत, उक्त जिम्हियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व के कमी करने या उत्तसे वजने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूजिधा के लिए;

1. श्रीमित पूष्पलता कपूर, सिस. रजनी कपूर और मिस. मिनाकशी कपूर माध्यम श्री मोहिन्द्र कपूर निवासी 1128, सैक्टर-21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्सरक)

2. श्री फूल चन्द गर्ग और श्रीमित मन्जू गर्ग, निवासी 1128, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 सिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवाँका, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 80 सैक्टर 33-ए. चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 1285 न्वम्बर, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

> स्**खदेव घन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीव : 3-8-1982

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज., लिभयाना

> . लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निद्देश सं. लुधि./199/81-82--अतः मुफे, स्खदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 155 जी. है तथा जो (प्लाट क्षे. 400 व. ग.) भाई रणधीर नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ल्धियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में

नतः, अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- श्री कृष्ण लाल छाबड़ा सपूत्र श्री शोभा राम निवासी 127-1, सराभा नगर, लूधियाना । (अन्तरक)
- 2. स./श्री नरोश कामार और परसोतम लाल सप्त्र श्री अभीर चन्च सुप्रत्र श्री राम प्रताप, निवासी 33-ए, एक्सटोशन इंडस्ट्रीयल एरिया-ए, लूधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं. 155 जी. (प्लाट क्षे. 400 व. ग.) भाई रणधीर सिंह नगर, लुधियाना ।

(जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी लुधियाना के कार्या-लय के विलेख संख्या 10746 अक्तूबर, नवम्बर 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्ख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्रम (निरीक्षण) अर्जन रंज, ल्थियाना

ता्रींब्: 3-8-1982

प्रकृप आहा. टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2**69-ष (1) के अभीन मूच**ना

भारत मरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज., ल्धियाना

लिध्याना, विनांक 3 अगस्त 1982

निदांश सं. चण्डी 186/81-82--अतः मुभ्ते, स्खदांव चन्दः

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 153 है तथा जो सैक्टर 36-ए, घण्डीगढ़ मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उनन श्रन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जाना चाहिए था, छिपाने मों सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. कै. बलदेव राज सभरवाल सपूत्र श्री डी. आर. सभरवाल निवासी 7, बिज पूरी, सामने डी. ए. बी हायर सैकंडरी स्कल (ख्वाय) यम्ना नगर (हरियाना)

(अन्तरक)

2. (1) मिसीज कृष्ण कुमारी जावला पत्नी श्री एम. एस. चावला (2) मि. आशा लिखी पत्नी श्री एस के लिखी, (3) मि. शकुन्तला देवी पत्नी श्री अमर नाथ, सभी निकासी मकान नं. 10 (टाइप-3) टी. टी. टी. आई., सैक्टर 26, चण्डीगढ़ (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट न : 153 सैक्टर 36-ए, चुण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1403 नवस्बर, 1981 के अधीन वर्ज हो)।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्नक्षण) अर्जन रजे, लुधियाना

तारीख : 3-8-1982

सखदेव

प्रख्य आई० टां० एउ० एम०---

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के श्रशीन मूचनः

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लूधियाना लूधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदंश सं. चण्डी./177/81-82---अनः मुफ्ते,

चन्त्र,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध्य के अधीन मक्षम प्राप्तिकारी को, यह विक्वास भरने
का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिनस उतिन वाजार
मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2189 है तथा जो सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिणित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का खिलत जाजार मूल्य हसके दृश्यमान पतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हिंदी (अन्तरिती की बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय प्रामा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से पन्त अन्तरण निक्कित में वास्तरित का में किया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से पन्त अन्तरण निक्कित में वास्तिक का में किया गयी जिया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी आग की कावत, उकत ग्राधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वाधित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रहर धारितयों को, जिन्हें भारतीय अयक्तर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अर-कर ध्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रात. श्रात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपनारा (1) के स्थीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, व्यक्ति :--- श्री सूरिन्द्र सिंह कडे, निवासी 11 के. एम. कलोनी, भिवानी।

(अन्तरक)

2. श्री बलदोव सिंह, किशन काटाज, दल्त रोड, मोगा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (म) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; को भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजप**द्ध** में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्बक्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहक्ताजरी के गास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उपत प्रक्षिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिकाधिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं. 2189 सैं<mark>क्टर 35-सी, चण्डीगढ़।</mark>

(जायदाद जो कि रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-लय के विलेख संख्या 1287 त्वम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्बद्धे **चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

नारी**ल** : 3-8-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)**

अर्जन रॉज, ल्धियाना,

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश मं. चण्डी/175/81-82---यतः म्फे, स्ख्देव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की कारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुष्ण में अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं. 1509 हो नथा जो सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ सो स्थित हो और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हो, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ सो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर 1981

को प्रविक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 3—216G1/82 में रमेश गोहन कोशल, गांव व डाकसाना जलाड़ी तहसील व जिला हमीरपुर।

(अन्तरक)

 श्री एच एन महिता सप्त श्री बी एन महिरा, निवासी हरी विला, क्रामणदी, शिमला-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुतादत ज्यक्तियों भी में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहम्साक्षर। के पास निस्तित में किए जा सकरी ।

स्पाकतीकरणः --- इसमे प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट न : 1509; मैक्टर 33-डी, च्एडीगढ़ मं है। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीटेन्स अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-लय के विलोग संस्था 1274 गवस्थर, 1981 के अधीर दर्ज हैं)।

> स्य देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख् : 3.8-1082 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदंश सं. चण्डी /179/81-82 — यतः मुभ्के, सुखदंव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिस्की संख्या एस सी एफ साईट न . 311 है तथा जो मोटर मार्कीट मनी माजरा, यूटी चण्डीगढ़ के स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त नंपतित् को उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद् पाया गदा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कसी करने या उससे वचने को स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री के. एल. धवन सपुत्र श्री हांस राज मार्फात सौंट्रल बौंटा आफ इंडिया जागा पूराना (पंजाव)

(अन्तरक)

 श्री दल्जीत सिंह सप्त्र स महेर सिंह निवासी 10., टिबर मार्कीट, चण्डीगढ़।

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूच्ना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारिष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस सी एफ साईट न. 311, मोटर मार्कीट मनी माजरा, यूटी चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डी-गढ़ को कार्यालय को विलेख संख्या 1286 नवस्बर, 1981 को अधीन दर्ज है।।

> स्ख देव चन्द सक्षम ऋधिकारी सहारक आयकर आयक्द (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

अतः अदा, उक्तः जिल्लिन्स की धारा 269-ग के अवसरण मों, मो, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उषधारा (।) के अधीन, निम्दलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख : 3-8-1982

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लुधियाना,

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निवांश ग. चण्डीगढ़/192/81-82--यतः म्भे, स्खदाव चन्व,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-बी के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कोठी नं. 37 है तथा जो सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मां और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालया, चण्डी-गढ़ मों रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नव्म्बर 1981

को पृणिक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में. मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मोहन सिंह सप्त्र श्री निरन्द सिंह निवासी मंकान न . 37 , सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती जसप्रीत काँग पत्नी श्री हरजीन्दरजीत सिंह श्री हिम्मत सिंह सप्त्र श्री हरजिन्दजीत सिंह निवासी मकान न 114., सैंक्टर 28-ए, चण्डीगढ । (अन्तरिती)
- 3. उपरांक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी अरके प्रतिकत सम्पन्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उस्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कीद भी धाक्षेप :--- 🗥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
 व्यक्तियों में य किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित पा हिन्द्रद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

कोठी न. 37 सैक्टर 10-ए चण्डीगढ़ में स्थत है।

(जायदाद जां कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोध संख्या 1441 नवम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्ख दोव **चन्द** सक्षम **अधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्**धियाना**

तारील् : 3-8-1982

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

अ।यकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज , ल्थियाना ,

लिधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निवांश सं. चण्डी/184/81-82--यतः म्भे, स्वदेश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3145 है तथा जो सैक्टर 21-डी, जण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्याल्य, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को एवाँ जिल सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से काम के दरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्मह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाब्स,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृज्धा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री वेद प्रकाश काँशल सपूत्र श्री मोहन लाल मार्फत एस सी एफ नं. 20, सैक्ट. 26 मध्य मार्ग चण्डी-गत।

(अन्तरक)

2. श्री जं. पी. पाठक सपूत्र स्व. श्री बंशी लाल श्रीमती विव्यातित विश्वा श्री बंशी लाल और श्रीमित स्वीता पाठक पत्नी श्री जं. पी. पाठक, सभी निवासी कोठी नं. 39 सैक्टर 27, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

*3. श्री हर बिलाम निवासी मकान न . 3145 सैक्टर 21-डी. चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुं ।

> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अनुसूची

मकान नं. 3145 सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 1313 नवम्बर, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

> मृत्यदेव च**न्य** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)^{हे} अर्जन रंज, लूधियाना,

तारील् : 3-8-1982 ----

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा, लिधियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निवंशु सं. चण्डी/199/81-82—अतः म्फे, स्ल दंश चन्दः, झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उच्चित बाजार मूल्य

25,000/ रु. से अधिक हैं।

अरि जिसकी संख्या प्लाट न. 357 ही तथा जो सैक्टर 38-ए चण्डीगढ़ में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवस्वर 1981

को पूर्वो केत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंन्सह प्रदिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की अवत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1522 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्पृक्तियों, अर्थात्ः— श्री बलायती सम सप्त्र स. बाब् राम माध्यम श्री रणजीत गर्ग सप्त्र श्री दीला राम्, मकान नं 400, सैक्ट. 38-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री राज क्षमार समृत्र श्री ह्याम चन्द्र निवासी मकानं नं 115 मिरहिन्दी गेट, पटियाला।

(अन्तरि**ती**)

को यह सचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत त्र्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सकोंगे।

स्थक्टीकरण:—हमभें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 357 सैक्टर 38-ए चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-लय के विलेख संस्था 1485 नवम्बर , 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्ख दंघ चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, ल्धियाना

ता**री**ष् : 3-8-1982

प्ररूप आर्घ.टो. एन. एस. ------

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लुधियाना

ल्थियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदंश मं. चण्डी/181/81-82---यतः म्फॅ, सूखदंथ चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. में अधिक हैं।

अरि जिसकी संख्या मकान नं 670 है तथा जो सैक्टर 33 वी चण्डीरहा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मून्य, उन्नके उश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीन एमे उन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल जिल्लानिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लात में बास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्थ में कभी करने या उससं अधने में सुविधा के सिए; और/मा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृष्धा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनियत व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री बलवन्त सिंह संपुत्र स. लाल सिंह निवासी 1103 सैक्टर 19-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

श्री राजन खुल्लर
 श्री रामन खुल्लर
 श्री रमेश खुल्लर
 सभी निवासी काल्लू मकान पटेल नगर हांशियारपूर।
 (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे!

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकानं नं. 670 सैक्टर 33 वी, वण्डीगढ़ में हैं। (जायबाब जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. 1303 नवस्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सूल क्षेत्र कन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुभियाना

तारी**ख** : 3-8-1982

मांहर:

प्रकृष् बाह्री, दी, एतु, एस्.-----ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ~ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ल्धियाना ल्रिधयाना, दिनोक 3 अगस्त 1982 निवोश सं. चण्डी/176/81-82--अतः मुक्ते, स्खदोव चन्द्र,

श्रायकार निर्मानयम, (18) (196) का 40) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1657 है तथा जो सैक्टर 33-डी, वण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1981

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिश्व के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स गंपीन्त का उचित याजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिश्व से एमे दश्यमान प्रतिश्व का पन्ने दश्यमान प्रतिश्व का पन्ने इश्यमान प्रतिश्व का पन्ने इश्यमान प्रतिश्व का पन्ने इश्यमान प्रतिश्व का पन्ने इश्रीतश्व से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्ति विका स्था में किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कर्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः **श्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण** मीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिख अर्था काया असीत .- - मेजर बलदन्त सिंह सपूत्र सं. दयाल सिंह, निवासी ए-97 नण्डी मन्दिर, हरियाणा।

(अन्तरक)

थीमती अमर कार पत्नी स. उत्तम सिंह, निवासी 1627, चण्डीगढ़, श्री उत्तम सिंह सपूत्र स. सन्दर सिंह, निवासी 7-सी चण्डीगढ़, श्री बलराज सिंह सपूत्र स. दर्शन सिंह, श्री बलहार सिंह सपूत्र स. जगत सिंह, निवासी 79 सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध् या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नं. 1657, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (आयवाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलंख संख्या 1276 नवस्वर, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

> सुसदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज,, ल्लियाना

ना**रील** : 3-8-1982

मंहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्*व*स (निरीक्षण) अर्जन र^{चे}ज्, लिधियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निद्श मं. चण्डी/174/81-82—अतः मुभ्ते, सूखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य

और जिसकी सं. मकान नं. 3087 है तथा जो मैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ में रिश्वत हैं (और इससे उपावत्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),, रिजस्ट्रीकती अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1981

25,000/- रतः सं अधिक **ह**ै

(1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1981 को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में धास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार। (1) के अधीन, निम्नि तिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती शान्ति दोवी पत्नी श्री नौराता राम, निवासी भकान में 3087 शंबदर 97-की, चण्यीगढ़। (अन्तरक)
- श्री सतपाल सप्त्र श्री तारा चन्द और श्रीमती उर्मिला रागी गत्नी श्री इंग्वर चन्द, नितामी 3314, सैक्टर 27-डी, चण्डीगृढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भुचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंत्र में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--क्ष्ममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया गारही।

अनुसूची

मकान नं. 3087, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ में है। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1256 नवम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्यद्वेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, लुधियाना

तारील : 3-8-1982

प्ररूप आइ . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज., लिधियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निवंश सं. चण्डी/173/81-82—-अतः मुभ्रे, सुबवंध आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. भव्यान नं. 1275 है तथा जो संकटर 22-बी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, नारीस नवम्बर, 1981 को पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

- श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र स . हजारा सिंह, निवासी 1275, सैक्टर 22-बी, चण्डीगकु। (अन्तरक)
- 2. श्री दलजिन्द्र सिंह सप्त्र श्री भगवान सिंह, नियासी गांव बहुलाना, तह्सील खरड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कांई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

मकान नं 1275, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1254, नवम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सू**षदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज., लुधियाना

तारीख : 3-8-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकार आयक्त (निर्देशण)

अर्जन राजा, लाभियाना

ल्धियाना, विनाक 3 अगस्त 1982

निर्दोश मं. चण्डी/195/81-82--अत: म्भे, म्खदीव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1108 है तथा जो सैक्टर 34-सी, ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिम है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्लिय में अस्तिया का स्वार्थिक कर से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उन्नर्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या ितसी धन या अन्य अधित्यों की जिन्हों भारतीय आय-वार अधिरियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भी सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भंजर चन्न सिंह बराइ सप्य श्री १८१न सिंह, निकासी मकान नं. 69 दीसाल, अस्वाला कटै।

(अस्तरक)

- -2 . (1) श्रीमती हरबन्य कारे पत्नी श्री राम सिंह
 - (2) श्री जगजीत सिंह
 - (3) श्री मनजीत सिंह सप्त्र श्री राम सिंह

निवासी 1108, सक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रांक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्तिय स्वारा
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखन में किए जा सकोंगे ।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

महान नं . 1108, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगृह के कार्यालय के विलेक संख्या 1462, राजम्बर . 1981 के अभीन वर्ष हों)।

> स्यदंव दन्द सक्षम गानिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लेधियाना

तारील : 3-8-1982

सोहर :

प्ररूप आइ'.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

िनिक्का मा. चण्डी/198/81-82---अतः मूक्के, सुखदायः, बन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मं. नं. 1108 में ई हिस्सा हो जो सैक्टर 34- विण्डीगढ़ में स्थित हो (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में दर्णित हो)., रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीय स्वम्बर, 1981

(1908 का 16) के अधीन, तारीय नवम्बर, 198। को प्रतिकत संपितित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रविकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल है एमं दश्यमान प्रतिकल के पनदह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एस अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिकान, निभगीजिया उद्योदय में अन्तरण जिल्लिया में पाम्तिक रूप में दाश्यत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की आयत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिन्यम को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :---

- मंजर चनन सिंह सप्त्र श्री लाल सिंह, निवासी 69, दी माल, अम्बाला काँट।
 - (अन्सरक)
- 2. श्रीमती हरबन्स कोर पत्नी म. राम सिंह मृ. श्री जगजीत सिंह और मनजीत सिंह, मप्त्र श्री राम सिंह निवासी 1108, मैंक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख स 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपण मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति मा हित- वद्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास कि सित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं 1108, सैक्टर 34-सी., चण्डीगढ़ में आधा हिस्सा है। (जायदाद जो कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1478 नवम्बर, 1981 के अधीन दर्ज है।।

स्खबेब चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रजे, लुधियाना

नारीख : 3-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज,, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदोश सं. चण्डी/197/81-82---अतः मुभ्ने, सुसदोव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर राष्ट्रित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं. एस सी एफ नं. 43 है तथा जो सैक्टर 7-सी, नण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवस्बर, 1981

(1908 को 16) के अधान, तारास नवस्थर, 1981 को पूर्वोक्स सम्पित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण सें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिसिस व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--

 श्री भदन मोहन कालिया, निवासी नं. 1501..: सैक्टर 7, वण्डीगढ़।
 (अन्तरक)

 श्रीमती सबरन दंबी कालिया, निवासी एस सी एफ नं. 43, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

एस सी एफ नं. 43, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ मों स्थित है। (जायवाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेस संख्या 1474, नयम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लिथियाना

तारीख : 3-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज., लिधियाना

ल्धियाना, दिनोंक 3 अगस्त 1982

ं निदंश सं. चण्डीर/194∞81-82−⊷अनः स्के, सुखदात्र चन्द.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार स्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. 1183 ही तथा जो सैक्टर 37-बी, जण्डीगढ़ में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप सं विर्णत ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस नयम्बर, 1981

त्रावालय चण्डागढ़ में राजस्त्राकरण जायागयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस नयम्बर, 1981 को एबींक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूति अ्था, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

 मिसज सन्तीय पत्नी श्री प्रमेपाल सिंह, निवासी प्रकान नं. 1226., सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ शाध्यम श्री महाबीर सिंह वालिया सपुत्र श्री लाभ मिह, निवासी मकान नं. 1048, सैक्टर 37, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री छांटा राम, निवासी गांव बटराल, युटी, चण्डागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकं पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं 1183, सैक्टर 37-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1450 नवस्बर, 1981 के अधीन दर्ज है)

सूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 3-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निवंश सं. चण्डी / 188 / 81-82 — अतः मुक्ते, स्वदंब चन्द, ग्रायकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनके प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पांत जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र∙ से

और जिसकी स. मकान नं. 325 है तथा जो मैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एण रूप य विणित है), रिजस्ट्रीकरीं अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीण नवस्वर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दश्यमान प्रतिकत् के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीन एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात कल निम्मिलिशिक वृद्धाय में उसत अन्तरण लिखित में वास्तियक कल मिम्मिलिशिक वृद्धाय में उसत अन्तरण लिखित में वास्तियक कल में से किया गया हैं:—

- (क) ज्ञारण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त गणि-नियम के प्रश्नीत कर देने क प्रस्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे अपने में सुविधा के लिए। ग्रीर/मा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मं, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दोवान चन्द गृप्ता सप्त्र श्री प्यारं लाल, निवासी 325, सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ अब नई दिल्ली। (अन्तरक)
- मिसण स्नीता सदान पत्नी श्री विरिन्द्र सदान, निवासी 121 सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ। अब निवासी सकान नं 325, सैक्टर 32-ए, सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़।
 (अन्तरिती)

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना तारो करह पूर्णस्य सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है -

उनन पम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्माध्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना को तामील थे 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समापा होता औ, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म राकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 15 दिन के भीतर उना स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी यन्य व्यक्ति झारा अधोहस्ताक्षरी के यस लिखित में किए या सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जा जस अध्याय में विया गया

अन्सूची

मकान नं. 325 सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ मो स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 1415 नवम्बर, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्बद्देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज, लुधियाना

तारीय : 3-8-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदंश सं. चण्डी/172/81-82--अतः म्फे, स्खदेव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. मे अधिक है

और जिसकी सं. बंगला नं. 24 है तथा जो सैक्टर 5, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से. एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्द अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 11) के अधीन, निम्नलिंगित व्यक्तियां, अर्थात् :--

1. भीमती बसन्त कारे राए और श्रीमती चरणजीत कारे मा न, निदासी 9, राज निदान मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली-110054।

(अन्तरक)

2. मै. दौनी प्रिमिन प्रोडक्ट (प्रा.) लिमिटोड, सी-37 टानाट सर्वास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अविध बाद में समान होती हो, के भीर पर्वावत व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधार स्ताशरी के पान लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं 24, सैक्टर 5, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलंद संस्था [166, नवम्बर, [ए०८] के वसीन दर्ज हैं]।

> स्खदोव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज., लुधियाना

तारीख : 3-8-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1982

निवंश सं. 9547—यतः म्फो, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 522 है तथा जो गांधी रोड, कानचीपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानचीपुरम (डाक् मेंट सं 1701/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1931

नश्च पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे कास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त इधिनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने पें स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्धार → (1) श्रीनिवासन तमलनाड् स्टोट, सिलक।

(अन्तरक)

(2) मारकंटिंग फेंडरेशन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण-522, गांधी रोड, कानचीप्रम (डाक्रू-संदिसं 1701/81)।

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर यायुक्त (निरीक्षण), अुर्जन रॉज-11, मद्रास

नारी**ख** : 17-7-1982

प्रस्तप आहुर, टो. एन. एस. ------

(1) रामस्तामी और कष्नस्तामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

(2) गीता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1982

निद्शेष सं . 11731--यतः मभ्ते, आर. पी. पिल्ली, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं सर्वे नं 433 है तथा जो टोलुनगुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबवुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टूर (डाक् मेन्ट सं 5157/81) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कते संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदब देय से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

का यह सुचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**ः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं उर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि-सर्वे नं. 433, टोल्नग्पालयम (डाकमेंट सं. 5157/81) (

> आर.पी.पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 12-7-1982

मोहर :

बत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

-216 GI/82

त्ररूप आई. टी. एम. एस.

भारा 269-वा (1) के ज्योन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ट्रॉज-।।, मद्रास

मम्रास, विनाक 12 जुलाई 1982

निविध सं 11731--यतः मुक्ते, आर पी. पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रतः से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 433 है तथा जो टेलूनगुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबट्टार (डाक मेन्ट सं. 5158/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के रुचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसको रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रसि-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एयम बचने यें मृतिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आरिसयों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री वी. एस. कृष्नस्वामी श्री वी. एस. रामस्वामी

(अन्सरक)

(2) श्री आर. सुबब्लकशमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

अनुसूची

भूमि—सर्थं नं 433, टोलुनगुपालयम (डाकूमेट सं 5158/81)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-११, मद्रास

त्रारीव : 12-7-1982

मोहर 🤢

प्ररूप आर्घ . टी . एन् . एस . ------

अभासकर् अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1982

निवेश सं. 11731——यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 433 है तथा जो टोलूनगुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजम्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबट्टूर (डाक्ट्रमेंट सं. 5159/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1981

को पूर्वो क्ल सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बोच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पत्या गया प्रतिकल, जिम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअस, उसस अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आर. बारती

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्नस्वामी श्री रामस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी साक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्स स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि-सर्वे नं 433, टल्र्न्गूपालयम् (डाक्र्मेंट सं ः 5159/81)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।।, मन्नास

तारीब : 12-7-1982

मोहर 👙

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस•⊸⊸

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 26%-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज-।।, मन्नास

मद्रास, विनाक 17 जुलाई 1982

निदोश सं. 9538—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही) की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 21 है तथा जो हासपिटल रोड, तुरौयूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तूरौयूर (डाकू-मेंट सं. 3048 और 3049/81) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह पतिशत श्रिक्ति है भीर भन्तरिक (श्रन्तरिकों) थे भन्तरिती। (श्रन्तरितियों) थे बीच ऐसे श्रन्तरिण के लिए अप पाया गया प्रतिफल, निम्नांनिखन उद्देश्य मे उचन श्रन्तरण । तिखन में यास्तविक स्था से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरणात हुउ किसा धान को बाना अन्त थाध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एमो किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय. गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) अनगम्माल और अदर्स

(अन्तरक)

(2) सौठामिबका ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाणन की तारीख में 4: दिन के भीतर जान स्थावर सम्मिन में हिनवद किसी श्रन्य व्यक्ति हाथा. प्रवोहम्नाक्षरी के पात लिखिन में किए जा सकेंगे:

स्वड्रीकरण :--इसमें प्रवृता तन्नां और वर्तो का, जो उनत अहि-नियम के प्रध्याप 20 के में परिभाषित हैं, वड़ी मर्थ होगा, जो उन श्रष्ट्याय वें दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-21, हासपिटल रोड, तूरैयूर (डाक्र्मेंट सं. 3048, 3049/81)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजु-।।, मद्रास

तारी**ल** : 17-7-1982

भोहर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिरायुम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजनार, मद्रास

मन्नास, विनांक 12 जुलाई 1982

निदोश सं. 11717—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सैट सं. 10 ही तथा जो अनुप्परपालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट्रूर (डाकूमेंट सं. 6147/81) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्य से हुई किसी आयुकी वाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— (1) श्री के विजयरागवन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमुक मारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी. एस. 8/1, सैंट सं. 10, अनुष्परपालयम, कोयम्बट्टूर (डाकर्रूमेंट सं. 6147/81)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास्

सारी**स** : 12-7-1982

भोहर 🗧

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मकास

मद्रास, विनाक 17 जुलाई 1982

निद्शेष सं. 16734--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, श्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनन मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25.000/- ६० से श्रिक है

और जिसकी सं. सर्वं सं. 91/2ए हैं तथा जो कपालीस्वरर नगर, नीलनकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैदापेट (डाक्रूमेंट सं. 4332/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यभान निए ग्रन्तरित प्रतिफल के गई है श्रीर नुझे बहु ख़श्वास करने का धारण यश)पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार दश्यभान प्रतिकल ा, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पग्नुह प्रतिशत से अधिक इं श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य स उथत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिं। नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्राप्त-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (स्र) ऐसी किसी अगय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनायं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सूर्थात् :---

(1) आर. एम. सी. टेंडरस

(अन्तरक)

(2) यनानसलेवमा फेरनांठा और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में काई भी ग्रार्क्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वाराः
- (ख) इस अवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के मीतर उका स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति आरा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

·प**ब्टोक्टण**:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जा उकत मधिनियम के चध्याय 20-क में यथा परिवाधित हैं, वहां क्षर्य होगा, जो उस ग्र**क्याय** विया गयः है ।

मुस्ची

भूमि–सर्वे 91/2ए, नीलनकर (डाक्नूमेंट सं. 81) 1

> आर पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्-।।, मक्रास

तारीख : 17-7-1982

प्रकप आई० टी• एन॰ एस•-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-व (1) के सभीन स्चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मक्रास मद्राम, दिनाक 12 जुलाई 1982

निद्देश सं. 11727—यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. जी. एस. 169/3, हैं तथा जो घनपृति में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धादिप्रम् (डाक्रमेंट सं. 5288/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार

मृत्य, ससके रुश्यमान प्रतिफल को, एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त लिंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड्र/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

जत्तः अब, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन्, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अधृत् :--- (1) लंब सिनग और अवर्स

(अन्तरक)

(2) श्री आर. बेन्कटस्थामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जी. एस. 169/3, घनपति कीयम्बट्टूर (डाक्र्मेंट सं. 5288/81)।

आर पी पिल्लैं ंसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।।, मन्नास

तारीब : 12-7-1982

प्ररूप माई० टी० एन∙ एस∙----

म्रायकर म्र**धिनियम, 19**6? (1961 का 43) की धारा 269-घ (२) के म्राधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।., मद्रास

मद्रास., दिनांक 9 ज्लाई 1982

निवेश सं. 11709—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त यधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/= क्पये से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 8/964 है तथा ओ इस्ट पेरिय-स्वामी रोड, कोयम्बट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाक्र्मेंट सं. 6020/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिल बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल से, एमे श्रूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रिषक है धौर अन्तरक (श्रन्तरकों) शौर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच एसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उन्त ग्रिघ-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अभ्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए ,

अतः अवः, उदत अविनियम की बारा 26क के बनुबरण में, मैं, उदत प्रविनियम की धारा 26क थकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) धालसबमनियम कमल्यमान
- (अन्तरक)

(2) बी. घुल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्विधि गानत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रस्प व्यक्ति दारा. ग्रंथों इस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त अब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-् नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा,जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि टी. एस. 8/964, ईस्ट पेरियस्वामी रांड, कोयम्ब-ट्टूर (डाकूमेंट सं. 6020/81)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र^नज-।।, मद्रास

तारीच : 9-7-1982

प्रस्त बाई॰ टी॰ एत० एस-

न्नायकर संघितिकम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) अविबल्ला और अदर्श

(अन्तरक)

(1) सिनगारम पिल्लै और अवर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1982

निदोश सं. 9539--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका छवित बाजार मुख्य 25,000/o. से अधिक हैं°

और जिसकी सं. 2/135 है तथा जो कल्लानघृठि पट्टाकोट्ट रोड, आलनघठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय आलनघुठि (डाक्रमेंट सं. 2446/81) र मे भारतीयरजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कमके प्रति वश्यमान फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापृत्रीक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान गतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेश्य से उक्त ग्रस्तरण जिल्लिन र वस्ति किया गया <u>}</u>

- (क) अन्तरम मेहुई किसी आय को बाबत उक्त बाब-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अपनी करने या उपसे अवसे में सुविधा के लिए; मीर/या
- (क) ऐसी किसी ब्राव या किसी धन या श्रम्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, को भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अधीत् :--6--216 GI/82

को यह सुचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतदुवारा कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 बिन की अवधि या तत्मंबंधी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कावित्यों में से किशी स्थित द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद किसी मन्य न्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोहरग:--इपर्ने प्रपुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त के अध्याय में 20-五 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो अक्टबाय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि और निर्माण-2/135, पट्टाकीट्ट रोड, कल्लनघुठि आलनघुठि (डाक्र्मोंट सं. 2446/81)।

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।,, मद्रास

तारील : 17-7-1982

प्ररूप आहुँ.टी.एन.एस.------

आयकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व(1) के ग्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1982

निद्येश सं. 11711—-यतः मून्ने, आर. पी. पिल्ले, गायकरं सिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के आगत मञ्जन प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिषक है

और जिसकी मं टी. एस. 9/24/2, 9/29/2 है, जो पटोल रोड, कोयमबटार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटार ठाकामोंड सं 1212/81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक एस में किया नहीं किया गए। है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई कियी प्राय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के प्रकारक के बाबिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुध्धा के लिए और/या;
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम, पा धन-कर भिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती दारा प्रकट नही किया गण चाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री परुमाल

(अन्तरक)

2. श्री वेनकटायलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्टन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त परपत्ति के प्रजैन के यम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीबा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोइस्तान्नरी के पास
 निश्चित में किएजा सर्केंगे।

स्पञ्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदो का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गरा है।

अनुसुधी

भूमि टी. एस. 9/24/2 और 4/29/2, पटोल रांड, कायमबट्र (डाक्र्सटसं. 5840/81)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मा्री**ख**ः 9-7-1982

प्ररूप कार्च, दी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जा।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1982

निदंश सं. 11720 -- यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ऑधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. 12/44 है तथा जो अलगेसन रांड टोलनगुपालयम, कोयमट्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्रार (डाक्रमन्ट सं. 5472/81) में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कि भित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की वाब्त, उन्ते वर्षिपियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भार 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्भाष्ट्— (1) श्री सौठम्माल

(अन्तरिती)

(2) श्री सिवरामन

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

भूमि - टी. एस. 12/44, अलगेसन रोड कोयमबट्टूर (डाक्नुमेन्ट सं. 5472/81)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रोजु-।।, मद्रास

तारीख : 12-7-82 -

मोहर 🗄

प्ररूप आह्र . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ा]ज, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 जुलाई 1982

निदंश सं. 11742—यतः मृश्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं सर्वे 493/3, है, जो टोलूनगुपालयम मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायमबट्टूर (डाक्रमेंट 5068/81) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 81

ति पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिनिवत में बास्तिक रूप से कृष्णित महीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाबत; उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजयक मार और करूपनं

(अन्तरक)

(2) श्रीनंनजप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारी का से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दोरा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास निव्वित में किए जा स हैं।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकासक। है।

अनसची

भूमि सरवे 493/3 टोल्लुनगृपालयम (डाक्रूमेंट सं. 5068/81)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मक्सास

ता्रीब : 17-7-1982

मोहरः

प्ररूप आहूर .टो .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 व(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मक्सस

मद्रास, 12 जुलाई 1982

निवंश सं. 11743—यत:, मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/ एउ. से अधिक ही

भार जिसकी सं. सरहं 385/3बी है, जां टोलूनगूपालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यमबट्टूर (डाकूमेंट सं. 5116, 5117, 5118/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और प्रकारक (प्रन्तरकों) भीर प्रकारित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया चया है:—

- (स) प्रश्वरण से हुई किसी धाव की वायत उपत प्रवित्यम के प्रश्नीन कर देने के धान्तरक के दावित्य में कमी करने या उपसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भेषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त पश्चिनियम, या धन-कर भीषिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) श्री बालामनि और अवर्स।

(अन्तरक)

2. श्री मनजुशाफ और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूत्रता बारी अरके पूर्वोक्त सम्पति के जर्बन के लिए कार्येगाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी भ्रम्य स्थित द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वच्छी हरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उन्त प्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमी सरवे सं . 385/3 बी, टेलूनग्पालयम (डाक्रमेंट सं . 5116, 5117, 5118/81)

> आर. पो. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्**र्जन र[े]ज्, मद्रा**स्

तारीस : 12-7-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जुलाई 1982

निदोश सं. 16807---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 6, है, जो बिनदायन स्ट्रीट मद्रास-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, मैलापुर ठाकामेड सं 2038/81 मों भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन 16 नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (न) जन्तरण वे हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ब्रीडि/या
- (का) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रावा और अवरस

(अन्तरक)

2. जं. जं. को. दुस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त स्म्पृतिस् को कर्षन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

भूमी और निर्माण-6, बूनदावन स्ट्रीट, मन्नास-4 (डाकाूमेंट सं. 2038/81)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम श्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मुभीन निम्नतिचित् स्यक्तियाँ मुर्थात् ध---

ता्रीब : 13-7-1982

मोहर∴

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मधास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1982

निदोश सं. 11721—~यतः म्फो, आर. पी. पिल्लौ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं 732/3 है तथा जो कालपट्टी में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकती अधिकारी के कार्यालय घादिपुरम (डाकूमेंट सं. 5183-5185/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत्त के लिए सन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत प्रथिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरित्यों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्न, निम्नलि इत संश्व्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उब्ह अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उदधारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रामित :-- (1) मारप्प घौड़ार और अदर्स

(अन्तरक)

(2) चिन्नस्वामी और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीतन सम्पति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन क उंबंध म कोई भो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, औ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वतिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भन्यक्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्टीकरण --इसमें प्रयुक्त गक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बही पर्य होगा, जो उस आधार में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वें सं. 732/3, काल्पूट्टी (डाक्र्मोंट सं. 5183-5185/81)।

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

तारील : 17-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

(1) सावित्री और अवर्स

(अन्तरक)

(2) तियागराजन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1982

निद्शेष सं 11710--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं 333 है तथा जो बिग बाजार स्ट्रीट, कोयमबट्टार में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबट्टार (डाकामन्ट सं. 5854/81) में भारतीय रजिस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह ्रप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सूकोंगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि और निर्माण 333,, बिग बजार स्ट्रीट, कोयमबट्टूर (डाकूमेंट सं. 5854/81)।

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, मद्रास

त्रारीस : 12-7-1982

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज, मधास

मद्रास, विनाक 12 जुलाई 1982

निवाश सं. 11710—यतः म्फो, आर. पी. पिल्लै, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके पश्चात 'उबत प्रधिनियम' कहा गया है।, की बारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- इ० से श्रीधक है

और जिसकी सं. बिंग बजार स्ट्रीट हैं तथा जो कोयमबट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबट्टूर (डाक्र्मेंट सं. 5855/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिश्वास से पिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए;

अतः अय्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अभृति :--7---216 GI/82

(1) सानित्री और अदर्श

(अन्सरक)

(2) **म**नी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितअव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगतची

भूमि और निर्माण 333, विश वजार स्ट्रीट, कोयमबट्टूर (डाक्रमेंट सं. 5855/81)।

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मग्रास

तारीच : 12-7-1982

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 14 जुलाई 1982

निव शं. 33-37/नवम्बर/81--यतः मुभी, एस. लहिरी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्व 175/1, एस. जी. एस. तियेट्टर है

और जिसकी सं. सर्व 175/1, एस. जी. एस. तियंट्टर ही तथा जो राजा तियंट्टर, संलम मंयन राड, नामखल में स्थित ही (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्य्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामखल (डाक् मेंट सं. 2238/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

(1908 को 16) के अवान, तारास नपम्बर, 1981 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किथी आय को बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) तनगम्माल और अदर्स

(अन्तरक)

(2) एम. मुरुगेसून और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृषारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-सर्वे सं. 175/1., एम जी एम तियहेटर/राजा तियहेटर संलग्न मेयन रांड, नामखल (डाक्र्मेंट सं. 2233/81)।

एस. लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे़-।, मृद्रास

तारीस : 14-7-1982

प्रस्प आई डी ∗एव• एस•--

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 260-학 (1) 학교회사 5백리

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।, मदास

मद्रास, विनांक 14 जुलाई 1982

निदंश सं. 1-4/नवम्बर $\sqrt{81}$ ---यतः मुक्ते, एसः लहिरी, भायकर प्र^{रित्र}ाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपने पश्च स् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किस्यावर सम्पति, निस्ता उचित नाजार मृत्य 25,000/- ४० से सिधक है

और जिसकी सं. सर्वे 712, 899/2, 907 है तथा जो पूर्णुलानग की उँकारल एस्टंट, के. सी. पट्टी, को ठौकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाम्बे (डाकाून मेंट सं. आर. 164-आर. 167/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियमः, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

का पृथीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उस्त खन्तरण निष्टित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने की जन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधाक विष्टु; मौर/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृन-कर मुधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव चक्त ग्रधिनियमकी धारा 268-गके अनुसरण में, में, उक्त मार्धनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) राजगोपालन

(अन्तरक)

11645

(2) विवेकानंदन और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;**
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कर्मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसु अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण्—सर्वे नं . 712 , 899/2 , 907 , पूप्पू-लानग कोठ कानल एसटेट, के. सी. पट्टी, कोठ कानल (डाक् मेंट सं. आर. 164−आर. 167 ∕81)।

> एस. लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) व्यक्ति होज-।, मद्रास

तारीख : 14-7-1982

मोहर 🏻

प्ररूप भार्द. टी. एम. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मन्नास

मदास, विनोक 16 जुलाई 1982

निक्षा सं 29/नवस्वर/81—यतः मुक्ते, एसः लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं . आर . एस . 234 ही तथा जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकारपेट (डाक्रमेंट सं . 667/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफाल से, एसे खर्यमान प्रतिफाल का पढ़ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देवश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अधीतः :-- (1) लीलावती, सुवाशिनी कोतनठरामन

(अन्तरक)

(2) पाठ्नंगन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचत संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषां कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्रह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

भूमि और निर्माण-जार. एस. 234, मद्रास (डाक्र्मेंट सं. 667/81)।

एस. लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज । , मन्नास

तारीस : 16-7-1982

मोहर ः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस∙—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदोश सं. 83/नवम्बर/81--यतः मुभ्ते, एस्. लहिरी,गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/-**रू. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट 4182, ठोर सं यू. 52 है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समिबियम (डाक्यमेंटेर्स. 5049/81) में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी कि भी अप्राय या किसी धन या भन्य अवस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः प्रव, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, में, जनत प्रधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियी प्रयति :---

- (1) एम. एल. वरगीस और एम. वी. जासफ (अन्तरक)
- (2) वी. श्रीनिवास राव और वी. मादव राव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 पिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-प्लाट सं. 4182 ठोर सं. यू. 52, अन्ना नगर, मद्रास-40 (डाक्ट्रमेंट सं. 5049/81)।

> एस. लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूजि-।, मन्नास

तारीस : 16-7-1982 मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, मद्रास

मन्नास., विनांक 16 जुलाई 1982

निद्देश सं. 42/नवम्बर/81—यतः मुक्ते, एसं. लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वें नं. 1382/809 है तथा जो रामपूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय रामपूरम (डाकूमेंट सं. 2886/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राजम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री सलीम्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अम्सूची

भूमि और निर्माण-सर्वे 1382/809, रामपुरम (डाक्रमेंट सं 2886/81)।

एसः लहिरी सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज-।, मद्रास्

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखिक व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 16-7-1982

मोहर 🛭

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 जुलाई 1982

निदोश सं. 67/नवस्वर/81—स्यतः मुक्ते, एस. लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यों में अधिक है और जिसकी सं. 39, लिंधी केटरी स्टीट ही तथा जो मदान

मूख्य 25,000/- रुप्य म अधिक द और जिसकी सं. 39, लिंधी केट्टी स्ट्रीट है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नारथ (डाक् मेंट मं. 4392/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मृत्य स कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अञ्चरित की गो है पौर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त नग्पत्ति का उचित बाजर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्राप्ति को पन्द्रह प्रतिशान से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अगरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्षितियम के प्रधीत कर देन के श्रम्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; को र/या
- (का) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

ग्रत: अब, तक्त अधिनियम की धारा 264-ग के अनुसरूण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नतिज्ञित व्यक्तियमं अथितः :---

- (1) श्री के. नेनुगोपाल, के. वासुदोदन, के. सिवा (अन्तरक)
- (2) पुठमावित

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रजेंन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्परदोकरण: --इसमें प्रयुक्त गढ़दा और पदों का, त्रो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं. वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनूसूची

भूमि और निर्माण-39, लिंघी चंट्टी स्ट्रीट, मद्रास (डाक्रू-मेंट सं. 4392/81)।

एस. लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मद्रास

तारीय : 16-7-1982

प्रकृप बाई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, मद्रास मद्रास, विनांक 15 जुलाई 1982

निदश सं. 30/नवम्बर/81---यतः मुभ्ते, रास लहिरी,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च में मभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रा. से अधिक ह"

भौर जिसकी सं 56., इरलपन स्ट्रीट, जारज टौन हो, जो मक्स में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (डाक्ट्रमेन्ट सं 670/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवस्थर 1981

का पृथों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापवा कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किह: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, क्धीत् :---

1. श्रीटी. सुरोन्द्र कामार बोकठिया

(अन्सरक)

2. श्री आर. बाबुलाल और आर. सुमरमल

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-56, इरुल्यान स्ट्रीट जारज टौन मन्नास (डाक्-मेंट सं. 670/81)

> रास लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

तारीच : 15-7-1982

प्ररूप आहू . टी एन . एस . -----

मायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-११, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 जुला**र्इ** 1982

निवाश सं. 9505—यतः मूओ, आर. पी. पिल्ल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. सं. 247 और 249 है तथा जो कटलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटलूर (डाकूमेंट सं. 2209/81) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्षर अधिनियम, या अनक्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विभा के लिए;

1. श्री सेलबराज और अदरस

(मन्तरक)

2. त्री के. एस. मृत्रकालि चेट्टियार और सनस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थाकतारों में से किसी स्थित व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंधारा क्योहरताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बहु कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा हाँ।

यमुद्धवी

भूमि और निर्माण-टी. एस. सं. 247 और 249., कटलूर (डाक्रूमेन्ट सं. 2209/81)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना, मद्रास

बत: अब, लक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---8---216 GI/82

तारीख: 15-7*-*1982

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भ्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1982

निदं है। सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2694—अतः म्फो, देविप्रिय पन्त, प्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपण्णे प्रधिक है

और जिसकी सं. नं. व. 493 है तथा जो मूंचवारा तिलक्षविड में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 गयम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हो से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था उन्तरी बें सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रश्निनियम की घारा 269-ग के प्रनृस्रक में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा 1) के भारीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रश्नीत्:— श्री वंशगोपल दूबे प्त्र बृद्धप्रसाद दूबे निवासी महा-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड थुंडवारा तह मूडवारा जिला-जबलप्र-म. प्र.

(अन्तरक)

2. श्री कनछोबोलाल पुत्र शिखरचंद जैन निवासी रधूनाथ गंज मुंडवारा तहसील मुंडवारा जिला जबलप्र-(म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचता के राजगत्र में प्रकागत की नारीक्ष से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज में 30 दिन की श्रविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों प से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस भूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धना शक्ति द्वारा अंबाइस्ताक्षरी के पास लिखि। किए जा नकोंगे।

स्पब्टी हरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रीध-नियम, के श्रष्टयाथ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त प्रष्टयाय में दिश गया है।

वनुसूची

मृडिवारा नंदर व. 493 तहसील मृडियारा जिला-जबलप्र-म. प्र. में स्थित ह**ै**।

> दोदप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 28-6-1982

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस०-

यायक्र ब्रिश्चिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के ब्राधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1982

निदर्शि सं आर्इ ए. सी (अर्जन) 2710--अर्तः मुभे, देवप्रिय पन्त,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ¹उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के अभीन सभान पानि हारी को पह विस्वास करने का कारण है कि स्थाबर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० सं ग्रिक है

और जिसकी सं. 10 है तथा जो नगर पालिका वार्ड बैरिमिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैरिसिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधि है श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी धाय की बाबत उक्त धांध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने मे श्रीविधा के लिए;

भ्रातः ग्रंथ, उपत श्रंधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खकत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती साजिदा बेगम पितन-इरितला खां बरकत बी. पितन-मोह. सादिक खां, बैरिसिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती राबिया बी. पत्नी - इकबाल खां बैरसिया (भोपाल)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहम्लाक्षरी के प्राप्त लिखन में किए जा सकेने।

स्वडहीकरण:--इसम प्रवृक्त भवती श्रीए पदों का, जो खबत श्रीवित्यम क्रब्राड्याय 20-क में गरिभाषित हैं, रही प्रवृद्धिका, जा उन ब्राड्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भवन---नगर पालिका वार्ड ऋमांक 10, बैरसिया में स्थित ह⁵।

> बेविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख :3-7-1982

प्रकथ नाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 जुलाई 1982

निद्रोश सं. आर्ड ए. सी./अर्जन/2711---अतः मुभ्ते, दोव-प्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. न. 53 है, तथा जो जयप्रकाश मार्ग देवास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1981

को प्रविक्ति सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नुष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (३) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिचाने में स्विभा के लिए?

नतः भव, उन्त अधिनियत्र की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री हाजी उमर पता उस्मान कच्छी, नि. व हास हाल्-मकाम उज्जैन, फब्बारा चौकः।

(अन्तरक)

2. श्री बशीर पिता हाजी मोहम्मद नि. गली ने 2 में न. 17., पञ्जनक्ष्या, देवास, 2. आशिक पिता हाजी मोहम्मद नि. देवास

(अन्तरिती)

क्प्रेयहस्**व**ना जारीकरके पृवर्षिकत सम्पत्तिके अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्भी

जयप्रकाश भाग दोवास निकट तीनबत्ती अक्कान स्थित तीन भंजिला भवन नं 53

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीब : 9-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्ह. ए. सी. (अर्जन) 2712--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. नं 273/1 है, तथा जो ग्राम बावडया दोवास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वोवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 नवस्वर 1981

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की नावत उपत अधि-निवन के अधीन कड़ दोने के अन्तरफ के दासित्व में कमी कड़ने या उससे वचने में सुविधा के सिए; आद/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, ध्वनह भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन कर अभिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. (1) श्री हीरालाल 2. अंबालाल पुत्रगण बोदाजी गोरी

(2) भवरबाई विधवा बापू गारी

(3) दिवकरण अज्ञान पूत्र बापू गारी अज्ञान तरफें पालक माता भवधाई विधवा बापूगारी निवासी शांतिपुरा देवास (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यावित रनसप दे 390 क्वा. नं. 3008 टाईप 2 बैंक नोट प्रेस देवास तरफे अध्यक्ष आमक्षमार व्यास नि देवास (म. प्र.) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

सक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी त्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्परक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अंग्स्ची

सं. नं. 273/1 भूमि ग्राम बाबडया देवास (म. प्र.) में स्थित $\mathbf{g}^{\mathbf{f}}$ ।

देवप्रिय पन्त् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

सारी**स** : 6-**7**-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, भोपाल भोपाल, विनांक 6 जुलाई 1982

निविध सं. आर्घ. ए. सी./अर्थन/2713—अतः मुक्ते,

देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 52 ई है, तथा जो जावरा कंपाजण्ड उद्योगनगर, इन्वौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 नवम्बर, 1981

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) निर्माण हो हुए किसी नाव की बावस्त । वस्त नीयुनियन के न्यीन कह वर्ग के निरम् के वासित्व नो कभी कहने ना बढ़ने नम्ने में सुनिया के निर्म्श नोड़/वा
- (क) एंची किसी बान वा किसी पूर्व वा ब्रम्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री ज्ञानचन्द पिता रतनलाल जी 2 रतनचन्द पिता दासूमलजी अम्बर, 2 तर्फ खान मूचल्यार बिज्ञन-दास पिता दासूमल जी नि 12 गोधाकालोनी, इन्बौर (अन्तरक)
- मं स्नील इन्डस्ट्रीज (पार्टनरिशप फर्म)। के पार्टनर्स 1. मोहन लाल पिता दरबारी लाल 2. राजेश कर्मार पिता मिट्ट्रलाल जी 3. स्नील कर्मार पिता बाब्रलाल जी, नि. 92, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूजों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उन्न सभाय में दिया गया है।

अभसची

प्लाट नं 52 ई जावरा कम्पाउण्ड उद्योग नगर इन्दौर में स्थित है।

> व विश्रय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

सारी**स** : 6-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निद^रश सं. आर्द्दः ए. सी./अर्जन[/]2714——अतः मूक्ते, वेवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट मं नं 230 है, तथा जो ट्रेचिंग ग्राजण्ड इन्दार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-11-1981

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिव रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री ए. टी. आयर्न ट्रंडर्स 84 दौलतगंज इन्दौर एक्स् पार्टन्र प्रारुद्दीन पिता फजलहुसैन उदापूरा इन्दौर। (अन्तरक)
- 2. श्री कश्मिरी लाल पिता चुन्नी लाल श्री अग्रवाल मालिक हिन्दूस्टील इन्यौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ट्रेचिंग ग्राउण्ड इन्दौर स्थित प्लाट नं . 230 पर बना गोवाम्।

देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 9-7-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्वायकर द्वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निर्देश सं. आर्क्ट. ए. सी./अर्जन/2715——अतः म्भे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. नं. 2, 3, 4, 5 है, तथा जो ग्रा. बराय तह. दोवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 नवम्बर, 1981

का 16) के अधीन, 23 नवस्थर, 1981 को पूर्वाक्त संपरित के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित्त का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

•ा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री रामेश्वर पिता गोपाल जाति धाकड़ नि. बराय हाल मृ. कराड़िया तह. वेवास

(अम्तरक)

2. श्री हरचन्द्र पिता भून्ना 2. नुरा पिता मून्ना 3. आत्माराम पिता कुला 4. मूथबाई विधवा कावीराम निवा धात्रिया तह. इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तांत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सः नं 2 3 4 5 भूमि ग्राम बराय तहः देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज, भोपाल

तारीख : 6-7-1982

प्ररूप बार्ड .टी. एन्. एक . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निर्वोश सं. आर्झ. ए. सी. (अर्जन) 2716—स्थतः मूफ्रे, वेविप्रिय पन्तः

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रार्थिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 659 पैकी हैं, तथा जो ज्यदेवास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25 नवम्बर, 1981

को पूर्वोवत सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हथ में किथन नहीं जिया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) क अधीन निम्निसिसिस व्यक्तियों अर्थात्:-- 9—216GI/82

1. डा. विजय क्रुमार पृत्र शंकरराव निवासी इन्दौर 2. डा. श्रीमती सविता परिन डा. विजयक्रमार इनामवार निवासी इन्दौर (म. प्र.)

(अन्तरक)

 श्री बंकट नाल पिता हिरा लाल गुप्ता 47 निलकंठ कालोनी इन्बोर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वगादियां कुरता किं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स . मं . 659 रक्तबा एकड़ 1-45 दोवास ज्यू में स्थित है।

दोवप्रिय पन्त् सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीब : 6-7**-**1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

कासक श्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा े69-घ (।) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, भोपाल

भाषाल विनांक 17 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्द्दः ए. सी. (अर्जन) 2717——अतः मूर्फे, देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्रित जिनका उक्ति बाजार मृज्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नम्बर 401 प्लाट न. 32 पर बना है, तथा जो ब्रह्मनपुर मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्स्य, ब्रह्मनपुर मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-11-1981

को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल्ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यम्प्र प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से क्रिथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं पें सुविधा के लिए;

अन ग्रंग, उका ग्रंघिनिया की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री यूनूस भाई पत्र अब्द्ल्ला भाई स्करी (अन्तरक)
- 2. (1) श्री यासुफ भाई प्त्र शेरवहासीन भाई
 - (2) श्री त्राव् भाई पृत्र ल्कमान जी

(3) श्रीमती अर्था बार्ड पत्नी फौजूला भार्ड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उद्यिष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान म्यूनिसपल नम्बर 401 वार्ड नम्बर 12 मो स्थित तथा नजल प्लाट नम्बर 32 पर बना हो। इतवारा ब्रहानपुर

> देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, भोपाल

तारीख : 17-7-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर मर्घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीशण)

भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आर्हा. ए. सी./अर्जन/2718--अनः मूफ्री, दोविप्रिय पन्त,

प्रायकर स्विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से स्रिष्ठक है,

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 24 है, तथा जो साकेत्नगर इंदौर में रिथन है (और इसमें उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिज्स्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रिजन्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है यौर मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या श्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के **भनुसरण** में, में, उक्त भ्रोधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन नियारिखित ध्यक्तियों पर्यात:---

- श्री डा. दिगम्बर पिता म्कांद भौरास्कर तरफे आम मूखत्यार चन्द्रकान्त पिता श्री रध्नाथ भौरास्कर निवासी 43 विष्णु पूरी कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)
- श्रीमती कांचन पति श्री इन्द्रलाल जी ठारानी नि . 134 पालशीकर कालोनी इन्दौर, मं . प्र . (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काश्वाहियां करता हुं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी प्रविध बाद में समाप्त हो ही हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साकेश नगर कालानी, इन्दौर स्थित प्लाट नं . 24

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोषाल

तारीख : 9-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन राँज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आर्डी ए. सी./अर्जन/2719--अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 6051 है तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सूचे वर्णित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 24-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री भंकलाल पिता श्री होमराज जी
 - (2) श्रीमती नन्दीबाई पत्नी श्री भेरूलाल जी निवासी त्रिवणी रांड, रतलाम (स.प्र.)

(अन्तरक)

 श्री ड्रांगरी दास वंती लाल जी सुरका नि रतलाम, मौ. चान्दनी चौक, रतलाम कर्ता परिवार श्री ड्रांगरी दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बारीस या भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कस्था एवं तहसील रतलाम के सक् 1 नं 6051 पर स्थित् भूमि।

दोवप्रिय पन्त् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनोक 6 जुलाई 1982

निर्देश सं. आई ए. सी./अर्जन/2720--अप्तः मूक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 605/अ है, तथा जो रतलाम में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री भेरूलाल पिता श्री होमराज जी
 - (2) श्रीमती नन्दीबाई पत्नी श्री भेरूलाल जी निवासी त्रिवंणी रोड, रतलाम (म.प्र.)

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार पिता शान्तिलालजी पाटनी, निवासी संदिनी चौक, रतलाम (म.प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कस्बा रतलाम की भूमि सर्वे नं. 605/अ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, भोपाल

तारी**ल** : 6-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज., भोपाल

भोपाल, विनांक 6 ज्लाई 1982

निर्दोश मं आर्झ. ए. सी./अर्जन/2721---अतः म्फे, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

और जिस्की सं. भूमि सर्वो न . 604/अ है तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री भोरूलाल पिता श्री होमराज जी

(2) श्रीमती नन्दिबाई पत्नी श्री भेरूलाल जी निवासी त्रिवेणी रांड, रनलाम (म.प्र.) (अन्तरक)

2. श्री सौभागमल पिता छाग्नलाल जी चोपड़ा, निवासी बजाज्याना, रतलाम (म.प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कस्बा रतलाम की भूमि सबें नं. 604/अ।

देवप्रिय पन्त सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीय : 6-7-1982

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम , 1961 (1961 **का 4**3) **की** धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निराक्षण)

अर्जन रंज., भोपाल

भोपाल, विनांक 7 जुलाई, 1982

निर्दोश मं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2722---अतः म्फो, दोषप्रिय एन्त,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000 र रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 14 है तथा जो जवाहर नगर, इंदौर मों स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुमूची मों और पूर्ण रूप मो वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 नवस्वर, 1981

को प्योक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करा का जारण है कि यथापूर्वीवत सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं विषय प्रया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें वचने में मुण्णि के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में चिधा के लिए;

शी रमंदालाल पिता श्री खेराजसल ल्ल्ला, निदासी
 काटज्कालोनी, इन्दरिः।

(अन्तरक)

 श्री नरंश पिता श्री सदामामल लालदानी, निकासी इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस स्चना क्रेराजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तन्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशारा,
- (स) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थाप्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 14, जवाहर नगर, इंदार में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः——

तारीय : 7-7-1982

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निवंभिश सं. आई. ए. सी./अर्जन/2723---अत: म्भ्रे, विविधिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. मकान नं. 205 है तथा जो महात्मा गांधी रांड, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9 नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री रतनचंद पृत्र ठाक्ष्रचंदजी कोठारी, निवासी 6, कचन बाग, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्री स्ग्नराज प्त्र ठाकूर चंद कोठारी, 205 महास्मा गांधी रांड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभ , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य अथिकत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 205, महात्मा गांधी राडिका भाग इन्दौर में स्थित है।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 6-7-1982

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० →

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्दः ए सी./अर्जन/2724--अतः म्फो, वेविप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 345 है तथा जो साकेत नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूरूय उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण गे हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
10—216GI/82

शी वासूदिव सिंह जाल प्य थी हरिदत्त सिंह जी तरफे सा. मू. श्रीमती हरजस कोर पत्नी हरबन सिंह जी आबराय, निवासी 1/7, यशवंत निवास राड, इन्दरि।

(अन्तरक)

2. श्री लाजवंती पत्नी गोपालदासजी माटवानी, 18, राजेश नगर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

प्लाट नं. 345., साकोत नगर कालोनी, इन्दार में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन् रोज, भोपाल

सारीब : 6-7-1982

मोहर 😘

प्रकृष बार्च हो एन एस -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

MAN MANUAL

कार्याज्य सहायक बायकुर बाय्स्ड (निर्देश्य)

अर्जन राजि, भाषाल

भोपाल, विनाक 6 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2725--अतुः मूक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, धिंसका उन्ति वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं म्य् पा नं 305 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्द्रीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्वित में वास्तरिक रूप में किथित नहीं किया गया है---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बाय बास्तियाँ की, विन्हें भारतीय बाय-कर बिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उछत अधिनियम, या भनकर बॉबॉनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सधीन निम्नुलिश्वित व्यक्तियों मुर्थात्:—

- श्रीमती सौ. जतनक मारी परनी श्री मिट्ठा लालजी शंका, निवासी 42, पृत्रकार कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)
- 2. डा. चंचल जैन पति श्री त्रिलोक चन्द जैन, निवासी 305, जवाहर मार्ग,, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक् सम्पत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी नाकेप्र--

- (क) इस स्थान के राष्प्रकृ में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवाराः
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी जन्म स्मृतित वृतारा म्थाहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

म्यु. पा. नं. 305, जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थितृ है।

> दोनप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, भोपाल

तारीख : 6-7-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2726--अतः म्फे, वंबिप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 205 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्द्रौर में स्थित है (और इसमे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थ् भ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्स्य इन्द्रौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 9 नवम्ब्र, 1981

16) के अधान, तारास 9 नवम्बर, 1981 को पूर्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँबाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा मैं सिम्हा में सिम्हा मैं सिम्हा में सि

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिए ध्यक्तियों, अधीन:—

श्री रतन चन्द पूत्र श्री ठाकूर चंद जी कोठारी, निवासी
 कचन नाग, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सौ. विश्वला महता पृति राजन्त्र कृमार महता, उवयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभत सम्पत्ति का अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति की मणेन् की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) अन्तरण सं ह्ई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत्त्र स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 205 का भाग जो महात्मा गांधी रोड, इन्दौर मों स्थित है।

> देवप्रिय पन्त स्थाम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, भोषाल्

तारीख : 6-7-1982

प्ररूप आइ^{*}. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदर्शि सं. आर्द्धः ए. सी./अर्जन/2727--अतः म्भेरे, देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मं. नं. 20 है तथा जो परदेशीपूरा में स्थित है (और इससं उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ए संगितिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रामकरण घीसालाल शियागंज इन्दौर के मालिक श्रीकृष्ण पिता श्री रामकरणजी गोयल व बालकृष्ण पिता श्री रामकरणजी गोयल नि. हातीपाला राडा, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती ल्खराजाबाई पति श्री हितलाल्जी यादव, निवासी 14/10 परदोशीप्रा, इन्बौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

परविशीपूरा रोड नम्बर 10, इन्दौर स्थित म. नं. 20 का एक भाग।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेज्, भोपाल

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्वर्षेश सं , आर्ष्ट, ए. सी./अर्जन/2728—–अतः म्फे, क्वेप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 210 है तथा जो खातीवाला टर्क, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाइद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के बिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना चाहिए वा, कियाने में स्विभा के लिए;

जतः गय, उक्त गिधिनियम की धारा 269-ग के, जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ट व्यक्तियों, अर्थात्:—

 डा. राजन्द्र पुत्र मांगीलाल जी कूलवाल, निवासी 70, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मीनारायण पृत्र श्री शोभारामज्यंत, निवासी 458, विष्णुपूरी एक्सटॉंगन, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर को पूर्वीक्स संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-ब्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सातीवाला ट^रक, इन्यौर स्थित स्कीम 44 के अन्तर्गत प्लाट नं 210

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदर्भिः सं. आर्द्धः ए. सी./अर्जन/2729--अतः मुभ्ते, देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 141 है तथा जो श्रीनगर एक्स. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1981

को पूर्वेवित संपरित के उचित बाजार भूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मेजूर क्लात्रय बर्वे पिता श्री महादेव वर्ते तर्फ आ.
 मू. मधुकर व्वारकानाथ गडकरी, निवासी 11.,
 वि, साईनाथ कालोनी, तिलकनगर, इन्दौर।
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती संतोष अरोरा पति श्री चिम्ननलाल अरोरा, नि. 75, ज्वाहर मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना चार्री करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (**▼) इस सूचना के राजपत्र मों** प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- विष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 कि में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसचीं

श्रीनगर एक्सटेन्शन कालोनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 141

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीस : 9-7-1982

प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष्(1) के अभीन सूचना

अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 जुलाई 1982

निविध सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2730--अतः म्भे, देयेप्रिय पन्त,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 129 है सथा जो बैराठी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूए से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्बर, 1981

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान गितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशास में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

श्रत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के अधीन निम्नलिखित स्पादितयों, अधीर ट्रंक्न हुक्कम्पराय पिता श्री ढेरोमल जी, निः 78, सर्वेदिय नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्री पेह्लाजराय पिता श्री त्जूमलजी मोटलानी, नि. 16, माणिक चौक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

बैराठी कालोनी नं 2, इन्दौर स्थित प्लाट नं 129 पर बने हुए मकान का विक्षणी भाग (दो कमर)।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीच : 9-7-1982

मोहर 🛭

प्ररूप गाइ. टी. एन्. एस.-----

269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1982

निविशे सं. आर्क्स सी/अर्जन/2731—यतः मुभ्के, वेविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं. प्लाट नं. 4 है तथा जो जय बिल्डर्स कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1981

की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री बनवारी लाल पिता महालीराम जी व लक्ष्मीनारायण पिता महालीराम केडिया 3, स्भाषमार्ग, इन्दौर ।

(अन्तरक)

 श्री जुगलिकशोर पिता किशनगोपालजी नान्दना व विमल पिता किशनगोपाल जी नान्दना, 95 जी. एस. टी. आय. रोड, (विनय बिल्डिंग) इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरुणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुद्धी

जय बिल्डर्स कालोनी इन्दौर स्थित प्लाट नं . 4 ।

द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्, भोपाल

तारीस : 12-7-1982

प्रकथ आहे. टी. एस. एस. . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज., भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं. आर्द. ए. सी./अर्जन/2732---यतः म्फे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित शाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 30 का मकान है तथा जो संयोगिता-गंज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण कृप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-11-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या अससे दचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं दिन्या गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधरना (1) के अधीन, निय्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 श्रीमती होइल्लबाई विधवा रक तरस्यत की 163, पालमीकर कालोती, इंस्टींग।

(अन्तरक)

2. मीं. हरिक ट्रोडर्स 282, सीक्षाराम पार्क कालोनी, इन्दौर तरफे भागीदारी 1. राजक कारी इनस्यामदास व जानकि देवी पीत प्रसरामजी, 115 काटजू कालोनी इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पित्त को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के लंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

संयोगितागंज उप प्रांगण इन्दौर स्थित प्लाट नं . 3() पर बना हर्जा मकान

> द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख: 12-7-1982

प्रकप् आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1982

निदोश सं. आर्घ. ए. सी./अर्जन/2733—अतः स्फ्रे, दोषप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 60 है तथा जो सीतला माता बाजार में स्थित है (और इससे उपागद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्थर 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से धृद्ध किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उबत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारत (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

 सी. माणकबाई पति श्री मुगनचंदजी बडजात्या, 55 शीताराम पार्क कालांनी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

 सौ. निर्मलाबाई पनि अनंतकामार दोषी, 52, मल्हारगंज, इन्दौर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गर्म किसिन में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सीतला माता बाजार इन्दौर स्थित मकान नं . 60 का एक भाग।

> दविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, भोपाल

तारीख : 12-7-1982

भूकप् बार्ड्, दी , पृत्र, पृत्र, , --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत संस्कार

कार्यालय श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल्

भाषाल, दिनांक 12 जुलाई 1982

निवर्शिसं आर्इ. ए. सी./अर्जन/2734---अतः मूक्ते, देविप्रिय पन्त,

वायकर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिवियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्नित वाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प. ह. नं. 19 है, तथा जो ग्राम इटाबा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोवास में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

को पूर्विक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अजरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्त- विक रूप से कारिशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (य) द्रेशी फिसी जाय वा किसी थन या ज्या जाहित्यों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हों भारतीय जाय-कर जिन्हों भारतीय जाय-कर जिन्हों नियम, पा भनकर जिन्हों नियम, पा भनकर जिन्हों नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया जाना जाहिए वा जियाने में सुद्धा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ मुधीन:—

1. अनुवर पिता ममद इटावा

(अन्तरक)

 चित्रगुप्त नगर गृह निर्माण संस्था, 1307 बी. एन द पी. कालोनी, देवास अध्यक्ष, श्री माहिन्दर सिंह पिता संगत सिंह देवास ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में काई भी बाधाप्र---

- (क) इस प्राना के हाजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की समीभ या तत्सम्माभी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की समीभ, जो भी समीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ह्वाडाई
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर जनत स्थावर संपरित मों हितववृष्ट किसी बन्द व्यक्ति इवास न्याहरताक्री के पास निवास मों किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अमुसुची

ग्रामइटावा स्थित प. ह. नं. 19 स. न. 126 की भूमि ।

व विप्रिय पन्त् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र जे, भोपाल

तारीख: 12-7-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-प (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1982

निद्येश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2735——अतः मुभ्ते, देविप्रिय पन्त,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो न 384/2 है, तथा जो प्रीथमपूर धार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई कियी अप को कारत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् द्व- श्री तोलाराम पिता छोमालाल रधुवंशी ग्राम अकोलिया-जिला धार ।

(अन्तरक)

2. एडकान इलेक्टोनिक्स, प्रा. लि. 31/1 साउथ तुकागंज, इन्दौर द्वारा-प्रबंध संचालक अवधेश क्मार लालमोहन पांडेय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

ग्राम प्रीथमपूर जिला धार स्थित सर्वे नं. 384/2 एवं खाता नं. 82 की कृषि, भूमि ।

> देवप्रियुपन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॅज्, भोपाल

तारीख: 12-7-1982

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन प्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./अर्जन/2736/81-82--अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त, यायकर अधिनियम, 1961 (1961 কা (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- नवये ने अधिक है और जिसकी सं. सर्वों नं. 255/1 व 2 है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-11-1981 को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने हा हारग है हि यवार्वोका मधाति स उचित बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिक्तन ः जन्दर् प्रतिगासे प्रवि है और अन्तरक (बन्दरकों) भीर बन्दरियों (अन्तरितियों) हे अच ऐसे ग्रन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफन्न, निम्नलिखित उद्देश्य ने उत्रत सम्तरण जिल्हित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अश्वरण ने हुई किमी पाय की बाबत आयकर प्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृविधा ने लिए;

अत:, म्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-साल में, मैं, उक्त यथिनियम की धारा 269-त्र की उपद्यारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— गोविन्द 2 विष्णु 3 वसन्त 4 त्रिम्बक 5 विनाद आत्मजगण लक्ष्मीकान्त जी भूजंग 6 लाला-बाई विधवा लक्ष्मीकान्तजी भूजंग निवासीगण महत-वास ।

(अन्तरक)

2. दि. ग्वालियर रैयान सिल्क मैन्यू. (विविंग) क. लि. बिरला ग्राम नागदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त मम्यति के प्रजेन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्तात्ररी के पास तिखिड में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

नागदा स्थित भूमि सर्वे नं . 255/2 एवं 255/1

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 13-7-1982

मोहर 🖫

प्रकप भाई। टी। एत। एस।----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र¹ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1982

निद^भश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2737---अतः मूभ्के, दोषप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वो नं. 1136, 1128 एवं 1266 है, तथा जो टोड़ी, मन्दसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-11-1981

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विधिन नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; जीद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुणिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री बापुलाल पिता मगनराम 2 नाभूलाल पिता बप्निमाल 3 राजू पिता बापुलाल द्वारा संरक्षक तथा रमशचन्द्र पिता बापुलाल निवासीगण एलची परग्ना व जिला मन्दसौर ।

(अन्सरक)

 श्री अनिल क्मार पिता बलेल सिंह निवासी मन्दसौर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को सारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकरें।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

ग्राम टोड़ी परगना मन्दसौर स्थित भूमि सर्वो नं 1136, 1128 एवं 1266 की भूमि।

व विप्रिय् पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज, भोपाल

तारीब : 13-7-1982

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2738—-अतः मूक्ते, वेविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो कलोनी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-11-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह धिमवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसें वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखित जहेंग्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, चक्त प्रिः वियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निन्नतिखित व्यक्तियों; अर्थीत्:--

- श्रीमती मंग्लावेबी परित्र योगेशचन्द्र पंडया, राजेश क्मार आत्मज गोर्वधन लाल व्यास पता-क्रमशः दशहरा मैदान उज्जैन, 101 म्नेहनगर इन्दौर, (अन्तरक)
- श्रीमती लाजवन्ती बार्झ काशन कामार पत्र श्री जयनाथा पावहा नि . खात्रीवाझा, उज्जैन।

(अन्सरिती)

को यह सूभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ स्थावत द्वारा, श्रमोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, को उन्त भीवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्ट्याय में थिया गया है !

अगसची

कलानी बाग दोबास स्थित प्लाट ।

वेवप्रिय् पन्त सक्षम् प्राधिकारी सहायकं भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषान

तारीब : 13-7-1982

मोहरः 🖫

प्ररूप चाई • टी • एन • एस • ----

ाकर **अधिनियन; 1961 (1961 का 43)** की **धारा** 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल्

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्दोध सं. आर्द. ए. सी./अर्जन/2,739--अत: मुफ्ते, देवप्रिय पन्त, श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संजन प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- र∙ से ध्रधिक और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो कलानी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रिजस्द्रीकरण जीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके दुरुयमान प्रतिफल से, ऐसे दुरुयमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप पे कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अध्यारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अद्यिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था किया जाना चाहिए था, जिपाने वें सुविधा के लिए;

श्रतः तथः उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के श्रीन, निकासिवित व्यक्तियों, नर्थात् :---

- शिमती मंगला बोनी परिन श्री योगेशचन्द्र पण्डया, दसहुश मौदान उज्जैन, राजेश क्रामार गोर्मधन लाल त्याम 101, स्वेह नगर इन्दौर, श्रीमती लालबन्ती परिन श्री मोती लाल पारलेचा नि. 35, अरविन्द नगर, उज्जैन।
- (अन्तरक)
 2. श्री सुरन्द्रनाथ आत्मज श्री चरणदास जूनेजा, खत्री-वाडा, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की लामील से 30 दिन की घवधि, को भी
 सबधि वाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिचाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वृत्स्वी

कलानी बाग देवास स्थित प्लाट ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, भोपाल

तारीब : 13-7-1982

मोहर 🖫

प्ररूप नार्षं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनीयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 जुलाई 1982

निवंधि सं. आई. ए. सी./अर्जन/2740—अतः म्रो, धविप्रिय पन्त, ग्रामिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भवन एवं खूला भाग है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में

12-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह बिश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

रिजस्ट्रीकरण् अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मनोहर लाल पिता थावरदास तलरोजा, निवासी दोवास ।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती राधाबाई पित् डा. किशोरी लाल लक्षवानी निवासी 127 होबतगढ मार्ग, दोवास ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होबसराब झार्य दोबास स्थित भवन एवं बुला भाग ।

दंबप्रिय् पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीब : 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1982

निवर्वेशं सं. आर्ड्ः ए. सी./अर्जन्/2741--अतः म्भे, विषप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

आर जिसकी सं. प्लाट तं. 58 है, तथा जो अग्रवाल नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-11-1981

को प्वेंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-स्टू सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अवः, अवःत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—⊸ श्री कौलाश चन्द गुर्ग पिसा छगन लाल गर्ग., नि. 46 अग्रवाल नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

 मेसर्स प्रगति कन्सट्रक्शन कम्पनी, इन्दौर, 36, सियागंज, इन्दौर। द्वारा पार्टनर सनतकामार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस दध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रवाल नगर, इन्दौर स्थित (नई भूमि) प्लाट नं. 58 ।

द विश्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, भोपाल

ता्रीख : 14-7-1982

प्रकृप आह्र .टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज, भोपाल भोपाल, विनांक 14 जूलाई 1982

निद^{क्ष}श सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2742--अतः मृक्षे, देविष्टिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मं. नं. 124 हैं, तथा जो दोन अहिल्या मार्ग इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-11-1981

को गूर्वा नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्व नित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे प्रश्नमान प्रतिफल का प्रंक्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में मुध्या के लिए;

ग्रत: अब, उक्त आंधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियग की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रा. तारकचंद्र पिता श्री जगतचंद्र बोस., 10, नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री जगवीश प्रसाद अग्रवाल पिता दरबारी लालजी अग्रवाल नि 58 देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोवी अहिल्या मार्ग इन्बौर स्थित प्लाट मकान, नं 124 एवं प्लाट नं 2

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 14-7-1982

माहिष्ट :

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/2743--अत्: मुभ्हे, देविप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपये से अधिक है और जिसकी सं प्लाट नं 522 ही, तथा जो विष्णुपूरो इवोर में स्थित है (और इससे उपावत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी बन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण सं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन श्रिम्नलिसित् व्यक्तियों, मुर्भात्:—- श्री हरिश क्यार प्राहित रतम लाल जी, नि. 522 विष्णुप्री एनेक्स, इन्दौर

(अन्तरक)

 साँ. कान्ता पितृ श्री माधनराव वामवे नि . 25 हर-सिव्धी मेनरोड, इन्दौर

(अम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

विष्णुपुरी एनेक्स कालांनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 522 पर बना हुआ भवन का भाग ।

> द विप्रिय् पन्त् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज., भोपाल

तारीख : 14-7-1982

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 14 जुलाई 1982

निर्वोश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/2743--अतः मूक्ते, दोवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रजितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संत्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 164/1 है, तथा जो साउथ तुको गंज इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-11-1981

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्तिविक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत उक्त भिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमो करने या जससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, वा धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्या, अर्थात् :--

- श्री भान्यों कर पिता क्यामरान जी कान्नगो हिं. 164/1 रवीन्य्रनाथ टौगोर मार्ग, इन्वौर (अन्तरक)
- 2. श्री शरदचन्द्र पिता रंगरावजी जमीं बार 2. अतूल कुमार तपता नुरन्द्र कुमार पन्डीत नि . 72 राषणी बाजार मैन राष, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में काई मो प्राक्षेप ---

- (क) इस सूबना के राजरत में प्रकाशत की तारोख में 45 दिन की अविधि या त सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामा से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय म दिया गया है।

अनस्ची

साउथ तुकागंज इन्बौर स्थित मकान नं. 164/1 का एक भाग

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, भोपाल

तारीख: 14-7-1982

गोहु"र ∶

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रॉज, भोपाल

भाषाल, विनांक 14 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्दः ए. सी./अर्जन/2745— अतः मूक्ते, दोनप्रिय पन्ता,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ध्या से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. मकान नम्बर 164 है, तथा जो रवीन्द्रनाथ टीगोर मार्ग इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूज़ से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, इन्दौर में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पात्र गया प्रतिफल, तिस्ति खित उद्देश्य में उक्त भ्रन्तरण लिखित मंत्रास्तिक का से प्रयोत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत श्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचत में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री भानुशंकर पृत्र श्री श्यामरावजी कानूनगो निवासी मकान नम्बर 164/1 रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग , इन्दौर (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. (1) श्री शरदशन्द्र पिता श्री रंगराव जी जमींदार निवासी मकान नं. 25 जवाहर मार्ग इन्दौर (2) श्री अतुल कांमार पिता श्री नरान्द्र क्मार पंडित निवासी मकान नम्बर 72 राज जी बाजार मेन रोड इन्दौर (म.प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्फ्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

इन्दरिनगर में स्थित रवीन्द्रनाथ टौगोर मार्ग., यहां प्र मकान नं. 164 का भाग

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजें, भोपाल

तारीख : 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 ज्लाई 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2746---अतः मूक्ते, देवप्रिय पन्तः,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नम्बर 112,113,114,115 है, तथा जो सागर खास में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

1. (1) रामादेवी पत्नी कृष्णमुरारी दाबे

(2) सावित्री दंबी पत्नी श्याममूरारी द्बे

(3) सुधाद वी पत्नी माधदम्रारी द्व

(4) विव्यादेवी पत्नी कृष्णकामार द्वे निवासी शुक्रवारी तोरी सागर।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कामार पुत्र लखमी चंद केशरवानी निवासी जबाहर गंज, सागर (मृ. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में क्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 112,113,114,115 जो कि सागर खास में स्थित है।

देवप्रिय् पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा, भोपाल

तारीख: 17-7-1982

प्ररूप भाई • टी ॰ एम • एस • ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्र**डीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् र¹ज, भोपाल भोपाल, विनांक 17 जुलाई 1982

निर्वोष्ण सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2747— अतः म्फे, दोवप्रिय पन्तः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ह० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या सस्या नम्बर 210 है, तथा जो सागर खास में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- 1. (1) रामादेवी पत्नी कृष्णमुरारी द्वे
 - (2) श्रीमती सावित्री धेली पत्नी श्यामम् रारा दावे
 - (3) सुधाद वी प्तनी माधव मुरारी
 - (4) विद्या देवी पत्नी कृष्ण कुमार दब नि. श्क-वारा, सागर (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. श्री निजलाल पृत्र हरप्रसाद भोवी निवासी बनियाघाट वार्ड सागर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ हो गा, जो उस श्रष्टयाय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 210 जो कि सागर खासु में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीन : 17-7-1982

प्ररूप बाई० टो० एन० एस० -----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आई. ए. सी./(अर्जन)/2748--अतः मृभ्रे, देविश्य पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से अधिक है

और जिसकी सं अस्या नम्बर 112,113,114,115 है, तथा जो सागर खाम में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उन्त ग्राध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

13--216GI/32

- 1. (1) रामादंवी पत्नी कृष्ण मुरारी दुवे
 - (2) सावित्री देवी पत्नी वयाममुरारी दुवे
 - (3) सुधाद वी पत्नी माधवमुरारी व बं
 - (4) विद्याद सी पत्नी कृष्णक भार ब्रंब निवासी शुक्रवारा, सागर (म. प्र.)

(अन्तरक)

 श्री पुरन लाल पृत्र गणेश प्रसाद निवासी भगवान गंज , वार्ड , सागर (सं. प्र.)

(अन्तरिती)

को यहमूचना जारी करके पूर्वोत्त नम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

खकत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप : ~

- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतों हो, के जीतर पूर्वोक्त अविधि बाद में समाप्त होतों हो, के जीतर पूर्वोक्त अवित्यों में सकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि ससरा नम्बर 112,113,114,,115 जो कि सागर सास में स्थित है।

> देवप्रिय् पन्त सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा, भोपाल

तारीख : 17-7-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस० ---

श्रायकर श्र**धिनयम, 1961 (1**961 का **43)** की धारा 269-घ (1) के बधान सूचना

भारत सरहार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, भोपाल

भोपाल 17 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/2749---अतः म्फ्री, विविध्यिपन्त,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिपे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के भ्रधीन मध्यम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ७० से भ्रधिक है

और जिसकी संख्या इसरा नम्बर 210 है, तथा जो सागर खास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 5-11-1981 को पूर्वों कत राम्पित के उचित बाजार से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकृत से प्रधिक है योग प्रस्तरक (प्रान्तरकों) और प्रान्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रान्तरच के लिए तम पारा गया प्रतिफल, निम्नलियन उद्देश्य में उन्त प्रान्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रम्लरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त व्यथितियम के अधीन कर देने के बाक्तरक के वायित्व में कभी करने या प्रसंसे बजने में सृविद्या के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात ——

- 1. (1) रामादेवी पत्नी कृष्णमुरारी दुबे
 - (2) सावित्री देवी पहेनी इयाममूरारी
 - (3) सुधाद वी पत्नी माधवम् रारी वृष
 - (4) विद्या देवी पत्नी कृष्ण का्मार ध्यं निवासी क्ष्णकारा, सागर (भ प्राप्त) (अन्तरक)

2. श्री लीलाधर पूत्र गणेश प्रसाद पटेल निवासी पर्टट तह. सागर (म. प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इन नूरना हे राजात्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविधि या तस्त्रस्थाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविबि, जो भी अविधि यात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रधुक्त शब्दों और पयों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

त्रतस्ची

भिम ससरा नम्बर 210 जो कि सागर सास में स्थित है।

देवप्रियं पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज., भोषाल

तारीब : 17-7-1982

भक्तप **आह**ै. टी. एवं एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रिज, भोपाल

भाषाल 17 जुलाई 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./अर्जन/2750--अतः मूक्ते, दोबप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यास करने का कारण हो कि स्थायर मर्ब्यात, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं. ससरा नं. 263 हैं, तथा जो सागर सास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप सं वर्णित हैं),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1981

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चे स्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में गृधिक के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

- 1. (1) श्रीमती रामावाबी पत्नी कृष्णम् रारी वृत्वे
 - (2) सावित्री देवी पत्नी श्याम मुरारी दुइ
 - (3) स्थाद वी पत्नी माधवमू स्री दुवे
 - (4) विद्याद वी परनी कृष्ण कामार दाबे नि. शक्रवारी, सागर-में प्र

(अन्तरक)

2. श्री शिवप्रसाथ बल्द गोरंलाल लोधी निवासी जमुनिया तहसील सागर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित है, अही अर्थ हागा जा उस अध्याय मी दिया गया है।

अन्सूची

भूमि ससरा नम्बर 263-196 जो सागर खास में स्थित है।

द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज., भोपाल

अतः अवं, उक्त अधिनियमं को धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधितः :--

तारीख : 17-7-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोषाल

भाषाल, विनांक 17 जुलाई 1982

निर्वोध सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/2751---अतः मूर्फे, विषप्तिय पन्त.

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मृह्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. ससरा नम्बर 48/1 है तथा जो सागर खास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, सागर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-11-1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रत्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर या
- (ब) ऐसा किया अध्य शा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर धिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाधनिम या धन-कर पिष्ठनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नणिखित व्यक्तिमों. अर्थात:---

- 1. (1) श्रीमती रामाद वी पत्नी कृष्णम् रारी
 - (2) श्रीमती सावित्री क्वी पत्नी श्याममूरारी
 - (3) श्रीमती सुधादेवी पत्नी माधवमुरारी निवासी शनीचरी तोरी सागर (म प्र)

(अन्तरक)

2. श्री प्रमयनाथ पृत्र बैजनाथ प्रसाद पाठक निवासी, सदर बाजार सागर-म. प्र.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्हें स्थायर सम्पत्ति में हितब इ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरून कारी के पास
 लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गक्दों और पदों का, नो उक्त प्रधितियम के प्रध्याप 20-क में परिभाधित दै, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विष्या गया है।

वनसची

भूमि ससरा नम्बर 48/1 जो कि सागर सास मे स्थित है।

देवप्रिय पन्त् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजः, भोपाल

ता्रीब : 17-7-1982

प्ररूप मार्रि टी० एत० एस०---

म्माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल 17 जुलाई 1982

निवर्भेश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/2752--अतः मुक्ते, विविधिय पन्त,

शायकर श्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त श्रिजिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वा शार मृस्य 25,000/-व• से श्रीष्ठक है

और जिसकी सं. ख. न. 263/210 है, तथा जो तिलकगंड वार्ड में स्थित है (और इससे उपाबव्ध उनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

5-11-1981 को पूर्वित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिधन चहेक्यों म उक्त प्रन्तर लिखित में वास्त्रिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाधि-नियम के प्रधान कर देने के प्रस्तरक के दागिरव में कमी करने या उसने बचने में मुखिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्रीमती विद्या देवी पत्नी कृष्ण क्मार दुवे निवासी श्रुकवारी टोरी सागर ।

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द सिंह वल्द भगत सिंह निवासी मापेल तह सागर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भाषोप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबकि, जो भी अवकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पर्की करण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, औ खबत अधि-शिवम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं प्रयों होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर $263^{2}10$ तिलक गंज **बार्ड** साग्र में स्थित **ह**ै। (सागर खास, सागर)

देविप्रिय् पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे,, भोपाल

तारी**स** : 17-7-1982

प्रस्प आहें. टी. एनं. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल 17 जुलाई 1982

निवर्षेश सं. आर्ष. ए. सी./अर्जन/2753—अतः मुफ्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि खसरा नं. 210 हैं, तथा जो सागर खास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिज्स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981 को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यमे में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- विश्वाद वी परनी कृष्ण क्रमार द्वे निवासी, श्रृक्रवारी टौरी, सागर (म. प्र.)
 - (अन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र सिंह पृत्र दूरग सिंह निवासी गमीरिया तहसील सागर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसप्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि ससरा नम्बर 210 जो कि सागर खास, सागर म^{ें} स्थित ह⁸।

> देवप्रिय् पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रजे,, भोपाल

नारी**स** : 17-7-1982

पक्ष्म आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज, भ*ो*पाल

भोपाल 17 जुलाई 1982

निवोश सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/2754—अतः मूर्फे, वोबिशिय पन्त.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 112,113,114,115,116 है, तथा जो सागर खास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित स्रदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी लाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मिवधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती विद्यादेवी पत्नी कृष्ण क्यार दावे निवासी श्रीमतारी टौरी, सागर

(अन्सरक)

2. श्री द्लीचंद पूत्र भगवानवास निवासी चर्तभाटा, तह. सागर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थनुसूची

भूमि सस्य नम्बर 112,113,114,115,116 जो कि सागर सास, सागर में स्थित है।

> दविप्रिय् पन्त सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि., भोपाल

ता**रीब** : 17-7-1982

प्ररूप बाह् . टी . एन . एस . ------

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश सं० भ्राट्ट० ए० सी० (भ्रर्जन) 2755—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ख० नं० 263/196 है, तथा जो तिलक गंज, वार्ड सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 नवम्बर, 1981

को विश्व सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरक निश्वित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सन्य स्रास्ति को, जिन्हें भारतीय स्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भ्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय पन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निग्निकिट व्यक्तियां, ग्रथीत्—- श्रीमती विद्यादेवी पत्नी कृष्ण कुमार दुबे निवासी शुक्रवारी टोरी, सागर।

(श्रन्तरक)

 श्री महेश कुमार वल्द परमान्नद चौरिसया निवासी पुख्यास टोरी, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त ब्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं। बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि खसरा नंबर 263/196 तिलक गंज वार्ड सागर। (सागर खास, सागर)।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** 16-7-1982 मोहर: प्रकृप श्राई० टी• एन० एस•---

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (भ्रर्जन) 2756—श्रतः मुझे देव प्रिय पन्त

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थाथर सम्पत्ति, जिसका उचिन बोजार मूल्य 25,000/-रुपये से भिधक है

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 112, 113, 114, 115, 116 है तथा जो सागर खास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-11-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिगत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय यो किमी धन या ग्रन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--14--216 GI/82

- श्रीमती विद्यादेवी विधवा पत्नी कृष्णकृमार दुने निवासी णुक्रवारी तोरी, सागर (स० प्र०) (प्रन्तरक)
- श्री सिंह पुत्र कुंवरसिंह ठाकुर, निवासी भोपाल, तह० सागर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप]:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षारी. के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि खसरा नं॰ 112, 113, 114, 115, 116 जोकि सागर खास में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख 17-7-1982 मोहर:

प्रक्ष नार्'. टॉ. पुरु पुरु पुरु

ज्ञावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

धजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्वेश सं० झाईं० ए० सी० (झर्जन)/2757—झतः सुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर निर्माणयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उन्त् निर्माणयम' कहा गया हैं) त की भाज 269-च के निर्माण सक्ता प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संप्रित जिसका उपित वाजार मुख्य 25,000/- रा. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो वरियाघाट वाझ, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्क श्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-11-1981

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लू प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाय में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिये; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधीनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- श्री मनोहर राव पुत्र गोपाल राव निवासी दिल्ली, वरियाघाट, सागर (म॰ प्र॰)
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रोमप्रकाश पुत्र गोविन्द प्रसाद सुनारिया, निवासी वरियाघाट, सागर (म० प्र०) (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सुन्दरित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थम्भीकरणः ----इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जनुसूची

मकान जोकि वरियाबाट सागर में स्थित है जिसका एरिया 3086 वर्ग फीट है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 17-7-1982 मोहर:

प्रकृप बाई • टी • एन • एस • -

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269∍ष(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2758—-श्रतः मुझे देव श्रिय पन्त

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो वरियाघाट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-11-1981

पूर्वोशत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भरतिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोशत सम्पत्ति का छाचेत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भिक्त है और भन्तरक (अन्तरकों) और भग्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक छन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (भा) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या ग्रन्य स्नास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भो मनोहर राव पुत्र गोपालराव निवासी वरियाघाटसागर (म० प्र०)

(मन्तरक)

गौरब कुमार पुत्र कप्टन के० एम० सर्राफ,
 वसी मां गोभा रानी,
 निवासी वरियाघाट, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अपित दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान का भाग जोकि वरियाघाट वार्ड, सागर में स्थित तथा जिसका एरिया 3115 वर्ग फूट है।

> दंव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** 17-7-1982 मोहर: प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2759—श्रतः मुझे देव प्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रहा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान हैं, तथा जो भगवानगंज, सागर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 9-11-1981

को पूर्विक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्त) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः----

10

- 1. सिवत्री देवी पन्नी रतीराम गुप्ता, निवासी भगवान गंज वार्ड, सागर (म०प्र०) (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती मोहन कुंवर पन्नी रतन चन्द,
 - (2) सुनील कुमार पुत्न रतन चन्द श्रीसवाल निवासी राहतगढ़, तहसील सागर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्स स्थावर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जोकि भगवान गंज, वार्ड सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख : 17-7-1982

प्ररूप आर्थः .टी. एन . एस . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2760—श्रत: मुझे आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से भ्रधिक है

जिसकी सं० 132 है, तथा जो मौजा पथरिया, हार, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25 नवस्त्रर, 1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री बाबू लाल बल्द प्यारेलाल साहू सा० भगवान गंज वार्ड, सागर तह. जिला सागर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जेठा भाई वगेरा बल्द मावजी भाई व ग्रन्य 8 सा० सागर भगवान गंज वार्ड, तह० जिला सागर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति वृंवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० मो० 132 मौजा पथरिया हार, सागर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2761—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 132 हैं, तथा जो मौजा पाथरियाहार, सागर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25 नवम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

 श्री बाब्र् लाल बल्द प्यारे लाल साह, सा० सागर भगवान गंज वार्ड, सागर।

(श्रन्तरक)

2. श्री शंकर भाई बगरा बल्द जेठा भाई म्रन्य साकिन सागर भगवान गंज, वार्ड, सागर तह० व जिला सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पिटत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि नं० मो० 132 मौजा पथरिया हार, सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 16-7-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्राजेंन) 2765—ग्रतः मुझे देव प्रिय पन्त
धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क॰ से खिकि है और जिसकी सं० भवन कमांक 4/1297 (पुराना नम्बर) है तथा जो राम मन्दिर रोड, गस्त का ताजिया लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 190 8 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 9-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक इप से चित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री राम चन्द्र राष, मानिसिंह राव, उदर्यासह राव सभी पुत्र सरदार विम्बकराव पाटनकर, श्रीमती मृदुला राजे विधवा स्व० राजा जयसिंह राव एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी यणवंत सिंह वायस निवासी बाई साहेब की परेष्ठ, एवं गस्त का ताजिया, ग्वालियर माडल कालौनी, पूना एवं नागदा (म० प्र०) (श्रन्तरक)
- 2: श्री रिसब दास जैन, एडवोकेट, निवासी सीडा का कुंग्रा, ग्वालियर (म० प०)। (भ्रन्तरिसी)
- 3: श्री शिवलास गुप्ता, निवासी गश्त का ताजिया लश्कर, ग्वालियर (म० प०) (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान म्युनिसिपल नम्बर, 4/1297 पुराना जोकि राम मन्दिर रोड, गस्त का गाजिया लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13-7-1982 मोहर: प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०(ग्रर्जन) 2766—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिभकी मं० खाता नं० 289/1 है, तथा जो श्रमलीडीह रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6 नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आँधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हुन्मिह वी
 - (2) श्री णिव नारायण पिसरान जगतपाल सा० ग्रमलीडीह, तहसील व जिला रायपुर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पार्वती देवी जांजे कुन्दन सिंह सा० स्टेट बैंक कालोनी, जिला रायपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन खसरा नं० 28911 का टुकड़ा, श्रमलीडीह रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 17-7-1982

प्ररूप आहे थी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन), 2767—म्रतः मुझे वेवप्रिय पन्त

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खाता नं० 289/1 है, तथा जो श्रमलीडीह रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री रती ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृधिधा के लिए।

- 1. (1) श्री हलसिंह,
 - (2) शिव नारायण पिसः जगतपाल सार्व्य अमलीडीह तहरू व जिला शयपुर। (अन्तरक)
- श्री नरेश कुमार व कन्हैयालाल सा० स्टेष्ट बैंक कालोनी, रायपुर जिला रायपुर। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सार्थ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबवृध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन ससरा नम्बर, 289/1 का टुकड़ा प्रमलीबीह् रायपुर, जिला रायपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भौपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ।

मोहर:

तारीख: 17-7-1982

15--216GI/82

प्राच्य आर्ड ही एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. भोपाल भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० । ग्रर्जन | 2768 - अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उमित बाजार** मृल्य 25,000 /- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ३ ए है, तथा जो श्ररूपना टाकीज, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-11-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उन्त्रित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ফ.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मिवधा के लिए; बौर/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिक्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सदिधा के लिए;

- 1. श्री नरेग्द्र कुमार पुत्र चिरनजीलाल निवासी 13/156 गोविन्दनगर, कानपुर उ०प्र०। (ग्रन्सरक)
- श्री हरीश कुमार भरोरा पुत्र करतार सिंह, नि० श्रसिफाबाद, इटारसी, म० प्र०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 विन की अवधिया इंट्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकनी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया 👸 ।

अनुसूच

ग्रहपना टाकीज, भोपाल के पास स्थित प्लाट मं० 3ए।

देव प्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपधारा (1) के अधीन, निम्ननियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2769—यतः मुझे देव प्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, तथा जो श्रल्पना टाकीज पास, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-11-1981

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण हिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारण (1) के अधीन, निस्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री नरैन्द्र कुमार भ्रात्मज श्री चिरन्जीलाल निवासी 13/156, गोविन्द नगर, कानपुर, उ०प्र० (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती परवीन श्ररोड़ा पित श्री सुरेन्द्र सिंह नि० ग्रासिकाबाद, इटारसी, यू० पी० । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रिश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रल्पना टाकीज भोपास के निकट स्थित एक प्लाट।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**व** : 16-7-1982

प्ररूप काइ. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी*०*/ग्रर्जन/2770----यतः मुझे वेव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 एकड़ भूमि है तथा जो बाबड़िया कला, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रुप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-11-1981

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिब कूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- (1) श्री झन्तू पुत्र कालूराम नि० ग्राम बावड़िया कला, तह० हुजूर, भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. भेजर मनजीत सिंह श्रहलूवालिया पुत्र सरदार सिंह गोपाल सिंह,
 - 2. श्रीमती जोगेन्द्र कौर,
 - (2) श्रीमती जोगेन्द्रर कौर. नि० नई विस्ली।
 - (3) श्रीमती करना धानन्द
 - (4) मत्यजीत वालिया, निवासी भोपाल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे रिशाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बाबड़िया कला तह० हुजूर जिला भोपाल स्थित 5 एकड़, भूमि।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2771---ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं तिमंजिला भवन हैं, तथा जो घोड़ा निक्कास, भोपाल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981।

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः ज्ञा, उपते अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की शारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री भगवानदास पुन्न दयाराम,
 नि० शाहजहांनाबाद भोपाल ।

(भन्तरक)

श्री गंकरलाल पुत्र जेठानन्द,
 नि० ईटगाह हिल्स, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमं प्रयूवत शब्दों और पूर्वों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घोडा निक्कास, भोपाल स्थित भवन ।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

मोहरः

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/2772—श्रतः मृझे देव प्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० म०नं० 41/552 है, तथा जो सर्राफा लक्ष्कर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 25-11-1981

को पूर्वांक्स सम्पृत्ति कं उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गृहें हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिकल से, ऐसे धरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किनिनिलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व को कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपापरा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधितः —

- श्री गोपालदास, पुत्र चांदमल वैश्य निवासी सर्राका लश्कर, ग्वालियर, म० प्र०। (ग्रन्सरक)
- श्रीमती श्रर्चना देवी पति सुरेशचन्दः, निवासी कसेरा श्रोली नगरः, लश्करः, ग्वालियरं, म० प्र० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी - अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा नर्केंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रमुक्त कव्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्की

सर्राफा लक्कर ग्वालियर स्थित मकान नं० 41/552 ।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

प्रकप याई० ही० एन∙ एस•---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व(1)** के <mark>प्रधीन सूचना</mark>

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्वेश सं० घाई० ए० सी०/म्रर्जन/2773—म्बतः मझे देवप्रिय पन्त

भाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से धिक है

भीर जिसकी मं भूमि है तथा जो थाटीपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण एप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-1981 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के रूरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रूरयमान अतिफल से, ऐसे दूरयमान अतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया अति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) पम्लरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाप या कियी छा या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, बन, उनत अधिनियम, की घारा की 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिखित व्यक्तियों, ग्रामील:—— श्री घरनीक्षर शर्मा पुत्र श्री भीकमप्रसाद शर्मा बालतारायण पुत्र घरनीघर शर्मा मानिक विलास लग्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवस्थान गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या०, स्वालियर, म० प्र०।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की मनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थानत द्वारा, प्रजीहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

क्पण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया पया है।

बन्स्ची

वाटीपुर जिला खालियर, स्थित भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 16-7-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

गायकर मिथिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2774---श्रतः मझे, वेषप्रिय परत,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-🗷 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विख्यास करने का कारण **ह**ै कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीए जिसकी सं० भूमि है तथा जो थाटीपुर, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्देश्कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्दीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-11-81 करों पूर्वीक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य . उसके दरयमान प्रतिफल से , एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए: नीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7) की प्रयोजनार्थ अन्तरिली वृवारा प्रकट गृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

- श्री प्रतिशानि। स्थित द श्रीम नास्थिण सुपुत्र श्रं(घरनी घर शर्मी, निवासी मानिक विकास लक्कर, स्वालियर, मञ्जूषा (श्रन्तरक)
- 2 श्री देवस्थान गृह निर्माण सहलार। मामिति मर्या०, ग्वालियर, म० प्र०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इ.स सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पन्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहाे अर्थहोगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुस्ची

थाटीपुर परगना व जिला ग्वालियर स्थित भूमि।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 15-7-1982

प्ररूप आहाँ . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2775—म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० भूमि व मकान है, तथा जो ग्रानंद नगर, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय

भोपाल में रजिस्ट्रांकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि म्थाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से माधित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे जजूने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविभा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् ≟— 16—216GI/82 श्री सीताराम बल्द मानकचंद, मिनासी आनंद नगर, भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

 श्री भोला नाथ वल्द ज्ञान चन्द, चंडीक, निवासी श्रानंद नगर, भोपाल ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्यव्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसमध्ये

ग्रानंद नगर, तह० हुजूर, जिला भोपाल स्थित एक भूमि व निर्मित खण्ड ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/2776—यत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25.000/ रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो धर्मपुरी, भोपाल, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-11-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल में कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी कर्ने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए धनकर अधिनियम, ए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीकाजिमग्रली खान वस्द साजिद ग्रली खान निवासी शिमला हिल्स, भोपाल ।

(ग्रन्सरक)

2. श्रांमिति रईसा खातून पति श्री इरशाद धर्ना निवासी इतवारा, गर्ना नं० 2, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्ता की नामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीक रण: -- इसमा प्राकृतः शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धर्मपूरी, जिला भोपाल स्थित एक ग्राराजी प्लाट।

वेयप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सह्याम त्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

सारोख: 16-7-1982

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयक प्रविधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भौपाल, विनांक 16 जुलाई 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सा०/ग्रर्जन/2777--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीए जिसकी सं० भूमि है तथा जो दामखेड़ा, भोषाल म स्थित है (भीर इनने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राइति अधिकारी के कार्यालय भोषाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक 3-11-1981

को प्वांक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जुलारण से हुइ जिसी जाव की बाबत उसत जीज़-नियम के अधीन कर दोने के जलारक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना वाहिए था, छिपान में सुविधा के दिवए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

 श्री बोदर सिंह पुत्र खुमान सिंह निवासी नरेला णकरी, दामखेड़ा, तह० हुजूर, भोपाल ।

(अन्तरक)

- (1) श्री रामावतार गर्ग पुत्र राधामोहन गग, निवासी छोला रोड, भोपाल ।
 - (2) श्रो दौलक्ष राम पुत्र हंसादन्द पाहूजा, निवासी गोमी निवास प्रणोका कालोनी, भोषाल ।

(श्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

जनत सम्म त्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस बध्याय में विया गया है !

अनुसूची

ामखेड़ा तह० हुजूर, जिला भोपाल स्थित 2.10 एकड़ भूमि खाता नं० 204/1/1

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख:: 16-7-1982

प्ररूप आहें. टीं. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत संडकाड

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज,भोपाल

भोपाल, विनांक 16 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2778---यतः मुझे, देवित्रिय पन्स;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 54/55/56 एवं 57 व 58 है,

तथा जो सुमेरखेड़ो, तह० हुजूर, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1981 को पूर्धों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्या के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री शफीर हुसन पुत्र मुखारिक हुसैन निवासो पीरगेट, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री हाजी मो० खान पुत्र हाजी अली भन्नाह, एवं शाहजाद बेगम पति श्री ग्र० हलीमशाह, निवासी बरहानपुर एवं जोगीपुरा, बुधवारा, भोपाल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्य- वाहियां करता हूं।

उक्द सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है [३]

मन्स्ची

सुमेरखेड़ी तह **० हुजूर,** स्थित खसरा गं० 54-55-56/2, एवं 57 वं 58 की भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोषाल

ता**रीख**: 16-7-1982

मोहर 🖫

4-11-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्रर्जन/2779—यतः मुझे, वेवप्रिय पन्तः

देवप्रिय पन्त, अग्नयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वाय करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब(जार मूह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सुमेरखेड़ी, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्द्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है ग्रंर भन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्प्तरण में हुई किसी आय की बाबत उब्ध प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जंतः जंज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, व्यश्ति ६—

- श्रीमती शाहजहां भलवी पति श्री शाहमत हुसैन नि० करबला रोड, भोपाल।
 - (मन्तरक)
- 2. श्रीमती तांजबीबी पति श्री हमजामली खान नि० धनौरा तह्० सारंगपुर, राजगढ़ । (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबता किसी अन्य ध्यति कारा, अधोहस्ताक्षरी के गस सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---दसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्ट होगा, जो उस ग्रध्याप में दिया गया है।

अनुसूची

सुमेरखेड़ी तह० हुजूर, जिला भोपाल स्थित खशरा नं० 59/2 की भूमि।

दैवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

प्ररूप आइ . टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2780—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख०नं० 53 एवं 60/1 है, तथा जो सुमेरखेड़ी भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 4-11-1981

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :-- कुमारी णाहिन ग्रलवी पुत्री शाहमत हुसैन द्वारा म० श्वाम मु० शाअहां श्रलवी पति श्री शाहमतहुसैन निवासी करबला रोड, भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मु० सनमजान पति श्री मो० इब्राहीम निवासी धनौरा, हि० सारंगपुर, जिला राजगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सुमेरखेड़ी तह० हुजूर जिला-भोपाल स्थित खसरा नं० 53 एवं 60/1 की भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-7-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/2781---यतः भुसे, देवप्रिय पन्त,

आरकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात. 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मंगित्त, जिसका उचित दाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ख० नं० 54-55/1 है, तथा जो सुमेरखेड़ी भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपालम रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 4-11-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एने द्रयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री लईक हुसैन पुत्र मुबारक हुसैन , निवासी पीरगेट, भोपाल

(भ्रन्तरक)

2. श्र० हलीम माह माहनी पुत्र श्र० मतीन माह निवासी जोगीपुरा, बुधवारा, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति राः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मुमेरखेड़ी तह० हुजूर, जिला भोपाल स्थित खसरा नं० 54-55/1 की भृमि ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1982

प्रकप् भार्द् , दी , एत् , एस् , -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निवश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रजेंन/2782—श्रतः मुझे वेव प्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

हीर जिसकी सं खसरा नं 21/1 है, तथा जो बैतूल में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बैतूल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 41-1-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कत, निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से ब्चने में सृविधा के जिये; सीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए भौर/या

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात्:—— सुभाष चन्द पुत्र भंवर चन्द, राजण्वर कुमार प्रवीणकुमार प्रव्यस्यक पुत्र द्वारा श्री भवरचन्द नि० बैतूल गंज, बैतूल ।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रशान्त कुमार पुत्र बसंतराव ऊइके नि० बैतूल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पट्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बैतूल स्थित खसरा नं० 21/1 की परिवर्तित भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 17-7-1982 मोहरु: प्ररूप आहें.टी.एन्.एसं.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के मुभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देशः सं० ग्राई० ए० सी०/(ग्रार्जन)/2783—-ग्रानः मुझे देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/ रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि खमरा है, तथा जो टिकर)पारा रायपुर स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्णक्ष वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीत 30-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंगरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दंश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

शत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थात:→-

- 1. (1) श्री विनोद कूमार पूत्र रघुलाल संघानी
 - (2) श्रीमती प्रीति दावड़ा जीजे प्रकाण दावड़ा
 - (3) प्राणलाल बल्द ऊधाजी गुजराती
 - ् (4) शाहबुद्दीन वल्द भ्रब्दुल रज्जाक ्निवासी रायपुर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

 गीतास्जलि गृह निर्माण सहकारी समिति भर्यादिन ्दिकरापारा रायपुर द्वारा श्रध्यक्ष श्री छिवनाथ मिश्रा। श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 174/2 जोकि टिकरापारा रायपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 17-7-1982 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्चर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2784——म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ख० नं० 226/3 है, तथा जो टिकरपार., रायपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण क्ष्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 क. 16) के ग्रधीन दिनांक 21 नवम्बर, 1981

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्कित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. (1) श्री राम बगम
 - (2) बसंत लाल
 - (3) प्रेम लाल
 - (4) गेदालाल पी० कल्हैया
 - (5) श्रगनीवा बेबा कन्हैया मा० टिकारापारा रायपुर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री गीतांजिल गृह निर्माण सहकारी समिति . टिकरारापारा, रायपुर ।

(भ्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

जमीन ख॰ नम्बर, 226/3 भाग मौजा टिकारापार। रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रारकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपान्त

तारीख 17-7-1982 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

ग्रायकर अ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-**चं (1) के मधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/(स्रर्जन)/2785-श्रतः मुझे देवप्रिय पत्न

ग्रायकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त ग्रिबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- २० से भ्रिषक है

ग्रौर जिसकी सं० ख०नं० 226/3 है, तथा जो टिकारापारा, रायपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्द्वीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 21 नवस्त्रर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घां श्रीनयम के सन्तीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जान। चाहिए वा, कियाने में सुविद्या के लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) राम बगम
 - (2) बसत लाल
 - (3') प्रेम लाल
 - (4) गेंदालाल पी० कन्हैया
 - (5) भ्रगनी वाई बेबा कन्हैया सा० टिकारापारा रायपुर नह० व जिला रायपुर (म० प्र०)

(श्रन्तरक)

 गीताजलि गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित दिकारापारा, रायपुर द्वारा मचित्र, प्रकाश दावड़ा, बल्द मगनलाल दावड़ा, सा० श्रमीनपारा, रायपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अमृस्ची

जमीन खमरा नम्बर 226/3 टिकारापारा, रायपुर (म० प्र0) ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

सारीख: 17-7-1982

Ψ,

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाथकरु मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) श्रजन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक : 19 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रजन)र-2786--म्रमेः मुक्षें, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं कि मकान नं कि 6/817, 6/819, 6/820 है तथा जो अस्पताल में। इरायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण के रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ध्रयपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम् के अधीन कर बोने के अंतरक के पायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उस्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमती रेणुका भट्टाचाय वेबा बारेन्द्रनाथ भट्टाचाय व मानिक लाल पिता वीरेन्द्र नाथ भट्टाचाय व ही रालाल ही रालाल पिता वीरेन्द्र ाथ भट्टाचाय व ही रालाल भट्टाचाय न नरेन्द्रनाथ पिता निवारण चन्द्र भट्टाचाय बा हरेन्द्रनाथ भट्टाचाय व श्रोमती राही भट्टाचाय बेबा सत्येन्द्रनाथ भट्टाचाय निवासी—श्रम्पाल बाड राचपुर

(ग्रन्तरक)

मैसस माडन बिल्डस, जवाहरनगर रायपुर (ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके मूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रस्य ाल वाड रायपुर स्थित नजूल जमीन पर ब;ा मकान नं 6/817, 6/819, 6/820

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षीण ग्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनोंक: 19-7-1982

प्रकप आई० टी • एव • एस०---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोषाल

भोपाल दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (श्रजन)/2787---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारः 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० खं नं 226/3 है, तथा जो टिकारायारा रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकार के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 21 नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में गूजिधा . के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

- (1) श्री रामवगस
 - (2) बसंतनान
 - (3) प्रेमलाल
 - (4) गैदलाल पी० वान्हैया
 - (5) भ्रमतोबाई बेवा कन्हैया साठ टिकारापाना रायपुर (मठ प्रठ)

(ग्रन्तरक)

(2) गांताजली गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, टिकारापारा रायपुर (म० प्र०)

(ग्रन्ति।र्ति।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक⁷गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मात खमरा नम्बर 226/3 का भाग टिकारापारा रायपुर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)--2788---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका स्रवित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी मं० ख० नं० 2207, 2208 है, तथा जो ग्राम खेड़ा बदनावर धार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बदनावर धार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 6 नवस्वर, 1981

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीतिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में चुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किमी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय द्याय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भावः जनत अधिनियम की खारा 269-म के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपभाय (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रा शांतीलाल पिता जीतमल जी महाजन निवासी बदनावर जिला धार । (ग्रन्तरक)
- (2) शिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति मयोदित बदनावर हारा अध्यक्ष रवान्द्र सिंह रघुवंशी, बदनावर ।

(श्रन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खमरा नम्बर 2207, 2208 ग्राम खेड़ा बदनावर जिला⊷धार ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोषाल

दिनांक : 16-7-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

ग्रायकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोगाल, दिनांक 16 ज्लाई, 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2789——ग्रनः मुझे, देविशिय पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे अधिक है

श्रीर जिनको मं० ख० नं० 2207, 2208 है, तथा जो ग्राम खेड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बदनावर धार में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7 नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रम्नरण ने हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ध्रम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रतः प्रव, उक्त मिवनियम की बारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त अग्निनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के ग्रमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री श्रेणीतनात पितः जीतमह्जती महाजत निवासी~~बदनावर ।

(ध्रनरक)

(2) णिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति सर्योदित बदनावर द्वारा श्रध्यक्ष रिवन्द्रसिंह जी रघृवंगी बदनावर ।

(ग्रन्तिरनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं भर्षे होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसुची

भूमि खनरा नम्बर 2207, 2208 ग्राम खेड़ा वदनावर, धार ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक श्राप्तकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-7-1982

प्रक्ष आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत संग्कार

कार्यालय, निरीक्षी महायक ग्रायकर ग्रायका

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 16 ज्लाई, 1982

निर्देण मं० श्रार्ट० ए० मी० (श्रर्जन)/2790—श्रतः मृक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ख० सं० 2207, 2208 है, तथा जो ग्राम खेड़ा बदनावर धार में स्थित है (श्रौर इससे उपावड ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बदनावर धार में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे रह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—~

(1) श्री गिरधारी पिता जीतमहजनी महाजन निवासी—वदनावर ।

(श्रन्तरक)

(2) णिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित. बदनावर द्वारा प्रध्यक्ष रवीन्द्रसिंह जी रघुवंशी बदनावर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खमरा नम्बर 2207, 2208 ग्राम खेड़ा बदनावर धार ।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायक्र श्रायुक्त) ग्रार्गेन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-7-1982

प्रकल आर्थ. टी एन. एस.------

प्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 369 घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2791—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित माजार मृल्य 25,000/- रुपयं से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 2207, 2208 है, तथा जो ग्राम खेड़ा बदनावर धार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बदनावर धार जिला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 नवम्बर, 1981

की 16) के श्रधान, दिनाक 7 नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उस्त भ्रम्भ नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करमे या जमने बचने में स्विधा के लिए। भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों तो, जिन्हें भारतीय श्राय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रिष्ठितयम या धन-कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विद्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिक्तयों, अर्थात :---- (1) श्री म्रानन्द कुमार पिता श्री हस्तीमल जी महाजने निवासी अदनायर जिला-धार

(श्रन्तरक)

(2) शिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित बदनावर द्वारा श्रध्यक्ष रवीन्द्र मिह रधुवंशी बदनावर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यॉक्ट सम्पति के प्रजॅन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण !— इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 2207, 2208 ग्राम खेड़ा बदनावर धार ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2792—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ख० नं० 2207, 2208 है, तथा जो ग्राम खेड़ा बदनावर धार में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बदनावर, धार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्ला उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के धध्याय 20-क में यथा परिभाषित दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथयों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री समरथमल पिता जीतमहजनी महाजन निवासी—बदनावर ।

(ग्रन्तरक)

(2) णिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित बदनावर द्वारा श्रध्यक्ष रिवन्द्रसिंह जी रघुवंशी बदनावर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि खसरा नम्बर 2207, 2208 ग्राम खेड़ा, बदनावर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16--7--1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

षायकर बिश्वितयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक भायकर श्रायुक्त, प्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2793—म्प्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ख० नं० 873, 875 है, तथा जो जूनियर देवास, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 4 नम्वबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह
विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ठ प्रतिशत से श्रीष्ठक है भौर
अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच
ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित
उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी मांव की बाबत, उक्त मिंध-नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। घोर/याः
- (ब) ऐसी किसी शाय या किसी धन मा मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, पा घनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, अन्त श्रविनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त श्रविनियम की भारा 269-ग की उपवादः (1) को सभीन निम्नृतिष्ति व्यक्तियों, सभृतिः— (1) श्रोमती पदमाबाई पति ईश्वर दास नि० वेवास

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री ग्रनिल कुमार (2) रामरतन

- (3) श्री हीरालाल (4) श्री प्रणीक कुमार
- (5) श्री राजेन्द्र कुमार (6) कृपाशंकर
- (7) रामप्यारी बाई (8) सुनीला देवी
- (9) श्रीमती कृष्णादेवी (10) मनोरमा देवी समस्त निवासीगण इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न-नियम के भ्रष्ट्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भनसूची

भूमि खसरा नं० 873 एंब 875 जूनियर देवास में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भ्रक्षिनियम; 1961 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के भ्रक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2794--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के अधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 873 एवं 875 है, तथा जो जूनियर देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन; 4 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्लरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, सकत भी प्रतियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के गयिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या श्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्वा के लिए।

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् क्र- (1) श्री चुन्नीलाल पिता ईश्वरदास तरफे ग्राम मुख्स्यार ईश्वरदास निवासी---देवास

(मन्तरक)

- (2) (1) श्री भ्रनिल कुमार (2) राभरतन
 - (3) हीरालाल (4) अशोक कुमार
 - (5) राजेन्द्र कुमार
 - (6) क्रुपाशंकर (7) रामप्यारी
 - (8) सुशीला देवी (9) कृष्णा देवी
 - (10) मनोरमा देवी निवासी—इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के भार्यन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं प्रश्ने होगा जो स्वस प्रक्याय में दिया नवा है।

अमसची

भूमि खसरा नम्बर 873 एवं 875 ज्यूनियर देवास में स्थित है।

देवप्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 17-7-1982

प्ररूप ब्राई० डी० एन० एस०-----

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2795—म्प्रतः मुझे ग्रेदेवप्रिय पन्त,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन अभाग प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं ख नं 873 एवं 875 है, सथा जो ज्युनियर देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, देवास, में राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रिधीन, दिनांक : 4 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) यन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रांध-नियम के ग्राधीन कर वेने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिविनियम, या धन-कर प्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, धनुसरण में, में उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तित्यों, अर्थात ∷—— (1) श्री टीकम चन्द पिता श्री ईश्वर दास नि० देवास ।

(भन्तरक)

- (2) (1) श्री श्रनिल कुमार (2) रामरतन
 - (3) हीरालाल (4) भ्रशोक कुमार
 - (5) राजेन्द्र कुमार (6) कृपाशंकर
 - (7) रामप्यारी बाई (8) सुशीला देवी
 - (9) कृष्णा देवी (10) मनोरमा देवी समस्त निवासीगण इन्दौर ।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो जस भ्रक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खासरानम्बर 873 एवं 875 ज्युनियर देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-7-1982

प्ररूप आई.टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2796—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नम्बर 4/1 है, तथा जो हाथीपाला रोड इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4-11-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यर्मन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक हुए से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री मोइज झली पिता झन्दुल कादर भाई बौहरा निवासी—जवाहर मार्ग इन्दौर (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) बुरहानी कमेटी जूना पीठा इन्दौर द्वारा व्यवस्थाकप श्रकवर श्रली व मुहल्ला नजरहुसैन व जाकिर हुसेन पिता मुल्ला नजर हुसेन व श्रकबर श्रली पिता हाजी सैयद श्रली इकवाल हुसेन पिता हाजी सैयद श्रली, इन्दौर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीं हैं। 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमसची

मकान नम्बर 4/1 जो कि हाथीपाला रोड इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 17-7-1982

्रमुक्ष आहे. टी. पुन्, एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त; म्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक : 17-7-1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2797—ग्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 4/1 है, तथा जो हाथीपाल रोड इन्दौर में स्थित है, (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 4 नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एेसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिसित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं में, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोइज म्नली पिता ग्रब्दुल कादर माई बोहरा निवासी—जवाहर मार्ग, इन्दौर
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमीश्हीन पिता श्रव्वास श्रली निवासी---44 बोहरा बाजार इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के वर्जन के टिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नम्बर 4/1 हाथीपाल रोड इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्रकप धाईं • टी • एन • एस • ----

मायकर पर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त,

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई: 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (भ्रर्जन)/2798—श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्स,

भायकर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से स्थिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 736/6 है, तथा जो कस्बा रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल विम्मिलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्तविक ज्व के कथित वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्षते कथने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रक्य श्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या घन कर प्रधिनियम, या घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः श्रम, उक्त श्रविनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) श्रद्धीन, निम्नविक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शंकरलाल पुत्र नानूराम जी पाटीदार निवासी——मौहल्ला शंकरगढ रतलाम

(भ्रन्तरक)

(2) (1) रमणलाल पुत्र सूरजमल जी बोरा

(2) श्री बिजेन्द्र कुमार पुत्र नथमल जी पित्तत्या निवासी—चांदनी चौक रतलाम (म० प्र०) (ग्रन्तरक)

को यदं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छम्त मिधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 736/6 जो कि कस्बा रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्रकप धार्ष टी एन० एस०---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोगल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2799---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

धायकर प्रधितियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मुख्य 25,000/-रुपयं से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नसबर 736/6 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, विनांक 30-11-1981

को पर्वोक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्यू ये काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की पई है और मुझे यह विश्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुव्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रम्तरण लिखित में वास्त-क्षिक कप से कंपित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-निवम के बाबीन कर देने के बन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (बा) ऐसी किसी भाष या किसी क्षत या अन्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या **बनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, श्रिपासे में सुविधा के मिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं छक्त अधिनियम की भारा 289 व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---19-216 GI/82

(1) श्री शंकरलाल पिता नानराम पाटीदार शंकरगढ़, रतलाम म० प्र०

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीगोकुल चन्द (2) गोविन्द बोनों पुत्र किशन जी शर्मा, निवासी--210 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षंत्र

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काश्त भूमि सर्वे नम्बर 736/6 जो कि कसबा रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

मोहर 🕃

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2800---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान शीट नम्बर 26 प्लाट नम्बर 682 है, तथा जो नयाबाजार दमोह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण के रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दमोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के बायित्व मैं कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री रामचरण लाल साह पुत्र परमानन्द व जगरानी विधवा परमानन्द गाहू निवासी—दमोह (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दरवारी लाल द्वारिका प्रसाद पुत्र मूल चन्द गुप्ता निवासी---दमोह, (म० प्र०) (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान शीट नम्बर 26 प्लाट नम्बर 682 जो कि नया बाजार दमोह में स्थित है।

> देवप्रिय पन्न राक्षम प्राधिकारी सह्ययक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रुजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाह 17 जुलाई, 1982

নি লি মাত স্থাইত চ্ত মাত (স্থান)/2801--- যাব:

मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसके स० भूखण्ड कमां रु 47 है, तथा जो शासकाय उद्योग-पुरी, उज्जैन में स्थित हैं (श्रींग इससे उपाबद अनुसूचे। में श्रींग पूर्ण रूप से बणित हैं), एजिल्ह्री एती स्रधिमारी के बार्यानय, उन्जैन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रावान, दिनों रे 20-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिस्ति उद्दृश्य स उत्तर अन्तरण निम्नतिस्त में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थादः --

- (1) चन्द्र प्रभा विधवा मुख्लीधर सिंह निवासी---धौरसागर उज्जैन (म० प्र०) (प्रन्तरक)
- (2) मनसं सुराना प्रिटिंग चौक बाजार उज्जैन द्वारा भागीदार (1) राजेन्द्र कुमार पुत्र पत्रानाल सुराना (2) श्रामती प्रभागती पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार सुराना (3) श्रामती मंजुला पत्नी निर्मेल कुमार सुराना (त्र) श्रामती मंजुला पत्नी निर्मेल कुमार सुराना, निजामी-छन्ना चौक उज्जैन (म० प्र०) (श्रन्तारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यष्टोकरण: --इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शासकीय उद्योगपुरी: गर्यनमेण्ट इण्डांस्ट्रयल एस्टेट मर्दमा रोड उज्जैन में स्थित भूखण्ड कमार 47 में निर्मित शड, गोदाम ग्रांचि। जिनमें प्रभाष्ट्रास्टिक इण्डम्ट्रीज के नाम का कारखाना स्थापित किया गया था व नन कनैनगन व कम्पाउण्ड फेसिंग सहित।

> देवप्रिय पन्त संज्ञम प्राधिकारी सहायक क्रायकण क्रायुवत (निरीक्षण) क्रार्यस रेज, भोषाल

दिनांक : 17--7-1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2802---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ा. से अधिक ह

ग्रीण जिसकी संव नंव 826, 827 है, , तथा जो ज्युनियर देवास में स्थित है (ग्रीण इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीण पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देवास में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, दिनांक 4 नवम्बर, 1981

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- (1) श्रा रामचन्द्र पिता खण्डेराव मुबेकर उम्र 79 वर्ष पेन्सनर । निवासी--64, साईधाम, सिविल लाइन्स देवास (म० प्र०)
 - (ग्रन्तरक)
- (2) वर्धमान गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित देवास मे प्रव पंजीयन ऋष 381/7-5-1981 लएके ग्राध्यक्ष श्री डीव एसव जैन 6, पंचाशील नगर देवास (मव प्रव)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मं० नं० 827/1 व म० नं० 826 उप्यु० देवास में स्थित ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृष्ठे अनुमरणः में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

दिनांक : 17-7-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षां। सहायक प्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल भोषाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० अर्हि० ए० सं१० (ग्रर्जन)/2803---ग्रतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

श्रीर जिसकी में ० मकान नं ० 3/3 है तथा जो स्नेहलता गंज इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकर्रण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 3-11-1981

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री मरद पुत्र श्री नारायण भालेराव निवासी--43 सुतारगली इन्दौर (म० प्र०) (श्रन्तरक)
- (2) श्रामती शोलादेवी पत्ना श्री प्रकाशचन्द सलूजा निवासी -- 3/3 स्नेहलता गंज इन्दौर । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसो उत्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त बब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमृत्जी

मकान नम्बर 3/3 स्तेहलता गंज इन्दौर स्थित ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्रस्त्य आई.टी.एन.एस.-----

■पकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन अंजना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश मं ग्राई० ए० मी० (श्रर्जन) 2804 अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नम्बर 18 है, तथा जो जेल रोड इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

दिनांक 10 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापृत्रोक्षत संगत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसं १९४४ तान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अलगण म हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, जकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित ऋषितयों, अधीत:--- (1) श्रीमती राजकुमारी देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार जी ग्रवस्थी । निवासी—18/2 जेल रोड इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल चन्द पुत्र श्री गणेशलाल जी निवासी—28 तिलक पथ इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्सूची

मकान नं० 18 जेल रोड, गली नं० 2 इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक, 17 जुलाई, 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2805---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० टी० एस० 22 है, तथा जो नवलखा इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 क 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) श्री हाजी मुल्ला असगर अली पिता खानभाई बोहरा निवासी--349 मौलातः श्राजाद मार्ग बम्बई-4 तरफे खास सुरुपार फुखान हुमैन वल्द जीवाखान ठिकाना--11 राम भर्ग इन्दौर (मे० प्र०) (अन्तरक)
- (2) ग्राह फेमली ट्रस्ट निवासी 1/1 साउथ तुकोगंज ग्रीन पार्क नामती कोठी इन्दौर तरफे गुणवन्तराय देसाई व विनोदराथ देसाई ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को भम्बन्ध मं कीर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में हिदाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अना व्यक्ति एकारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खण्ड प्लाट नम्बर टी० एस० 22 स्कीम नम्बर 31 नवलखा इन्दौर ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

विनांक : 17-7- ::

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2806—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म्यू० म० नम्बर 9/ए-1 है, तथा जो साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचल, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:—-

(1) श्री प्रदीप पिता बलकृष्ण जाधव निवासी—म्यु० मकान नम्बर 91ए०-1 साउथ तुकोगंज इन्दौर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री प्रशान्त कुमार पिता विजय कुमार जैन निवासी—म्प्रोल्ड पलासिया, क्षंगला नं० 4 इन्दौर (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसपल मकान नम्बर 9/ए०-1 पैकि प्लाट क्रमांक 2 जो कि स्ट्रीट नम्बर, 1 साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् र[ी]ज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2807—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसित व्यक्तियों,

(1) श्री महेन्द्र कुमार पिता पुरुषोत्तम पाटीदार निवासी----मकान नम्बर 20 सराफा इन्दौर (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) प्रभिषेक को० श्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी 11:5 न्यू पलामिया इन्दौर की श्रोर से श्रध्यक्ष श्री श्रश्चिक कुमार जवेरी निवासी 11:5 न्यू पलामिया इन्दौर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 स्मिथ नार्थ मुकोगंज (पलासिया हाना) इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-7-1982

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनोक 17 जुलाई 1982

निर्वेश सं० म्नाई० ए० सी० (म्नर्जन)/2808—-म्नाः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नवीन नम्बर 13, 14 एवं 15 है, तथा जो मुभाष मार्ग उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक
हम से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थातः—— (1) लक्ष्मीबाई परनी शंकरलाल जी बांकड़ा निवासी—मि०नं० 102 नजर श्रली मार्ग, उज्जैन (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र भागीरथ यादव (2) गोपाल पुत्र भागीरथ यादव निवासी--ग्रानन्द गंज की झिरी, उज्जैन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोइ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर उज्जैन मौहल्ला दूध तलाई पर स्थित मकान क्रमांक 1/110 व 1/111 नवीन नगरपालिका निगम क्रमांक 13, 14, व 15 सुभाष मार्ग, उज्जैन (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

विनोक : 17-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2809—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म्यु० म० नम्बर 9/ए०-1 की प्लाट नं० 1 है, तथा जो साउथ तुकोगंज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-11-1981

(1908 का 16) के अधान, दिनाक 6-11-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्धयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, अर्थातु:——

- (1) श्री प्रदीप पिता बालकृष्ण जाधव निवासी—म्यु० म० नम्बर 9/ए०-1, साउथ तुकोगंज, स्ट्रीट नम्बर-1 इन्दौर---म० प्र० (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शान्तीबाई पत्नी नेमीचन्द जैन निवासी—692, जवाहर गंज, जबलपुर वर्तमान पता—शापिग कम्पलैक्स, ए० बी० रोड, इन्दौर, (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

म्यु० म० नम्बर 9/ए०-1 पैकी प्लाट क्रमांक 1 जो कि स्ट्रीट नम्बर 1, साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

इनांक : 17-7-1982

प्र**र**प भाई• टी• एन• एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल , दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2810—प्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, श्रीर जिसकी संग्रम्थ मकान नम्बर 9/ए०-1 है, तथा जो साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से दुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम के अभीन कर देंगे के अल्लरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिलाने में सुविधा के जिए।

कतः अब, अकत आंधिनियम की धारा 269-म को, अनुस्रण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनिष्कत स्यक्तियों अधीत्:— (1) श्री प्रदीप पिता बालकृष्ण जाधव निवासी म्यु० मकान नम्बर १/ए०-- 1 साउथ तुकोगंज इन्दौर ।

ग्रन्तरक)

(2) डा० राजेन्द्र कुमार पिता मदनमाहन जी लाहोटी निवासी—19, यणवन्त कालौनी, इन्दौर (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के राग के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्त में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकागत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अब होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नम्बर 9/ए०-1 पैकि प्लाट क्रमांक 3 जो कि स्ट्रीट में नम्बर 1 साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज भोपाल

दिनोंक : 17-7-1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०------

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2811—श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृथ 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 41/552 का भाग है, तथा जो सराका लक्ष्कर खालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, खालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से मधिक है मौर शन्तरिक (अन्तरिकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) श्री छोटेलाल ग्रात्मज चांदमल व सीताराम व मुरेन्द्र कुमार पुत्रगण छोटेलाल जी श्रग्रवाल निवासी सराफा बाजार लक्कर ग्वालियर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेण चंद श्रग्नवाल श्रात्मज गांपालदास ग्रग्नवाल निवासी कसेरा श्रोली लश्कर ग्वालियर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को पर सूचना बारी करके पूर्वाका सम्मात के सर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यव्होकश्यः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित सराफा बाजार लश्कर ग्वालियर नगर निगम नम्बर 41/552 (एक भाग)

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17-7-1982

प्रकथ आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2812—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान-निगम नं० 41/525 है, तथा जो सराफ लग्कर खालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्भोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृष से किथत नहीं किया गया हैं क्रिन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ए के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन हैंब्स्निलिखत व्यक्तियाँ, अर्धात् डि—

- (1) श्री लक्ष्मणदास पुत्र चांदमल व पदमचन्द व मोहत पुत्रगण लक्षमण दास गोयल निवासी सराफ बाजार लक्ष्कर, जालियर (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती अर्चना देवी पत्नी सुरेशचन्द निवासी कसेरा ओली, लश्कर, ग्वालियर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकांगे।

स्पछ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस कथ्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित सराफा बाजार लश्कर ग्वालियर निगम नम्बर 41/525/(एक भाग)

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17-7-1982

प्रकार आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2813—ग्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० भूमि एवम् मकान है, तथा जो श्रानन्दनगर भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित भाषार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैलिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औष-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुभाषचन्त्र खाम्बरा पुत्र गोपालचंद खाम्बरा निवामी श्रानन्दनगर तहमील हुजूर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भगवानदास पुत्र, द्वारिकादास निवासी णाहजहांनाबाद भोपाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण ६—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगुलुची

भूमि एवम् मकान जो भ्रानन्दनगर भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17-7-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**ष**ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी० (श्रर्जन)/2814—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उसित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो श्रानन्दनगर भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गगा प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री सुभाषचन्द खाम्बरा पुत्र गोपालचंद खाम्बरा निवासी सादिकपुर, तह० हुजूर, भोपाल (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास पुत्र द्वारिकादास नि० भोपाल (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

, ,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान जो कि ग्रानन्दनगर भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 17-7-1982

प्रकृप पाई॰ टी॰ एन॰एस॰----

मायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ममीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रजन)/2815—श्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त.

मायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 10/12 एवम् 11/12 है, तथा जो रायपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक, 20 नवम्बर 1981

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय को वाबत, डक्न आधि-नियम के अधीन डर डेन के अक्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य पास्तिकों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर भिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविष्ठा के लिए;

ग्रतः सब, उनत प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-216GI/82

- (1) डा॰ राजकुमार वल्द श्री काणीप्रसाद तिवारी व श्रीमती विभा जौजे राजकुमार तिवारी निवासी दुर्ग (म॰ प्र॰) (श्रन्तरक)
- (2) श्री शशीकान्त वल्द जमनादास मिरानी निवासी सिविल लाइन्स रायपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धिकारणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान ग्राउण्ड १लोर प्लाट नम्बर 10/12 एवम् 11/12 ब्लाक नम्बर 11 सिविल लाइन्स रायपुर में स्थित।

> वेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप आइं.टी. एन्. एस्. -------

भायकर जिम्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-फ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य्, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2816—श्रतः मुझे; वैमिशिय पन्तः

नायकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित् वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 10/12 एवम् 11/2 है, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 20 नवम्बर 1981

को पूर्वो देत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिमत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म्र-- (1) डा॰ राजकुमार बल्द काणी प्रसाद, सिविल सर्जन सौ॰ विभा परनी डा॰ राजकुमार तिवारी निवासी दुर्ग (म॰ प्र॰)

(अन्तरक)

(2) श्री ताराचन्द बल्द जमनादास मीरानी निवासी सिवल लाइन्स रायपुर (म॰ प्र॰)

(अन्सरिती)

को यह भूक्ता बाडी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

सकत सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टीकर्गु:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान ग्राउण्ड फ्लोर का ऊपरी भाग प्लाट नम्बर 10/12 एवम् 11/12 ब्लाक नम्बर 11 सिविल लाइन्स रायपुर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 19-7-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ---=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजंन/2817---श्रतः **मुझे,** देवित्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-बी के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट है तथा जो नवबहार संगम टाकिज, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सृविधा के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

जितः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री खुशालचंद जेठा पुत्र किशोरीलाल जेठा नि॰ न्यू इतवारा भोपाल ।

(अम्तर्क)

(2) श्री सुरजीत कुमार पुत्र ईश्वरदास नि० ई०-3/68 अरेरा कालोनी भोपाल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसी, 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध, किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवबहार निकट संगम टाकिज भोपाल स्थित एक प्लाट नम्बर 3 ए ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 16-7-1982

प्रकृप आहं. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2818—म्प्रतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो नवबहार संगम टाकिज के निकट भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीत्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, खिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री खुषालचंद जेठा श्रात्मज स्व० किशोरीलाल जेठा न्यू० इतवारा रोड़, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत रानी पत्नी मदनलाल नि० ई-3/68 श्ररेरा कालोनी, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवबहार संगम टाकिज के निकट स्थित प्लाट नं० 3 बी, भोपाल ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-7-1982

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (भ्रर्जन)/2819—म्ब्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 327 मकान नं० 2/885/1 है, तथा जो टिकरापारा रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13 नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;
- ें **ब्रांत** क्या, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री जगमोहन सिंह स्वयं एवं एजेन्ट हरजीत सिंह, रणधीर सिंह, श्रीमती स्वर्णजीत कौर एवं श्रीमती रंजनादेवी कौर, सिविल लाइन्स रायपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दाबाई पत्नी विमल कुमार निवासी पुरानी बस्ती रायपुर (म॰ प्र॰)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नम्बर 327 का भाग एवं मकान नम्बर 2/885/1 जोिक टिकटापारा रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 19-7-1982

मोहर 🌣

परूप काईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2820---श्रतः मुझे, देवश्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुज्ञ से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 327 एवम् मकान नं० 2/885/1 है सथा जो टिकरापारा रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक 13 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यनं वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एजेन्ट जगमोहन सिंह पुत्र सुजान सिंह वास्ते हरजीत सिंह, रणधीर सिंह पुत्र सुजान सिंह श्रीमती स्वर्णजीत कौर, रूपिन्द्र कौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गेंदलाल पुत्न देशराज वर्मा, बूढ़ापारा रायपुर (म॰ प्र॰)। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनस्ची

खसरा नम्बर 327 का भाग एवम् मकान नम्बर 2/885/1, का भाग जो कि टिकरापारा रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **भ्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निवेश सं० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2821----ग्रतः मुप्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नम्बर 327 का भाग मकान 2/885/4 का भाग है तथा जो टिकरापारा रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) , रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सृष्धिम के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री जगमोहन गिह पुत्र सुजानिसह एजेन्ट वास्ते, हरजोत सिंह रणवार सिंह पुत्र सुजान सिंह एवं स्वर्णजीत कौर, राजिन्द्र कौर सिविल लाइन्स रायपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री रतनचन्द पुन्न नाथूराम सर्राफ सदर बाजार रायपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकने।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्ची**

खसरा तम्बर 327 का भाग मकान नम्बर 2/885/4 टिकरापारा रायपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 19-7-1982

मोहर 🐠

प्ररूप आहाँ.टी. एन. एस. ------

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2822---म्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं खसरा नं 327 मजान नं 2/885/3 है तथा जो टिकरापारा रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक नवम्बर, 1981 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए,

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध−−

- (1) श्री जगमोहन सिंह एजेन्ट वास्ते हजीत सिंह रनधीर सिंह पुत्र सुजान सिंह, श्रीमती स्वर्गजीत कौर कविन्दर कौर, सिविल लाइन्स शयपुर (म० प्र०) (अन्त्रक)
- (2) श्री राजाराम पुत्र शंकर लाल चौधरी निवासी पुरानी बस्ती रायपुर (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के धास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसर्ची

खसरा नम्बर 327 का भाग—मकान नम्बर 2/885/3 टिकरापारा रायपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त श्व**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 19-7-1982

प्रसप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचेटा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोगल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/2823--- ग्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंधि, जिस्हा उद्यादन बाजार मृत्य 25,000/रुक से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 9 एवम् 10 है, तथा जो मौजा खैरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महासमुन्द में रजिस्ट्रीकरणं श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981।

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्दरिय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन:-~

22-216GI/82

(1) मैंनर्स विनोद कुनाए एंड कम्पनः, जवाहर नगर रायपुर (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स महाबीए राइस मिल्प महासमुन्द जिला रायपुर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में उरिभाषिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगुस्ची

डाइवर्टेड लेण्ड मौजा खैरा जिसका खमरा नम्बर 9 एवम 10 है तथा जो गांव खैरा जिला रायपुर में स्थित है। (निर्मित भाग सहित)

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज, भोषाल

विनांक: 19-7-1982

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (अर्जन)/2824---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49/1225 है, तथा जो जवाहर नगर लग्कर ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, विनोक नवम्बर, 1981।

को पूर्वों कर संपरित के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उष्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूरियधा के लिए;

(1) श्री लक्ष्मण मुकुन्द पाठक पुत्र मुकुन्द शिवराम पाठक 9/25 साउथ टी० टी० नगर, भोपान (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) राधेलाल गर्मा पुत्र भगवानलाल गर्मा निवासी रौक्सी सिनेमा गला लग्कर ग्वालियर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनान नम्बर 49/1225 जत्राहुए नगर, लक्ष्कर, खालियर स्थित ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

दिनांक: 19-7-1982

मोहर 🚁

प्ररूप मार्ड, टी. एस. एस. -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन **रें**ज, बंगलीर

बंगलौर, विनांक 13 अगस्त 1982

निदेश सं० 435/81-82/ए सी नयू डी०--यतः मुझे, मंजु माधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हो), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 10-7 है, तथा जो काटेवाई। मोहल्ला, बसनकल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्त्ता श्रीधकारों के कार्यालय, बसनकल्याण में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, दिनांक 30 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में अस्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है ॥—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में तुबिभा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, िष्पृष्ट भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्री मोह्रम्मव मंजुरूल इसन मोह्रम्मव मूसूफ अली के पुत्र काटेबाड़) मोह्रस्ता में रहने वाला बसव कल्याण, बीदर (धी)

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद श्रब्दुल रशीद मोहम्मद इन्नाहीम मन्यार के पुत्र बसव कल्याण में रहने वाला बीदर (डी)

(भन्तिरुसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 928/81-82 घिनांक 30-11-81) घर सम्पत्ति है जिसका सं० 10-7, तथा जो काटेवाड़ी मोहल्ला बसवकल्याण बोदर (डी) में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 13--7-1982

प्ररूप बार्ड टी. एन्. एस. -

ब्रायक ६ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के घंशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० 436/81-82/एक्वी० डी०--अतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अवीन अक्षम आविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से आंक्षिक है और जिसकी सं० 10-8, है तथा जो कातेवाड़ी मोहल्ला, बसवकल्याण बीदर (डी) में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवकल्याण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 नवम्बर, 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमा अतिकत के लिए अन्तरित को कई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनक दूष्यमान प्रतिकल से ऐसे दूष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तम पामा गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्येश्य से उन्तर अन्तरण कि खित में वास्तविक खप से किंगत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने से भ्रश्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अध्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर घोधनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः, अन, उस्त अधिनियम को धारा 269-म के असुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियाँ, अर्थातः--- (1) श्री मोहम्मद मंजुरूल हसन मोहम्मद यूसूफ अली के पुत्र काटेबाड़ी मोहरूला में रहनेवाला बसवकल्याण बीदर (डी)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जलील श्रहमद मैनर वै गार्डीयन इसका पिता है श्री मोहम्मद श्रब्दुल रशीद बसवकल्याण में रहने वाले बीदर (डी)

(भ्रन्तरितीः)

ही यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजैन के खिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हिताबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उत्तर श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गय है।

अस्त ची

(दस्तावेज सं॰ 929/81-82 दिनांक 30-11-81) घर संपत्ति है जिसकी सं॰ 10-8, तथा जो काटेवाई मोहल्ला बसवकल्याण बीदर (डी) में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्कम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौ

विनांक: 13-7-1982

प्रकप नाईं. टी. एन. एस.------

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० 437/81—82/एक्बी० डी०——यतः मुझे, मंजु नाधवन,

द्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 10-10/1 है, तथा जो काटेबाड़ी मोहल्ला बसवकल्याण बीदर (डी) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवकल्याण में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 30 नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लियं अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं प्रधिक है और जन्तरित (जन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरक (जन्तरिक त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य थे उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयीजनार्च भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्स् अभिनियमः की भारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उन्स अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहम्मद मंजुरूल हसन मोहम्मद यूसूफ श्रली के पुत्र काटेवाड़ी मोहरूला में रहने वाला बसव-कल्याण, बीदर (डी)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जोरा भ्रलियास जोरन श्री मोहम्मद भ्रब्दुल रशीद की पत्नी बसवकल्याण में रहने वाला बीदर (डी)

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इय भूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

ह्यक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों ग्रा, जो उक्त श्रधि-तियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

भगुसूची

(दस्तावेज सं० 930/81-82 दिनांक 30-11-81) घर संपत्ति है जिसकी सं० 10-10/1 तथा जो काटेवाड़ी मोहल्ला बसवकल्याण बीदर (डी) में स्थित है।

मंजु साधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 13-7-1982

प्रकप भाई० टी० एन० एस•---

भायकर मिलियम, 196! (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के भ्रष्टीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 6 जुलाई 1982

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/32907/81-82/एक्की० बी---यतः मुझे, मंजु माध्यन

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/• इपये से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 681-3, 707, 681-3, 681-3, 708 व टी॰ एस॰ सं० 170-3, 169, 170-3 170-3, 171-2ए हैं, तथा जो ग्रतावर, मंगलूर सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत एक्त भ्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्निए ; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविद्या के लिए;

अतः अध, उदत अधिनियम की घारा 269-म के घनुसरण में, में, उदल धिधिनियम की घारा 269-म की उपकारा (1) को अधीन, निम्निल्कित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री टी० वासुदेव वालके
 - (2) श्री टी० परमामंद वालके
 - (3) श्री ठी० इन्दुशेखर वालके
 - (4) श्री टी० दिवाकर वालके बोलूर, मंगलूर-6(अन्तर्क)

 (1) श्री कृष्ण कृमार शर्मा होर सं० 9-7-418-3 श्रजीजुद्दीन रोड़, बंदर मंगलूर-1

(2) श्रीमती मधु श्रग्रवाल श्री सुरेश श्रग्रवाल की पत्नी मैसर्स बी० एस० एजेन्सी भटकल बाजार, मंगलूर-1

- (3) श्री हीरालाल काम्रा, श्री के० एल० काभ्रा के पुत्र मैसर्स श्री कृष्णा टेकस्टेलस जोहर बिस्डिन्गस, मार्किट रोड मंगलूर-1
- (4) श्री जैसुखलाल दीरजलाल बसानी धीरजलाल बसानी के पुत्र चन्द्र कुटीर, ब्लाक सं० 2 झताबर मंगलूर—1
- (5) श्रीमती सुशीला पी० शा० प्रवीन भाष शा की पत्नी जे० एम० रोड्, मंगलर-1
- (6) श्री मार्क बालतीजार बाबस्टीट लोबो लुरडीस बुध, सिलवा लेन, कंकनाडी, मंगलूर-2
- (7) श्री प्रमोद कुमार साम्बू श्रलोक डिस्टीबयूटर्स हम्पनकइ, मंगलूर-1
- (8) श्री महेन्द्र बी॰ गांधी मैसर्स गांधी सन्स् स्रजीजुद्दीन रोड, मंगलूर-1
- (9) श्रीमती सवीतावेन रेवालाल, रेवालाल की पत्नी गौरीमट स्ट्रीट मंगलूर-1
- (10) श्री सुरेश कुमार शर्मा सं० 10~1, 9/3, ग्रजीजु-दीन कास रोड बंदर मंगसूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्भंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की खबिब, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितवद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वड्टीकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभावित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1143/81-82 दिनांक 18-11-1981) अर संपत्ति है जिसका

भार एस । स्वारा ह । जिल्ला भार एस । सं । 681-3 170-3 707 169 681-3 170-3 681-3 170-3 708 171-27 तथा जो भ्रसावर गांव मंगलूर सिटी में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 6-7-1982

भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/32798/81-82/एमबी बी---यत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कारपोरेशन सं० 30 है, तथा जो 18वां कास रोड, मल्लेस्वरम, बंगलौर-3 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रध-कारी के कार्यालय, राजाजी नगर बंगलौर-3 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

को पृवां क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **भावत** उक्त विभागिसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कज़ी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-मृकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) बी० एस० सुन्दरमूर्ति ट्रस्ट जिसका प्रतिनिधि है श्रीमती एस० नीलवेणी, सं० 25, श्रन्नस्वामी मोदिलयार रोड बंगलीर-42 2. श्री वी० ए० क्रृष्णमूर्ति, सं० 11, श्रमवर्न रोड, वंगलीर-42

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री एस० नारायणा
2. श्रीमती विजयलक्ष्मी सं० 16, ग्रो० वी० एच०
रोड़ बसवनगुडी बंगलौर-4

(ग्रन्सरिती)

(3) 1. डा० राजशेखर 2. श्री श्रार० सोमशेखर 3. श्री श्रार० चन्द्रशेखर 4. श्री श्रार० संकरप्पा 5. डा० श्रार० गंगाधर 6. श्री श्रार० पालक्शा 7. श्री श्रार० प्रभाकर 8. श्रीमती रंगम्मा सं० 30, 18वां कास मल्लेस्वरम, बंगलौर-3

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) टेनेटस ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूबाँक्स सम्पर्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्वाकारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि -निस्मु के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्सावेज सं० 4545/81-82 विनांक 14-12-81) बर संपत्ति है जिसका कारपोरेशन सं० 30, 18वां काम रोड मस्लेस्बरम, अंगलौर-3।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) **घर्ण**न रेंज, बंगलौर

दिवांक: 3-7-1982

प्ररूप बाही. टी. एम. एत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० सी० घार० नं० 62/33194/81-82/एक्वी/ बी०—धत: मुझे, मंजु माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 48 है तथा जो उकास्टा स्कोयर, 1 कास सेन्ट मेरिस टाऊन बंगलीर 84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकराँ श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिन्नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 4 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) बेनिटो नेस्टान्सो पीट्रो बेस्टान्सो नं० 48, उकास्टा स्कोयर 1 कास, सेन्ट मेरिस टाऊन, बंगलौर-84

(अन्तरक)

(2) 1. डोरिस जेट्रूड पेरेस्टा

2. ऐरिस् फैल्ट्स पेग्

3. फिलिस् बेरिल् कार, नं० 52, रीगल बिल्डिंग, पारलियामेंट स्ट्रीट न्यू दिल्ली-110001

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2706 दिनांक 4-12-81) नं० 48, डकास्टा स्कोयर, 1 कास सेन्ट मेरिस टाऊन, बंगलौर 84।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक: 5-7-1982

प्रसप आई० टी० एन० एस०----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा</mark> 269-छ (1) के अभीन स्**ष**त्रा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)
श्रजेन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिसांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्रार० नं० 62/32800/81-82/एक्की/बें०-- असः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 114/ए, 114/ए-1 है तथा जो मानसरोवर रोड, इट्टीगेगुड, मैसूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, सक दियमान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमा करने या उससे मचने में सृविधा के लिए; और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अबीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एस० नारायण स्वामी नं० 112 5वों कास मान-सरोवर रोड यट्टीगेगुड़-मैसूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भावरी भाई 210, झणोका रोड मैसूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका समास्ति के अर्जन के लिए एतर्द्वारा कार्यवाहीयां णुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्ताबेज सं० 3404 दिनांक 7-12-81) नं० 114/ए श्रौर 114/ए-1 मानसरोवर रोड इंट्टीगेगुड़, नजरबाद मैसूर

> मंजु माधयन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 9-7-1982

रम्भ आई टो. एवं एस. --------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62/33778/81-82/एक्की/ बें०---यत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 19 है तथा जो साण्डर्स रोड़, क्लेंबलैंड टाऊन, बंगलौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12 फरवरी 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एसे रश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिएव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी कियों आय या किसी धन गर पत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाता काहिए था, खिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः मों, मों, ठक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री इस्मायिल सुलेमान सेयिद उनके प्रतिनिधि करने वाले श्री जान डि सौसा 16/3, रेस्ट हाऊस केसेण्ट् नंगलीर

(असरक)

- (2) श्रीमती एलिसबेथ थामस् 10, नंदी दुर्ग रोड, बंगलौर (ग्रन्तिर्मी)
- (3) कन्टोन्मेंट पॉलिक्लिनिक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यनाहियां करता हुं :

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस : 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवासः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद् किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनस्ची

(दस्तावेज सं० 3428 दिनांक 12-2-82)

घर के पहले खंड की छन नं० 19, साण्डर्स रोड़ क्लेबलैंण्ड् टाऊन, बंगलौर

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 22-6-1982

प्ररूप जार्ड . टी . एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जन 1982

निर्देण सं० सी० श्रार० नं० 62/33779/81-82/एक्वी/ बें०—श्रतः मुझे, मंजु माधवन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० 19/1, फस्ट फ्लोर है तथा जो साण्डर्स रोड़, क्लेवलेण्ड टब्रुन, बंगलूर में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12 फरवरी 1982 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुंचों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन वार धन के अधीर व के दायित्य में कभी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एगी किसी जाय या किसी बन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिका के लिए;

(1) श्री इस्माईल मुलैमान सेयिट उनके प्रतिनिधि करने वाले श्री जान् डिसौजा 16/3, रेस्ट हाऊस केसेण्ट् बंगल्र

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती नियोना राजम् 6, प्रोमनेड रोड़ बंगलूर (ग्रन्तरिती)
- (3) किराएदार

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांडे भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(वस्तावेज सं० 3429 विनांक 12-2-82) मकान की सबसे नीचे की छत नं० 19/1, साण्डर्स रोड़ कूलेबसाण्ड टबुन्, बंगलूर

> भंजु माधवन, सक्षम **प्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) को अधीन, निम्नौतिसित व्यक्तियों, अधीत्:——

दिनांक: 22-6-1982

प्ररूप आर्थ. टी. एन्. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई 1982 सं० ए० एस० श्रार०/82-83/148:—यत: मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है **जो छेहरटा श्रमृतसर** में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़

भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिलित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उन्स निधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (स) ऐसा किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः कब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की कपधारा (1) के अधीन-निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—— 1. श्रीमती राज कुमारी सेठ पत्नी मुनी लाल से० वासी श्रन्दरन सरकुलर रोड ढाब खटीका श्रमृतसर श्रब 94 जोशी कलोनी नजदीक लारेंस रोड ढारा सुभाष बन्द्र शलमद कोरट सरदारजी बख्बीण कौर सब जज लोकल कमिशनर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

2. श्री केणो राम वाही पुत्र तीर्थ राम वाही, रिजन्द्रनाथ वाही केवल कुमार वाही, रबी कुमार वाही, विन कुमार वाही, पुत्र केशो राम वाही वासी गली गुसाइंगां कटड़ा भाई सन्त सिंह श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पब्दीकरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 450 वर्ग गज जो छेहरटा श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 14656/3-11-81 रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह श्राई० घ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज ३, चन्त्रपृरी प्रमृतसर ।

तारीख: 15-7-1982

प्ररूप बाह्र टी. एन्. एस ु-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रिधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-3, श्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए० एस० श्रार०/8283/149:—यतः मुझे, आनन्द सिंह ग्राई० श्रार० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी एक जायदाद सिटी सेंटर इम्प्रूवमेंट ट्रसट स्कीम है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981।

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्क कि निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण संहृद्धं किसी भाग की वावत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- 1. श्री श्रवतार सिंह पुत्र सन्तोख सिंह वासी गली नं० 5 मकान नं० 794 शरीफपुरा ध्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती महिन्दर कौर पत्नी हरभजन सिंह पुत्र लाल सिंह श्रौर बलिबन्द्र सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी 433/13 जी० टी० रोड शारीफपुरा श्रमृतसर । (श्रन्तिर्ति।)
- जैसा उपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्श का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसभी

एक जायबाद प्लाट नं० 108 (एरिया 115 वर्ग गज जो सिटी सेंटर इम्प्रूवमेंट ट्रसट स्कीम ग्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 15089/12-11-81 रजिस्ट्रीकर्चा ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

भ्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी श्रमृक्षसर।

तारीख: 15-7-1982

प्रक्य बाइ . टॉ. एव्. एस. -----

भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए० एस० ग्रार०/8283/150:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा दूलो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुस्की में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए क्रितरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुर्द्र किसी आम् की बाबस्, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक के दामित्व में कभी करने मा उससे अचने में स्विधा को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भूत वा अन्य शास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः सब, उक्त निर्धानक्त की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों,अर्थात् :-- श्री राम लुभाया कपूर पुत्र जनक राज कपूर वासी बसन्त एवनयू अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री किशन चढा पुत्र भीम सेन चढा वासी मकान नं० 2822/10--9 गली मादा पेंजा श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो लजया बन्ती 35 श्री गुप्ता 20 सुरिन्द्र कुमार 20/- क्रिज लाल गुप्ता 20/- नरन्जजन दास 12.50 मोहन लाल 15 यू०।

(स० व्यक्ति, जिनके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के वर्षन के हिस्य कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सभ्यत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सुमना की राजपत्र में प्रकाशन को तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा मकोंगे।

स्पक्टोकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्य होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

मनसची

एक जायदाद जो कटड़ा ढूलो श्रमृतसर में है एक प्लाट भूमि का 95 वर्ग सें० जैसा सेल डीड नं० 15848/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह आर आई एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी अमृतसर।

सारीख: 15-7-1982

मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुक्ता .

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजींन रेंज अमृतसर कार्यालय
श्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए० एस० भार०/8283/151:—यत, मुझे, श्रानन्द सिंह आर्ड. श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि है तथा जो कीरी खुरद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्मा के कार्यालय पठानकोट है र्राजस्ट्रीकरण श्रिश्चित्त । 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखक में वास्तिक रूप में किथन सहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्ल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1. श्रीमती नीलम रानी पत्नी कंबर राज बीर सिंह पुत्र चौधरी केशो दास वासी दौलापुर पठानकोट। (ग्रन्तरक)
- श्रीमता ग्रमस्जीत कीर उर्प सक्सा कीर पत्नी चौधरी केशो दाम वामी दौलापुर पठानकोर।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त पत्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि 240 कनाल 3 मरला गैर मुमकिन जो गांव कीरी खुरद पठानकोट में है जमा मेल डीड नं० 2229/ 10-11-81 रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह ग्राई ग्रार एम० सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी श्रमृतसर।

सारीख: 15-7-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आय्क्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई 1982

न्नादेश संव एव एसव आग्रव/8283/152:——ग्रानन्द सिंह न्नाईव श्रारव एसव,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000,'- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० भूमि है तथा जो गांव ग्रानन्दपुर पठानकोट में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवस्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नालिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्ष्य में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिगयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा वकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, ---

 श्री गुरदेव शर्मा पुत्र धरम देव शर्मा वःसी जोधा मल कलोनी पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कमला रानी चोपड़ा पत्नी विष्तु चोपड़ा नीलू चोपड़ा पत्नी किणन चौपड़ा बासी कथली कलीनी पठानकोट।

(ग्रन्तरिती)

*3. जैसा ऊपर संव 2 में कोई किरायेदार हो।
(यह व्यक्ति, जिसके ग्राधभोग में सम्पत्ति है)

*4 श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके । विकास सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष्म व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा सन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो छक्त सिक्ष-नियम के सहयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अहयाय में विया गया है।

अनुस्ची

भूमि 1 कानाल 6 मण्ले 150 फुट जो म्रानन्दपुर पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 2425/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता मिश्राधकारी पठानकोट में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह ग्राई ग्राप्० एस०, सक्षम प्राधिकारी, (महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3-चन्द्रपूरी श्रमृतसर।

नारीख: 15-7-1982

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम<mark>ृत</mark>सर

श्रमृतसर, दिनाक 14 जुलाई 1982

मं० ए० एस० भ्राप्त /82-84/3133:--यतः मुझे श्रानन्द सिंह, श्राई० श्राप्त एस०,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रशाद 'उम्पत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारभ है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो नजदीक टी० बंग् श्रूपताल श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ श्रमृत्सूची में पूर्ण कर से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रांकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख नवम्बर 1981 को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिये; जीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिद व्यक्तियों अर्थातु :----

थ। !2 न-को श्रीमाति चस्पत्यतो विधयः जय विध्यत अहण चन्द पुल जय (क्षणत वासा वस्वई द्वार) जागिन्द्र सिह् श्रटाप्ती वासा गांव मुदल तहसाल जिला अमृतराप।

(ऋतरक)

2. श्रा नरेण कुमार पुत्र कमत किगोर वामा चींक दरबार साहब श्रमृतगर।

(श्रन्तर्भर्तः)

जैसा उत्पर सं० 2 में कोई किणायेदार हो।
 (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्मत्ति हैं)

4. ग्रांग कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वार, अथोहस्ताक्षरी के पास् सिक्ति में किए जा सकनो।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

् अनुसूची

एक भूमि का प्ताट 240 वर्ग गण जो नजदीक टी० बी० अस्प्रताल अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 14725/ 4-11-81 रिजस्ट्राक्ति अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> त्रानन्द सिंह (स्राई०प्रा४०एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकप श्रत्युक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेंज-3 कन्द्रपुरी, स्रमृतसप

तारीख: 14-7-1982

मोहर:

24-216 G1/82

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० ए० एस० भार०/8283/134:--यतः मुझे भ्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

जायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट टी० वी० हस्पताल समृतसर है तथा जोमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रांकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में राजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सर्धान, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ता अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थात् :~-

 श्री काहन चन्द पुत्र जय किशन, चम्पा वता विधवा जय किशन वासी बम्बई द्वारा जोगिन्दर सिंह भ्रटारनी वासी गांव मुक्ष्ल श्रमृतसप्

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार पुत कमल किशोर व.मी चौंक परवार साहब श्रमृतसर।

(ग्रन्तिर्ता)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रबोहरताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि प्लाट 240 वर्ग गज जो नजर्वाक टी० बी० हस्पताल ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14726) 4-11-81 एजिस्टरीकर्त्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> न्नातन्द सिंह ग्राई ग्राप्त एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रुजैन रेज 3, चन्द्रपुरा ग्रमृक्सर

तारीखा: 14-7-82

प्ररूप् आई.टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं॰ ए॰ एस॰ ग्रार/8283/135:-यतः मुझे श्रानन्द सिंह, ग्राई॰ ग्रार॰ एस॰,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 ∕रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट का है तथा जो मजबीक टी० बी० हस्पताल श्रमृतसर में स्थित है (श्रीप इससे उपावस श्रमृत्सो में भौर पूर्ण रूप में विणित में), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवम्बर, 1981।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उबस अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री काहन पुत्र जय किशन व चम्पा वती विधवा जय किशन वार्सा बम्बई द्वारा जोगिन्द्र सिंह श्रटारनी वासी गांव मुदल तहसील व जिला श्रमृतसर।

(मन्तरक)

 श्रो प्रमोद कुमार पुत्र कमल किशोर वासी चौंक दरबार साहब श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. ग्रीर कोई
(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

अतस ची

एक भूमि का प्लाट 240 वर्ग गज, जो नजदीक टी० वी० हस्पताल ग्रमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 15712/ 23-11-81 रिजस्टरीकर्सा ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> न्नानन्य सिंह, त्राई आर एस सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 चन्त्रपुरी ग्रमुतसर।

तारीख: 14-7-1982

प्ररूप भाई ० टी ० एत • एस०

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

र्सं० ए० एस० श्रार०/8283/136--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस.,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्याए से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो नजदीक टी॰ बी॰ हस्पताल समृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिषक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से सुद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त श्रिष्टियमं की घारा 269-ग के भनुसरण में, में. उक्त श्रिष्टियमं की धारा 269-ण की उपवारा 1) के अश्रीम, मिमनलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- श्रीमर्ता चम्पा वर्ता विश्वना जयिकणत वाहित चन्द पुत्र जय किणत वासी बम्बई द्वारा जोगिन्द्र सिंह श्रदारनी वासी गांव मुदल, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री नरेश कुमार पुत्र कमल किशोर वासी चींक दरबार साहब ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (ह) इन युवना के राजाल में प्रकाशत की तारी क से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के झंड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस झंड्याय में दिशा गया है।

वन्त्वी

एक भूमि का प्लाट 240 वर्ग गर्ज जो नजदीक टी॰ बी॰ हस्पताल श्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं॰ 15958/ 27-11-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, श्राई श्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

नारीख: 14-7-82

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रीवीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए० एस० ग्रार०/8283/137--प्रतः मुझे ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ^शुक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रीर जिसका सं० भूमि का प्लाट न्यू गार्डन कालोनी श्रम्तसर तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कायिनय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी ग्राय की बाबत जकत ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधित्यम, या अन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, श्रिपाने में कृतिका के लिए;

श्रतः श्रय, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त श्रिष्ठिनियम की श्रारा 269-ए की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- फर्म मैसर्ज ररेश एण्ड कम्पर्ना द्वारा वेद प्रकाश पुत्र पूरन वन्द वासी श्रजीत नगर श्रमृतसर।
- 2. श्री सूरिन्द्र कुमार पुत्र सरदारी लाल सरीन बासी श्रमृतसर ग्रब पटी मुहल्ला भिलयों में ने के 84/101 (श्रम्बरिसी)
- जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में अ किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होता, जो उन श्रध्याय में विया गया है।

नगुनुची

एक भूमि का प्लाट 250 वर्ग गज जो न्यू गार्डन कालोर्नः अमृतसर में है जैसा सेल छाड नं 15975/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रा४० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपूरी, श्रमृतसर।

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप माई.टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भ्रमृप्तसर कार्यालय

भ्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए० एस० भार०/82-83/138---यतः मुप्ते, म्रानन्द सिंह श्राई० भार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्थर, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिलित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्री जीयालाल तीर्थं राम पुत्र तीरथ राम वार्साः—बम्बई
 द्वारा आर० के० गुण्ता दास वार्साः—टाहला साहब
 श्रमृतसर मुखतार।

(अन्तरक)

 श्री बलबन्त सिंह पुल राम सिंह बासी चाटी बिंड गेट श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सभ्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसची

एक भूमि पर प्लाट 283 वर्ग गज जो राधा स्वामी रोड रघुनाथ पुरा दी माल ध्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15982/27-11-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्य सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर।

तारीख: 12-7-1982

प्रकृष गाई • टी • एंन • एस • — गायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई, 1982

सं० ए० एस म्रार०/8284/139:—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एम०,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के पधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शालार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट राधा स्वामी रोड, श्रमृतसर है तथा जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में स्थित है श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के ज्ञानित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिण्वाम करने का करणा है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है 1——

- (क) अन्तरण से तुई किसी ग्राय का बाबत उकत ग्रिश्चित्रयम के ग्रधीत कर यन के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की छारा 269-ग के अमृसरण में. में उक्त धीर्धिनियम की छारा 269-च की उपधारा (1) के भीष्ठीन, जिम्मलिखित स्पिनत्यों अर्थातु:--- श्री जीयालाल तीर्थ राम पुत्र तीर्थ राम वासी बम्बई द्वारा श्रार० के० गृप्ता पुत्र दुर्गा दास वासी टाहली साहब श्रमृतसर मुखतार।

(ध्रन्तरक)

 श्री बलदन्त सिंह पुत्र राम सिंह वामी चाटीविड गेट श्रम्तमन

(ग्रन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के फ्रार्जेंस के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के चर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृवीकत अविवत्यों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकातन की तारीख से
 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--दमर्थे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनूसूची

एक भूमि का प्लाट 283 वर्ग जो राधा स्वामी रोड रधुनाथ पुरा दी माल ग्रमृतसर से है जैसा सेल डीड नं० 15976/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर।

ता**रीख**: 12--7-82

प्ररूप् आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

म्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए० एस० म्रार०/82-83/140:---म्रानन्द सिंह, भाई० म्रार० एस०

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद मकबूल रोड श्रमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णात है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 81

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्रीमती सुणीला गुष्ता पत्नी लेखराज गुप्ता ग्रीर कमल गुप्ता पुत्न लेख राज गुप्ता वासी को० नं० 7 मकबूल रोड ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. डा० राजिन्दर सिंह थिंद पुत्र बलवन्ते सिंह थिंद वासी 92 लाल बाग दी माल, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वहं व्यक्ति, जिनके बारे में फ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक भूमि का प्लाट साथ बना हुन्ना जो मकबूल रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15270/16-11-81 रिजस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह,० आई० आर० एस, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारी**व**: 12-7-1982

मोहर:

1

प्रकप धाई० टी० एन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए० एस० श्रार०/82-83/141—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह; श्राई श्रार एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद मकबूल रोड श्रमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिजिबत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रिष्ठित्यम के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

न्नतः श्रव, उक्त स्रिधिनयम की धारा 269-थ के अनुसरण में, में, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-६ की उपधारा (1) के प्रधीन निस्तितिखा अस्तियों स्रवीत :--- 1. श्रीमती सुशीला गुप्ता पत्नी लेख राज गुप्ता व कमल गुप्ता पुत्र लेख राज गुप्ता वासी कोठी नं० 7 मकबूल रोड, श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी डा० रजिन्दर सिंह थिड वासी 92 लाल बाग दी माल पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ बना हुआ जो मकबूल रोड भ्रमृतसर में है भ्रौर जैसा सेल डीड नं० 15348/17-11-81 रजिस्टरीकर्त्ता ग्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानन्द सिंह, श्राई स्नार एस, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 12-7-82

मोहर:

25-216GI/82

प्ररूप आर्द, दी, एन, एस, ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज अमृतसर

धमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० ए० एस० झार०/8283/142—यतः मुझे, झानन्द सिं**ह मा**ई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो नजवीक टी० नी० हस्पताल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नथम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री काहन चन्द पुत्न जय किशन व चम्पा वती विधवा जय किशन बम्बई द्वारा श्रार० के० बोंगा द्वारा जो जोगिन्द्र सिंह मुखतार श्राम त्रासी गांव मुदल तहसील जिला श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रष्ण खामा पुत्र शिव प्रकाश खन्ना 58 लारेंस रोड भ्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति व्यक्ति या
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिर्णः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

एक भूमि का प्लाट 178 वर्ग गज जो नजबीक टी. वी० हस्पताल श्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 14868/ 6-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह ग्राई ग्रार एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 14-7-1982

प्ररूप आर्द्दः टी. एन्. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए० एस० श्रार०/8283/143—यतः मुझे श्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

श्रायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जि. इसमें इसके उण्यात् 'उना अविनियम' कहा गया है), का धारा 265-ख के श्रवीत च न अधिनारी की, यह विण्यात करते का कारण है कि स्थावर मंगीत, जितका उवित बाबार मूल्य 25,000/- ह० से श्रीकि है

ग्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतश्चन से ग्रधिक हे श्रीन अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गर्या प्रति-फल निम्निजिखित उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक खा से किया हों कि सामा है:—

- (क) अन्तरण पं हुई किसी त्यान की वाबत उक्त श्रष्टि-त्रियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने नें सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर स्रिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैंसर्ज मरश एण्ड कम्पनी कटड़ा श्राहलूवाला द्वारा वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी श्रजीत नगर श्रमृतसर।

(अन्तरक)

2. डा० सुर्खावद्र सिंह वालिया पुत्र बलवन्त सिंह भाहलू-वालिया 85 गोल्डन एवन्यू, हैड वाटर वर्क्स रोड श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा सेल डीड नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिनके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में **प्रधोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पत्ति में **हितबद्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां जरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राज्य व ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्व था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्व, खो भी अविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी अर्थ :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवितयम के प्रध्याय 20-क में यथा परिकाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 253.33 वर्ग गज जो न्यू गार्ड न कालोनी ग्रमृतसर में है जसा सेल डीज नं० 15969/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, 3 चन्द्रपुरी म्रमृतसर।

तारीख: 12-7-1982

मोहर 🗓

प्ररूप भाई० टी० एन● एस●----

मायकर अधिनयम; 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-व(1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, श्रम्तसर कार्यालय

श्रमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

स्० ए० एस० भ्राां०/8283/144—यनः मुझे भ्रानन्द सिंह ग्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो नजदीक टी० वी० हस्पताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रिष्ठफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिधक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण न हुई किया प्राप्त की बावत उक्त ग्रधि-लियम, के ग्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीए/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री काहन चन्द पुत्र जय किशन व चम्पा बती विधवा जय किशन बम्बई द्वारा श्रार० ए० बोगा द्वारा जोगिन्द्र सिंह मुखतारएश्राम वासी गांव मदल तहसील व जिला श्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री गौरव खन्ना नोबालग पुत्र श्ररूण खन्ना, 58 लारेंस रोड श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा सेल डीड नं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद फिसौ श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्तान्नरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधित नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही प्रयं होगा, जो उन्न ग्रध्याय वं दिया गया है।

बनुसूची

एक भूमि का प्लाट 175 वर्ग गज जो नजदीक टी॰ बी॰ हस्पताल श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 14867/ 6-11-81 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> भानन्द सिंह भ्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी श्रमृतसर।

तारीख :14-7-82

प्ररूप आहें. टी. एन्., एस्.--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, तारीख 14 जुलाई 1982

सं० ए० एस० श्रार०/8283/145:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो ईस्ट मोहन नगर ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पृतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बृधने में सुविधा के सिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सूर्यात्:—

अभृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्ररूड़ सिंह 13 ईस्ट मोहन नगर श्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं० 13 जो 1050 वर्ग गज है जैसा ईस्ट मोहन नगर श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14946/9-11-81 रजिस्टरीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर दर्ज है।

> भानन्द सिंह भाई० भार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3 चन्द्रपुरी, भ्रमृतसर।

तारीख: 14-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज भ्रमृतसर

श्चमृतसर, दिनांक 14 जुलाई, 1982

सं० ए० एस० श्रार०/8283/146:—~यतः मुझे श्रानन्द सिंह, आई० श्रार० एस०,

आयकर अधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/ राज संशोधक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ब्यूटी एवन्यू श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय में नवस्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, फिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री भ्रोम प्रकाश चावला पुत्र राम लाल व उमा चावला पत्नी भ्रोम प्रकाश व चमन लाल पुत्र लछमन दास वासी बसन्त एवन्यू ग्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

- श्री दीवान सिंह पुत्र पाल सिंह वासी तलवण्डी माधो के तहसील जालन्धर श्रीर तारा सिंह पुत्र साधू सिंह वासी गांव नूरपुर चिठयां जिला जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)
- ग्रीर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस दिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पदों का, जो उक्त अभिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

मन्स्ची

एक भूमि का प्लाट 205 वर्ग गज जो ब्यूटी एवन्यू ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15922/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह (भ्राई० ग्रार० ए.स०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज III चन्द्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 14-7-1982

श्रुरूप माही, दौ. एच. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० ए० एस० भार०/147—यतः मुझे भानन्द सिंह भाई० भार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० एक प्लाट है तथा जो ब्यूटी एव न्यू श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1981

करं प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्मत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूकिया के लिए;

कतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात--

- श्री चमन लाल पुत्र लखमन दास व स्रोम प्रका चावला पुत्र राम लाल चावला व उमा चावल पुत्री श्रोम प्रकाश चावला वासी बसन्त एवन्यू श्रमृतस (अन्तरक)
- 2. श्री दीवान सिंह पुत्र पाल सिंह वासी तलवण्डी माधो के तहसील जालन्धर श्रीर तारा सिंह पुत्र साधू सिंह वासी गांव नूरपुर चटियां जिला जासन्धर

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

एक भूमि का प्लाट 205 वर्ग गज जो ब्यूटी एवन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15923/27-11-81 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह भ्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊷3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 14-7-1982

मोहाः

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार० 171/ग्रर्जनः—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 8/163 एम है तथा जो नवल किशोर रोड लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27 नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई िक सी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लव भागेवा पुत्र राजा राम कुमार भागेवा 75 हजरत गंज लखनऊ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती रणपाल कौर पत्नी कुलदीप सिंह सेठी 164/2 चन्दर नगर श्रालमबाग लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

श्री राम फेर पाण्डेय, श्री पारस नाथ।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं:

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जु से 45 दिन की अविध् या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवृधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियह गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड सम्पत्ति संख्या 8/163 एम० नवल किशोर रोड पर स्थित है जो कि 3289 स्ववायर फिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 7080 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 27-11-81 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन क्षेत्र, लखनऊ

सारी**ख**: 12-7-82

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० जी० श्राई० ग्रार० संख्या के०-110/ग्रर्जन:----यतः, मुझे ए० प्रसाद,

भायकर राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'जक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन संजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दे से भिधिक है

श्रौर जिसकी संख्या लीजहोल्ड 9/163 है तथा जो नवल किशोर रोड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध ग्रन्-भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित तात्रार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर धन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि**क**ल, निम्नलिखित उरे़श्य से उपन अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उसमे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आा या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीर धारहर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या ध्रनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुश्चिमा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित न्यक्तियों, जर्भात् :---26--216GI/82

- श्री कुण भार्गत्रा पुत्र श्री राजा राम कुमार भार्गत्र
 त्र हजरत्यगंज, लखनऊ।
 - (भ्रन्तरक)
- श्री कुलजीत सिंह श्री स्वरूप सिंह द्वारा मुख्तारे ग्राम पिता संरक्षक श्रीजंग सिंह गम्भीर 148/2 चन्द्र नगर, ग्रालमबाग, लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

करायेदार — श्री मोहन श्री मो० हलीम।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड सम्पत्ति संख्या 9/163 एम० नवल किशोर रोड लखनऊ में स्थित है तथा 3360.6 वर्गफिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 6838/4/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 16-11-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, ल**खन**ऊ

- ,

तारीख: 12-7-1982

मोहारु 🖫

प्ररूप आहु टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 14 जुलाई, 1982 सं० आय ए० सी०/सी० ए०-5/एस० आर० हवेली-II नोव्हे-81/743/82-83:—यतः मुझे, आर० के० अग्नवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 37/22 है तथा जो प्रभान रोड एरंडवणा पुणे 4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक हवेली-।। में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतु :--- 1⁻ श्री पांडुरंग विष्णु महाडकर, 38/16 प्रभात रोड़ गली नं ० 10, एरण्डवणा पूणे-4

(अन्तर्क)

2. श्री एस० श्रार० टिपणीस, चेयरमैन, प्रशांत को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, 37/22, एरंण्डवणा 7वी गली, प्रभात रोड, पुणे-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो मं० नं० 37/22 प्रभात रोड, एरंडवणा पूणे-4 पर स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 6487 नवम्बर 1982 को द्य्यम निबंधक हवेली-॥ के दफ्तर में लिखा हुन्ना है।

> द्यार० के० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, पूना

नारी**ख**: 14-7-1982

प्रचय आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० सी० ए० 5/एम० आर० करावर/नवम्बर 81/745/82-83:—यतः मुझे, आर० के० प्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भि० स० सं० 1330 ए० /9 ए० हैं तथा जो ई० वार्ड, णहर कोल्हापुर में स्थित हैं, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक करावर में, रिजस्ट्री: करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रीभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात् :---

- सौ० बिमल गोपालराव चव्हाण भौर दो सि० स० न० 1330 ए०/ 9 ए ई० वार्ड, सागरमल, कोल्हापुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भिक्तूगोंड़ा बाबगोंडा पाटील 2. श्री ग्राजीत भिक्तूगोंडा पाटील सि० स० नं० 1493, डी० बार्ड, उत्तरेश्वर, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रापर्टी जो० सि० स० न० 1330 ए/9 ए ई, काई शहर कोल्हापुर में स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 3959 जो नवस्वर 1981 में युरयम निबन्धक करावर के दफ्तर में लिखा है।

> ग्रार० के० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, पूना

> > , -1

तारी**ख**: 15-7-1982

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज

पूना-411004, दिनांक 14 जुलाई 1982

मं० श्राय० ए० सी०/मी० ए० 5/एम० श्रार० हवेली/ नवम्बर 81/744/82-83—पतः मुझे श्रार० के० श्रयवाल, आयकर अधिनिर्म, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० न० 54(1)4 शेयर 63/2 ए 1/2 शेयर, 63/2 ए 63/4 बी०, 63/7 बी० 63/9-बी० है तथा जो श्रांबेगांव खुर्व ता० हवेली जिला पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक हवेली-II में, रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नयम्बर, 1981

को पूर्विकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उष्धारा (1) के अधीन निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती शांताबाई बिठोबा दाल्वी श्रांबेगांव खुर्द, पोस्ट कामज, ता० हवेली, जिला पुणे।

(अन्सरक)

- (1)श्री विष्णु बाब्राव पवार, पवार बिड़ी मैन्युफैक्चरिंग वर्क्स 308, गणेंश पेठ पुणे ।
- (2) श्री काशीनाथ गंगाधर खामकर, 242, राजेन्द्रन नगर, म्युनिसिपल कालोनी, वांडेकर पूठु पुणे।
- (3) बाजीराव हरीभाउ जाँबठे जाबुकवाड़ी पोस्ट कामज,
- (4) श्री उत्तम सदाशिव दाल्वी स्रांबेगांव खुर्द, तहसील हवेली, जि० पुणे।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति राः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

खुली जमीन जो० सं० नं० 54, 60/1, 63/2 ए०, 63/4 बी०, 63/7 बी०, 63/9 बी पर भ्रांबेगांव ता० हवेली जिला पुणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 6252 जो नवम्बर 1981 को दुय्यम निबन्धक हवेली-II के दपतर में लिखा हुन्ना है।

> ग्रार० के० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, **प्**ना

नारीख: 14-7-1982

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1258—यतः, मुझे मोहन सिंह,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अभिनियम' कहा नया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 8 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-11-1981

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल हे एसे दृश्यमान प्रितिफल के पन्दृह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की यासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिन्यमं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री सागरमल महता पुत्र श्री हमीरमल जी महता भवानी सिंह मार्ग, जयपुर

(अन्तरक)

 श्री विजयमल पुत्र श्री दौलत मल, निर्मल कुमार, धनपत पुत्र श्री विजयमल, 8 जालम निवास, पावटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध भी कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रावासीय मकान स्थित प्लाट नं 8, जालम निवास स्कीम, पावज, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 732/2544, दिनांक 18 नवम्बर, 1981 पर पंजीबद्धविकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1982

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1259—-यतः, मुझे, मोहन सिंह,

श्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्टिनयम' कहा नया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मृख्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-11-1981 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जुलारण से हुई जिसी जाय की बाबत, सजत जिथ-तियम के संझीत कर देने के सन्तरक के दासित में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए। सीर/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिल्हा भारतीय आयु कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : — श्री गोताल सिंह पुत्र श्री देवी सिंह सरक्षक श्री करणवीर सिंह राजपूत, राठौड़ के, भादराजून

(अन्तरक)

2. श्रीमती चान्य कंवर पत्नि श्री पृथ्वी सिंह जी एवं श्री पृथ्वी सिंह पुत्र सावन सिंह जी राजदूपून निवासी जनियाना तहसील, पचपदरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारो करक पूर्वीस्त समालि के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्। सम्पत्ति के प्रजैन के अम्बन्ध में कोई भी प्राप्तव --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की नामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बड़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

488.88 गज भूमि स्थित पावटा स्रावासीय क्षेत्र जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 715/2539 दिनांक 18-11-1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में स्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-1982

प्रसूप नाई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1982

निर्देश सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1260—यतः, मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-11-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत, निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हाय में किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात— श्री मूल सिंह पुत्र श्री राम सिंह, जोधपुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती लता देवी पितन रमेण चन्द्र, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि 37 बीघा 11 बिस्वा, शभावतों की ढाणी, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 715/2575 दिनांक 21-11-1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1982

निवेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1281—थतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत' अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

- श्री रामचन्द्र, देवी लाल भुद्रान मुझालाल जी, जोधपुर (अन्तरक)
- 2. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री हस्तीमल जी, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मुकींगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

33 बीघा 16 बिस्ता कल्टीवेटेड लैण्ड, स्थित सोभावती की ढाणी, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्र संख्या 732 दिनांक 21-11-1981 में ख्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन मिह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7~1982

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1262—यतः, मुझ, मोहन सिंह,

स्रायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269 ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-12-1981

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सिक्ष है और मन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरितों (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित सहेक्य से चन्त अग्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आप या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर प्रधिनियम, या घन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चादिए वा, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिशित व्यक्तियों अर्घात् :---27--216GI/82 1. श्री उजागर सिंह पुत्र ठाकुर सिंह निवासी पक्की तहसील श्रीगंगा नगर

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलराज सिंह एथं बलविन्दर सिंह पुत्रान सोह्न सिंह निवासी पक्की ढाणी मोहनपुरा तहसील श्रीगंगानगर (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

धनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पावतीकरण:---इसमें प्रयुक्त मान्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है,वहीं धर्म होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अभूसूची

17 बीधा कृषि भूमि स्थित चक पक्की, तहसील श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 3353 दिनांक 31-12-1981 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-7-1982

मोहर 🚁

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयक्तर प्रधितियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 2694 (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1982

भ्रादेश स० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1263---यतः ; मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अप्रीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपर मे अधिक है

भीर जिसकी सं० 51—बी० है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 24— 12—1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नक्ष प्रतिमा, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाइत, सकत प्रक्षितियम के प्रश्नीत कर देने के घ्रस्तरक के शाबिस्य में कभी करने अ उससे बचने में सुविधा के लिए और/था)
- (म) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गण बाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अवः अवः प्रधिनियम की बारा 269-ग के धन्सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की गारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अ्थितः—

- (1) श्रीमती धापू बाई पत्नि बाल चन्द ब्राह्मण निवासी—--51-बी० ब्लाक, श्रीगंगानगर (ग्रन्तरक)
- (2) गुलाब राय शर्मा पुत्र श्री बालचन्द शर्मा मकान नं० 51-बी० ब्लाक, श्रीगंगानगर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रवंत के लिएकार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप।-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किएजा सकेंगे।

स्पर्विकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रश्याय में विधा गया है।

अमुस्ची

ग्रावासीय मकान 51-शी० ब्लाक, श्री गंगानगर जो उप-पंजियक,, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 3139 दिनांक 24-12-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

चिनांक: 16-7-1982

प्रकप आई० टी• एन• एस-

भ्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधान मुचना

क्षारम सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1264---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावज अनुमूची में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रामनी अधिकार। के वार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 5-12-1981

को पूर्वोका सम्पत्ति के उवित बाकार मूल्य ने कमके प्रति प्रथमा फल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोकत अन्यति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दश्यमान प्रतिफल का प्न्द्रह प्रतिशत् अधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पायर गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आय की जायत छक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उयत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों के अधीत :--- (1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र मोहिन्दर नाथ निवासी—चक 2 ई० छोटी, श्रीगंगानगर।

(मन्तरक)

(2) नवरतन पुत्र मदनचन्द द्वारा मदन चन्द सम्पत राय, कमीशन एजेण्ट शोप नम्बर 40, धान मण्डो, श्रीगंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के हिंस्ट् एतद्द्वारा कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंबंग के संबंध में कोई भी आक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती ो, के जीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी कारित दारा;
- (ख) इस गुचना के राजधत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, श्रधीहस्ताक्षरी
 के पास विजित में किए वा सकी।

स्वब्दोकरण: --इन्सं प्रमुत्त ग्रब्दों और पदों का जा उनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

5 बीघा 6 बिस्त्र ुपि भूमि स्थित च है 3 ई० छोटी, श्री-गंगानगर जो उप-पंजियस, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम हैं संख्या 2993 दिनांक 5-12-81 पर पंजिबद्ध ऋय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1982

मोहर 🖫

प्रकप आई० टी• एन• एस•-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1982

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1265—यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5 ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) श्रम्तरण से शुद्द किसी बाय की बाबत, उक्त श्रितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे श्रमने में सूदिशा के जि़्ए; वृद्धि/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के टिलए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधादा (1) के स्थीन निय्नुनिचित् व्यक्तियों भूषात है— (1) श्री सवाई सिंह पुत्र मूल करण जी, चारण, पारल तहसील, पचपदरा, बाढ़मेर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीण चन्द्र परिहार पुत्र राजाराम जी परिहार न्यू पाली रोड, जोधपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सुम्प्रित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा स्केंगे।

स्पष्टिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 5 ए स्थित जालम निवास, जोधपुर जो उप-पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 713/2541 दिनांक 18— 11-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्त में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 16-7-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक : 16 जुलाई, 1982

ग्रादेश सं० राज०/मह्(० श्रा० ग्रर्जन/1266—-यतः **मुझे;** मोहन सिंह,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- एउ. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 की है तथा जो कार्यालय, जोधपुर में स्थित है, (भ्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 18-11-1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रीधक है और अन्तरण (मन्तरकों) श्रीर भग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अग्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया क्या है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राम की बाबत उवत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के स्रियश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अग्य धास्तियों को, जिग्हें घारतीय धायकर धिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंधिनयम, या धन-कर धिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्याक्ष्मा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :-- (1) श्री सवाई सिंह पुत्र श्री सूल करण जी, चारण, पारलू तहसील, पचावरा बाढ़मेर

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रानन्द प्रकाश पुत्र श्री कस्तूर चन्द्र, जोधपुर (ग्रन्तरिती)

को **यह** सूचना जारी करहे पूर्वोक्त सम्पति के अर्चन के लिए कार्ये**गाहि**यां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबा किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वत्रहीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो खक्त ध्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रष्ट्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 5 बी, जालम निवास, जोधपुर जो उप-पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 714/2542 दिनांक 18-11-81 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप से विवर्राणत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, जयपुर

विनांक : 16-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

घररव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, धिनांक 17 जुलाई 1982

श्रादेश सं० : राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1277---यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं० सी०-63 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक 28-11-1981 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण मिलित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय में बाबत, उनन प्रधि-नियम के प्रधोन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के किए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामें में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त् अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गोपीलाल पुत्र श्री द्वदारामजी गोठवाल, सी०-63, ग्रादर्श नगर, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री रेवाचन्त्व, 724, सिधी कालोनी, राजापार्क, जयपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, वो भी भवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा में 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित वद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास निष्वत में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण.---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के भड़पाय 20-क ने परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवागय है।

मन्सूची

सम्पत्ति स्थित प्लाट नम्बर 63, ग्रादर्भ नगर, जयपुर जो उपंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3015 दिनांक 28-11-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17-7-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जुलाई 1982

ग्रादेश सं० : राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1268—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिनकी संव प्लाट नंव सीव-63 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 21-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिजत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोपीलाल पुत्र द्वदारामजी गोठवाल, सी०-63, श्रादर्भ नगर, जयपुर ।
 - (ग्रन्सरक)
- (2) श्री राधागोविन्द एवं मोहन लाल पुतान श्री रेवाचन्द 724, मिधी कालोनी, राजापार्क, जयपुर । (श्रन्तारिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

सम्पत्ति स्थित प्लाट नं० सी०-63, श्रादर्श नगर, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा कम सं० 2930 विनांक 21-11-81 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 17-7-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जथपुर

जयपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1982

ग्रावेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1269---यत: मुझे, मोहन सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000, न्स. से जायक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 28-11-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे हरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योग से उसत अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री महेश नारायण पुत्र श्री प्रताप नारायण वर्तमान निवासी – पुरोहित जी की हवेली, गणगोरी वाजार, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री मेहर चन्द जैन, 507, ठाकुर पचेवर का रास्ता, घाट घरवाजा, जयपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृवांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्तुसम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम सिरसी जिला जयपुर जो उप-पंजियक जयपुर द्वारा ऋम सं० 3029 तिथी 28-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 20-7-1982

प्ररूप भाइ . टी. एन . एस . -----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1982

श्रादेश सं० : राज/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1270---यत: मुझे, मोहन सिंह,

नायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति,जिसकाउचित बाजार मुरुष 25,000/-३० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 28-11-1981 पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृत्यमाम प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से बाधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीव ऐसे अंतरण के लिए तय पायागया**प्रतिफल निम्नशिखि**त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी चाय की बाबत धक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के बन्द्रपक के पावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

व्यतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों , अर्थात् :--

28-216 GJ/82

- (1) श्री महेश नारायण पुत्र श्री प्रताप नारायण निवासी---ग्राम सिरसी जिला जयपुर वर्तमान निवासी--पुरोहित जी की हवेली, जयपुर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दौलतमल जैन, ग्रहणकुमार जैन, ठाकुर पचेवर का रास्ता, घाट दरवाजा, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (का) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन भी भवधि या तस्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी स्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पक्कीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

कृषि भ्मि 8 बीघा 18 बिस्वा स्थित ग्राम सिरसी जिला जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 3028 दिनांक 28-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, जयपूर

दिनांक : 20-7-1982

मोहर 🛭

प्रस्य **बार्ड**.टो.एन्.एस्.------ (1) डाक्टर एस० डी० णर्मा (सत्यदेव णर्मा) पूत्र स्व०

प्रायकर मधितियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-व(1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुरः दिनांक : 20 जुलाई, 1982

स्रादेण सं० : राज/सहा० स्रा० भ्रार्जन/1271--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण दीकि प्राप्त सम्भित्र जिसका अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी०-96 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीइ कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 28-11-1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे सपने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पृकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के लिए;

मतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, भी, उदात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अथित् :--- (1) डाक्टर एस० डी० शर्मा (सत्यदेव शर्मा) पुत्र स्व० श्री रामनाथ जी शर्मा निवासी——ध्लाट नम्बर 29. उनियारा गार्डन, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द मित्तल पुत्र श्री कन्हैयालाल जी मित्तल निवासी—–ए०+8, मुभाव नगर, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिस को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नम्बर 96, श्रम्बाबाडी स्कीम, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2980 दिनांक 28-11-81 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 20-7-1982

प्रक्ष बाई • ही • एन • एव • ----

मायकर अ**प्रिमियन, 1961 (1961 का 48) की घा**रा 268-में **(1) के सबीत सूच**ना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1982

ृश्रादेश सं० : राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/1272---यनः ह्यो, मोहन सिंह, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर तम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपमे से धिषक है और मुख्य जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 21-11-1981 का' प्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;
- अतः अस, उन्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सत्यप्रकाश, तेजपाल प्लाट नम्बर डी०-3(ए०) न्यू बनीपार्क, जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरयू देवी लाखोटिया, श्रीमती हकमिणी देवी लाखोटिया प्लाट नम्बर डी०-3(बी०) न्यू० बनीपार्क, जयपुर । (श्रम्तरिती)

को यह मूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बग्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 43 दिन को उत्रित्र या तत्मम्बस्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की घविष्ठ, जो भी धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकींगे।

हराब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा भीर पदों का, जो उन्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 3 दुर्गा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा कम सं० 2928 दिनांक 21 नवम्बर, 1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मंहिन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

विनांक : 20-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ाक्षण)

प्रार्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1982

म्रावेश सं० : राज०/ सहा० म्रा० म्रर्जन/1273—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० एस-8 (डी) है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

दिनांक 11-12-1981

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्यंश्य में उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सृतिथा के लिए;

अन अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्रीमती सुखदेवी पहिन श्री मञ्जालाल, एस-6 (डी) दुर्गा मार्ग, बनीपार्क जयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सरोज देवी व गोवर्धन लाल मानधना, लाल हवेली, पीतलियों का चौक, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जुविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नम्बर एस-8 (डी) बुर्गा मार्ग बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 3098 दिनांक 11-12-81 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 20-7-1982

प्रकप आई• दी•एव• एस•--

जायुकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1982

श्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1275—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर प्रिवित्यम; 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रक्षितियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास क्रेंगे का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- थ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 31 है तथा जो गोपालबाड़ी, जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक , 23-1-82

को पृथिकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त निध-नियम के न्धीन कर दोने के नन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे न्यने में सुविधा के निए; नौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः प्रव जनत प्रधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त प्राधिनियम की घारा 269-व की चपवारा (1) को अभीन निम्नुलिचित व्युक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सोहन लाल जैन पुत्र स्वर्गीय श्री कवरीलाल जैन (कर्ता संयुक्त हिन्दू परिवार), निवासी—दीमापुर जिला कोहिमा (नागालैण्ड) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कन्चन देवी पितन श्री सोहन लाल जैन निवासी-दीमापुर जिला कोहिमा (नागलैण्ड) (श्रन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्थी

प्लाट मं० 31, गोपालबाड़ी, श्रजमेर रोड जयपुर क भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 77 दिनांक 23-1-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 20-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12-11-1981

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ ते हुई कियी भाग की बाबतः, उपल् महिंदुनियम् के स्पीत् कर देने के अन्तरक के दायित् में कभी करने वा उत्तर्थ ब्यूने में सुविधा के निष्शु महिंदिन
- (प) एसी किसी जाद या किसी पूछ या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियमं की निरा 265-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसन व्यक्तियों, अधीन :-- (1) श्री श्रवण सिंह पुत्र वरयाम सिंह निवासी—चक 1—ए०, छोटी सहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ब्रागणेश उद्योग द्वारा राजेन्द्र कुमार निवासी— 1-ए, छोटी तहसील, श्रीगंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्थितवारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृशींकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दोकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

5 बीघा कृषि भूमि स्थित चक नं 0.1—ए, छोटी, श्रीगंगानगर जो उप-पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2560 दिनांक 1.2—1.1—8.1 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 9-7-1982

प्रकल नाइ², द्वी. एन. एस.--- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा. श्रर्जन/——यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 63 है तथा जो श्रीगंगानगर में में स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक : 27-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करनेया उससे सवने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

कतः अश्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलियित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री लक्ष्मी नारायण निहानी निवामी—हनुमानगढ़ टाऊन।

(अन्तरक)

(2) श्री राधेण्याम गोयल पुत्र श्री गोपीराम गोयल निवासी—श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनसची

दुकान नम्बर 63 का श्राधा भाग, धान मण्डी,श्री गंगानगर जो उप-पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 2676 दिनांक 27-11-81 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज, जयपुर

दिनांक : 9-7-1982

त्ररूप् बार्डः ठीः दन्ः एसः-----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन—312—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० दुकान नं० 63 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24-11-1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त विभिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्विधा के सिक्; और र∕वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री लक्ष्मीनारायण बिहानी निवासी---हनुमानगढ़ टाऊन ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र गोयल पुत्र श्री गोपीराम गोयल निवासी—श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास हिस्चित में किए वा सुकेंगे।

स्पव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शम्यों और पर्वो का, जो 'उक्त अधिनियम', को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्वी

दुकान नम्बर 63, म्राधा भाग, धान मण्डी, श्री गंगानगर जो उप-पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2777 दिनांक 24-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्सृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिमनलिखित व्यक्तितयों, अधीत् ं--

दिनांक : 9--7--1982

मोहाद्व 🖫

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1236---यतः मुझे, मोहन सिंह.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बन्दी बून्दी में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बूंदी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-11-1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति, रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान यें स्विधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26प-ग कं अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ः---29---216 GI/82 (1) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री वहापुर सिंह बुन्दी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक कुमार पुत्र श्री नानक राम सून्दी।

(अन्तरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिक्षणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुलुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3908 वर्गफुट है ग्रौर कोटा रोड, बून्दी पर स्थित है तथा उप-पंजियक, बून्दी द्वारा कम मंख्या 1745 विनांक 24-11-81 प पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोपाल

दिनांक : 8-7-1982

मोहरु 😢

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांव 8 जुलाई 1982

श्रादेश सं० पाग ०/यहा० ग्रा० श्रर्जन/ 1237—यतः मुझे, मोहनसिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम जा। स्कारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

अगैर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बूर्वा में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुभूचा में और पूर्ण रूप से विणद्ध है), रजिस्ट्रांकर्ती अधिकारी के कार्यालय ब्न्धी में, र्णजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक 24-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्या से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योचय से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व भें कमी करने या उससे बचने में स्विधा के बिएए बार/बा
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री बहावुर सिंह, बून्दी ।

(अन्तरकः)

(2) श्रा नानक राम पुत्र श्री खेमचन्द. बुन्दी।

(अन्तरिली)

करें यह सृषमा आरो करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड मी आदोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

भूमि जिसकी नाम 3908 वर्गफुट है श्रौर उप-पंजियक, बून्दी ब्रापा क्रम सं० 1741 दिनांक 24-11-81 पर पंजिब्रद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-7-1982

्रप्ररूप आर्च.टी.एन.एस.---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर .

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

श्रादेश स० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1239—यत: मुझे, मोहन सिंह,
आयकर शिंहित्यम, 1961 (1961 रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत श्रिथिनियम' वहा ग्या है), की शारा 269-ख के श्रिशीन मलाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्त; जिनका उचित बाजार मृह्य 25.000/- ६० से शिंग्रिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-1-1982 को पूर्वोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुजे यह विश्वास करने उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिश्वत संग्यिक है और अन्तरकां (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संदुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मोईदीन तंत्रर एवं श्री लाल, निवासा—वार्ड नं० 7, साकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रा जदांश प्रसाद एवं श्रा चिरंजीलाल जोगानी, विश्वनाथ जोगानी, वार्ड नम्बर 4, सीकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

ण्लाट (फी होल्ड) जो सीकर में स्थित है (जयपुर सीकर बस रूतट पर) तथा उप-पंजियक, सीकर द्वारा क० संख्या 1281 दिनांक 12-1-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 9-7-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर आ**युक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्थन/1242—यतः मुझे, मोहन सिंह,

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मदन लाल एवं जुगल किशोर पुत्रान णिव प्रसाद शर्मा, वार्ड नम्बर, 12, सीकर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार भूत पुत्र श्री महाबोर प्रसाध महाजन, वार्क नम्बर 3, सीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मेर्जिरिंग 275.77 वर्गफुट जो बार्ड नं० 12, सीकर में स्थित है और उप पंजीयक, सीकर द्वारा कम सं० 1306 दिनांक 18-1-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत् :--

घिनौकः : 9-7-19**8**2

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नचीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

ग्रादेश सं० राज॰/सहा॰ ग्रा. ग्रर्ज./1245---यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

यौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रीप इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारों के कार्यालय संक्ष्य में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, दिनांक 20-1-1982 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निसिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उपत निध-निवध के नधीन कर बोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे वथने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भदनलाल एवं जुगल किशोर पुद्धान श्री शिव प्रसाद शर्मी, वार्ड नं० 12, सीकर

(जन्सरक)

(2) श्री देवकी नन्दन पुन्न श्री महार्वी र प्रसाद महाजन वार्ड नम्बर 3, सीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाडियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--एसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मेजरिंग 275.77 वर्गफुट, स्थित बार्ड नम्बर 12, सीकर, जो उप पंजियक, सीकर द्वारा कम सं० 1309 दिनांक 20-1-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोहन मिह सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक : 9-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1982

श्रादेश सं०: राज०/सहा० श्रा० श्रर्ज ./1243—यतः मुझे. मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (त). के अधीन, निमानियित त्यक्तियों, अर्थातं —— (1) श्री मदन जान एवं जुगल किशोर पुन्नान श्री शिव प्रसाद शर्मा बार्ड नम्बर, 12, सीकर

(अन्तरक)

(2) श्री रामावतार पुत्र श्री महाबार प्रसाद महाजन, वार्ड नं० 3, सीकर

(श्रन्तरिती)

को यह सूच्ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड मेजरिंग 275.77 वर्गफुट जो वार्ड नं० 12, मीक्पर में स्थित है और उप पंजियक, सीकर द्वारा कम संख्या 1307 दिनांक 19 जनवरी, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सोहत सिंह यक्षम प्राधिकारो यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपूर

दिनांक : 9-7-82

्रप्रकृप आहूँ, दी. एन . एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1982

न्नादेश सं० राज०/सङ्का० मा० मर्जन/1246—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिववास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सीकर में, रिजस्टीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे असारण का जिल्ला प्रयाप्त प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक स्पास के किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िल्सी जाय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जनः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ■ अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मदनलाल एवं जुगल किशोर पुतान श्री शिव प्रसाद शर्मा, वार्ड नम्बर 12, सीकर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद महाजन वार्ड नम्बर 3, सीकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध से कीर्ड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृत्यी

प्लाट ग्राफ लेंण्ड सिर्जिर्ग 275.77 वर्गफुट जो वार्ड नं० 3 सीकर में स्थित है श्रीर उप पंजीयक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 1310 दिनांक 20-1-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

दिनांक : 8-7-1982

माहर:

प्रकृत नार्षः, दी. पुनः, पुतः----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक : 8 जुलाई, 1982

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1244—यतः मुझ, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक : 19-1-82 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु-विक रूप से किथत नहीं किया गया है ं---

- (कः) अन्तरण से हुई किमी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन अर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मदनलाल एवं श्री जुगल किशोर पुतान श्री गिव प्रसाद शर्मा वार्ड नम्बर 12, सीकर

(ग्रन्तरक)

को यह स्वना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्ञी

प्लाट श्राफ लैण्ड एरिया 359.44 वर्गफुट जो उप पंजीयक, सीकर द्वारा ऋम संख्या 1308 दिनांक 19—1—82 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्श में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निर्देश मं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1238—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है तथा जो मीकर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सीकर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-2-1982 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:--30-216GI/82

(1) श्री श्रणोक कुमार पुत्र मदन ताल द्वारा मैसर्स अग्रजाल ग्राईल एण्ड दाल मिल्स, दीवान मार्किट, सीकर

(म्रन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार एवं श्रीमती बसन्ती देवी द्वारा मैसर्स झूमर लाल पन्ना लाल फैन्मी, बाजार गौहाटी (भ्रासाम)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन को तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के विध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

मकान स्थित वार्ड नम्बर 10, बाड़ा तालाब रोड़, मीकर जो उपपंजियक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 57 दिनांक 27-2-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> [मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी [सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांकः : 9-7-1982

मोहर ः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊸-

त्रायकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

आदेश मं० : राज०/महा० आ० श्रर्जन/1241—यत: मुझे, मोहन सिंह,

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इ० से ग्राधिक है

भौर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो मीकर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12~1-1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत अधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरच के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तियों में वास्तरिक हुए से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत पिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्नसिश्चिर व्यक्तियों, अर्थातः:--- (1) भी मोईसीन तंत्रर बार्ट नस्तर 4, सीकर ■इड्डा ♥ ४ ५ (अन्सरक)

(2) श्री चिरंजीलाल जोगानी, सीकर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यकाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाबीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्व; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस-वद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; अधीहक्ताखरी के कास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, बो उन्त प्रिचित्यम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट (फ़ीहोल्ड) जो जयपुर मीकर बस रूट पर सीकर में स्थित है और उप पंजीयक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 1283 दिनांक 12-1-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपूर

दिनांक : 9-7-1982

प्रक्य नाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ध्यर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1982

म्रावेश सं० : राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1240—यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायक र बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन, दिनांक 12-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (श्राक्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निषम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोईदीन तंबर, वार्ड नम्बर 8, सीकर

(अन्तरक)

(2) श्री चिरंजीलाल जोगानी वार्ड नम्बर 4, सीकर

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी श्रन्थ व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय यों दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट (फीहोल्ड) जो जयपुर सीकर बस रूट पर सीकर में स्थित है ग्रौर उप पंजीयक, सीकर द्वारा कम सं० 1282 दिनांक 12-1-82 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 9-7-1982

मोहर:

i i

प्ररूप आई. टी. एन. एस

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 21 जुलाई 1982

निदेश मं० ए० पी० एन० 3257—यतः मुझे, जे० एल० गिरुधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी सं० जैमा कि नीचे की ध्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण निम्बत् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से **हुई** किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; जार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
- जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ∷——

- (1) श्रीमती राजकुमारी विधवा सर्वश्री पूर्ण मल ग्रौर हरीश बाल सुपुत्र पूर्ण मल बाल वासी-डब्ल्यू डी० 325, ब्रांडरथ रोड, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गोकल पत्नी आ० हरी सिंह परमार वासी-फगवाड़ा रोड, जालन्धर छाऊनी (अन्सरिती)
- (3) जैसा कि उपरोक्त संख्या 2 में लिखा है (वह ुँख्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त गुब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भ्ररजी डब्क्स्यू० डी० 325 क्रोडरथ रोड जालन्धर जसा कि विलेख नं० 4969 नम्बर 81 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी ज जालन्धर में लिखा गया ।

> जगदीश गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 21-7-1982

मोहार ः

प्रस्तु बार्षः टी. एत्., एस.,-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० 1110/एक्बी० श्रार० III/82-83---यत: मुझे, के० सिह्ना,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 61 है तथा जो पाम एमिनु, कलकत्ता में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-11-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तर्क (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती वाबत, उक्त अधिनियम के अभीग कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिसित व्यक्तियों, अवस्ति :-- (1) श्री श्रार० डि॰ बि॰ प्रोपारटीस

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार जन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृषारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

61, पाम एभिनु, कलकत्ता । 11 के०---14 छ०---33 वर्ग फिट जमिन पर मकान ।

के० सि**ह्ना**सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज III
54, रफीग्रहमद किदवर्ष रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15~7~1982

मोहरू 🕾

प्रक्षम् बार्डः टी. एन. एस. —

11832

श्रामुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देण सं० ए० सी० श्रार०-233/81-82/क्रमांक 637 भ्राई० ए० सी०/एक्वी० श्रार० श्राई०/कलकत्ता---यतः मुझे, के० सिह्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो बडबाजार स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-11-1981 को पृथे कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण शिक्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम् कौ भाषा 269-ग कै जनुसरण् मं, सं, उक्त अभिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन् हैंस्मनिलिख्त व्यक्तियाँ अभीत् है— (1) श्रीमती पद्म देवी कानोटिया

(भ्रन्तरक)

[माग III—खण्ड 1

(2) मैसर्स पद्मा ढी० को० (प्रा०) लि० मैसर्स ग्रार० एस० राय एण्ड को०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरू की पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे दिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 बड़ा बाजार स्ट्रीट भलकत्ता में श्रव स्थित, 7 कट्टा, 7 छटांक 2 वर्गफिट, जमीन पर श्रांशिक एक तल्ला श्रौर श्रांशिक दो तल्ला मकान जो 12-11-1982 तारीख में रजिस्ट्रार श्राफ एश्युरेंस के दफ्तर में डींड नं० 9296 श्रनुसार रजिस्ट्रर हुशा ।

के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 13-7-1982

प्रकप गाई• टी • एन • एस •---

शायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्वेश सं० टी० म्नार०-232/81-82/एस०एल० 638 माई० ए० सी०/एक्वी० म्नार०-म्नाई० /कलकत्ता--यतः मुझे, के० सिन्हा,

भायकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत प्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क्पमे से प्रधिक है, ग्रीर जिसकी सं० 25 बी०है, तथा जो किस्टोफर रोड, कलकत्ता में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है। रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निमनिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री महादेव पाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र णा एण्ड श्रीमती तारादेवी शा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रज के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

25 बि०, किस्टोफर रोड कलकत्ता में प्रवस्थित 3 कट्टा, 6 छटाक, 14 वर्गफिट जिमन श्रीर स्ट्रकचर में जो 13-11-81 तारीख में रिजस्ट्रार श्रॉफ एश्यीरैंस कलकत्ता के दफ्तर डीड नं० 9351 के श्रनुसार रिजस्टर हुआ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 13-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० टी० श्रार0-231/81-82/एसएल0-6239/ श्राई० ए० सी० एक्बी० श्रार0 1/कलकत्ता—यतः मुझे, के० सिन्हा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25 बी है, तथा जो किस्टोफर रोड कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक 13-11-81

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री महादेव पाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भुतो प्रसाद, स०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परितृको अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

25 बी, किस्टोफर रोड कलकत्ता में प्रवस्थित, 3 कट्टा 24 वर्गफिट, जिमन और स्ट्रक्चर जो 13-11-81 तारीख में डीड नं० 9352 अनुसार रिजस्ट्रार आफ एश्योरेंस का दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 13-7-1982

प्रकार आहे हा एन. एस ------

भृत्यकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेण सं० म्रार० ए० सी० नं० 33/82-83—काकीनाडा स्कोड/यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्मम करने तह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से अधिक है और जिसकी सं 0 7-5-1 है, जो विशाखापटनम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापटन्म में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय विशाखापटन्म में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी है)

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुधे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घषि-नियम के घष्टीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा ६ लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्य श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31--216 GI/82

(1) श्रीमती पी० स्वराज्य लक्ष्मी पति एम० चन्द्रनाथ घर नं० 20/349, राधकीष्णानगर, कढण्या

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० सरस्वती देवी पित श्री ए० दुर्गा लक्ष्मी प्रसाद जङ्गपूर सुगर कम्पनी, रायघडा-765 002 (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अन्त्यी

षर संपत्ति नं० 7-5-1, रामक्रीष्णा मिशन के पास, विशाखापटन्म विस्तीर्ण 1200 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11318/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी विशाखापटन्म ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-7-1982

प्ररूप वार्षः टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) प्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1982

निधेश सं० ये० सी० नं० 34/82-83/काकीनाडा स्कोड---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एस० नं० 7 है, जो रांची वानी पालम वैशक में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, वैकाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनाक नवस्वर, 1981

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सृविभा के लिए; और√या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अधीत :----

(1) श्रीमती एम० लक्ष्मीनरसम्मा पति सूट सन्यासी चट्टी ग्रौर ग्रन्य तीन, सीतम्मा धारा, विशाखापतम्म—13

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निवासी को० श्रापरेटिव हाउस विव्डिंग सोसा-इटी लि० मधुरा नगरम, विशाखापतन्म-16 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का सर्वे नं० 7 विस्तीर्ण 20.50 एकड़ राजावरी पालम, विशाखापटनम् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9837/81 रजि-स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विशाखापटन्म ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुजैन रेंज, हैदरबाद

दिनांक : 6-7-1982

प्रकप चाई• टी॰ एन॰ एस॰-

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेण सं० ये० सी० नम्बर 35/82-83/काकीनाडा स्कोड—यतः मुक्के, एम० जेगन मोहन,

धायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पन्ति जिसका विश्वत बाजार मृह्य 25,000/-इपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० श्रार० एस० नं 159/2 है जो सलूर स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिज-स्ट्रकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि नथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिगत से भिक्षक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितिषों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नितिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त-विक सप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त आधि-नियम के बाधीन कर देने के सम्परक के बायरत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य थास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर भिनियम, या धनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को छारा 269-७ की उपधारा (1) के ग्रधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्री राजा लक्ष्मी नरसोम्सहा सम्यासी राजू पेदाबलीयारा सीम्हुलू बहायुर श्रीर उसके पुत्र; विजयानगरम

(भन्तरक)

- (2) श्री ए० गुनय्या गुप्ता
 - (2) ए० मोहन राव
 - (3) ए० नागस्वराराव
 - (4) ए० परमेस्वरा राव भौर
 - (5) ए० सन्यासीराव, सलूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना **वारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रर्वन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी आखेर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति एक सीनका होल है। जिसका ग्रार० एस० नं० 159/2 सलूर, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नम्बर 1883/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सलार, विस्तीर्ण 4026 चौ० गज

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाव

र दनांक : 6-7-1982

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० भ्रार ये० सी० नं० 36/82-83/काकीनाडा स्कोड यत: मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 13-2-4 है, जो कोसापेट स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधकार विश्वम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 नवम्बर, 1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उनत जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री वाइ० वेंकट रामकीष्णा पिता सुब्बाराय, भाग्रहारम, गुंदूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० पेदी श्रंजनया चौदरी पिता कोटय्या चन्द्रमौली नगर, गुंटूर

(श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूच</mark>ना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकेश ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 13-2-4, क्रीष्णा पिक्चर पैलेस के गल्ली में, मोथापेट, गुंटूर । रिजस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 11954/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 6-7-1982

प्ररूप भाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० ये० सी० नं० 37/82-83/काकीनाष्ठा स्कोड--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 142 श्रौर 143 है, जो स्तंभाला गरऊ स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रिक्षिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नति कित् स्युक्तियों अभित्ः-- (1) श्री श्राइ० जार्ज, पिता डूबिड, चंद्रमांसी नगर गुंटूर ।

(ग्रन्सरक)

(2) वी ग्रध्यक्ष डपश्चोसेस भ्राफ गुटूर सोसाइटी बाइ के० मरीयादास पिता राजप्पा , वीशोप का बंगला, रिंग रोड, गुटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत स्थानता में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया: गया है।

अंभुस्ची

सम्पत्ति नं० 142 भौर 143 भूमि की सीमा 0.44 सेंटम्, नल पाडु, पंचायत, स्तंभाला गरऊ, गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11458/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक : 6-7-1982

प्रकल नाइ , टी., एत्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० ग्राण्य ये० सी० नं० 38/82-83-काकीनाडा स्कोड-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 142 श्रौर 143 है जो स्तंबालागरुऊन स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कर्म या उसके बचने में बुविभा के किये; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए और/मा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण के, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों, नर्थात्:—

(1) श्री कें बेलीयार रेड्डी पिता जीना रेड्डी विद्यानगर, रिंग रोड, गुंटूर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री के० मरीयाडोस पिता रायप्पा, डीयोसे सोसाइटी गुंटूर बाइ ग्रध्यक्ष बीशाप हाउस, रिंग रोड, गुंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इ.स. सृचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वय्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का सर्वे नं० 142 श्रौर 143 भूमि की सीमा 0.45 सेंटस्, स्तंबाला गरुऊ, नलापाड पंचायत, गुंटूर नगर निगम, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 11459/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-7-1982

प्ररूप् आहर्. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० भ्रार०ये०सी०नं० 39/82-83/काकीनाडा स्कोड--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० 142 भीर 143 है, जो स्तंबालागरुऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:-- (1) श्री ह्वी माइखेल पिता फांसेस, पोटीश्रीरामुलुनगर, गुंटूर।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रध्यक्ष, बी० डीयोमेस सोसाइटी, गुंटूर, बाइ के० मरीयाडाँस पिता श्री रायाप्या, बीशापस इमारत, रिंग रोड, गुंटुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सर्थ 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति नं० यस०नं० 142 श्रौर 143 भूमि की सीमा 0.45 सेंट्स नलापुडी पंचायत में स्थित है। स्तंभाला गरुऊ, गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11419/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-7-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टो.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेण सं० आरं० ए० सी० 40/82-83—यतः मुझे एम० जेष्ठन मोस्न

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं 142 श्रीर 143 है तथा जो स्तंबालागरक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुंटुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्लित व्यग्तियों, अर्थात्:— श्रीमती डा० प्रकाशम्मा पति मेनाक पोट्टी श्रीराममुल्तगर, गृंहर ।

(भ्रन्तरक)

2 अध्यक्ष . बी० डीयोसेस सोमाइटी गुंटुर बाइ के० मरीयाडास पिता श्री रायाप्पा बीणापस् इमारत, रिंग रोड, गुंटुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत का नंबर एस० नं० 142 श्रौर 143 भूमि की सीमा 0.45 सेंट्स, स्तंमाला गऊं, नलापाडु पंचायत, गुंटूर नगर निगम, रजिस्ट्री विलेख नं० 1142/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-7-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर **ग्रांशिनयम, 1961 (196**1 का 43) की **श्रारा 269-म (1) के ग्रं**शीन सू**चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० भ्रार०ये० सी० नं० 41/82-83/काकीनाडा— भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भ्रायकर मधिनियम' 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम शिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृह्य 25,000/- घपये से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 142 ग्रीर 143 है, जो स्तंभाला गारमू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या जिसी धन या अप्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रक्षिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, व्यक्ति हि—— 32—216GI/82

 श्री पी० पापथ्या पिता पी० रोमथ्या कोरीटी पाडु, गुंटूर ।

(ग्रन्तरक)

श्री मरीयादास,
 ग्राध्यक्ष: डीयोसेस, गुंटूर मोमाइटी,
 रहने का स्थान: बीणांप का बंगला, रिंग रोड,
 गुंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: → -इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 142 श्रौर 143 भूमि की सीमा 0.45 सेंट्स, स्तंबाला गुरुऊं, गुंटूर नगर निगम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1142/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीस : 6-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई, 1982

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 42/82-83—काकीनाडा स्कॉड म्रतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संवित्त् जिस्का उचित् याजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 142 ग्रौर 143 है, तथा जो स्तंभाला गास्छ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रुप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्थों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चे देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सुनिया के लिए; बॉट/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पी० पेटू पिता श्री पी० रायप्पा, विद्यानगर, रींगर रोड, गुंटूर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भरवादास,

न्नाध्यक्ष : डीयोसेस गुंटूर सोसाइटी, रहने का स्थान : बीगॉप का बंगला.

रिंग रोड़ गुंटूर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उन्द सुन्पृत्ति के वर्षन के सन्दन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिव-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास दिविस्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिआवित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है [1]

नन्स्ची

संपत्ति का सर्वे नं० 142 प्रवेर 143 स्तंभाला गरुऊं खुला जमीन विस्तीर्ण 0.48 सेंट्स रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 11457/81 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 6-7-1982

मोहद्ध 🛭

प्रकप् बाइं<u>.टी.एन्.एस्.</u>------

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1982

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 43/82-83/काकीनाडा— अतः मुझे, एम० जेगन मोनह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 142 श्रौर 143 है तथा जो स्तंभाला गरुऊं में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्वद्ध प्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय गुंदूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक नथम्बर 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गर्ध है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यूथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पम्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :-- 1. श्रीमती जे० नवीनस्मा पति जे० कृष्णामूर्ली कारीटीपाडु, गुंटूर ।

(ब्रन्सरक)

 प्रध्यक्ष : वि डीयोसेस गुंदूर सोसाइटी बीशाप का घर पी० बी० नं० 203 गुंदूर श्री मरीयादास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवांक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति का सर्वे नं० 142 ग्रीर 143 विस्तीर्ण 0.48 सेंट्म स्तंबाला गरुऊं नलपाडू पंचायत रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11418/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

ता**रीख** 6-7-1982 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० प्रार० ए० सी०नं. 44/82-83/काकीनाडा—-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 463/18-41 है तथा जो चिल-कलापूडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मछलीपट्टनम में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 क 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एन० ग्राविनारायण मुर्ती पिता कोटटया
 - (2) एन० कोटेस्वराराव
 - (3) एन० सत्य नारायणा प्रसाद
 - (4) एन० सूर्यनारायणा
 - (5) मुरलीकृष्णा सभी श्रादिनारायणा मृती के पुत्र हैं।
 - (6) बी० वेंकटेश्वर राव गोडगुपेट बन्दर कृष्णा जिला ।

(भ्रन्तरक)

2. बंदर को०-प्रापरेटिय बिल्डिंग सोसाइटी लि० नं० एच 6/37,

ग्रध्यक्षः कोंडापल्ली नागा वेंकटा रामानुजा राव, से० जी० कमामहोश्वरा राव,

चीलकलापुडी, बन्दर तालुक, जिला 9 हुण्णा।

(ग्रन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का सर्वे न० 463/18-41, सीमा 1 एकर 50 सेंट्स,=0.607 हेक्टर, चीलकलापुडी, बंदर तालुक, कृष्णा जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4222/81 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी मछलीपट्टनम।

एम० जेगन मोहन सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा 9-7-1982 मोहर: प्रकप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 69/82-83——श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बाधकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो तीस्मल गीरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती पी० वरालक्ष्मी पति पी० हनुमन्तराव
 - (2) श्रीमती जमुना पति एम० नागाराजु
 - (3) कुमारी पी० प्रेमा, पिता श्री पी० हनुमंतराव
 - (4) श्रीमती ऊपा पित श्री जी० यस० सेलबराज जी० पी० ए० , श्री के० ई० एन० कुमार पिता श्री के० ग्रदमस्, 6-6-462/2, गांधी नगर, सिंकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. जइ भारत को-ग्रापरेटिव हार्ऊसिर्ग सोसाइटी लि० 6-6-462/2, गांधी नगर, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ 7 ग्ंठे, भर्वे नं०पूराना 17 ग्रौर नया 18, तीरुमलगिरि गांव सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3075/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 9-7-1982 मोहर :

म्बन् नार् ु ठी. १५७ हर्----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० धार० ए० सी० 70/82-83—धातः मुझी, एम० जोगन मोहन

नायकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भास 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावृर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० खुली जमीन है जो बजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवस्वर 1981

को पूर्विक्त सुम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखत में बास्त-विक रूप से क्रिथत नहीं किया क्या हैं--

- (क) अन्त्राच से हुई किसी नाय की बाबत सक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे ब्चने में सुविधा के नियं; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नौभनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भार 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:——

श्री मसूद रहमतुरुला,
 6-3-250/5, रोड नं० 1, बजाराहिस्स,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वाई० रत्नमाला पति वाई० वेंकटेश्थर राथ कोड्रापाडु, गांव, जिला नलगोंडा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड भी बाध्ये ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

खुली जमीन रोड नं० 1, बंजारा हिल्स सर्वे नं० 114, शेकपेट गांव, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6318/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम घ्रधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख 9-7-1**982 मोहर: प्रूप आहें, टी. एन्, पुस् --==-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चुं(1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश संब झार० ए० सी० 71/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 3-5-45 है, तथा जो यडनबाग, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद ध्रिनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

क्षे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण तिवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; बार्ड/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अधित ह—-- श्री शंकर कुलकर्णी, श्रलयास छगन कुलकर्णी, पिता तीवक कुलकर्णी, रहने वाले महागांव, मुधोल तालुक, बादिलाबाद जिला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री एन० आगरवाल पिता श्री राम रीचपाल, 679, कीशन गंज, हैदराबाद, श्रव 3-5-45, एक्तवाग, रोड, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरण ६---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं []

अ**न्**त्र्**यो**

घर नं० 3-5-45 एडन बाग, रोड, रामकोट हैदराबाद, विस्तीर्ण 1351 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6399/81, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्रकृष भाई• टी• एन• एस•-

श्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हौदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 ज्लाई 1982

निवंश सं. आर. ये. सी. नं./72/82-83—यर्तः मूक्ते, एम. जेगन मोहन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

और जिसकी सं. 6-4-465 ही, जो भोनकपूर, सिकंदराबाद स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्णरूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर अधिकारी के कार्यानय, सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नदम्बर, 1981

पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अन्, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ध—

- श्रीमती अजम्मा पति के. यल्लप्पा, नारायणपेट, मक-थाल तालुक, महब्बनगर जिला
 - (अन्सरक)
- 2. (1) श्री एम. आनंदम पिता वेंकप्पा
 - (2) श्री विजय कुमार पिता आनंदम
 - (3) श्री दिनोद कामार पिता-वही-
 - (4) श्री राजकमार पिता-वही-घर नं. 1-4-34, हाजीखान पेट, नारायणपेट-509210, महबुबनगर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्ववद्योकरणाः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त प्रधि विवयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

घर नं. 4-6-465, भोलकपूर, सिकंदराबाद विस्तीर्ण 266 चौ. गज. रिजस्ट्रोकृत विलोख नं. 785/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी सिकंदराबाद

> एम<u>.</u> जोगृत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदगबाद

नारील : 9-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० आ२० ए० मं।० नं० 73/87-83 — यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीप जिसकी संव कृषि भूमि है जी काकागुड़ा, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीप जो पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रांकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रिजस्ट्रांकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नवम्बप, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त आभागियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 33—216GI/82 श्रा बार रामेंदर रेड्डा, सादत मंत्रिल, प्रमार पेट, हैदराबाद।

(श्रन्तरकः)

 रायल इस्टेट (इंडिया), हाल स्ट्रेट रानागंज, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि काकागुडा, सिकन्दराबाद, सर्वे नं० 59/8, 1 ए. ए. हु., 14 गुंटे रजिस्ट्रा एत जिलेख नं० 3296/81, रजिस्ट्रा कर्ता प्रशिकारी मारेडपल्ला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रीधकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैक्साबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० 74/82-83---ग्रतः मुझे, एम**० जेगन मोह**न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं o 10-2-48 है जो, मारेष्ठपल्ली पश्चिम सिकन्दराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उच्चेद्रय से उच्च अंतरण लिखित में बास्तियक रूप में अधिन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) एफ० बी० कुपर पिता श्रोमनी स्टोनजा कुपर
 - (2) ली॰ बी॰ कुपर गिना --- नहीं---
 - (3) प्राठ एफा अवाना पनि नेट एफा गाञ्चानी116, पश्चिम मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद(ग्रन्तरक)
- 2. श्री दीप्तांण चन्द्रा सेन गुप्ता पिता इं।० सी० सेन गुप्ता 14शिं० मंजिल, चैना बिल्डिंग, क्वीन्स रोड, मेंद्रा हांकांग। जी० पी० ए० श्री विविध सेन गुप्ता, ग्रापरेणनल मैनेजर ग्रीडलेस बांक लि० 235, एम० जी० रोड, तैदराबाद-500 001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

म्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं 10-7-48, मारेडपर्ला पश्चिम, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 5,400 वी. फुट, रुजिस्ट्रीहिन विलेख नं 3211/81 रिजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी। मारेडपर्ली सिकन्दराबाद ।

एम० जेगत मोहन सक्षम ऋधिकारी महायक अध्यक्षण ऋष्मित (निरोक्षण) अजैन रेंज, हैदशबाद

तारी**ख**: 9-7-1982

प्रकृप आइंटी. एन. एस.----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निवेश सं० ग्राप्य ए० सी० नं० 75/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 10-4-32 है, तथा जो हुमायुन, नगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूर्चा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवस्बर, 1981

का पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-म की अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा. (1) श्रीमती टी० सगुना, पति लेट टी० नरसिंगराव
 - (2) श्रीटी० ग्रानन्द पिता ——वही——
 - (3) टी० गीता पिता ---वही---
 - (4) टी० लता पिता ---बही---
 - (5) श्री टी० ग्रारविन्द पिता --वही---
 - (6) श्री टी॰ मस्त पिता बही— 10-3-313/6, विजयनगर कोलोनी. हैदराबाद-500 028

(भ्रन्तरक)

 श्री नबाव खान पिता श्री मुनवर खान, 10-4-32, हुमायूं नगर, मसान टैंक, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् विभिन्नमा, के सभ्याय 20-क में प्रिशानित इ, बहु वर्ष होगा को उस नुभ्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि खुली जमीन के साथ 10-4-32, विस्तीर्ण 1611 चौयत गज, हुमायूं नगर, मसान टैंक, हैदराबाद , रिजस्ट्रीइक्त विलेख नं० 6866/81, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैचराबाद

तारी**ख** 9-7-1982 मोहर: प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 76/82-83---श्रतः मुझे एम० जेंगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 17 से 20, श्रीर 22, 23, है तथा जो मारेडपल्ला, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्त का प्रतिष्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की अधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अडे लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री बो०के० श्रीनिवास, कृष्णा भवन, मारेडपर्ल्ला, सिकन्दराबाद-5500 026

(अन्तरक)

2. सिंडांकेट बैंक एम्प्लाईज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 20/92, सिंडीकेट बैंक, कालोनी, पी० एंड टा० कालोना, पोस्ट श्राफिस गड्डीअन्तारम, हैदराबाद-500669 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 17, 18, 19, 20, 22 श्रीर 23, पिण्यम मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6675/81, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस॰----

म्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सं१० 77/87-83—ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पण्चिम मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधान दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दरु प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित बास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- श्रो बी० के० सेशु कृष्णा भवन, मारेडपल्ला, मिकन्दराबाद-500 026

(श्रन्तरक)

2. सिडोकेट बैंक इम्प्लाईज को-प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, टी०ए० बी० 103 20/92, सिडीकेट बैंक कोलोनी, पो०एण्ड टा०कालोनी पो०ग्रो०गड्डीग्रन्नारम, हैदराबाद-500660

(अन्तरिती)

को यह सुबता नारी करके प्वॉक्त सम्यन्तिके पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पवित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्तक्षारी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीच पदों का, जो उनत छाछ-. नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अथं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है

वन्स्यरि

भूमि भाग 17, 18, 19, 20, 22 श्रीर 23 पश्चिम मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद , रिजस्ट्रीकृत जिलेख नं \circ 6674/81, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आइ े. टी. एन. एस. ~-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं अपर ० ए० सं १० नं ० 78/82-83--- अतः भुक्षे एम ० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-1-300/ए है, तथा जो श्राशोक नगर, हैदराबाद, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रेकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रेकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रा ह्वी० हारीनाथ राव द्वारा: सत्यनारायणास्वामी ज्वैलरी मार्ट, श्रौर को०, 22-8-504, पुरानी हवेली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० विनायक राष द्वारा विनायक बोर श्रीर वाईन स्टोर श्रार्स विठलवाडी, हैदराबाद, 3-4-48, बरकतपुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुनारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कंपाउन्हेंड भूमि प्लाट नं० 7 एम० नं० 1-1-300/ए, संजीवानगर, ग्रागोकनगर, हैवराबाव विस्तीर्ण 579 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6665/81, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का **43) की धारा** 269-**ष (1) के भ्र**ष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैस्राबाद

हैद्यराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेण सं० ग्रार० ए० मी० नं० 79/82-83---ग्रनः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परिवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं खुला प्लाट है तथा जो मसाबटैंक, हैदराबाघ में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रींग जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार भूत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीयक है ग्रीर अस्तरक (अस्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐमे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कर्ष किया एका के

- (कां) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्यापनी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मानिक प्रारीफ हुसैन, घर नं ० 12-1588. मध्यद प्रालीगुडा, हेदराबाद ।

(भन्तरक)

 श्रीमती फार्तामा बार्ना, श्रह्मद पति श्री मोहण्मद मसूद श्रह्मद, घर नं० 10-2-289/51, शांती नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरितं।)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीवन रूप्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुर्ला जमीन परीसर ने० 10-5-38/ए, मसानटैक, हैदराबाद, विस्तीर्ण 845 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख ने० 2417/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद,।

> एम० जेगन मोहन गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैदराबाद

नारीख 9-7-1982 मो**हर**ः

प्रकप बाइं.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेण सं० भ्रार० ए० सी० नं० 80/82-83—भ्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3-4-1 है, तथा जो काचे।गुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय चोकडपल्ला में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रति-फल निम्नलिकित उष्वेषय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्त्विक कृप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बदने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपानं में स्विधा के लिए;

अतः अव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— श्रीमती तारा देवी पिता बी० सींग ठाकुर,
 340, सच्चापीए स्ट्रीट, पूना ।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स दीपक रायल इस्टेट इंटरप्राइजेस, 112, मारेडपर्ला पश्चिम, सिकन्दराबाद -26, औ० प्र०

(भ्रन्तरिता)

क्यो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर एम० सी० एच० नं० 3-4-1, सामा विस्तीर्ण 900 चौ० गज, काचीगुडा, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 958/81, रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चाकडपर्ला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैसराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयरूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 81/82-83--श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

नावकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से सिंधक है

श्रीर जिसकी मं० 8-2-417 है तथा जो बंजारा ही हस, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), र्यास्ट्राकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शियक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34—216 GI/82

 श्रीमिती फार्नाम खातूनपति श्री माप्य ग्रालम श्रेल खान घर नं 8-2-417, रोड नं 4. बंजारा हेल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कमशियल फ्लैट्स बिल्डिंग काएपेरिशन ए-101, सत्या श्रपार्टमेंट, श्रोपे(जिट पोलिटेकिक मासाबटैक, हैदराबाद-500 028, श्रां० प्र० । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजप में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस स्ध्याय में दिया गया हैं:

अनुसूची

भूमि ग्रीर इमारत म्युनिसिपल नं० 8-2-417, रोड नं० 4, बंजारा हीस्स हैदराबाद विस्तीर्ण 2,700 घौ० गज रिजस्ट्रीमृत विलेख नं० 6360/81, रिजर्म्ट्रांकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महासक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 15-7-1982

मोहर;

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० ग्राप्त ए० सी० नं० 87/82-83--ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ′- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० खुली जमीन है तथा जो बंजाराहील्स , हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खद्दरनाबाद, में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधाके लिए;

 श्री मता राम लक्ष्मी पति पी० टी० मणगिरी टीचर घर नं० 85 बीं, संतोष नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी०र्जा० चौदरी, किराना मर्चेन्ट्स, घर नं० 8-6-240, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पस्टीकरणः⊸–इसमे प्रयुक्त खुब्दों और पदों का, जो जक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

श्रनु**सू**ची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1200 चौ० गज, रोड, गं० 2, बंजारा हील्स, हैदराबाद, रजिस्द्रीकृत विलेख 2299/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थातः ---

तारी**च**: 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 83/82-83—ग्रतः मुझे, एम०जेगन में।हन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8-2-674/पी/3 है, तथा जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय खैरताबाद, में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त मंपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्वधि। केंदिए; और या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमित सीता कृष्णा पति बृहाइस ग्रंडमीरल एन० कृष्णन घर नं० 8-7-674/बी/3/1, कंगय्या रोड, नं० 12,, बंजाराहील्स, हैदराबाद-500 034

(अन्तरक)

मैसर्स शालीमाए कैमीकल वक्स, प्रा० लि०, 8-2-674 बी / 3, कातीग्रय्या, रोड नं० 12, बंजारा हील्य, हैसराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

रपस्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनसूर्च।

इमारत फक्चर्स एन्ड फीटीग्स विस्तीर्ण 740 चौ गज एम० सं० 8-7-674/बी/3, रोड, नं० 12, बॉजाराहील्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीइन विलेख नं० 2347/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खेरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1982

निदेश सं० ऋार० ए० मी०नं० 57/82-83--- प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हयात नगर. हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्द में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खिल व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री बी० नागस्या श्रक्षीयास नागानेड्डी श्रीर श्रन्य 28 पितः लेट लक्ष्मी रेड्डी, साहेबनगर, कर्ड, ह्यात नगर, तालुक, जिला रंगारेड्डी ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स भाग्यालक्ष्मी को-म्रापरेटिव हाऊसिंग सो० लि० टी० ए.० बी० 76, 1-1-4/2, मुसीराबाद, हैदराबाद-500 020

श्रध्यक्ष : के० भ्रंजय्या पिता लेट कोटय्या ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण: --- इसमे प्रयूक्त श्ब्दां और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

श्रनुसूची

ग्रुषि भूमि सर्वे नं० 55 ग्रीए 56, विस्तीर्ण 17 एकड़, सांहेब नगर खर्ड गावे, हयात नगर तालुक रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8309/81, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद पूर्व ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सं७० नं० 58/82-83—श्रतः मुझेः, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि तीक्मलगुडा, है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्ति व्यक्तिसों, अर्थातः—— श्री श्रंतन्ता पिमे। नंदय्या, श्रंदरपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स ग्रारविन्द नगर को-ग्रापरेटिव हाऊसिंग् सोसायटा लिमिटेड घर नं० 8-6-361/46, हामायत नगर, हैद्यराबाद-500029

(श्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अयिव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का खुला भाग विस्तीर्ण 2731 चौ० गज, सर्वे नं० 64, 65 भौर 66, थीगलगुडा, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6387/81, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ़ (1) के अघीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई, 1982

निवेश सं० म्रार० ए० सं१० नं० 59/82-83—म्प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं तिमाल गुडा, है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्राकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना साहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः—— श्रा ज्ञानेश्वर पिता नंदय्या, श्रंवरपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स आरविन्व नगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, घर नं० 8-6-361/46, हिमायतनगर, हैदराबाद-29

(श्रन्तिंश्रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिह्हबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण: --- इसमं प्रयुक्त शुक्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हाँ।

श्रनुसूर्य।

खुर्ला जमीन विस्तीर्ण 2731 चौ ० गज सर्वे नं० 64.65 श्रीर 66, तीगलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6388/81, रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**खः 7-7-**1982

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 60/82-83—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तीगल गुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धार 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात—— के० कौर सुपुत्री नंदय्या अंबरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आरविन्द नगर को-आपरेटिव होऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, घर नं० 3-6-361/46, हिमायत नगर, हैवराबाध-29।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2731 चौ० गज, तीगल गुडा, सर्वे नं० 64,65 श्रौर 66। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6389/81, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैवराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-7-1982

प्रकृप धाई • टी • एन • एस •---

न्नायकर **पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की द्यार।**269-म(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद., दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 61/82-83---श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके वश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो तीरुमल गीरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निक्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से बाबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः श्रम, उक्त अधिनियम को घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, चक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) श्रमीन, निकासिकत व्यक्तियों, मर्थात् :-- मेजर एम० बी० राजा राव पिता एम० भानूमूर्ती
 2-2-1130/8/1, न्यु नल्लाकुटा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स रवी को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, टी० ए० बी० नं० 22, 1-5-559/1, बाकाराम रोड हैदराबाद वाई० के० भ्राशोक कुमार, श्रध्यक्ष । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त भीविनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ 32 गुंटे, सर्वे नं० 69/1 पार्ट डी०, तीरुमलगिरी गांव, सिकन्दराबाद, तालुक। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6376/81, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख :** -97-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1982

निदेश सं० स्नार० ए० सी० नं० 62/82-83—स्नाः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपयं से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मलकपेट, है, तथा जो प्लॉट, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राझमपुरा, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्दयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्द्यमान प्रतिफल से, एसे द्द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण में हुई किमी श्राय की वाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थातः——

- 1. श्रीमती गजाला महालक्ष्मी पति जी० कासीपति, 127, बेज हॉल सेंट, झेबियर, स्ट्रीट, परेल, बम्बई-12 (3-3-286, सुभाष रोड, सिकन्दराबाद)
- 2. डा० जी० पुरुषोत्तम राव पिता जी० नारायण राव. बी० 5/एफ-10, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, ग्रोल्ड मलकपेट, हैवराबाद-36

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्य सम्पन्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिंध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, विस्तीर्ण 450 चौ० गज, सर्वे नं० 7, 8 ग्रीर 13, वार्ड नं० 16, ब्लाक नं० 9, पुराना मलकपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4084/81, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्राक्षमपुरा, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेण मं० श्रार० ए० मी० 63/82-83—श्रनः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तीव्रमलगिरी गांव, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1982

को पूर्वनित सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिहात सं अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्निजिक्त लद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बाम्निविक रूप से अधिव नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व भें कमी करने या उससे ब्यम में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के लिए:

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत :——

- 1. मेजर एम० मध्ही राजा राव पिता एम० भानुमूर्ती 2-2-1130/8/1. त्य तल्ताकुंटा, हैसराबाद (श्रन्तरक)
- 2. रवि को-भ्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटड टी०ए० बी० 22. धरने० 1-5-559/1. बाकाराम रोड, हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा नकेंगे।

स्पाक्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमि बिस्तीर्ण 33 गुंटे पार्ट ई तीरू मलगिरी गांव, सिकन्दरा-बाद तालुक सर्वे नं० 69/1, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6396/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैटराबाट

नारीख: 9-7-1982

प्रकाप ग्राई• टी० ए**न• एस•**----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व(1) के प्रधीन सुवस**ा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हेंदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 64/82-83---ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिक्षकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-हमये से पिछक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तीरुमलगिरि, सिकन्दराबाद स्थित है (ग्रौर इसरो उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐने अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की वाबत उक्त धांधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किपी घा ना अन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्त कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः, बन, उन्त अधिनियम, की धारा की 269-ग के प्रतुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमितः :--

- में आर एम० बही। राजा राज पिता श्री एम० भामुमूर्ती
 2-2-1130/8/1 न्यू नल्लाकुंटा, हैदराबाद।
 (ग्रन्तरक)
- 2. रावी को-श्रापरेटिव हाऊसिंग मोसायटी लिमिटेड 1-3-559/1, बाकाराम रोड, हैदराबाद बाई० के० श्राणोक कुमार श्रध्यक्ष :

(ग्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूजीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत नम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य स्थावत द्वारा, श्राधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 69/1, विस्तीर्ण 1 एकड़ 33 गुंटे, (पार्ट एफ), तीरुमलगिरी गांव , सिकन्दराबाद, तालुक , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6427/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 65/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० इमारत है तथा जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतिरिबियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संजिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :--

 श्रीमती शहाजहान बेगम अलीयास श्रायेशा रसूल पति सम्यद गुलाम रसूल
 8-2-415, रोड नं० 4, बंजारा हील्स, हैदराबाद (3-6-778, हीमायत नगर, हैदराबाद)
 (अन्तरक)

 (1) श्रीमती णाहाजादी श्रब्दुल हाई पति मोहस्मद श्रब्दुल हाई,

(2) मोहम्मद अब्दुल हाई पिता नवाब मोहम्मद अब्दुल जब्बाद, घर नं० 6-3-671, पंजागुट्टा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाविक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अन्सूची

दो मंजिल की इमारत 3663 श्वौ० गज, भूमि के साथ, नं० 8-2-415, रोड नं० 4, बंजारा हील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2320/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

नारी**ख** 9-7-1982 मोहर :

प्रकृप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई-1982

निवंश सं० श्रार० ए० मी० 66/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मधान प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गगनपाहाड गांव, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय रंगा रेड्डी, जिला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित अयिक्त्रियों, अर्थात :--- श्री पी० के० झकारिया,
 बी० 116, मझ्नीक पुरी,
 सिकन्दराबाद-500594

(अन्तरक)

 मास्टर नीरज पिता डाक्टर मामराज, धर नं० 5-9-7/3, सङ्फानाद, हैवराबाद। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विभ की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

कृषि बंजर भूमि सर्वे नं० 328 विस्तीर्ण 5 एकड़ 28 गुंठे गगनपाहाड गांव, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7321/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख** 9-7-1982 मोहर : प्रकृप धाई० टी० एन० एस०---

धायकर धिवित्यम, 1961 (1981 का 43) की आरा 289-थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 67/82-83—श्रतः मुझे, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण् है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कु० से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेद्दाशोबकदा, सिकन्वराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिथिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के छिति बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मूने पह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्त्रतिक कृष से हिंदन नहीं। क्या गया है :——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त प्रश्नित्यम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के वायत्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राथ या किसी घन या घ्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधित्यम, या धनकर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुर्धातः श्री एल० यसट्या पिता गंकरम्या ग्रौर श्रन्य धर नं० 5 सापर लेन, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. दि संजीवय्यानगर को-भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी टी० बी० सी० 55, 1-10-170, बाइनपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जे। वे लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोत्हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रपुक्त गब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही अब होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि सर्वे नं० 34, पेद्दाथोकटा गांव बोवेनपर्ली, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3144/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मारेडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 9-7-1982 मोहर:

अरूप प्राई० टी० एन० एस०———-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के ग्रिधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 68/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नोत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए ते प्रधिक है

श्रीर जिमकी मं० भूमि है तथा जो थोकाटा गाँव, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बांच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त श्राय नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (श्व) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधितियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलान में मृविधा के लिए।

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, भ्रमुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :----

- श्रीमती चन्द्रावसी बाई पति शिवनारायण,
 भार गं० 5, सापररा लेन, सिकन्वराबाद ।
 (श्रन्तरक)
- र्दि संजीवय्यानगर को-ग्रापरेटिय हार्ऊिमग मोमायटी टी० बी० मी० 55, 1-10-170, बोबेनपल्ली, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिनी)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्</mark>शक्ति के श्रजैन के लि<mark>ए कार्यवाहियां</mark> मुख्यकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन स्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगें।

स्वध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर वदों का, जो उन्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 157/1,सीख रोड. थोकाटा गांव, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3147/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, मारेडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख**: 9-7-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षण सहायक भ्रायकर श्रायकत

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश मं० ग्रार० ए० सी० 45/82-83—स्वतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं 181/7 है तथा जो विजयनगरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हप से कि शित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्सरक के धायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीस्:---

- 1. (1) श्री कें मरया
 - (2) के० अपाला नायड
 - (3),के० अपाला नायङ्ग
 - (4) के० श्रपाला नायड
 - (5) इ० नागयण राव
 - (६) बंगारी नायड्
 - (7) बी० मुरी स्रपाला नायडु
 - (8) बी० अंकय्यम्मा
 - (9) मंडाला पापयय्मा पति एम० सुरयनारायणा त्रायन्नापेट, विजयनगरम जिला।

(भ्रन्तरक)

2. दि स्रांध्र प्रदेश रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन वर्कशाप मजदूर को-श्रापरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी, विजयनगरम ।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਰਜਸਦੀ

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.98 सेंट्स, सर्वे नं० 181/7, ग्रायन्नापेट, कनपाका मधुरा गांव, विजयनगरम जिला, रजिस्ट्रीकृत विले**ख** नं० 5195/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयनगरम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीक: 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

भारयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269=वं (1) के भंधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० म्रार० ए० मी० 46/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धिसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 181/7 है तथा जो विजयनगरम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विसम्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का परद्रष्ठ प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरिक (धन्तरकों) श्रौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निव्वित में वास्तविक रूप से किति नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उनत अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भुविधा वे लिए;

श्रतः सब, उक्त सिसिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त सिसिनियम की घारा 269-च की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--36-216G182

- 1. (1) श्री के० सरय्या
 - (2) एस० ग्रप्पा राव
 - (3) इ० रावि
 - (4) इ० रमेश
 - (5) के० ग्रदिनारायणा
 - (6) के० रामय्य
 - (7) इ० राजारान, कनपाका मधुरा, ग्राय्यनापेट, विजयनगरम जिला।

(भ्रन्तरक)

2 दि म्रांध्र प्रदेश रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन वर्कणाप मजदूर को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी, विजयनगरम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ में 45 दिन की ग्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के सम्याय 20 क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.98 सेंट्स ग्रायन्नापेट, विजय-नगरम जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5180/81, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विजयनगरम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 47/82-83-काकीनाडा स्काड— यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं विश्व है । तथा जो गुंटूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर, में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवम्बर 1981

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद्र/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अयोजनार्थ अन्तिरित देवारा प्रकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकर अहीं किया गया था विस्था जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्रीमति वाई० रकमीनी पति राघवय्या
 - (2) वी० सुब्रमन्यम पिता वी० राघवय्या
 - (3) वाई० वी० नागंशामला ग्रौर
 - (4) इ० बी० सुत्रमन्यस्वरी रामचंद्रापुरम स्राग्रहारम, गुंटूर । (श्रन्तरक)
- 2. डा॰ पी॰ ए॰ चौदरी पिता कोटय्या, चंद्रमुउली-नगर, गुट्र ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि पार जिस्ति के दिए जा सकरी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 782 चौ० गज, कोथापेट वार्ड नं० 5, व्लाक नं० 6, टी० एस० 538, घर नं० 13–2–4, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 11879/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-7-1982

प्ररूप आर्घ .टो .एन .एस . -----

आय्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

थ्राशीत रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिसांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० श्रार० ए० भी० 48/82-83-काकीनाडा स्थाड--यतः सुझे, एम० जेशन मोहाग,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह पिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका डांचत वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15-3-2 है, तथा को गुंटूर में व्यान है (ग्रीर इसने उपावद श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण एम से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गुटूर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1508 मा 16) के श्रीवीन नवस्पर 1981

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उपित वाजार गून्य में कम के द्रायमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोंकत संपत्ति का असित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल में, एसे द्रायमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तद पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्दोश्य में उद्या अन्तरण लिक्ति में वास्तिविक हुए से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हों भारतीन आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 अन 11) या उनका अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ि या गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एम० वेंकटराजू पिता एम० वेंकटरतनम
 - (2) एम० नागाचंद्राराव पिता सत्यनारायणामृति श्रीर
 - (3) वीर रघुराम, कोऊरू, पिक्चम गोदावरी। (श्रन्तरक)
- श्रो जी० नामशित्रय्या पिता जी० कृष्णामूर्ति, कालकोडेटीवारी स्ट्रीट, कोऊरू, पश्चिम गोदावरी जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह रूपना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उप्तत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पवों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितु हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 15-3-2, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट श्रौर भुभि विस्तीर्ण 1000 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1730/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, कोऊरू ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 15-7-1982

मोहरः

प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० प्रार० ए० सी० 49/82-83-काकीनाडा स्काड--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 24-11-165 है तथा जो गुंटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रदुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवस्बर, 1981

को पूर्वों बत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वों कत संपत्ति को उषित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्विष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भागकी वागत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मीतालाल हुंडीया, (2) मदनलाल, (3) कीशोर कुमार, (4) उत्तमकुमार, (5) मुलतान-मल हुंडीया, (6) ग्रजीत कुमार, (7) राजेश कुमार, (8) दुर्गाचंद, (9) विकाश कुमार, (10) कांतीलाल, (11) रवी कुमार जी० पी० ए० इंदरमल, (12) घावर चंद पिता नमीचंद, (13) राहुल कुमार श्रार० श्राग्रहारम, गुंटूर ।
- 2. श्री टी॰ राजाराव पिता पनकालू श्रार॰ श्राग्रेहारम, गुंटूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेकित संपितित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या स्त्संबंधी व्यक्तियों पर राचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 24-11-165, श्राग्रहारम गुंदूर, विस्तीर्ण 346 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 11603/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, गुंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

मं० भ्रार० ए० सी० नं० 50/82-83/काकीनाडा स्काड——श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 44/4ए है, जो विशाखापत्तनम, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से एसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवह हप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री वी० सन्यामी पिता लेट सोमुल श्रीर 6 श्रन्य वम्मीवारीपालेम रूपीकोंडा, मंदाडापोस्ट, विशाखा-पत्तनम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीकृष्णा को-ग्रापरेटीव्ह हाउज बिल्डिंग सोसाइटी बी०→1626, विणाखापटनम 4।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त, सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंजर भूमि, 1 एकड़ 58 सेंट्स विस्तीर्ण सं० 44/4 ए, 44/4 बी श्रौर 44/4 सी, रूषीकोंडा, विशाखापसनम, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9165/81 र्राजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी वैझाका ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात:——

तारीख : 16-7-1982

प्रकृष आहु^र , ट्रो , एन , एस , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 51/82-83 काकीनाटा स्कॉड----श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हु"), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रु. सं अधिक हु

थौर जिसकी सं. 304/12 है, जो राज्य मीन सोमपेट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण भ्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारों के कार्यानय सोपपेट में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिक्षितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन नयस्वर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एइ है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पाउससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रूपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :— (1) (1) श्रीमित भोना गर्इन्मा पति श्राम्पा राव (2) श्री सोना रयुराम पिता ग्रप्पा राव सोमपेटा (श्रीकाकुलम जीला) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० सुब्बाराव भीर (2) एम० वैकुंठाराव, सोमपेट ।

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मारित के अर्जन के सम्बन्य मां कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वम के राजपंत्र भाष्ट्रकायन की तारीख सं 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सं 30 दिन की अयिभ, जो भी अविध बाद मी समान्त होती हो, के जीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा से कि की व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पादत में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति सा (२४ ०) एकी ए ।

स्थव्हीकरणः -- इमसे प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राइस मील नं० 1486 सर्वे गं० 304/12, बलीया-पुट्टु गा, कांचेली समीकी प्रोमकेटा, श्रीकाकुलम जीका रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1610/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी सोमपेटा ।

एम०जेगन मोहन, सक्षग पाधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, काकीनाडा

नारीख : 15-7-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवर आग्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982 निदेश सं स्रार० ए० सी० 52/82-83-काकी नाडा स्काड--यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख को अधीन सक्षय प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 81/4, है तथा जो प्रसादम-पाड गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिंधित्स, 19(8 (198 का 16) के ग्रधीन नवस्वर 1981

को पूर्वीक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिनाने में सुनियम के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निक्ति व्यक्तियों, अर्थात : (1) श्रीमित एस० विजयालक्ष्मी पित डा० एस० ऊमापित, (2) एस० शिवरामकृष्णा पिता डा० ऊमापित, (3) एस० मालती पिता डा० एस० ऊमापित श्रल्पवइन रिप्रेजेंटेड बाइ पिता डा० एस० ऊमापित, म्यूझीयम रोड, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित ए० कोटम्मा पित श्री ए० वीरय्या, गुड्ला-वलेरु, गुडीवाडा तालुक, जिला कृष्णा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 81/4, विस्तीण 4 एकड़, 0^{2} सेंट्स प्रसादमपाड, गांव विजयवाड़ा के बाहर, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 11018, 11019 ग्रौर 11022/81, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-198?

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराश्राद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 53/82-83-काकीनाडा स्काड—यतः, मुझी, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 5/44 है, तथा जो वेतलुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंदापेटा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्च अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री पी० ताताराजु, (2) बीरा राघऊलु, (3) पी० वी० वी० एस० एन० चौदरी, (4) बी० मुरयाराव, (5) श्रत्यबद्दन रिप्रेजेंटेड बाई बी० सूर्या राव, (6) डी० लक्ष्मी कांतम्मा, (7) एम० गोपालन, (8) पापाराव, (9) एम० धर्म-राजु, (10) एम० सत्यानारायणा (11) श्रौर (12) श्रत्यतबह्दन रिप्रेजेंटेड बाई श्री एम०

गोपालन, (13) श्रत्पबहन रिप्रेजेंटेड बाई एम० धर्मराजु, (14) एम० मलीकार्जुनाराव, (15) एम० सत्यनारायणा चौद्री, (16) एम० बेंकटराव, (17) एम० कुस्मंबा पति एम० मलीकार्जुनाराव, बल्लुरी, गंदापेटा, जिला पूर्व गोवावरी ।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) सीएच०, बुनुगोपाल, (2) श्री मीएच श्रीहारी,
 - (3) श्री सीएच० सुरेण वाब, (4) सीएच० प्रम्माजी,
 - (5) जी० वेंकटराव, (6) जीं० ब्रजाकुमारी,
 - (7) सीएच० सूर्यप्रकाशराय, (8) सीएच० जानकी-रानी, (9) सीएच० वेंकटराजू, (10) बी० सूर्य-चंद्राराव, (11) एम० बी० बी० सत्यवती, शिवा-लयम स्ट्रीट, वल्लुक ग्रालामुक तालुक, पूर्व गोदावरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चावल मिल घर नं० 5/44, शिवालयम रोड, वल्लुरु, श्रलामुरू तालुक, जिला पूर्व गोदावरी (64/103 भाग) कुल विस्तीण 2614 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2859/81, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मंदापेटा ।

एम० जे**गन मोहन** सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** : 15-7-1982

प्ररूप काइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ष् (1) के सुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाय, दिनांक 6 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 54/82-83/काकीनाडा. स्काड---भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26-15-196/197/198 है, जो विशाखा-पत्तन्म में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विशाखापत्तनम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्स अभितियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृतिभा के लिए;

(1) श्री ए० वी० कृष्णा राव पिता लेट ए० एस० पी०, नराँसग राव, गोकुल रोड, महाराणपेटा, विशाखापत्तनम-2।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० श्रष्पास्वामी पिता नरायणा राव श्रौर उनके 5 भाईयों, 28-15-196, श्रीनिवासा वाइन गाप, विशाखापत्तनम-1 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 26-15-197, 97, 198 मेन रोड, विशाखापत्तनम, भूमि सीमा 400 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 149/82, रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी विशाखापत्तनम ।

एस० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारी**ख** 6-7-1982 शेहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० भिवानी/22/81—82—ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

प्रायकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उकत आंधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के प्रधीन अप्रमायकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिन्त बाजार मूल्य 25,000/ हु से बांधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 500 वर्ष गर्व है तथा जो भिवानी लोहारू रोड, श्रादर्श कालेज के निकट, भिवानी में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1981

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल नं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नी के खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तीवक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अस्तरण स उर किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के समारक के बाविश्व में कसी करने या अपने बचने में वृधिवा के लिए। और/या
- (ख) ऐसा कि है कर वा किसी वन या अथ्य आस्तियों की, जिल्ले भारतीय आय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या चन्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए ना, क्रियाने में सुनिधा के निए:

बाब, तक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुनरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाश (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) (1) श्री प्रभाशंकर केदिया पुत्र मदन लाल केदिया (2) श्रीमिति विद्या देवी विधवा राम शंकर केदिया जयशंकर केदिया, विजय शंकर केदिया पुत्रान मदन लाल केदिया नि० भिवानी श्रव राजा नाभा कृष्ण गली, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र हरपाल सिंह निवासी भिवानी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी सविध बाद में तयात होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 500 ष० ग० खमरा नं० 356, भिवानी लोहारू रोड, ग्रादर्श कालेज, भिवानी के पास स्थित है जिसका ग्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, भिवानी में रिजर्स्ट्री संख्या दिनांक 6-11-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, भहायक यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारोखा : 31-7-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 31 जुलाई 1982

निवेश सं० भिवानी/23/81-82--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'ज्ञक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 500 व० ग० भिवानी लोहारू रोड, है तथा जो ग्रादर्श कालेज, भिवानी के निकट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भिवानी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख नवम्बर 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीन एसे अन्तरण के जिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) (1) प्रभागंक्य केदिया पुत्र मदललाल (2) श्रीमित विद्या देवी विधवा शम गंकर केदिया जयगंकर केदिया विजय गंकर, केदिया पुत्रान मदन लाल के दिया निष् भिवानी श्रव राजा नाभा कृषण गर्ती, कलकत्ता।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र हण्यान सिंह नि० भिवानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वान अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 500 वर्ष गर्ष खसरा नं 636 भिवानी लोहारू रोड पर श्रादर्श कोलेज, भिवानी के निकट स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्राकर्ती के कार्यालय, भिवानी में, रिजस्ट्रा संख्या दिनांक 6-11-1981 पर दिशा है।

गा० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायनः श्रायकार आयुक्तः (निर्राक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

क्षाराख 31-7-1982 मोहर:

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० पानीपत/178/81-82-श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

न्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मं० नं० एम० श्राई० जी० 217 हाउसिंग बोर्ड कालोनी है तथा जी पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नाल्डित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बांने क कन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और /था
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा वकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री रामसिह कलसनपुत्र श्री शिव चन्द निः गांव श्रंसला िस्मा भिश्रानीः प्रश्न एस० पी० मधुबन, कण्नाल । (श्रन्तरक)
- (2) थीं प्रेम सागर श्रधलखा पुत्र श्री प्रताप लाल श्रध-लखा पुत्र श्री नीता राम नि० म० नं० 217, एम० श्राई० जी०, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पानीपत । (श्रन्तिपति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त भक्षि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है !

अमुस्ची

सम्पत्ति म० नं० 217, एम० आई० जी० हाउसिंग बोर्ड, कालोनी पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्री संख्या 4678 दिनांक 13-11-1981 पर दिया है।

> मी० सि० मोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्षण आयुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-7-1982 मोहर .

प्रकृप आहा. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतर, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० कालका/21/81---82-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसेमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रींर जिसका सं० मकान नं० 105, सेक्टर-6, है तथा जो पंच-कुला में स्थित है (श्रींप इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के नार्यालय कालका में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख नवम्बर 1981

को प्यों कत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भीयधा के जिए:

ग्रतः अब, उन्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1)(1) श्री नवनीत पाठक पुत्र पी० एन० पाठक (2) श्रीमति विलोक पाठक पत्नी श्री पी० एन० पाठक म० नं० 625, भेक्टर 36 बी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) दिवान रमेश चन्द पुत्र दिवान शमणेर, म० नं० 21, सेक्टर 5, चन्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति मकान नं० 105, सेक्टर 6 अर्बन एस्टेट, पंच-कुला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, कालका में, रजिस्ट्रीकरण मंख्या 1601, दिनांक 12-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकार प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 19-7-1982 मोहर: प्ररूप आइ. टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० सोनीपत/88/81---82---ग्रतः **मुझे** गो० सि० गोपाल

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मिंग्नं 16/366, है तथा जो सिक्का कालोनी, मोनीपन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रोकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, मोनीपत में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्वेषय से छक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाजुत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नों से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की अपभारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्रीमति सतविन्दर पत्नी श्री अवनार सिह नि० सिक्का सोनीपत ।

(धल्लप्यः)

(2) श्रीमिति मुदर्णेन राना पत्ना दा० सुद्ध णाम नि० मं० नं० 366, वार्ड नं० 16, स्थिता कालीना. रीहतक ।

(भ्रन्त'रिती')

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्य के प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा
- (च) इस् स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनुष्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पित मं० नं० 16/366 सिक्का कालोती, सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्ट्रीसंख्या 3371 दिनांक 4-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिनारी, सहायक भ्रायकर श्रायुवत (निर्राक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-7-1982

प्ररूप बाई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई, 1982

निदेश सं० सोनं।पत 190/81-82---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० म० नं० 320, वार्ड न० 16, राजकीय महाविद्यालय के निकट है तथा जो सिकका कालोनी, सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख नवस्बर 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्मित में वासरिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--

- (1) परमानन्द पुत्र शोखा राम राजकीय प्राथमिक विद्यालय के निकट, मिक्का कालोनी, सोनीपत (ग्रन्सरक)
- (2) श्री ऋ⁶ण चन्द पुत्र कल्याण दास राजकीय प्राथ-मिक विद्यालय के निकट सिक्का कालोनी, म० नं० 320, वार्ड नं० 16, सोनीपत ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 320, वार्ड नं० 16, राजकीय प्राध-मिक पाठणाला के निकट, सिक्का कालोनो, सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्ट्री संख्या 3427 दिनांक 9-11-1981 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-7-1982

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एम • एस • -

भ/यक्षर अवितियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निदेश सं० सोनीपन/95/81-82--प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- दुः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान मारंग मिनेमा के निकट है तथा जो रेलवे रोड, सोनीपत में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीध-कारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख नवम्बर 1981

(1908 का 16) के अवान नाराज नवस्त्र 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य में कम के प्रति दृश्यमान फल के लिए अस्तरित की गई है बोप मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिब्बत उद्देश्य से खयत ग्रन्तरण विश्वात में वास्तविक छप में क्षित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत आधि-नियम के ग्रंधीन कर देने के बन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर भिष्ठ-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री सुमन सिंह पुत्र श्री कालका प्रसाद नि० गर्फा ब्राह्मण, सोनीपत ।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्री राजिन्दर कुमार, सुभाष चन्द, रमेश चन्द पुत्रान श्री परशोत्तम दास म० नं० 2, एट मरला कालोनी, सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के भर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो खकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो खस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति मकान, रेलवे रोड, सोनीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री-संख्या 3567 दिनांक 18-11-1981 पर दिया है।

> गोर्∘ास० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**री**ख : 19-7-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

नायकश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निवेश सं० गुड़गांवा/212/81-82---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के अधिक हैं जिसकों सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो शाहपुर में स्थित

है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच) में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रांकर्ता प्रधिकारा के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1981

को पृतों कत संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पृति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उध्देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृतिक इम्मू से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वर बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था विकया जाना चाहिए था, छिपानं घें सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनृसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथीत :---38—216 GI/82 (1) श्री चन्दन सिंह पुत्र छेलू राम सरदार सिंह पुत्र राम सिंह, नि० सुखराली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं **इन्स्टैन**ट बैटरीज लिमिटेड, ई-35, पंचशील पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल शाहपुर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रेकिती के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्री संख्या 3181, विनांक 9-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-7-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

े निदेश सं० गुड़गांवा/213/81-82--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रार जिसकी सं० भूमि 46 कनाल 4 मरला है तथा जो शाह-पुर में स्थित है (श्रार इससे उपाबड श्रनुसूच। में श्रार पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रांकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रीम नवस्वर 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूत्यमान प्रतिफल से, एसे रूत्यमान प्रतिफल का पद्भ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सर्वश्री नन्द लाल, मुनीलाल, लख्मी चन्द पुत्रान श्रो हीरा सिंह पुत्र उदय सिंह खजान्ची पुत्री रघबीर, श्रीमती राम चन्देरी विधवा श्री रघुबीर, दलपत उर्फ दलीप नि० सरहोल ।

(श्रन्तरक)

(2) मै० इन्स्टैन्ट बैटरीज लिमिटेड, ई-35, पंचर्शाल पार्क, नई दिल्ला -17

(अन्तर्रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 46 कानाल 4 मण्ले शाहपुर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रेजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में, रेजिस्ट्रीसंख्या 3141, दिनांक 4-11-1981 पर दिया है 1

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ' ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख** : 19-7-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस . -----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 68 कनाल 9 मरले है तथा जो सिरहोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिल्द्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1608 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अ**धी**न निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) सर्वर्था नन्द ताल, मुनीवाल, लख्मी चन्द पुलान श्री हीरा सिह खाजानी पत्नी श्रा श्ववीर श्ररेन्द्र सिह पूल श्रा दलाम सिह निरु स्पर्ताल ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० ईन्स्टैन्ट बैटरीज लिमिटेड, ई-35, पंचर्शाल पार्क, नई दिल्ला ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति 68 कनाल 6 मरले सिरहोल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्री संख्या 3140 दिनांक 4-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्ष्य अयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा : 19-7-1982

प्रस्प आर्च. टी. एन्. एस.---

ध्रायकः। अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ब्रह्मीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० गुड़गांव/215/81-82--प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से आधिक है और जिसकी सं० भूमि 11 कनाल 7-1/2 मरले है तथा जो सरहोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का 16 के श्रधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए ध्रम्तिति की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यश्रपूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (प्रम्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक निम्मलिखित व्रदेश्य से उक्त बन्तरक निखित के वास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जक्त धिक नियम के धिवान कर देने से अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जनना बाहिए था, डियाने में सुविधा के सिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री मुन्गी राम, लखमी चन्द्र पुतान श्री होरा सिंह, खजानी पुत्रो एवम् श्रीमित राम चन्देरा विधवा श्री रधबीर सिंह मुरेन्द्र सिंह पुत्र दलीप सिंह निऽ सरहोल

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ इन्सैन्ट बैटरीज, लिमिटेड, ई-35, पंचशील पार्क, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीका सम्यति के धर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्वत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाः में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रश्विनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रयं होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 7-1/2 मरले सरहोल में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रांकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में, रिजस्ट्री संख्या दिनांक 4-11-8 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), श्रर्जन रेंज, रोह्तक

तारीका: 19-7-1982

प्रकप नाइ. टी. एन्, एस.------

श्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन स्कृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० सीनीपत/89/81-82—- ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसको म० नं० एम० सी०/2/400 है तथा जो म्रार्य नगर, सोनीपत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रांकर्ती म्रधिकारी के कार्या-लय, सोनीपत में रिजस्ट्रांकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)का के भ्रघीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के शिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डल प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर प्रन्तरितों (प्रग्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उयत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किया प्रत या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तिसयों, अर्थात् :——

- (1) श्री हरो राम पुत्र भरत सिंह् ग्रार्थ, नगर सोनीपत । (प्रनारक)
- (2) लर्बेश्वा प्रमु गोप्श्वत पुत्रान श्रीश्रीचन्द गांव--श्वेवड़ा त० व जि० सोतीपत म० नं० एग० सा०/2/400, ग्रार्य नगर, सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी पविधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकेंगें।

स्पद्धी रूरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रथें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सो०/2/400, श्रार्य नगर, सोनोपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्ट्री संख्या 3393 विनांक 5-11-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख : 22-7-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, रोहतक

रोह्तक, दिनांक 19 जुल।ई 1982

निर्देश मं० पानीपत्/134/81-82---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सम्पत्ति मकान नं 90-श्रार॰, मॉडल टाउन है तथा जो पानीपन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री प्रताप लाल लि० 90-श्रार०, मॉडल टाउन, पानीपत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाम लाल पुत्र उत्तम बन्द नि० म० नं० 16, सुभाष कालोनी, त० कैम्प, पानापत श्रब म० नं० 90 श्रार०, मॉडल टाउन, पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्ला सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के शीलर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 90 आर, मॉडल टाउन, पानीपत में स्थित है जिपका श्रिधिक वित्ररण राजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, पानीपत में, राजिस्ट्री संख्या 4430, दिनांक 2-11-1981 पर दिया है।

> गो० मि०गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण, श्रुजैन रेंज, रोहभक

नारंखा : 19-7-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक 19 जलाई 1982

निदेश सं० पानीपत/176/81-82---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मं० नं० 506 एल० माडल टाउन, है तथा जो पानीपत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्वर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हम में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिया के क्लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तुला राम पुत्र जाबेन्दर नि० टी० 73 क्यार्टर रेलबे रोड, पानीपत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदाण, सततारायण पुत्रान प्रभु दयाल श्रीमिति राज पत्नी श्रात्मा राम, नवार्टर नं० 506-एल०, माङल टाउन, पानापत ।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति नकान नं. 506 एल०, माडल टाउन, पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 4704 दिनांक 17-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि०गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख : 19-7-1982 I

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 19 जुलाई 1982

निदेश सं० करनाल/60/81-82---श्रतः मुझे, गोव सि० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० एक दुकान है तथा जो रेलवे रोड, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् —

(1) श्रीमिति श्रवी देवी विधवा प्रेम कुमार राम किशन, जय भगवान, श्रणोक्त कुमार, जय दयाल श्रीमिति शांती देवी, शीला रानी पुवियां श्री परस राम नि० 42/1, राम नगर, करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीण चन्दर, अिबनाण चन्दर पुतान बुडा राम नि०म० नं० 25-26, सेक्टर-4, राम नगर, कर-नाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास । लिसत मो किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्थी

सम्पत्ति एक दुकान, रेलवे रोड, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 3980 दिनांक 24-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-7-1982 ।

माहर:

प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निदेश सं० गुड़गांवा/143/81-82--- ग्रतः मुझे, गो० सि०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 240 सेक्टर-7, ग्रर्बन एस्टेट है तथा जो गुड़गांवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यनारक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सेच ऐस अन्तरण क निए तय पाया गया प्रविद्धल, सिम्नालेखित उद्देश्य मे अका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के अधिन नहीं किया पाया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के गायित्व में कमी करने या असमे बचने में सुविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

39 -216 GI/82

(1) श्री लछमनदास पुत्र होन्डा राम नि० म० नं० 227/7, म्रर्बन एस्टेट, गुड़गांवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार मक्कड़ पुत्र श्री जस्सा राम मक्कड़ म० नं० 240/7, ग्रर्बन एस्टेट, गुड़गांवा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववटीकरण:—इसमें त्रयुक्त भग्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवित्यम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी ग्रयं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

मृत्स्ची

सम्पत्ति मकान नं ० 240, सेक्टर-7, ग्रबँन एस्टेट, गुड़गांवा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में, रजिस्ट्री संख्या 3211, दिनांक 12-11-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 19-7-82

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहप्तक

रोहतक, दिनांक 21 जुलाई 1982

निदेश सं० सोनीपत/100/81-82---श्रतः मुझे गो॰ मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं दुकान नं 23/664 रोहतक रोड है तथा जो सोनीपत में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निष्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निष्ति में वास्तविक इप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; अर्'र/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गंगाधर पुत्र झावरी राम श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री गंगाधर जि० गही घसीटा, सोनीयत

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सनपत्ती पत्नी श्री परमा गन्य नि० घसीटा, मोनीपत दुकान नं० 23/664, रोहतक रोड, सोनीपत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाय में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति घुकान नं० 23/664 रोहतक रोड, सोनीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 3706 दिनांक 2-11-1981 पर दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 21-7-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 19 जुलाई 1982

निवेश सं॰ टोहाना/3/81-82--- प्रतः मुझे, गो॰ सि॰ गोपाल,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 134 है तथा जो नई मन्डी, टोहाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय टोहाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्सह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधितः—

- (1) श्री सागर चन्द पुत्र फकीर चन्द निवासी टोहाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री सतीश कुमार पुत्र नानग राम पुत्र फल चन्द निवासी टोहाना

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं करु क्या क्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर राम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति धुकान नं० 134 नई मन्डी, टोहाना मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय टोहाना में, रजिस्ट्री संख्या 2559 विनोक 9-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप बाह्र .टी. एन. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निवेश सं० टोहाना 14/81-82-श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं दुकान नं 34, नई ग्रनाज मन्डी है तथा जो टोहाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय टोहाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक, नवम्बर, 1981।

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिश्त उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नृशा हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नगः उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्योक्तमों, अर्थात् :--- (1) श्री बजरंग दास पुत्र फतेहचन्द पुत्र काहनी राम निवासी टोहाना

(धन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश श्रग्रवाल परेनी श्री संतीण कुमार पुत्र नानग राम निवासी टोहाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त सिंधियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति घुकान नं० 34, नई श्रनाज मन्डी, टोहाना में स्थित है जिसका श्रीक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय टोहाना में, रजिस्ट्री संख्या 2381 विनांक 12-11-81 पर विया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, रोहतक

दिमांक: 19-7-1982

प्रकप आई• टी• एव• एस०----

भरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० करनाल/77/81-82--ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 17 मरला है तथा जो गांव डाहा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्भ (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नतः जन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, अक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नाथी राम, हरी सिंह, ग्रीम प्रकाश पुत्रान श्री हिरदा राम पुत्र राम जी लाल श्री दाता राम पुत्र रामजी दास निवासी कमोहपुरा ।

(प्रन्तरक)

- (2) 1. सर्वश्री राकेश कुमार, स्वर्ण कुमार पुतान श्री चरण दास बाथला
 - 2. श्रीमती कैलाश रानी पहनी सुभाष चन्द
 - श्रीमती चंचल रानी पहनी चन्दन कोठी नं० 4, बाथला कोटेज, सुभाष मार्ग, रेलवे रोड करनाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वाभित</u> सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्कीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त,
अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 कनाल 17 मरले गांव दहा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3814 दिनांक 9-11-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहसक

दिनिक: 19-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 19 जुलाई 1982

निदेश मं० करनाल/78/81-82---ग्रतः मुझे गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 15 कनाल है तथा जो दाहर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सिंदधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नाथी राम, हरी सिंह, स्रोम प्रकाश पुत्रान श्री हिरदा राम पुत्र रामजी दास श्री दाता राम पुत्र रामजी दास पुतान ठाकुर दास निवासी गांब कमोह

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री सुभाष चन्द्र पुत्र चरण दास बायला कोठी नं० 4, बायला कोटेज, रेलवे रोज, करनाल
 - 2. श्री हरीण चन्द्र, महेश कुमार, देवेन्द्र कुमार पुतान गणपत राय चावला निवासी चावला भवन सदर बाजार करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्क्ष्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति, व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्डीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल दाहा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री-संख्या 3815 दिनांक 9-11-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज रोहतक

दिनांक: 19-7-1982

्रम्म्य् वाद<u>्र".टी..पुन्.पुन.</u>-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार पटना पटना दिनांक 19 जुलाई 1982

निदेश सं० III 564/ग्रर्जन/82-83--श्रतः मुझे, हृदय नारायण,

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् उनत् निभिन्नम् कहा युवा ही), की भारा 269-म् के अभीन सुक्षम् प्राप्तिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० तौजी सं० 5282 28-सी वर्तमान खाता मं० 230 खमरा सं० 595, 588, 594 थाना सं० 18 है तथा जो

ौनपुरा थाना दानापुर जिला पटना में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 14 नवस्वर, 1981

को पूर्विक्ष सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल कल निम्नितिबत उच्चेस्य से उनका अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से करित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा वा वा किया जाता आहिए वा कियाने में स्विभा के शिष्य

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री जगरनाथ सिंह बल्द स्व० जुग्गी सिंह वा सी खजेपुरा, पोस्ट एवं थाना गर्दनीबाग, जिला पटना (श्रन्तरक)
 - (2) श्री माहम्मद श्रमलाग वल्द मी० खलाल निवासी दानापुर जुमा मस्जिद, श्राना दानापुर जिला पटना 2. मी० ग्रमीन बल्द मी० एकवाल निवासी श्रवस्ती धाट, दानापुर, पी० गर्दनीवाग जिला पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्पृतित् के नर्पन् के स्वनुष्क में कोई भी वाक्षेप्र---

- (क) इस स्वान के प्राव्यान में प्रकारत की तार्योंच से 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानीन से 30 दिन की नवींच, वो भी ववटिंग बाद में समाप्त होती हो, वो भीतर पूर्वीन्य व्यक्तियों में से हैकसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से हैकसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से हैकसी व्यक्तिय व्यक्तिया
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के श्रीहर सकत स्थावर संपतित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रवास व्यक्ति के पास निश्चित में किए जा सकति।

स्यख्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हां अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का कुल रकबा 28.5 डीसमल जो 9 कट्ठा 2 धुर 9 धुरकी के बराबर है मौजा रूकुनपुरा, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 8661 दिनांक 14-11-81 में विणित है तथा जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 19-7-1982

प्रकप आईं.टी.एन.एस.------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० 111 562/मर्जन/82-83--म्रातः मुझे, हृदय नारायण

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत् बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० थाना सं० 198, तौजी सं० 58 खाता सं० 53, 66, 73, प्लाट सं० 1785, 1802, 1803, 1801 है तथा जो वारालौट, थाना डालटेनगंज, जिला पलामू में स्थित है (श्रौर इसमें उपावज्ञ श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय डालटेनगंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अध्वक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त काँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यमें में सुविधा के किए: बीयू/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अंग, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिधा अं लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती कौश्लया रानी भुसरी जौजे श्री शामपुरण सिंह निवासी पी-12 मीसनरौ ऐक्टेंसन कलकत्ता, खुदबीवली
 - 2. श्रीमती हजीत भुसरी जीजे श्री इन्द्रजीत सिंह भुसरी मा० पी-92 मीसरी एक्टेंमन कलकता(3) श्री हरिवंश सिंह दुगल बल्द व० डा० एस० एम० दुगल निवासी 701 श्रीलिम्पस श्रल्टामाउडेंट रोड़ तम्बर्ड-400026 (ग्रन्तरन)
- ं (2) श्री विजय कुमार जयसवाल बल्द श्री भोला नाथ निवासी सी०/ई०+177 चेतगंज वाराणसी वर्तमान पता निवासी डालटेनगंज जिला पलामू बिहार स्टेट कन्सट्रकसन कार्पोरेशन लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

धन संसी

जमीन का कुल रकवा 1 एकड़ 55 डेसीमल मकान सहित मौजा बारालौट (जी० एल० ए० कालेज डालटेंनगंज) थाना डालटेनगंज जिला पलामू में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप से विसका सं० 9332 दिनांक 6-11-81 में विणित हैं तथा जिला अवर निबंधक पवाधिकारी डालटेंनगंज हारा पंजीकृत हुआ है।

> हृदय नारायण, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन क्षेत्र, बिहार

ता**रीख**: 16-7-1982

मोहर 📜

प्ररूप बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त,

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० III 565/ग्रर्ज ०/82-83---ग्रतः मुझे,हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तौजी सं० 5282, 28—सी० (वर्तमान) खसरा सं० 591, 578 थाना सं० 13 है तथा जो मौजा रूकुनपुरा, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--40 --216 GI/82

- (1) श्री सुनील कुमार सिंह वल्द श्री राम नाथ सिंह नि० खजेंपुरा, पोस्ट एवं थाना गर्दनीवाग जिला पटना (अन्तरक)
- (2) श्री मो० उसमान बल्द हाजी मोहम्मद इणाक निवासी फुलबारीणरीफ, थाना फुलबारी, जिला पटना 2 अब्दुल करीम बल्द जुमराती मियां, निवासी दरीयापुर फकीरबारा, पो० वांकीपुर जिला पटना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन का कुल रकबा 27 डेसीमल जो 8 कट्ठा 12 धुर 16 धुरकी के बराबर होता है मौजा रूकुनपुरा, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 8663 दिनांक 14-11-81 में विणित है तथा जिला स्रवर निबंधक पटना द्वारा पंजीकृत हुस्रा है।

हृदय नारायण, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, विनोक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं० III-566/अर्जन/82-83---अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० तौजी मं० 5282, 28-सी (नया) खाता सं० 230, 154, खसरा सं० 599, 596 थाना सं० 18 है तथा जो मौजा रूकुनपुरा थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14 नवस्थर, 1981।

को पूर्वोक्स संपरित् के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20 क में यथा परिभाषित दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथयां को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) मोस्मात सिया कुश्चां जीजे स्व० विश्वनाथ सिह तिवासी खजेपुण, भारा एवं पोस्ट गर्दनावाग जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रा जावेद एकत्राल बल्द मुहम्मद निवासा दरायापुर थाना पोरबहोरा, पटना 2. श्रमोक एकवोल बल्द मा० ग्रारीफ निवासी दर्जीटोला पोस्ट वाकापुर जिला

(ग्रन्तिशता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमनी

जमीन का कुल रक्षवा 27 डेमीमल जो 8 कट्टा 12 धुर 16 धुरकी के बराबर होता है मौजा ब्लुनपुरा, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण ब्लप से बसिका संख्या 8664 दिनांक 14-11-81 में विणित है तथा जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत हुआ है।

हृदय नारायण, नक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ 11 के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटनः

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1982

निर्देश सं । III 563/ग्रर्जन/82-83—ग्रतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जियको सं० थाना सं० 10. ताँजो सं० 265, खाता सं० 238, प्लाट सं० 808 है तथा जो मीजा रसूलपुर योगी उर्फ दाउदिवगहा जिला पटना में स्थित हैं (श्रार इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्राकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय पटना सीटा में रजिस्ट्राकरण श्रधिनयम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनां रु 5 नवस्वर, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से अम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन को गई है और मूं अहे विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सः हुई किसी अन्तरो बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मो, मों, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्रीमती सारला खन्ना जीजे श्री एयाम किशोर खन्ना निवासी 21, तिलक नगर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (अन्तरक)
- (2) (1) श्री महादेव सिंह (2) श्री राधा कृष्ण सिंह (3) श्री कमल प्रमाद सभी बल्द श्री फर्कारा भगत सभी निवासी ग्राम नन्दलाल छपरा, थाना ग्रालमगंज, जिला पटना-16

(बन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पृतांक्स सम्परित के अर्थम् के लिए जार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा
- (ख) इस गूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन का कुल एकबा 32 डेसीमल मौजा रसूलपुर योगी उर्फ दाउदिवगहा, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विस्का संख्या 5997 दिनांक 5-11-81 में वर्णित है तथा अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना सिटी द्वारा पंजी हत हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 19-7-1982

प्ररूप कार्षं. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश मं० III 561/ग्रर्जन/82-83---प्रतः मुझे, हृदय नारायण.

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी संव तीर्जः संव 26, खाता संव 101 खसरा संव 1427 थाना संव 12 है तथा जो मौजा कुम्हरार जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय पटना मीटी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्रीत दिनांक, 21 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण सं हुइ किसी नाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सिंदधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मः, मः, उक्तः अधिनियम की भागः 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् वाक्तितुयों, अर्थातः—— (1) 1. श्रीमती रामरती देवी जौजे श्री विश्वनाथ महती उर्फ विसु महती

2. श्रीमती राजमणी देवी पृती स्व० श्री विश्वनाथ महती एवं जौजे श्री राम स्वरूप सिंह खुद वीविल श्री उत्तम कुमार श्रीर श्री प्रवीण कुमार (नावालिग)

3. श्रीमती राम मणी देवी पुत्री स्व० श्री विश्वनाथ महती श्रीर जौजे श्री रामप्रनाप सिंह खुदवीवली श्री राम कृष्ण सिंह (पुत्र नावालिग) गर्भी निवासी मौहल्ला तुलसी मंडी, थाना श्रालमगंज, जिला पटना

(अन्सरक)

(2) 1. श्रा मुरेण प्रमाद सिन्हा बल्द डा० श्री योगेन्द्र प्रसाद सिन्हा 2. श्री राकेण प्रसाद सिन्हा पुत्र नाबालिंग श्री सुरेण प्रसाद सिन्हा निवासी मोहल्ला पाटलीपुत्र पथ, राजेन्द्र नगर, थाना कदमकुआ, जिला पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताणिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपन में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरुण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का कुल रक्तवा 24 डेसीमल जो मौजा कुम्हरार थाना सुलतानगंज जिला पटना में स्थित है जो पूर्ण रूप से विसका सं० 6323 दिनांक 21-11-81 में विणित है तथा अवर निबंधन पदाधिकारी पटना सिटी द्वारा पंजीकृत है।

> हृदय नारायण, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 16-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बंबई

बंबई, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० ए० स्नार० 2/3253-2/81-82--स्रतः मुझे, एम० एम० शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० सं० 854 सब प्लाट सं० बी०-22, प्लाट सं० 5-1 का ग्रनुभाग है तथा जो जूह बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 2 नवम्बए, 1981

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्त-विक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अख की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बालकृष्ण कल्याणदास मेहता

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल धिरेंद्र कोटक

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख सं० एस० 2888 श्रौर जो सब रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एम० शुक्ला, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बंबई

दिनांक: 22-7-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० चर्ड(०/196/81-82---म्रत: मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राष्ट्र से अधिक है

ग्रौर जिनकी संज्ञमान नंज 44. सेक्टर-8-ए है तथा जो धन्डीगढ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के वायिलय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्संध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक् रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (भ्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—-

(1) श्री एस० पी० जैन, निवासी 25, कैलाश भ्रपार्टमैट. नई दिल्ली-110048

(अन्तरक)

(2) मैंपर्ज आतन्द वायर एंड अवाईड इंडस्ट्रीज प्राईवेट विभिटेड आतन्द हाऊ स, एम० जी० रोड़, एरणाकुलम कोचीन

(ब्रन्तर्रितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पित्त के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 0 44 जो कि सैक्ट र 8-ए चण्डीगढ़ में स्थित है। जायदाद जो कि अभिलेख संख्या नं 0 1463 माह नवस्वर, 1981 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में दर्ज है।

> मुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 16-8-1982

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नोटिस

भ्रागुलिपिक परीक्षा 1983

नई दिल्लो, दिनांक 28 अगस्त 1982

सं० एफ० 11/5/82-प० I (ख)—भारत के राजपत्त विनांक 28 अगस्त, 1982 में गृह मंद्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिये गये पैरा 2 में उल्लिखित ग्रस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, ग्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनक, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोभा), पटना, पोर्ट क्लेयर, शिलांग, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ मुने हुए भारतीय भिश्मों में 6 फरवरी, 1983 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उक्कीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी श्रायोग परिस्थितियम किसी उक्कीदवार को श्रपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा से प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (श्रनुबन्ध I, परा 11 देखिए।)

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भवीं की जानी है, उनके माम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबंध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्निजिक्त हैं:—
 - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख): ---(ग्राणुलिधिक उप-संवर्गका ग्रेड-II)
 - (ii) रेजबे बोर्ड सिचवालय स्टेमो-ग्राफर सेवा---ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड की चयन-सूची में सिम्मिलित करने हेतु)
 - (iii) केन्द्रीय सचिवालय ग्राशुलिपिक सेवा—-ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)
 - (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय श्राशु-लिपिक सेवा---ग्रेड-ग

61**

(v) भारत सरकार के कुछ ध्रन्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में श्राणुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोर्ड सिचवालय श्राशुलिपिक सेवा किन्द्रीय सिच-वालय श्राशुलिपिक सिशस्त्र सेना मुख्यालय श्राशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नही की गई है।

**प्रनुसूचित जातियों तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदनारों के लिए धारकित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धाप्ति की जाएकी।

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन विया जा सकता है।

3. उम्मीदबार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाम्नों/ पदों में से एक या इससे अधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु श्रावेदन भेज सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से ग्राधिक सेवाग्रों/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही ग्रावेदन-पल भेजने को ग्रावश्यकता है। नीचे पैरा 7 में उरिलखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येव सेवा/पद के लिए ग्रलग-ग्रलग नहीं, जिसके लिए वह ग्रावेदन कर रहा है।

नोट—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले भारत सरकार के कुछ विभागो/कार्यालयों को केवल ग्रंग्रेजों ग्राशुलिपिक की ही ग्रावश्यकता होगी; ग्रौर इस परीक्षा के परिणामों के ग्राधार पर इन विभागों/ कार्यालयों में ग्राशुलिपिक के पदों पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीधवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा ग्रंग्रेजी के ग्राशुलिपिक परीक्षण के ग्राधार पर ग्रायोग द्वारा प्रनुशंसित किया जाता है (द्रष्टच्य: नियमावली के परिशिष्ट I का पैरा 4)।

4. उम्मीदवारों को ग्रपने ग्रावेदन-पक्ष में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाग्रों/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक हैं? उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से श्रीष्ठक वरीयताश्रों का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताश्रों पर भली भाति विचार किया जा सके।

उम्मीयवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता कम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा तब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाणन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित स्नावेदन-प्रपत पर सचिव, संघ लोक सेवा झायोग, छौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को स्नावेदन करना चाहिए। निर्धारित भावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो एपए भज कर श्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लीक मेवा श्रायोग, धौलपुर ह, उम, नई दिल्ली-110011, को मनीमार्डर या सचिव, संघ लांक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पण देय भारतीय पोस्टल श्रार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीमार्डर/पोस्टल श्रार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वाकार नहीं किए जाएंगे। ये श्रावेदन-प्रपन्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: -- उम्मोदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न आधुलिपिक परीक्षा 1983 के लिए निर्वारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। आधु- लिपिक परीक्षा 1983 के लिए निर्वारित प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ भ्रावेदन-पत्न ग्रावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 19 प्रक्तूबर, 1982 (19 प्रक्तूबर, 1982 से पहले की किसी तारीख से ग्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, भिजोरा, मणिपुर, नागालैंड, विपुरा, सिम्किम, जम्म श्रीर हाश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पिती जिले, ग्रंडमान ग्रीर निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के धौर जिन उम्भीदवारों के भ्रामेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 2 नवम्बर, 1982) तक या उससे पहले डाक द्वारा ध्रवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं ध्रायोग के काउण्टर पर ग्राकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित सारीख के बाद प्राप्त होते वाले किसी भी श्राबेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रसम, मेघालय, श्ररणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिती जिले, श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप श्रौर विदेशों में रहने वाले जम्मीदवारों से श्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 श्रक्तूबर 1982 से पहले की किसी तारीख से श्रसम, मेघालय, श्रदणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल श्रौर स्पिती जिले, श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i):—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु ग्रिति-रिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्न के संगत कालम में अपने पतों में श्रितिरिक्त समय के हुकंदार इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि स्पष्ट रूप मे निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न सिले।

टिप्पणो (ii) :--उम्मोदवारों को सलाह दी जाती है ि वे अपने आवेदन-पत्न को स्वयं सं० लो० से० आवेदन-पत्न को स्वयं सं० लो० से० आवेद के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए ग्रावेदन-पत्न के साथ श्रायोग का रु० 12.00 (बारह रुपये) [ग्रनुस्चित जातियों ग्रौर ग्रनुस्चित जन जातियों के मामले में रु० 3.00 (तीन रुपये)] का शृहक भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या मचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली के स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ब्राफ्ट के रूप में हो।

त्रिदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या त्रिदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा श्रायोग-परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए, ग्रौर श्रावेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर विया जाएगा। यह उन उम्मीदकारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के अन्तर्गत निर्धारित शुक्क से छूट चाहते हैं।

8. ग्रायोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्ल से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी 1964 से ग्रीर 25 मार्च 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बांगला देश) से भारत श्राया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मृलतः भारतीय व्यक्ति है ग्रीर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मृलतः भारतीय व्यक्ति है जो शक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के ग्रन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत श्राया है या श्राने वाला है या तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान म वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 ग्रीर 31 मार्च, 1973 के बीच की श्रवधि के दौरान भारत

प्रजान कर आया था और निर्धारित शुल्क देने को स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के अनुसार भृतपूर्व सैनिक है :--

"भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ को सगस्त्र सेताओं (संघ की नौसेना, घल सेना या वायु सेता) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सगस्त्र सेना सम्मिलित हैं तथा आसाम राइफल्स सेना रक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजानियर कोर्प, जम्मू और काश्मीर, मलेशिया लोक सहायक सेना, प्रादेणिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रैंक (लड़ाकू या गैर-लड़ाक्) में शपथ ग्रहण के बाद 19 अक्तूबर, 1982 को कम से कम छह माह की प्रविध तक लगातार सेवा कर ली है, श्रीर

- (1) जो कदाचार या प्रक्षमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्ब में स्थानान्तरित होने में निर्मुक्त हुआ है, प्रथवा
- (2) जिसे निर्मुक्त होने तक या रिजर्व में स्थानाग्तरित होने का हकदार बनने के भ्रावश्यक सेवाविध पूरी करने हेतु 19 श्रक्तुबर, 1982 को 6 मास से कम सेवा करनी है।
- 9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 3.00 (तीन रुपये) [अनुसूचित जातियों और जन जातियों के मामले में 1.00 रु० (एक रुपया) की राशि वापस कर दी जाएगी]।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधित स्ववस्था को छोड़कर घन्य किसी वाबे की स्थिति में घायोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी भी वाबे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी ग्रन्य परीक्षा या चयन के लिए ग्रारक्षित रखा जा सकेगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1982 में ली गई श्राणुलिपिक परीक्षा में बैठा हो श्रौर श्रव इस परीक्षा में प्रवेश
पाने के लिए श्रावेवन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल
या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही श्रपना श्रावेवनपत्र श्रवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख
तक श्रायोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1982
के परीक्षाफल के श्राधार पर नियुक्ति हेतु श्रनुशंसित कर दिया
जाता है तो उसके श्रनुरोध पर 1983 की परीक्षा के लिए
उसकी उम्मीदवारी रह कर वी जाएगी श्रौर उसको उसी
प्रकार शृक्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार
को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया
जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रह कराने श्रौर शुल्क बापस
करने का श्रनुरोध श्रायोग के कार्यालय में 1982 की
परीक्षा के श्रांतम परिणाम के "रोजगार समाचार" में
प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के श्रन्दर प्राप्त हो जाए।

- 11. भ्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के भ्रनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिणिष्ट में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था सामान्य 41—216GI/82

श्रंग्रेजं। ग्रौर सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्नों में बस्तु-परक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सिहत वस्तु-परक परीक्षण सम्बन्धी क्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के श्रनुबंध II का श्रवलोकन करें।

> विनय झा, संयुक्त स**णिव** संघ लोक सेवा **ध**ायोग

घनुबंध-I उम्मीदवारों का घनुदेश

1. उम्मीववारों को चाहिए कि प्रावेदन-पत्न भरने से पहले नोटिस ग्रीर नियमावली को ब्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

ग्रावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदबार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां बहु परीक्षा देने का इच्छुक है श्रन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उससे श्राशुलिपिक परीक्षण के लिए अपने ही खर्च पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण श्रायोजित करने के लिए श्रायश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो।

उम्मीवनारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परि-वर्तन से सम्बद्ध धनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदनार प्रपंने छस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उन्त परीक्षा हेतु प्रपंने धानेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे मचिव, संघ लोक सेना धायोग को इस बात का पूरा धौचित्य बताते हुए एक पत्न राजस्टर्ड डाक से धवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे धनुरोधों पर गुणवता के धाधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 6 जनवरी 1983 के बाद प्राप्त धनुरोधों को किसो भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदिवार को श्रावेदन-पत्न तथा पावत। कार्ड श्रपने हाथ से ही स्याही से या बाल प्वाइंट पैन से भरने चाहिएं। श्रध्या या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्न श्रस्वोकार कर दिया जाएगा।

नोट: -- उम्मोदवारों को उक्त परीक्षा की नियम।वली के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार प्रपंत आवेदन-पत के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए जिसमें वे निबंध के प्रश्न-पत्नों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा आगुनिपिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिकर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी अविष्ट

नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रथन-पत्न का उत्तर तथा श्राशुनिषिक का परीक्षण श्रंग्रेजी में दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समक्ष्य प्रमाण-पत्न में जन्म की सारीख हिन्दी अंकों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को सुनिष्यित कर लेना चाहिए कि जो आवेदन-पत्न वह प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं। वे इस बाम का विशेष ध्यान खें कि धावेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या आमक होंगो तो उनके निर्वेषन में होने वाले अम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदारी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि ब्रायोग द्वारा ब्रावेदन-पत में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र ब्रादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें ब्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मोदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रीद्योगिक उपभमों में या इसी प्रकार के अन्य संगटनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाधों में नियुक्त हों अपने श्रामेदन-पन्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिएं। श्रापर किसी उम्मोदनार ने श्रपता श्रामेदन-पन्न नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस श्रामेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को श्राखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में झाकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इसर स्थायो या ग्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों को हैसियत से काम कर रहे हों या वे लोक उन्हमों में सेवारत हों उन्हें यह परिवर्तन (ग्रंडर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों की ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्न मिलता है तो उनका आवेदन-पत्न अस्वीकृत कर दिया जाएगा/ उनको उम्मीदवारों रद्द कर दी जाएगी।

- उम्मीदवार को ध्रपने भ्रावेदन-पत्न के साथ निम्न-लिखित प्रलेख श्रवश्य भेजने चाहिएं:—
 - (i) निर्धारित मुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईर या बैंक झाफ्ट अथवा मुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत की प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिनिधि (देखिए नोटिश के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)।

- (ii) श्रायु के प्रमाण-पन्न को श्राभिप्रमाणित/प्रमःणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यतः के प्रमण-पत्र की प्राक्षप्रमणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीन्दवार के हाल ही के पासाने आकार (लगभग 5 में ० मी०७ में ० मी०) के फोटी की दो एव जैसे प्रतिदा जिस्से से एव प्रति अन्वेदन प्रमुख पर क्षिएकी हो भीर दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक पर निर्धापित स्थान पर विपकी हो।
- (v) जहां लागु हो वहां श्रानुमृधित जारि/श्रानुसृधित जन जाति का होने के द वे के समर्थन में प्रमण-पट की श्रीभप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिणि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां ग्राय में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [वेक्सिए नीचे पैरा 5 (ख)]।
- (vii) उपस्मिति पत्नक (ब्रावेदन-पत्न के साथ विधिवत भरकर संलग्न)।
- (viii) विना टिकट् लगे हुए दो लिफाफे (लगभग 11.5 सें० मी० $\times 27.5$ सें० मी०) जिन पर श्रपना पता लिखा हो।
- नोट (i):--- उम्मीदबारों को श्रपने श्रावेदन-पत्नों के साथ उपयुक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पन्नों की फैबल प्रति-लिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपन्नित ग्रधिकारी द्वारा भ्रभिप्रमाणित हो ग्रथना स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमा-णित हों। जो उम्मीवनार लिखित परीक्षा के परिणाम के ब्राधार पर ब्राशुलिपिक परीक्षण के लिए भ्रहेंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए **बा**द उपर्य्**क्त** प्रमाण-पत्नों को मुल त्रन्त प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामीं के 1983 के मई मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मोदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें ग्रायोग को प्रस्तुत कर देना भाहिए। जो जम्मीदवार उस समय ग्रपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं जनकी जम्मादवारी रह कर दी जाएगी और ये उम्मीववार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

- नोट (ii) :-- उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि
 आवेदन-पत्न के साथ भेजे जाने वाले प्रमाणपत्नों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर
 अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर
 तारोख भी लिखें।
- मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं:---
- (1) (क) निर्धारित गुस्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर:--

प्रत्येक पोस्टल म्रार्डर म्रानिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर:—"सचिव, संघ लोक सेवा म्रायोगको दिल्लो के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्री जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए।

उम्मादवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल अर्डर न तो रेखानित विए गए हों और न सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई बिल्ली जनरक डाव घर पर देय किये गए हों उन्हें भेजना मुराक्षत नहीं है।

(ख) निर्धापित शुल्क के लिए रेखांित वें इ.पट — वैक इपट स्टेट वैक आफ इंडिय का क्सी: शाखा से लिया जाता चाहए और माचव, सघ लीत सब आयोग को स्टेट वैक आफ इंडिया का मुख्य शाखा नई ।वस्ती में देय होता चहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसा ध्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वाकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वाकार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी:— उम्मादव रो को अपने आवेदन-पन्न प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आईरों के मामले में उम्मोदवार पोस्टल आईर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।
- (ii) आयु का प्रमाण-पतः आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उसीण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

श्रायु के सबंध में कोई श्रन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, श्रापथपत्न, नगर-निगम के सेवा श्रभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वाकार नहीं किए आएंगे।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए मैंट्रिकुलेशन/उन्बतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न वान्यांश के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभो मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष श्रीर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरक्त उप-संस्थान के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रायु लिखी होनो चाहिए।

उम्मोदवारों को चेतावनी वो जातो है कि यदि श्रावेदन-पत्न के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो श्रावेदन-पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

- टिप्पणी (1)—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो उसे केवल धायु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की धाभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भजना चाहिए।
- टिप्पणी (2)—उम्मीदनार यह ध्यान दें कि आयोग उम्मीदन वार की जन्म की उसी तारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी (3)—उम्मोदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसो परीक्षा में प्रवेण के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने भौर श्रायोग द्वारा उसे श्रपने श्रभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमति नहीं दी जाएगी।
- टिप्पणी (4) —जो उम्मीदबार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंक्स्यित स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्या-वियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल (iii), श्री ग्रार्यविद्य शन्तर्राष्ट्रीय

शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सैकेन्डरी कोर्स या (iv) दिस्ली पालीटैक्नोक के तकनीको उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से पैरा 3(iii) के मीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया ग्रायु का प्रमाण-पन्न भवश्य भेजना वाहिए ग्रीर उसके ग्रातिरिक्त ग्रायु के प्रमाण के रूप में कोई ग्रन्य प्रमाण-पन्न भ्रमेक्षित नहीं होगा।

- टिप्पणी (5)—जो उम्मोदयार पहले से हो स्थायो सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रधि-ष्टियों को जन्म की तारीख भीर शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।
- (iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र :— उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की ग्रामप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ग्रवण्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (प्रयात् विश्वविद्यालय या किसी भन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रधान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की ग्रामप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण भ्रवण्य बताना चाहिए भीर ग्रपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध भ्रपने दावे के समर्थन में किसी ग्रन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। भ्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के ग्राधार पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।
- नोट 1:—जो उम्मोदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उतीर्ण होने पर वह श्रायोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है श्रीर वह ऐसी श्रहेंक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह श्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पान नहीं होगा।
- नोट 2:—-जिस उम्मीषवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो उसे उस प्रमाण-पत्न की श्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रति-र्लिप के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ट की प्रतिलिपि भेजनी साहिए।
- नोट 3:—जो उम्मादवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्रो ग्ररविंद ग्रन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सेकेन्डरी कीसं या (iv) दिल्ली पालीटेक्नीक के तक्षनोकी माध्यगिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में

उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हैंडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पन्न ग्रवश्य भेजना चाहिए।

जम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म दृष्टिष्य पैरा 3(ii) का नोट 4 भीर जपर्युक्त नोट (3)। प्रमाणित किया जासा है

हैडमास्टर/प्रिंसिपल* हस्ताक्षर

(विद्यालय का नाम)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

- (iv) फोटो को दो प्रतियां :--- उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें मी० × 7 सें मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवण्य भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति श्रावेदन-प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर और (अन्य प्रति उपस्थित पन्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनों चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के उपर उम्मीदवार को स्थाहो से हस्ताक्षर करने चाहिए।
- ध्यान हैं: -- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि
 ग्रावेदन-पद्म के साथ उपर पैरा 3(ii), 3(iii)
 ग्रीर 3(iv) में उिल्लिखित प्रमाण-पद्म ग्रादि में से
 कोई एक संलग्न न होगा ग्रीर उसे भेजने का
 उचित स्पष्टीकरण भी न दिया गया होगा तो
 ग्रावेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है ग्रीर
 इस ग्रस्वोक्ति के विश्व कोई ग्रपील नहीं सुनो
 जाएगी।
- 4. यदि कोई उम्मीदनार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसके उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हो जिला अधिकारो या उप मंडल अधिकारी या नोचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्ष्म प्राधिकारो के स्प में पद नामित किया हो नोचे विए गए फार्म में प्रमाण-पन्न लेकर

उसकी एक ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मोदवार के माता श्रौर पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत उस जिले के श्रीधकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मोदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से श्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के श्रधीन पदों पर नियुक्ति के लिए श्रावेदन करने वाले श्रनुसूचित जाति श्रौर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों क्षाग प्रस्तुत किए जाने बाले प्रमाण-पद्म का फार्म:---

पत्न का फार्मः
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुन्न/सुपुन्नी*
श्री — जो
गांव/कस्बा*जिला/
मंडल* राज्य/
संघ* राज्य क्षेत्र
की* निवासी हैं
जाति/जन जातिको/
की हैं जिसे निम्नलिखित के श्रधीन अनुसूचित जनक जाति
के रूप में मान्यता दी* गई है:
संविधान (ग्रनुस्चित जातियां) ग्रादेश 1950*
संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) ग्रावेश 1950*
संविधान (ध्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
म्रादेश 1951 *
संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
मावेश 1951*

[अनुसूचित जातियां श्रौर अनुसूचित जन जातियां सूची (श्राणोधन) श्रावेश 1956, बम्बई पुनर्गटन श्रधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गटन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम 1970, उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गटन) श्रधिनियम 1971 हारा यथा संशोधित।]

भौर धनुस्चित जातियां तथा धनुस्चित जन जातियां भादेश (संशोधन) अधिनियम 1976*

संविधान (जम्मू श्रीर कश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश 1956*

*संविधान (ग्रंडमान ग्रीर निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित जन जातियों ग्रादेश 1959 *श्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश

(संशोधन) श्रिधिनयम 1976 द्वारा यथा संशोधित* संविधान (दावरा भौर नागर हवेली) अनुसूचित जाति श्रादेश 1962*

संविधान (दावरा भौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां भादेश 1962*

संविधान (दादरा श्रीर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां भावेश 1962*

संविधान (पांडिवेरी) धनुसूचित जातियां ग्रावेश 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश
1967*
संविधान (गोवा, दमन श्रीर दियू) अनुसूचित जातियां । श्रावेश,
1968*
संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियू) श्रनुसूचित जन जातियां
प्रादेश 1968*
संबिधान (नागालैंड) श्रनुस्थित जन जातियां श्रादेश 1970*
संविधान (सिक्निम) ग्रनुसूचित जाति ग्रादेश 1978*
संविधान (सिक्किम) श्रनुमूचित जन जाति श्रादेश 1978*
 श्री/श्रमतो/कुमारा*
भीर/या उनका परिवार श्रामतौर से गांव/कस्बा*
जिला/मंडल* — राज्य/
संघ राज्य क्षेत्र*
में रहते/रहती* हैं।
हस्ताक्षर
*पदनाम
कार्यालय की मो ह र सहित
स्थान
तारोख
1: -

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो मन्द लागून हों, उन्हें क्रुपया काट दें।

नोट — "ग्राम तौर पर रहते/रहतो हैं" शब्दों का श्रर्थ वहीं होगा जो रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950 की धारा में हैं।

**अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम ग्रधिकारी।

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/ श्रिष्टो कमियनर/एडीयानल डिप्टी कमियनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/तास्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्सट्रा ग्रासिस्टेंट कमियनर।
- †(प्रथम श्रेणी के प्टाइपेंडरो मैजिस्ट्रेट के श्रोहदे से कम नहीं)।
- (ii) चाफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चाफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू भ्रफसर जिसका भोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल ग्रफ्सर जहां उम्मीदवार ग्रीर/या उसका परिवार ग्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट ग्रफसर लक्षद्वीप।
- 5. (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक भी

शामिल है) (क्लकों/स्टेनोटाइपिस्टों)को भ्रयमे विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपन्न पर एक प्रमाण पन्न मुल रूप में प्रस्तुत करना भाहिए।

*(i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के परिणामों के आधार पर के० स० आ० से०/रे० बो० स० आ० से०/ आई० एफ० एस० बी० आणुलिपिक उप संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आणुलिपिक सेवा* में नियुक्त नहीं हुए हैं।*

(ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

दिनकि—————	हस्ताक्षर
संख्या	पदनःम
स्थान	मंत्रालय/कार्यालय————
	कार्यालय की मुहर———

*जो लागू न हो उसे काट दें।

- (ख) (i) नियम 6(ग)(ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गरा निर्धारित आयु सीमा में छूट का और/या उकत नोटिस के पैरायाक 3 के अधीन शुक्त में छूट का वावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पन्न को प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगलादेश) से भ्राया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भौर 1 जनवरों, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच को भ्रवधि के वौरान प्रवजन कर भारत श्राया है:—
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ग्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत गिविरों के कैम्प कमाईंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने अपने जिपों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी ध्रतिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट।

- (4) स्वयं प्रभारित सब डिबीजन का सब डिबीजनल श्रफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास श्रायुक्त, पश्चिम बंगाल/ निवेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (ii) नियम 6(ग) (iv) प्रथवा 6(ग) (v) के प्रन्तर्गत निर्धारित प्रायु में छूट का ग्रीर/या उक्त नीटिस के पैराग्राफ 8 के प्रधीन शुक्त में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रोलंका में भारत के उच्च ग्रायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस ग्राग्रय के प्रमाण-पन्न को एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनो चाहिए कि वह एक भारतीय नागिरिक है जो ग्रक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के ग्रधीन 1 नवक्बर. 1964, को या उसके बाद भारत ग्राया है या भारत ग्राने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग)(vi) प्रथवा नियम 6(ग)(vii) के प्रन्तर्गत प्रायु सीमा में छूट चाहने बाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराण्य, तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका धौर जंजीबार) से भ्राए हुए उम्मादकार की या जाम्बिया, मलाबी, जैरे, श्रीर इथियोपिया से प्रत्यावित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण पन्न को एक भ्राभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त देशों से भ्राया है।
- (iv) नियम 6(ग)(viii) ग्रयवा 6(ग)(ix) के प्रन्तर्गत निर्धारित ग्रायु समा में ग्रोंग/या उक्त नीटिस के पैराग्राफ 8 के प्रधान गुर्क में छूट चाहने वाले बर्म से प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण पत्न की एक ग्राफ्तिमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारत य नागरिक है जो 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत श्राया है श्रयवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पत्न की ग्रामिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए जि वह बर्मी से ग्राया हुगा वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।
- (v) नियम ६(ग) (x) श्रथवा ६(ग) (xi) के श्रन्तगंत श्रायु सोमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महा-निवेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस श्राशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शन् वेश के साथ संघर्ष में श्रयवा श्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के वौरान विकलांग हुआ भौर परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तृत किए ज ने न ले
प्रमाण पस्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यृत्तिट
के रैंक नं०-
कार्य करते हुए विदेशां शबु देश के माथ मंधर्ष में/अशांतिग्रस्त*
कार्य करत हुए विदशा शतु दश का ताच नलप माश्रयातप्रस्ता क्षेत्र में फीजी। कार्रवाई के दौरात वित्तलांग हुए और उस
विकानांगतः के परिणामस्वरूपं निर्मयन हुए।
हम्ताक्षर ————
पदन(म
दिनांक'
*जो शब्द लागून हो उसे कृपया काट दें।
(vi) निथम $6(au)$ $(xiii)$ श्रथवा नियम $6(au)$
(xiii) के प्रन्तर्गत ग्रायु मे छूट का दावा अपने वाले वियत-
नाम से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति की फिलहाल
जिप क्षत्र का वह नियासी है उसके जिपा मैजिम्ट्रेट से लिए
गए प्रमःण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह
दिसालाने के लिए प्रस्तुन करना चाहिए कि वह वियतनाम
से क्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है और वियतनाम
से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है।
(vii) जो भतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त प्रधिकारी
(श्रापातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियों/ग्रत्यकालीन
मेवा कमोशन प्राप्त ग्रधिकारियों सहित) नियम 6(ग) (xiv)
या 6(ग)(xv) की शतों के प्रधीन ग्रायु सीमाम्रों में छूट
का दावा करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित
निर्धारित प्रपत्न में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्न की,
एक प्रमाणित/प्रभिप्रमाणित प्रतिनिधि प्रस्तुत करनी चाहिए।
(क) कार्यमुक्त/सेवा निष्क्त कार्मिकों पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं०—————

नाम ने,
जिसको जन्म की तारीख — है,
निया है के जिल्ला के किया है कि जिल्ला है कि जिला है कि जिल्ला है कि जिला है कि जिल्ला है कि जिल
सेना/नीसेना/षायुसेना में सेवा की है ग्रीर वे निम्नलिखित
में से एक शर्त पूरी करते हैं:
(क) उन्होंने पांच या पांच से श्रधिक वर्षों तक सैनिक
सेवा की है श्रीर कार्यकाल के समापन पर कवाचार
या श्रक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमुक्त होने के श्रलावा श्रन्य आधार पर कार्यमक्त हुए हैं।
• " • "
(स्त्र) वे मैनिक सेवा के कारण हुई शारोरिक श्रपंगता
या श्रक्षमता के कारण
को कार्यम ुक्त हुए हैं।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मृहर
तारीख

(ख) सेवारत कार्मिको पर लागू
प्रमःणित विया जःता है कि सं०————
रेंक ——नाम ———
जिनकी जन्म तिथि — है,
सेना/नी सेना/
बायु सेना में सैवा कर रहे हैं।
2. उन्हें — से कार्यमुक्त/
सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
3. उनके विषध कोई भनुशासनारमक मामला लम्बित नहीं है।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मृहर
स्थान
तारीख
प्रमाण-पत्न जारी करने वाले सक्षम त्राधिकारी निम्त-
लिखित हैं:
(क) कमीणन प्राप्त श्रधिकारियों (श्रापासवालीन कमी-
शन प्राप्त प्रधिकारियों/प्रत्यकालिक सेवा ममीशन
प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मानले में:
सेना-कार्मिक सेवा निदेशालव, सेना मुख्यालय,
मई दिल्ली।
नौसेना कार्मिक सेवा निवेशालव, नौसेना
मुख्यालय, नई दिल्लो।
वायु सेना-कार्मिक सेवा निवेशालय, वायु सेना
मुख्यालय, नई दिल्ली।
(ख) नौ सेना तथा वायु क्षेना के जूनियर कनौशन
प्राप्त श्रधिकारियों/ग्रन्य रैंकों तथा समकक्ष श्रीम-
कारियों के मामले में :
सेनाविभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा
सना—ावासम राजनटल रिकार्ड कायालया द्वारा नौ सेना—नौ सेना रिकार्ड बम्बई।
ना सना—नासना रिकार्ड वश्वदा धायु सेना—वायु सेना रिकार्ड, नई दिल्ली।
$(v_{i}i^{i})$ नियम $6(\eta)(xv^{i})$ या $6(\eta)$ ()
भ्रन्तर्गत श्रायु में रियायत का भीर/या नोटिस के पैरा 8 के
श्रन्तर्गत शुल्क मे छूट का दावा करने वाले तत्कालीन पश्चिमी
पाकिस्सान से विस्थापित व्यक्ति को निम्न प्राधिकारियों से
इस म्राणय के प्रमाण पत्र की म्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रित
प्रस्तुत करनो चाहिए कि वह पश्चिमी पाकिस्तान से वास्त-
विक विस्थापित व्यक्ति है भीर 1 जनवरी, 1971 तथा
31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि में भारत प्रव्रजन कर
श्राया था:
(1) विभिन्न राज्यों में स्थित ट्रॉलिट केन्द्रों या राहता शिविरों के कैम्प कर्माईट,
स् जर् का काम्प जलाखट,

(2) जहां वह फिलहाल पहता है जस इल के का जिला मैजिस्ट्रेट।

- (3) अपने-प्रपने जिलों के गरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) प्रयने प्रभार के प्रन्तर्गत सब डिकीजन के ग्रन्दर सब डिवीजनल ग्रफसर।
- (5) उप भारणार्थी पुनर्वास ग्रायुक्त।

6. जो उम्मीदवार अपर पैरा 5(ख), (i) (ii), (iv) और (viii) में से किसी भी वर्ग के श्रन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के श्रनुसार गुल्क में छूट का दावा करता है, उसका किसो जिला श्रधिकारो या सरकार के राजपितत श्रधिकारो या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुक्क देने की स्थिति में नहीं है, इस श्राष्ट्रय का एक श्रमाण पत्न लेकर उसकी श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उक्त नोटिस के पैरा 8 के प्रन्तर्गत गुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वायु सेना/ नौसेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप दिए गए सेवा मुक्ति प्रमाण पत्न को एक ध्रिम-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुस करनी चाहिए। इस प्रमाण-पत्न में उसकी स्थास्त्र सेना में सम्मिलित होने को वास्त्रविक तारीख, तथा सेना से निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की सम्भावित तारीख अवश्य लिखी हो।

- 7. जिस उम्मीदवार के मामले में पानता प्रभाण पत्न भ्रावश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पानता प्रमाणपन जारी कर दिया गया हो।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी वो जातो है कि वे आहेदन पत्र भरते समय कोई झठा ब्यौरा न दें अथवा किसो महत्व-पूर्ण सूचना को न फिपाएं।

उम्मीववारों को यह भी चेताबनो दो जाता है कि वे भ्रपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख प्रथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें, भीर न ही फेर बदल किए गए झूठे प्रमाण पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या प्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रश्नुटि ग्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. ग्रावेदन पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि ग्रावेदन-प्रपत्न ही ग्रमुक तारीख की भेजा गया था। ग्रावेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्न हो गया है।
- 10. श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक श्रावेदन-पन्न (वितम्ब से प्राप्त श्रावेदन पन्न सिहत) की पावती दी जाती है स्था श्रावेदन पन्न को प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीद-बार की श्रावेदन पंजीकारण संख्या जारी कर दी जाती है।

यदि किसी उम्मीदव।र की उक्त परीक्षा के आवेदन-पन्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित शंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को ब्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह प्रथं नहीं है कि आवेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है तथा भ्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11 इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्न के परिणम की सूचना यथाशिझ दें दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुक होने की तारीख से एक महोना पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारों के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. पिछली पांच परोक्षाश्रों के नियमों और प्रशन पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाश्रों की प्रतियों का बिन्नी प्रकाशन नियलक, सिविल लाइन्स, दिल्लं -110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल श्रार्डर द्वारा सीधे श्रथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उसे (i) किताब महल, रिवोलो सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सो', ब्लाक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्लो-110001 और (ii) प्रकाशन, शाखा उद्योग भवन, नई दिल्लो-110001 और (iii) प्रकाशन, शाखा उद्योग भवन, नई दिल्लो-110001 और (iii) गवर्नमेंट श्राफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के एस राय रोड, कन हना-700001 में भी केत्रन नकद भुगतान करके खरीदा जा सहता है। ये पुस्तिहाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाणन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।
- 13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा कोई यात्रा भला नहीं दिया जाएगा।
- 14. श्रावेदन पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार, ग्रावेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्न-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110001 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा श्रिनिवार्य रूप से दिया जाए।
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना ग्रौर वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की धावेदन पंजीकरण संख्या/धनुक्रमांक श्रथवा जन्म की तारीख यदि श्रावेदन पंजीकरण संख्या/धनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)
 - (5) ग्रावेदन पत्र में दिया गया डाक का पता
- क्यान वें:--- (i) जिन पत्नों में यह क्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर क्यान नहीं दिया जाएगा।

षिशोप ध्यान :--(ii) यदि किनी उम्मीदवार से कोई पत्न/
प्रैषण परीक्षा ही चुकन के बाद प्राप्त होता
है तथा उसमें उसका पूरा नाम व ध्रनुअभांक नहीं है इस पर ध्यान न देते हुए
कोई कार्पवाई नहीं की जाएगी।

15. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भ्रानेदन पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न भ्रादि, श्रावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर भ्रायोग को उसकी सूचना उपयुक्त परा 14 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाणीघ्र की जानी चाहिए। श्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर घ्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

ग्रनुबन्ध---2

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण

श्राप सामान्य श्रंग्रेजी श्रौर सामान्य ज्ञान में जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में ग्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको ग्रागे प्रश्नाश कहा जाएगा) के लिए कई मुझाए गए उत्तर (जिसको ग्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए ग्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण ग्रापको कोई हानि न हो।

(खा) परीक्षण का स्वरूप

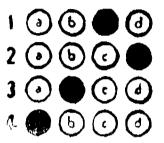
प्रश्न पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस
पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 म्राबि के कम से प्रश्नांश
होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी, डी चिक्क के साथ
सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे? ग्रापका काम एक सही या
यदि भापको एक से ग्रधिक प्रस्युत्तर सही लगें तो उनमें से
सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (मृत में दिए गए
नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक
प्रश्नांश के लिए भापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव
करना होगा। यदि भाप एक से ग्रधिक चुन लेते हैं तो
ग्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में भ्रापको भ्रलग एक उत्तर पत्रक (जिसकी एक नम्ना प्रति श्रापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा। ग्रापको श्रपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर श्रम्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे आएंगे।

42-216GI/82

उत्तर पल्लक में प्रम्नांशों की संख्याएं । में 160 तक नार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रक्नीण के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रथनांश को पढ़ लेने ग्रीर यह निर्णय करने के बाव कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है ग्रापको उस प्रत्युत्तर के ग्रक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे ं ग्रंकित कर देना है, जैसा कि (ग्रापका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर प्रक्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल भ्रञ्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बवलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए ग्राप ग्रपने साथ एक रवड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाबधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट श्रादि पढ़ जाए या वह खराब हो जाए।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- ग्रापको परीक्षा ग्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा ग्रीर पहुंचते ही ग्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका ग्रौर उत्तर पद्मक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर से जाने की धनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंधन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. भ्रापको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। भ्रापको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कृटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में श्रनुदेश श्रापके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी धनुदेण आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन श्रनुदेशों का सावधानी मे पालन न करने से भापकों नम्बर कम हो सकते हैं। श्रगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविध्ट संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के

प्रत्युत्तर के लिए श्रापको कोई नम्बर न मिलेगा। पर्यवेक्षक के प्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके श्रनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. भ्राप भ्रपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, भ्रापको भ्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शापनर भ्रौर नली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। भ्रापको सलाह दी जाती है कि श्राप भ्रपने साथ एक-एक क्लिप-बोर्ड या कार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। भ्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या भ्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी अरूरत नहीं होगी। मांगने पर कक्ष्वे काम के लिए भ्रापको एक भ्रलग कागज दिया जाएगा। भ्राप कक्ष्या काम या गुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, श्रपना रोल नम्बर, श्रौर परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समान्त होने के बाद उसे भ्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(इ.) विशेष धनुदेश

परीक्षा भवन में श्रपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक ध्रापको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर ध्रपेक्षित सूचना भर हैं। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक ध्रापको परीक्षण पुस्तिका मिलने पर ध्राप यह ध्रवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है ध्रन्यया, उसे बदलवा लें। ध्राप को परीक्षण पुस्तिका तब सक खोलने की ध्रनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) फुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य ग्रापकी गित की श्रपेक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि ग्राप श्रपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ ग्राप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। श्रापको जो प्रश्न ग्रत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यथ न करें। दूसरे प्रश्नों को ग्रोर बहें ग्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर हैं। ग्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर ही श्रापको श्रंक विए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक महीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक प्रापको लिखना बंद करने को कहें, प्राप लिखना बंद कर दें। ध्राप ध्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक श्रापके पास ग्राकर श्रापसे सभी ध्रावंग्यक बस्तुएं ले जाएं और श्रापको हाल छोड़ने की श्रमु-मित दें। श्रापको परीक्षण-पुस्तिका श्रीर उत्तर पस्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन मे बाहर छे जाने की ध्रमुमित नहीं है।

. नमूने के प्रश्नीश (प्रश्न)

(नोट :-- *सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)
1. सामान्य भ्रष्ट्ययन

बहुत ऊंबाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है।

- (a) रक्त का दाब वायु मंडल के दाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाश धायमंडल के दाश से प्रधिक होता है।
 - (c) रक्त वाहिकाओं की भन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
 - (d) रक्त का दाब बायुमंडल के दाब के अनुक्प घटता बढ़ता है।

2. (कुषि)

ग्ररहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखिस में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काथ।
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना।
 - (c) सही ऋतू में पौधे लगाना ।
 - (d) भोड़े-भोड़े फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

- $H_3 \ VO_4$ का एनहाबाइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?
- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- $(d) V_2O_5$

4. धर्थशास्त्र

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमान्स राजस्य उपाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाव से प्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत इंजीनियरी)

एक समक्ष रेखा श्रेपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के पैरावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि सी मुक्त श्रन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में मंचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

ध्रु-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजियोम्लेस क्या होता है?

- (a) ग्रालिगोक्लेज
- (b) लैकोडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनार्थाट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला ग्रौर $\frac{d_2y}{dx_2} = \frac{dy}{dx} = \Phi$ समीकरण को संगन रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निधिष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- **(b)** y—ax
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- +(d) $y + ac^x a$

8. (भौतिकी)

एक ग्रादर्श ऊष्मा ईजन 400° के० भीर 300° के० तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- (b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) _∞
- (d) 5

10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की श्रत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खानिज माधनों का विपुल भंडार है।
- *(b) बर्मा की ग्रधिकांश नवियों का खेल्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के प्रधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

क्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या इत्य नहीं है ?

(a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुवासियों की संख्या बहुन ग्रक्षिक थी।

- (b) ज्ञह्मणवाद बहुत प्रधिक कर्मवांड ग्रीर ग्राडंबर से पूर्णग्रम था।
- '(c) क्राह्मणबाद के प्रक्युदय के साथ, अलि संबंधी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकात की विभिन्न दशाधों को प्रकट करने के लिए धार्मिक सैस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीय्वरवादी दर्शन समूह कौन-सा हु?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन भीर बौद्ध, चार्वाक
- (c) भवैत, वेदांत, सांख्य, चार्वाक योग
- (d) बौद्ध, सांख्य, मीमांशां, चार्वाक

13. (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधानां' का ग्रर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के भ्राधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- *(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समदाय के पक्ष का समर्थन।
 - (c) किसी रोजगार सेंबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चनाव।
 - (d) श्रमिक संघों द्वारा मप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी श्रावश्यकता में विद्धा
- (b) भावारमक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक प्रधिगम
- (d) पक्षवात पूर्ण प्रधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

- *(a) प्रान नरहार में माहेलाओं तथा कमजोर वर्गों को श्रीपचारिक प्रतिनिधिस्य प्राप्त हुआ है।
 - (b) छुग्राछूत नम हुई है।
 - (c) वंचित वर्गी के लोगों को भूस्वामित्व का लाम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुन्ना है।

 टिप्पणी:---उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि

 उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रथ्न) केवल उदाहरण

 के लिए विए गए हैं और यह जरूरी नहीं कि

 यं इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के स्नानुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd July 1982

No. A.32014/4/80-Admn.II.—The Sccretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-20-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a period of three months with effect from 24-7-1982 to 23-10-1982 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri R. P. Singh should note that his ad-hoc appointment to the post of Estate Manager and Meeting Officer will not automatically entitle him for regular absorption or for seniority in the grade.

No. A.32015/1/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 20-4-1982, the Secretary Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate as Junior Research Officer (R&S) on ad-hoc basis in the Commission's office for a further period of 46 days with effect from 15-7-1982 to 29-8-1982 or until further orders, whichever is carlier vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on

The 26th July 1982

No. A.32013/2/82-Admn.II.—In partial modification of this office Notification No. A.32014/1/80-Admn.II, dated 29-5-1982, Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan and Miss Santosh Handa to officiate as Deputy Controllers (DP) (Rs. 1100-50-1600) in the office of Union Public Service Commission with effect from 16-7-1982 (FN) until further orders.

KULDEEP KUMAR, Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 26th July 1982

No. A.11016/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Ved Parkash, a Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission, and presently working as Desk Officer on ad-hoc basis, to perform the duties of Desk Officer on ad-hoc basis to perform the duties of Desk Officer in the office of U.P.S.C. on regular basis w.c.f. 9-7-82.

2. Shri Ved Parkash shall draw Special Pay Rs. 75/- per month in terms of the D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 4th August 1982

No. O.II-1716/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Such Latha as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from forenoon of 9th July 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1754/82-Estt.—The President is pleased to appoint on 1c-employment Brig. L. Herbert (Retd.) as Dy. Director (Comns) in the Directorate General, CRPF until further orders.

2. Brig. L. Herbert took over charge of the post of Dy. Director (Comns), Dte. Genl. CRPF, R. K. Puram, New Delhi on 1-6-82,

The 6th August 1982

No. O.II 1765/82-Estt.—The Director General CRPF is please to appoint Dr. Prafulla Kumar Borah as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26th July 1982 for a period of three

months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Estt.)

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th July 1982

No. 8 FC2(2)-A/82.—On transfer from the Ministry of Planning, Department of Statistics, Shri B. R. Puri, a Permanent Grade 'A' Officer of the C.S.S.S., Cadre of the Ministry of Home Affairs and Private Secretary in the Department of Statistics, has been appointed as Private Secretary to Member (Shri G. C. Baveja) Eighth Finance Commission, in the scale of Rs. 1100-1600, with effect from the forenoon of 1st July, 1982 and until further orders.

The 21st July 1982

No. 8 FC 2(3)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Economic Affairs, New Delhi, Shri T. C. Nanda, Section Officer of the Finance Cadre, has been appointed as Administrative-cum-Accounts Officer in the Eighth Finance Commission, in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the forenoon of 20th July, 1982 and until further orders.

The 28th July 1982

No. 8FC2(4)-A/82.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bakshi, Retired Joint Director, Department of Expenditure, Ministry of Finance, as Joint Director (Scale of Rs. 1500-1800) in the Fighth Finance Commission with effect from the forenoon of 22nd July, 1982 to 21-7-1982 on re-employment basis.

No. 8 FC 2(5)-A/82.—Consequent on his transfer from the Research and Reference Division (Ministry of Information and Broad casting), New Delhi, Shri J. P. Misra, Administrative Officer, has been appointed as Superintendent in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 650-1200, on usual deputation terms with effect from the forenoon of 16th July, 1982 and until further orders.

N. V. KRISHNAN, Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 7th August 1982

No. Admn. I/O.O. No. 220.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively Shri C. S. Mangla on officiating Audit officer of this office, against permanent posts of Audit officers in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-8-1982.

A. S. MOHINDRA, Jt. Dir. of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I) BIHAR,

(LOCAL AUDIT WING)

Ranchi, the 6th August-1982

No. L.A.Admn.I-Estt-1-1988.—The Accountant General (I). Bihar, Ranchi, has been pleased to promote Sri Rajeshwar Prasad, a substantive Section Officer of Local Audit Wing to officiate as an Assatt. Examiner with effect from the date he takes over charge at Ranchi in the Headquarters office until further orders.

B. L. BOlPAI, Examiner of Local Accounts,
Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL-I, WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 2nd August 1982

No. Admn.I/1038-XVIII/143.—The Accountant General-I. West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc provisional basis Sri Sasanka Kumar Basu, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer, in temp. rary and officiating capacity with effect from the date he takes over charge on his relief from deputation assignment with the Education Directorate of the Government of West Bengal,

until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(W) of 1979.

The services of Sri Sasanka Kumar Basu on his promotion to the Accounts Office cadre are placed at the disposal of the office of the Director of Audit, Central, Calcutta against the vacancy caused due to proceding on deputation of Sri B. N. Roy Chowdhury, Audit Officer with the Government of West Bengal w.e.f. 19-7-82 (FN).

The 5th August 1982

No. Admn. I/947-III/1871—The Accountant General-I, West Bengal, has been pleased to appoint following officiating Accounts Officers of this office/office of the A. G.-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta, in substantive capacity in the Accounts Officer's Grade with effect from the dates noted against each:—

SI. Name No.				-	_	ate of confir- ation
S/Shri						
1. Janardan Ghosh		,				1-3-80
2. Gopal Ch. Das 1(SC)						1-3-80
3. Amulya Ch. Choudhury						1-3-80
4. Jajheswar Chowdhury						1-3-80
5. Tarit Kumar Mukhopad	hyay					1-3-80
6. Manoranjan Kar.						1-3-80
7. Punyabrata Lahiri						1-3-80
8. Kshitisawar Biswas			,			1-3-80
9. Jyotirmoy Home Chowd	hury	<i>'</i> .				1-3-80
10. Bimal Ch. Samaddar		,				1-3-80
11. Sudhir Ch. Bhowal						1-3-80
12. Paramananda Palit.						1-3-89
13 Gopal Ch, Sharma Chov	vdhu	ıry	-			1-3-8
14. Jajheswar Mandi (ST)			1.			1-3-8
15. Kamal Kumar Ghosh .						1-3-8
16. Sachindranath Ghosh					,	1-3-8
17. Sudhangshu Ranjan Bha	ittaci	harya	١.			1-3-8
				_		1-3-8
19. Apurba Kr. Bhattachary	/a			-		1-3-8
20. Akhil Ranjan Roy						1-3-8
21. Gobindadev Mukherjee						1-3 - 8
22. Suprakash Chattopadhy						1-3-8
23. Tarapada Bhattachrya-I						1-3-8
24. Nityananda Paul						1-3-8
25. Kalidas Chatterjee						1-3-8
26. Manibhusan Guha				,		1-3-8
27. Rabindranath Bose		-			-	1-3-8
28. Kalidas Mallick					-	1-3-8
29. Jyotirmoy Roy (SC)						1-3-8
30. Barendranath Chakrabo	rty					1-3-8
31. Samirondranath Bose				-		1-4-8
32. Rajendranath Das (SC)	•	-				1-7-8
33. Ajoy Kumar Lala			-			1-7-8
34. Sailen Bandyonadhyav						1-8-8
35. Kamalang) Bhatiacherj	ee				-	1-8-8
36. Sushil Kumar Chakrabe	ortv					1-9-8

1						 3
S/Sh	ri					
37. Sunil	Kumar Mallick					1-11-80
38. Sushi	l Kumur Sardar (SC)				11180
39. Bijit	Kumar Mukherje	е.				1-12-80
_	Prasad Banerjee-					1-2-81
41, Mad	husudan Sensarm	a.	_			1-2-81
42. Sunil	Ratan Gangopao	lhyay		,	,	1-3-81
	prasad Mitra-I	٠.			_	1-3-81
	endra Ghosal					1-3-81
45 Mris	endranath Nag.					1-3-81
	ıa Kusum Mazun	ndar				1-3-81
	ri Sankar Choudl			-		1-6-81

J. S. MEHROTRA,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

(DEPARTMENT OF DEFENCE ACCOUNTS)

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 4th August 1982

No. AN/I/5/1737/Vol.I.—Shri Charanjit Lal Mago, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 4-12-82 (his date of birth being 5-12-24) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-12-1982 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department wef 31-12-82 (AN) in terms of FR 56(a).

No. AN/I/1895/5/Vol.i.—Shri R. NARASIMHAN, IDAS, who has attained the age of 58 years on 5-7-82 (his date of birth being 6-7-1924) has been transferred to the Pension Establishment with effect from 31-7-82 (AN) and accordingly struck off the strength of Defence Accounts Department wef 31-7-82 (AN) in terms of FR 56(a).

No. AN/I/1896/5/Vol.1.—Shri Om Prakash, IDAS, who attained the age of 58 years on 28-02-1982 (his date of birth lieing 01-03-1924) has been transferred to the Pension Establishment with effect from 28-2-1982 (AN) and has accordingly been struck off the strength of Defence Accounts Department wef 28-2-1982 (AN) in terms of FR 56(a).

No. AN/I/1901/5/Vol.I.—Shri Amar Nath Gupta, IDAS, v.ho attained the age of 58 year on 16-5-82 (his date of birth being 17-5-24) has been transferred to the Pension Lstablishment with effect from 31-5-1982 (AN) and has accordingly been struck off the strength of Defence Accounts Department wef 31-5-82 (AN) in terms of FR 56(a).

The 5th August 1982

No. AN/1/1927/Vol.1—Shri J. M. L. Sharma, IDAS, who attained the age of 58 years on 9-6-1982 (his date of birth being 10-6-1924) has been transferred to the Pension Establishment with effect from 30-6-1982 (AN) and has accordingly be struck of the strength of Defence Accounts Department wef 30-6-1982 (AN) in terms of FR 56(a).

R. K. MATHUR, Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 30th July 1982

No. 5/82/A/M—The President is pleased to accept the resignation of the undermentioned Assistant Medical Officers. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each:—

SI. Name and No. Designation	Name of the Factory where posted	Date	Remarks
I. Dr. (Miss) P.	Cordite Fy.	8-6-81	Resigned
Rakhini, A.M.O.	Aruvankadu	(F.N.)	

1	2	3	4	5
sol	P. Chand thar Rao, O.		18-12-81 (AN)	Resigned
3. Di Bis	Ranac swas, A. M.		14-10-81 (AN)	Do.
4. Dr Ha	. Manaj snain, A.M	ir Vehicle Fy. .O. Jabalpur	1-4-82 (AN)	Do,

C. S. GOURISHAN KARAN, Addl. DGOF/Member (Personne.)

Calcutta-16, the 30th July 1982

No. 38/G/82.—On attaining the age of superannuation 58 years Shri J. C. Bose, Offg. A.M. (Subst. and Permt. S.H.) retired from service wef 31st May, 1982 (AN).

V. K. MEHTA, Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 14th July 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/586/59-Admn(G)/4218.—On attaining the age of superannunation Shri T. K. Roy, Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1982.

A. S. KAUL Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 2nd July 1982

No. 6/730/64-Admn(G)/4425.—Shri K. C. Acharya, Controller of Imports and Exports (Non-CSS) in the Office of Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been reinstated in the Government service with effect from the afternoon of 28-2-1979. The orders of his dismissal from service vide notification of even number dated 17-4-1978 stand cancelled.

2. On attaining the age of superannuation Shri K. C. Acharya, Controller of Imports and Exports (Non-CSS) retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1979.

A. S. KAUL, Dy. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 4th August 1982

No. A.19018(97)/73-A(G).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Rao, Assistant Director (Gr. II) (G/C) Small Industries Service Institute, Madras as Assistant Director (Gr. I) (G/C) at Small Industries Service Institute, Hyederabad with effect from the forenoon of 12-7-1982 until further orders.

No. A-19018(604)/82-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri H. R. Kapoor, Small Industries Promotion Officer (G/C) Office of the Development Commissioner (Small Scale Indus-

tries) New Delhi as Aust. Director (Gr. II) (G/C) on ad-hoc basis at Extension Centre, Bon Hooghly (under Small Industries Institute, Calcutta) with effect from the forenoon of 15th June, 1982, until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A1)

New Delhi-1, the 7th August 1982

No. A-1/1(1181).—Shri J. P. Das, Superintendent in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta is appointed to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office in the leave vacancy of Shri H. N. Samaddar, for the period 14-5-82 (FN) to 31-5-82.

On transfer to the office of Director of Inspection, Calcutta Shri J. P. Das is appointed as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) wef 1-6-82 (FN). vice Shri J. L. Shah, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired from service wef 31-5-82 (AN).

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 4th August 1982

No. 555/B/A-32013(AO)/19A.—Shri S. K. Pawar, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 12-4-82 to 31-5-82 against the leave vacancy of Shri M. K. Ganguly, Administrative Officer, Central Region, Nagpur, Geological Survey of India.

J. SWAMI NATH, Dir. Gnl. Geological Survey of India

Nagpur, the 27th July 1982

No. A.19011(272)/81-Estt.A.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shrl Sanjibon Roy, officiating Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st Dctober, 1981. His name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines with effect from 31st October, 1981.

The 4th August 1982

No. A.19011(304)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri H. K Das Gupta, Mineral Officer (Int.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 30th April, 1982.

The 5th August 1982

No. A.19012(142)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. Anwar Rais has been appointed to the post of Assistant Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3-6-82.

B. C. MISHRA, Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd August 1982

No. A-19012/13/80-SII(SIII).—Consequent upon acceptance of his resignation Shri G. V. Reddy, Asstt. Engineer, UDK, Hyderabad has been relieved of his duties in All India Radio wef the afternoon of 29-5-82.

C. L. BHASIN, Dy. Dir. of Admn. for Director General

New Delhi-1, the 3rd August 1982

No. 4(30)81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shai Balasubramanian Mani as Programme Executive, in All India Radio, in a temporary capacity with effect from 27th July 1982 New Delhi and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 6th August 1982

No. 6(116)/63-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri P. K. Bhattacharjee, Programme Executive, All India Radio, Gauhati has retired from Government service with effect from 30th June 1982 (AN).

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th July 1982

No. A.19018/10/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Vaid G. P. Sharma to the post of Ayurvedic Physician under the Central Government Health Scheme, Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4th August 1980.

2, Vaid G. P. Sharma assumed charge of the post with effect from the 4th August 1980 (Forenoon).

T. S. RAO Dy. Director Administration (C.G.H.S.-I)

New Delhi, the 3rd August 1982

No. A.12026/4/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. N. K. Raisinghani to the post of Lecturer in Dentistry, Lady Hardinge Medical College and Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi, on a purely ad-hoc basis from the forenoon of the 1st June 1982, to the 15th July 1982 (A.N.).

T. C. IAIN Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Farldabad, the 3rd August 1982

No. A-19027/1/81-A.III.—The ad hoc appointment of Shri J. M. Bagley to the post of Photo Officer in this Directorate at Faridabad has been extended for a period of 6 months upto 10-1-1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19026/1/82-A.III.—Shri S.D.S. Yadav, Accounts Officer of the office of the A.G., Haryana, Chandigarh, is appointed to officiate as Accounts Officer in this Directorate at Faridahad w.e.f. 14th June 1982 (F.N.). Shri Yadav will be on deputation with this Directorate for a period of 2 years in the first instance on usual terms and conditions of deputation w.e.f. the date of his relief from his parent office viz. 3rd June 1982 (F.N.).

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 2nd August 1982

No. DPS/2/1(3)/82-Adm./16490.—On transfer from Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, Shri Shrirang Janardhan Shenai, a permanent Assistant Accountant and officiating Accounts Officer-II has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, in the same capacity with effect from the forenoon of June 25, 1982 and until further orders.

K. P. JOSPPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 2nd August 1982

No. Nf-C/PAR/0241/2060.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Pritam Singh, Assistant Security Officer (Selection Grade), Rajasthan Atomic Power Project, to officiate as Security Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad with effect from 16th July 1982 FN, until further orders.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel and Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 2nd August 1982

No. AMD-16/2/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. O. Karunakaran, a permanent Sr. Stenographer and officiating Stenographer Grade III, Atomic Minerals Division, as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of June 29, 1982 until further orders.

No. AMD-16/7/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division hereby appoints Shri Dev Raj Tuli, a permanent officer in the Assistant Administrative Officers' Grade of the Centralised Administrative Cadre of the Department of Atomic Energy presently working in this Division, as Administrative Officer Grade II in the same Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of June 29, 1982 until further orders.

No. AMD-16/7/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division hereby appoints Shri P. K. Vijayakrishnan, a permanent officer in the Assistant Administrative Officers' Grade of the Centralised Administrative Cadre of the Department of Atomic Energy presently working as Assistant Personnel Officer in this Division, as Administrative Officer Grade II in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 14, 1982 until further orders.

The 6th August 1982

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. V. S. Sesha Rao as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 22, 1982 until further orders.

Sr. Administrative and Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tapp-401504, the 31st July 1982

No. TAPS/1/18(2)/77-R.—On transfer from the Atomic Minerals Division. Hyderabad, Shri D. P. Kulkarni, a permanent Officer in the Assistant Administrative Officer's Grade and officiating in the Junior Administrative Officer's Grade in the Centralised Cadre of the Department of Atomic Energy, is appointed as Administrative Officer-II in the Taranur Atomic Power Station with effect from the forenoon of July 9, 1982.

K. P. RAO Chief Superintendent

Tapp-401 504, the 31st July 1982

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri N. P. Ganesan, a permanent Stenographer and officiating Stenographer (Senior) in the Bhabha Atomic Research Centre. Bombay to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960) in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of July 9, 1982, until further orders.

C. SHANKAR Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th July 1982

No. A. 32014/2/81-EC—The Director General of Civil Aviation is **plo** seed to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis w. e. f. the date **of tak**ing over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against.

						Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge.
S/Shrı	•			•				
1. V. H. Ranga Rao				-		ACS, Hyderabad	ACS Hyderabad	15-2-82 (FN)
2. D. Selvarai	_		_			ACS, Trivandrum	ACS., Trivandrum	15-2-82 (FN)
3. P. N. Mani						ACS., Madurai	ACS Madurai	15-2-82 (FN)
4. Joginder Singh						ACS., Delhi	ACS., Delhi	12-2-82 (FN)
5. T. N. J. Nambiar						ACS., Madras	ACS. Madras	13-2-82 (FN)
6. Harnek Singh						ACS, Delhi	ACS. Delhi	15-2-82 (FN)
7. T. S. Jolly						ACS, Ahmedabad	ACS. Ahmedabad	12-2-82 (FN)
8. Y. C. Punnetha		,			-	ACS Lucknow	CATC. Allahabad	19-2-82(FN)

The 24th July 1982

No. A. 32014/2/81-EC(Pt.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis w. e. f. the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each :---

SI. Name No.				Present Stn. of posting	Stn to which posted	Date of taking over charge.
S/Shri						
1. D. S. Jahagirdar				ACS , Bombay	ACS, Nagpur	1-5-82 (FN)
2. Amalendu Dutta				ACS, Jharsaguda	ACS, Teju	3-4-82 (FN)
3. M. A. S Frakash Rao				ACS, Bellary	ACS Madras	12-6-82 (FN)
4. S. N. Gupta				ACS, Mohanbari	ACS, Silchar	9-3-82 (FN)
5. Bishamber Lal				ACS, Delhi	ACS, Varanasi	6-5 82 (FN)
6. H. P. Ghosh .				ACS, Calcutta	ACS Gauhati	23-2-82 (FN)

New Delhi, the 25th July 1982

No. A. 32013/4/81-EC—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/11/79-EC dated the 10th April, 81, 18th April, 81, 4th May, 81, 28th May, 81, 12th June, 81, 20th June, 81, and 3rd July, 81 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned officers in the grade of Sonior Technical Officer for a further period upto 31-8-82 beyond the dates mentioned against each or till the regular appointment to the grade are made which ever is earlier.

Sl. Name No.	Station of posting	Date
S/Shri		
1. D. D. Khanna	o/o Director, RCDU, N. Delhi	19-9-81
2. S. Sundararaman	 o/o Regional Controller of Communication, Calcutta 	6-10-81
3. M. K. Pal .	. Aero. Comm. Stn., Calcutta	22-9-81
4. R. K. Singhla .	. CATC, Allahabad	22-9-81
5. V. Ananthamurthy	Aero. Comm. Stn., Bomba	y 3-12-81
6. P. J. Iyer	. o/o DCGA, N. Delhi	10-11-81
7. N. Shankar	. o/o RCDU, N. Delhi	19-9-81
8. S. P. Jain	Aero, Comm. Stn Palam	29-10-81
9. Kanahiya Lal .	. o/o R.C.D.U, N. Delhi.	19-9-81
10. S. C. Dureja .	. Aero. Comm. Stn Palam	29-10-81
11. S. K. Sharma	Aero ,Comm. Stn., Palam	19-9-81
12. Ravi Prakash	. o/o R D CAD, Delhi.	29-0-81
13. D. K. Sharma	. o/o R D CAD, Delhi	14-12-81

OVERSFAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the

1982

No. 1/342/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasan, Supervisor, Madras Branch, as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 1st June 1982 and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 29th July 1982

No. 16/383/82-Ests-II.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri M. C. Goyal, Offg. Accounts Officer (NYA) of the office of the Controller of Defence Accounts (Hqrs.), New Delhi as Accounts Officer, FRI & Colleges, w.e.f. 18th June, 1982 (FN), until further orders.

The 31st July 1982

No. 16/306/78-Ests-I.—Consequent upon his selection to the post of Grade III in the Central Information Services under the Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to relieve Shri Manas Ray, Asstt. Publicity and Liaison Officer with effect from the afternoon of 31st July, 1982.

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute and Colleges.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bangalore-560 001, the 28th May 1982 CENTRAL EXCISE

No. 2/82.—In exercise of the powers conferred on me by Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the Assistant Collectors of Central Excise to exercise within their respective jurisdictions the powers of Collector under various sub-rules of Rule 56-A of Central Excise Rules.

R. N. SHUKLA Collector of Central Excise Bangalore.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 3rd August 1982

No. A.-32012/1/81-Estt, V(Vol. II)—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Chairman Central Water Commission appoints the following Officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineers on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B. 35-880-40-1000-EB.-40-1200 with effect from the forenoon of dates shown against their names:

S. Name No.		-				Date of regulari- sation as EAD/A.E
S/Shri				 		
1, S, N. Lal .	, ,			,		29-7-81
N. C. Gupta .	_					29-7-81
R. C. Malhotra						29- 7-81
4. B. Syaman		,			,	6-9-81
5. R. K. Pal .						1-10-81
6. R. B. Soni						18-10-81
7. D. S. Aggarwai						1-1-82
8. V. B. Singh .	-					7-1-82
9. D. N. Sachdeva						15-2-82
10. A. L. Jhurani			,			15-2-82
11. Gulzari Lal						1-3-82
12. M. C. Pande					,	3-3-82
13. I. S. Gupta .				-		1-4-82
14. S. Namboodiripad	K. S					1-5-82

2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of E. A. D/A. E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid dates.

A. BHATTACHARYA, Under Secy. Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 5th August 1982

No. 22/6/81-Adm.I(8).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints, Shri R. K. Roy, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30th June 1982 until further orders.

S. BISWAS Under Secy. (P)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Zinc Oxide (India) Private Limited

Calcutta, the 6th August 1982

No. 29354/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Zinc Oxide (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be disolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Akhoy Kumar Paul (Manufacturers) Private Limited

Calcutta, the 6th August 1982

No. 26492/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Akhoy Kumar Paul (Manufacturers) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be disolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

INCOME TAX DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin, the 26th June 1982

ORDERS

C. No. 1/1982-83.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby create a new office at Ernakulam known as "Income-tax Office, Survey Circle-I. Ernakulam". The officer posted to this office will be known as "Income-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam". The address of the office will be as under:—

Income-tax Office,

Survey Circle-I, Warriam Road,

Ernakulam, Cochin-682 016.

This order shall come into force with effect from the forenoon of the 2nd August 1982.

No. 2/1982-83—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of section 124 of the Income-tax, Act, 1951 (Act 43 of 1951) and in supersession of all the notifications under section 124 issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Indometax, Cochin, hereby direct that with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982, the Income-tax Officer specified in column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of an Income-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

	SCH	EDULE
lengaton	of the	Income.

Si. Name of Circle	Designation of the Income-tax Officer	Area of Jurisdiction
1 2	3	4
1. Survey Circle-I, Ernakulam	Income -tax Officer Survey Circle-I,	(i) All cases assessable or assessed
,,	Ernakulam.	to Income-tax in Survey Circle,
		

1	2	3	4
,			Ernakulam within the territorial Jurisdiction of the Income-tax Circles- at Alwaye, Ernakulam & Mattan- cherry, as on 2nd August, 1982. (ii) Allnew cases discovered in the course of survey operation in the terri- torial jurisdiction of Income-tax Circles-at Alwaye, Ernakulam & Mattancherry.
			(iii) All persons whose cases are hereinafter be transferred to the Incometax Officer under section 127(1) of the Incometax Act, 1961.

No. 3/1982-83—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of Section 8A of the Wealth-tax Act, 1957 (Act 27 of 1957) and in supersession of all other notifications issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Wealth tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-noon of 2nd August, 1982, the Wealth-tax Officer, specified in column 3 of of the Schedule appended hereto shall perform, the functions of the Wealth-tax Officer within the area and in repect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

SCHEDULE

SI. Name of Circle No.	Designation of the Wealth-tax Officer	Area of Jurisdiction
1 2	3	4
1. Survey Circle-I, Ernakulam.	Wealth-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam.	 (i) All cases assessable or assessed to Wealth-tax in Survey Circle-I, Ernakulam within the territorial jurisdiction of the Wealth-tax Circles at Alwaye, Ernakulam and Mattancherry, as on 2-8-1982. (ii) All cases of Wealth-tax assessed who have been enlisted for Incometax in Survey Circle-I, Ernakulam falling within the territorial jurisdiction of Wealth-tax Circles at Alwaye, Ernakulam & Mattancherry. (iii) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Wealth-tax Officer u/s. 8B of the Wealth-tax Act, 1957.

GIFT TAX

No. 4/1982-83—In exercise of the powers conferred on me under sub-spection (1) of Section 7A of the Gift-tax Act, 1958 (Act 18 of 1958) and in supersession of all the notifications issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Gift-tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-moon of 2nd August, 1982, the Gift-tax Officer specified in column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of the Gift-tax Officer within the area and in respect of the persons or Jelasses of persons noted in column 4 thereof:—

SCREDULE

Sl. No.	Name of Circle	Designation of the Gift-tax Officer	Area of Jurisdiction
1	2	3	4
1. Sur	vey Circle-I, Ernakulam.	Gift-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam.	(i) All cases assessable or assessed to Gift-tax in Suracy Circle, Ernakulam, within the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Alwaye, Ernakulam & Mattancherry, as on 2nd August, 1982.

1	2	3	4
			 (ii) All new assessees who are not assessed to Income-tax or Wealth-tax so far, in the territorial jurisdiction of Gift-tax Circles at Alwaye, Ernakulam and Mattancherry. (iii) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Gift-tax Officer u/s. 7B of the Gift-tax, Act., 1958.

No. 5/1982-83.—In exercise of the powers conferred on me, I, the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby abolish the Office of the Income-tax Officer, A & B Wards, Survey Circle, Ernakulam, with effect from the forenoon of 2nd

August 1982.

B. J. CHACKO Commissioner of Income-tax, Cochin.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

LDH/199/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV Ref. No. CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/anr bearing

No. Plot No. 155G (Plot measuring 400 sq. Yds.) situated at Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhlana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferffi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- Shri Krishan Lal Chhabra S/o Sh. Shobha Ram R/o 127-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.
 - (Transferor)
- (2) S/Shri Naresh Kumar & Parshotam Lal sons of Shri Amar Chand S/o Sh. Ram Partap, R/o 33-A, Extension Industrial Area-A, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 155G (Plot measuring 400 sq. yds.) at Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 10746 of November, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Eax, Acquisition Range Ludhiana

Date : 3-8-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/186A/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV, CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 153, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Capt. Baldev Raj Sabharwal S/o Sh. D. R. Sabharwal, R/o 7, Brij Puri, Opp. D.A.V. Hrs. Sec. School (Boys) Yamuna Nagar (Haryana) (Transferor)
- Mrs. Krishan Kumari Chawla W/o Sh. M. S. Chawla,
 Mrs. Asha Likhi W/o Sh. S. K. Likhi,
 Mrs. Shakuntla Devi W/o Sh. Amar Nath, all residents of House No. 10 (Type) 3), T.T.T.I. Colony, Sector 26, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 153, Sec. 36A, Chandigarh (The property, as mentioned in the sale deed No. 1403 of Nov., 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date : 3-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/177/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2189, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Singh Kade, R/o 11 K.M. Colony, Bhiwani
- (Transferor) (2) Shri Baldev Singh, Kihan Cottage, Dutt Road, Moga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2189. Sec. 35C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1278 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Date: 3-8-1982

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/175/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1509, situated at Sector 33D, Chandigarh. (and more fully described in hte Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Ramesh Mohan Kaushal, V. & P.O. Jalari. Teh. & Distt. Hamirpur.
- (2) Shri H. N. Mehra S/o Sh. B. N. Mehra, R/o Hari Villa, Kusumpati, Simla-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1509, Sec. 33D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1274 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date: 3-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/179/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. SCF site No. 311, situated at Motor Market, Mani Majra, UT Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. L. Dhawan S/o Sh. Hans Raj C/o Central Bank of India, Bagha Purana (Punjab)
 (Transferor)
- (2) Shri Daljit Singh S/o S. Mehar Singh R/o 10, Timber Market, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF site No. 311, Motor Market, Mani Majra, UT Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1286 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date: 3-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 13th August 1982

Ref. No. CHD/192,81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kothi No. 37, Sector 10-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Salem) on 14-11-1981,

Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—216 GI/82

- 1() Sh. Mohan Singh S/o Sh. Narinder Singh R/o House No. 37, Sector 10-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Jaspreet Kaur W/o Sh. Harjinderjit Singh Sh. Himmat Singh S/o Sh. Harjinderjit Singh R/o House No. 114, Sector 28-A. Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 37, situated in Sector 10-A, Chandigach, (The property as mentioned in the registered deed No. 1441, of November 1981 of the Registering Authority, Chandigach.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date: 13-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludiana, the 13th August 1982

Ref. No. CHD/184/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3145, situated at Sector 21D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash Kaushal S/o Sh. Mohan Lal, C/o SCF No. 20, Sec. 26, Madhya Marg, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri J. P. Pathak S/o Late Sh. Bansi Lal Mis. Vidya Wati d/o Sh. Bansi Lal & Mts. Savita Pathok w/o Sh. J. P. Pathak, all residents of Kothi No. 39, Sec. 27A, Chandigarh.
- (3) Shri Harbilas R/o House No. 3135, Sec. 21D, Chandigarh.

 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3145, Sec. 21D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1313 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Ludhiana

Date: 3-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/199/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 357, situated at Sector 38A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Walaiti Ram S/o S, Babu Ram through Sri Ranjit Garg S/o Sh. Dila Ram, House No. 400, Sec. 38A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Shri Hukam Chand, R/o House No. 115, Simindi Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the oforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 357, Sec. 38A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1485 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 3-8-1982

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/181/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 670, situated at Sector 33B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balwant Singh S/o S. Lal Singh, R/o 1103, Sec. 19B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Raan Khullar, Shri Raman Khullar, Shri Ramesh Khullar all residents of Kulu House, Patel Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 670, Sec. 33B, Chandigath (The property as mentioned in the sale deed No. 1303 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 3-8-1982

11943

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/176/81-82:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Plot No. 1657 situated at Sector 33D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

(1) Major Balwant Singh S/o S. Dayal Singh R/o A-97, Chandi Mandir, Haryana. (Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur W/o S. Uttam Singh, R/o 1627, Sh. Uttam Singh S/o S. Under Singh R/o 1627 Sec. 7C, Chandigarh Sh. Balra Singh S/o S. Darsham Singh and Sh. Balhar Singh S/o S. Jagat Singh, R/o 79, Sec. 16A Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1657, Sec. 33D Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1276 of November, 81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 3-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/174/81-82 - Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 3087 situated at Sector 27D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Naurata Ram R/o House No. 3087, Sec. 27D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Satpal S/o Shri Tara Chand & Smt. Urmila Rani W/o Sh. Ishar Chand, R/o 3314, Sec. 27D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3087, Scc. 27D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1256 of Nov., 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 3-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludiana, the 13th August 1982

Ref. No. CHD/173/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1275 (1275) situated at Sector 22B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Shri Mohinder Singh S/o S. Hazara Singh, R/o 1275 Sec. 22B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Daljinder Singh S/o Sh. Bhagwan Singh, R/o V. Behlana, Teh. Kharar.

(Transferee)

(3) Shri P. C. Vashishat, Public Relations Officer, Indian Overseas Bank, Regional Office, Sec. 7, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1275, Sec. 22B, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1254 of November, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 3-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CIID/195/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1108, situated at Sector 34C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Chanan Singh Brar S/o Sh. Lal Singh, R/o House No. 69, The Mall, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) (i) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Ram Singh,
 - (ii) Sh. Jagjit Singh } sons of Sh. Ram Singh (iii) Shri Manjit Singh } R/o 1108, Sec. 34C,

Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1108, Scc. 34C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1462 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Ludhiana.

Date: 3-8-1982

FORM ITNL-

(1) Major Chanan Singh s/o Sh. Lal Singh, R/o 69, The Mall, Ambala Cantt.

(2) Smt. Harbans Kaur W/o S. Ram Singh, S/Shri Jagjit Singh, & Manjit Singh, sons of Sh. Ram Singh.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o 1108, Sec. 34C, Chandigarh. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/198/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half Share in House No. 1108 situated at Sec. 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hte following persons, namely:—45—216 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Share of House No. 1108, Sec. 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1478 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqusiition Range, Ludhiana.

Date: 3 Aug 1982,

FORM ITNL---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/197/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing S.C.F. No. 43, Sector 7-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Madan Mohan Kalia r/o H. No. 1501, Sector 7, Chandigarh. (Transferor)

(2) Smt. Swaran Devi Kalia r/o S.C.F. No. 43, Sector 7-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 43, situated in Sector 7-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1474, of November, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date; 3 Aug 1982.

Seal t

FORM ITNL-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/194/81-82.—Whereas I, SKHHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1182, Sector 37-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Santosh w/o Sh. Prempal Singh r/o House No. 1226, Sector 34-C, Chandigarh through Sh. Mahabir Singh Walia s/o Sh. Labh Singh r/o House No. 1048, Sector 37, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Rani w/o Shri Chottu Ram r/o Vill. Bateral, UT, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1183, situated at Sector 37-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1450 of November, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 3 Aug 1982. Seal:

FORM ITNL-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/188/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 325, Sector 32-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Dewan Chand Gupta s/o Shri Pyare Lal r/o 325, Sector 32-A, Chandigarh now New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Sunita Madan w/o Shri Varinder Madan, r/o 121, Sector 20-A, Chandigarh. Now r/o H. No. 325, Sector 32-A, Chandigarh. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 325, situated in Sector 32-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the registered deed No. 1415 of November, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 3 Aug 1982.

FORM ITNL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/172/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow No. 24, situated at Sector 5, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facifitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Basant Kaur Rai & Smt. Charanjit Kaur Mann r/o Bangalow No. 24, Sector 5, Chandigarh, R/o 9, Raj Niwas Marg, Civil Lines, Delhi-110054 (Transferor)
- (2) M/s Bonny Precision Products (Pvt.) Ltd., C-37, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 24, Sector 5, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1166 of November, 1981 of the Registering Authority, Delhi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 3 Aug 1982.

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. 9539.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/135 situated at Kallallangudi, Pattukuttai Road, Alangudi Post

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alangudi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other vassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- M. Karuppian for R. M. Singaram Pillai R. Subbiah, S. Arumbu Ammal, K. Kalyani M. R. Amirtham Ammal, Ramani Coir Industry, Kallalangudi, Alangudi.

 (Transferor)
- (2) A. Abibullah, A. Hithar Ali, A. Basheer Ali Rep. by Abeeba ivi, W/o Abdul Kareem, Meluthanium, Thirumayam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2/135, Kallalangudi Pattukottai Road, Alangudi (PO) Pudukottai Dt. (Doc. 2446/81).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 17-7-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th July 1982

Ref. No. F. 11709.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

TS situated at 8/964, East Periaswamy Road, Coimbatore (Doc. 6020/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(Document No. 1260/1981),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. L. Balasubramaniam, Kamalammal 27/9, East Periaswamy Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) B. Gul, 27/52, East Periaswamy Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lund at TS, No. 8/964, East Periaswamy Road, Coimbatore,

(Doc. 6020/81)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Kange-2,
Madras-6.

Date: 9-7-82.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11727.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. GS situated at No. 169/3, Ganapathi (Doc. 5288/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) D.A. Labb Singh, Bhag Singh, Ranjit Haur R. Venkataswamy
 - 4. ATCO Cooling Factory Road, Alandur,

(Transferor)

(2) R. Venkataswamy,Sri Balachandra Foundry,1B, Avarampalayam Road, Ganapathy,Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at GS 169/3, Ganapathy, Coimbatore. (Doc. 5288/81)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 12-7-1982

Scal #

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Guanaselvan Fernando

(1) R.M.C. Traders,

(Transferor)

 Gnanaselvan Fernando Mrs. Constanco G. Fernando Miss Josephine Mary Anusha

13, Padmanabha Nagar, Madras-20.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-2.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. F. 16734.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. situated at 91/2A, Kapaleeswarar Nagar, Neelankarai (Doc. 4332/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 91/2A, Neclankarai, (Doc. 4332/81)

R. P. PILLAI,
Competent Author 1
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2,
Madras-6.

ow-Date: 17-7-82.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—. 46—216GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ret. No. F. 11717.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site situated at No. 10, Anupperpalayam (Doc. 6147/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- K. Viayaraghavan,
 S/o N. Krishnaswamy Naidu,
 G. D. Naidu St., Race Course, Coimbatore.
 (Transferor)
- (2) P. Prema Kumari, 1N, Swarnambika Lay out, Ram Nagar, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 8/1, Site No. 10, Anupperpalayam, Coimbatore. (Doc. 6147/81)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 12-7-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sowdambika Trust, 30, Gowlibrown Road, RS Puram,

(1) M. Angammal

(Transferor)

Coimbatore.

Muthugopal Chettiar, NGR Store, Thathayangarpet, Trichy Dt.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. F. 9538.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 21 situated at Hospital Road, Turaiyur (Doc. 3048. 3049/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thuraiyur on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Hospital Road, Thuraiyur. (Doc. 3048, 3049/81)

> R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-2. Madras-6.

Date: 17-7-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. F. 9547.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

522 situated at Gandhi Road, Kancheepuram

(Doc. 1701/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kancheepuram on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. N. Srinivasan 8, Ennaikara St., Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Tamilnadu State Silk Marketing Federation Ltd., 944, 24, Chekkupettai Nadu St., Kancheepuram.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 522, Gandhi Road, Kancheepuram. (Doc. 1701/81)

R. P. PILLAI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 17-7-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11731.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 433 situated at Telungupalayam (Doc. 5157/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ramaswamy, Krishnaswamy S/o Sukrakonar Kanuyaypalayam, Pannimadai, Co.mbatore. (Transferor)
- (2) Geetha W/o Rajendran, Muthuvinayagar Koil St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 433, Telungupalayam. (Doc. 5157/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2.
Madras-6.

Ţ

Date: 12-7-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-2

> 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11731.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 433 situated at Telungupalayam

(Doc. 5158/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) V. S. Krishnaswamy, V. S. Ramaswamy S/o Sukrakonar Kanuvaipalayam, Pannimadai,

(Transferor)

(2) R. Subbalakshmi, 28, Devangapet St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 433, Telungupalayam. (Doc. 5158/81)

> R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 12-7-82.

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11731.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. situated at 433, Telungupalayam (Doc. 5159/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Bharathi W/o Raman, Old Police Station Road, Darapuram Periyar Dt.

(Transferor)

(2) V. S. Krishnaswamy,V. S. Ramaswamy S/o Late Sukrakonar Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 433, Telungupalayam. (Doc. 5159/81)

R. P. PÎLLAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 12-7-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th July 1982

Ref. No. F. 11711.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

TS. No. 9/24/2 and 9/29/2 situated at Ranganathapuram, Patel Road, Coimbatore (Doc. 1262/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S. K. Perumal, 34, Ramechandra Road, RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

 R. Venkatachalam, 11/37, Vivekananda Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 9/24/2 and 9/29/2, Patel Road, Ranganathapuram, Coimbatore (Doc. 5840/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 9-7-1982

Seal.

FORM I.T.N.S.

(1) Sowdammal, 25/30, Thyagikumaran St Coimbatore.

(Transferor)

(2) V. Sivaraman,8, Dewan Bahadur Road, RS puram,Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11720.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

TS 12/44 situated at Alagesan Road, Telungupalayam Coimbatore (Doc 5472/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—216GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 12/44, Alagesan Road, Telungupalayam, Colmbatore (Doc. 5472/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Minor Vijayakumar and Karuppannan, S/o Krishnaswamy Konar Velandipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

 P. Nanjappan S/o Palani Gr. Saibaba Colony, Sunganur, Coimbatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. F. 11742.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. 493/3 situated at Telungupalayam (Doc. 5068/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 493/3, Telungupalayam, Coimbatore (Doc. 5068/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

g Date

Date: 17-7-1982 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref No. F. 11743.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. (Doc. 5116, 5117, 5118/81) situated at 385/3B, Telungupalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftgen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Balamani, R. Ponnuswamy, V. Ramaswamy Telungupalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Shroff, Mrs. Lalitha Shroff Mrs. Ranna Shroff 27, Kannuswamy Road, RS puram, Coimbatore 641 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 385/3B, Telungupalayam (Doc. 5116, 5117, 5118/81).

B. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 12-7-1982.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 13th July 1982

Ref. No. F 16807.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6 situated at Brindavan St., Madras-4 (Doc. 2038/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylanore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. K. Radha, R. Manoharan,
 M. R. Raja, Mrs. Indira Rajan,
 R. Sukumaran, Inbayan, Mrs. Kamalaseetharaman
 No. 111, Kamaraj Avenue, Madras-20.

(Transferor)

(2) J. J. K. Trust, 104, Walajah Road, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 6, Brindavan St., Madras-4 (Doc. 2038/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 13-7-82

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

Madras-6, the 17th July 1982

Ref. No. F. 11721.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. (Doc. 5183 to 5185/81) situated at 732/3, Kalapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Marappa Gr. Karuppa Gr. M. Rayathal, Ganesan, Mani, C/o. Marappa Gr. Karupparayanpalayam Kalapatti, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) V. N. Chinnaswamy, Nanjakutti Gr., V. N. Subbaiyan, Vellanaipatti, Coimbatore Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 732/3, Kalapatti (Doc. 5183 to 5185/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref No. F. 11710.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing door No.

333 (Doc. 5854/81) situated at Big Bazaar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C. S. A. Savithri, A. S. Mani,
 C. A. Ganesan, C. A. Angappan, C.A.
 Ravindran, TVR, Kamalaveni, S. Krishnaveni
 N. Kannammal, A. Syamala, Minor Arumugham,
 333, Big Bazar St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Thiyagarajan, 29/59, Venkakrishna Road, RS puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 333, Big Bazaar St., Coimbatore, (Doc. 5854/81),

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1982

Ref. No. F. 11710.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. As per Schedule (Doc. 5855/81) situated at Big Bazaar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C.S.A. Savithri, A. S. Mani, C. A. Genesan, C. A. Angappan, C. A. Ravindran, TVR Kamalaven, S. Krishnaveni, N. Kannammal, A. Syamala Minor Arumugham, 333, Big Bazaar St., Coimbatore. (Transferor)

((2) K. R. S. Mani, 665, Big Buzzar St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Big Bazaar St., Coimbatore (Doc. 5855/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of I come-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

11970

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 14th July 1982

Ref. No. 33 to 37/Nov./81.—Whereas, I, S. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 175/1, MGM Theatre, situated at Raja Theatre, Salem Main Road, Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Namakkal (Doc. 2233/81) (Item Nos. 141 to 145/81) on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Thangammal, Meenambal, D. Nagalingam, K.N.D. Rajasundaram, D. Rajalingam, 105, II Agraharam, Salem.

(Transferor)

M. Murugesan, M. Natarajan, M. Chandrasekaran, M. Radhakrishnan, M. Sundaresan,

Pavundu St., Kaspa Namakkal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 175/1, MGM Theatre/Raja Theatre, Salem Main Road, Namakkal. (Doc. 2233/81).

S, LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR. 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th July 1982

Ref No. 1 to 4/Nov/81.--Whereas, 1, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 712, 899/2, 907, situated at Poopulang Kodaikanal Fstate, K. C. Patti, Kodaikanal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of he Registering Officer at Bombay (Doc. R. 164 to R167/81) on November 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
48—216GI/82

(1) W. PA. R. Rajagopalan, S/o WPA, Rathinasamy Nadar, Planter, Pattiveeranpatti, Madurai Dt.

(Transferor)

(2) Pl. Vivekanandan,
V. Palaniappan,
V. Annamalai,
Mrs. Umayak, Anbakam,
79. New Fairlands, Salem 636 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings at S. No. 712, 899/2, 907, Poopulang Kodaikanal Estate, K, C. Patti. Kodaikanal (Doc. R 164 to R 167/81).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 16th July 1982

Ref. No. 29/Nov./81.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RS 234 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. 667/81) on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely:—

- A. S. Leelavathi, A. S. Subashini
 A. S. Kothandaraman,
 K. N. Agraharam St., Madras-1.
- (2) S. G. Pandurangam 305, Mint St., Madras-1.

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at RS 234, Madras (Doc. 667/81).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 16-7-1982

FORM NO. ITNS-

(1) M. L. Varghese, M. V. Joseph, U52, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) V. Srinivasa Rao V. Madhava Rao 12, Anaikara Kottam St., Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 16th July 1982

Ref. No. 83/Nov./81.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

Plot 4182/Door No. U52, situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam (Doc. 5049/81) on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 4182/Door No. U52, Anna Nagar, Madras-40 (Doc. 5049/81).

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-7-1982

FORM I.T.N.S.-

 Rajammal, Mahalakshmi Bhavan, Vadaseri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Saleem Root Chanasaleem Venyaramudu Kerala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th July 1982

Ref. No. 42/Nov./81.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 1382/809, situated at Royapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doc. 2886/81) on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULB

Land and building at S. No. 1382/809, Royapuram (Doc. 2886/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-6

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600,006

Madras-600 006, the 16th July 1982

Ref. No. 67/Nov./81.-Whereas, 1 S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, Linghi Chetty St., situated at Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 4392/81) in November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Venugopal, K. Vasudevan and K. Siva 36, Clemens Road, Purasawalkam, Madras-7. (Transferor)
- (2) Padmavathi, 307, Lingbi Chetty St., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and building at RS 39, Linghi Chetty St., Madras-1, (Doc. 4392/81).

Date: 16-7-82.

S. LAHIRI

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-6

Date: 14-7-1982.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING lind FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th July 1982

Ref. No. 30/Nov./81,—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 56, Erulappan St., George situated at Town, VOC Nagar, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sowcarpet (Doc. 670/81) in November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. Surendrakumar Bokdia, 3, Erulappan St., Madras-1. (Transferor)
- (2) Shri R. Babulal, R. Sumermal, 8, Subbaraya Naicken Lane, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and and building at No. 56, Erulappan St., George Town VOC Nagar, Madras.
 (Doc. 670/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) S. K. V. Selvarai, V. S. Arun, V. S. Navin, Thay-yanayagi Kurinjipadi, Cuddalore 7k.

(Transferor)

(2) K. S. Muthukali Chettiar & Sons 2, 12th Cross St., VI Main Road, Malleswaram, Bangalore, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th July 1982

Ref. No. 9505.—Whereas, I. R. P. PILLAL being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 247 and 249, situated at Cuddalore,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Cuddalore (Doc. 2209/81) in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 247 and 249, Cuddalore, (Doc. 2209/81).

R, P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 15-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2694.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.B. 493 situated at Tilak Ward, Mudwara, Katni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 10-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bansh Gopal Dubey, S/o Budhiprasad Dubey, R/o Maharani Laxmibai Ward, Mudwara, Teh. Mudwara, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Kancheddal S/o Shikherchand Jain, R/o Raghunath Ganj, Mudwara, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mudwara N.B. 493 situated at Teh. Mudwara, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sajida Begum, W/o Iritila. Khan & Barkatbi W/o Mohd. Siddiqui Khan, Berasio, Bhopal. (Transferor)

(2) Smt. Rabiabi. W/o Iqbal Khan, Berasia, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC(ACQ)BPL/2710.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 situated at Berasia, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Berasia on 5th December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49-216GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House situated at Berasia Nagar Palika Ward No. 10.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2711.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No.: 53, situated at Iai Prakush Marg, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dewas on 2-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afortsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shii Haji Umar S/o Usman Kachhi, Dewas at present Fawara Chowk, Ujjain.

(Transferor)

(2) Bashir and Ashik, Sons of Haji Mohd, Pathankuwa Mohalla, Gali No. 2, H. No. 17, Dewas.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Thrible storied house No. 53 situated at Jai Prakash Marg, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BP1./2712.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 273/1 situated at Vill. Bayadiya, Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 2-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hiralal, Ambaram S/o Bondaji Gari, Bhavar Bak Wd/o Bapu Gari and Devkaran Anjan, S/o Bapu Gari Anjan through guardian mother Bhavar Bai Wd/o Bapu Gari, R/o Shantipura, Dewas. (Transferor)
- (2) Aoupam Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., R.N.S.P.D. 390 Quarter No. 3008 Type 2 Bank Note Press Dewas through Chairman Omkuman Vyas, R/o Dewas.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 273/1 at Vill. Bavadiya, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2713.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 52-E, Jaora Compound, Udyog Nagar, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfers of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

 Shri Gyanchand Ratanlal S/o Ratanlalji (2) Ratanchand S/o Dasumalji—Power of attoreny Bishan Das S/o Dasumalji, R/o 12 Godha Colony, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Sunil Industries through partners Mohanlal S/o Darbarilal (2) Rajeshkumar S/o Mittulalji (3) Sunil Kumar S/o Babulalji, R/o 92, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52-E situated at Jaora Compound, Udyog Nagar Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th July 1982

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/2714.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 230 situated at Treching Ground, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrreed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. T. Iron Traders, 84, Daulatganj, Indore, Expartner Shri Fakruddin, Udapura, Indore, (Transferor)

(2) Shri Kashmirilal S/o Chunnilalji Agrawal Proprietor Hindu Steel, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown constructed on plot No. 230 at treaching ground, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-7-1982

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. LAC: ACQ/BPL/2715.- Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. S. No. 2, 3, 4, 5 situated at Vill. Barai, Teh. Dewns, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewns on 23-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Rameshwar S/o Gopal-Caste-Dhakad R/o Barai, at present Karadia-Teh, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Harehand S/o Munna 2, Nura S/o Munna 3, Atmaram S/o Dalla 4. Muth Rui Window of Kashiram, R/o Dhaturiya, Teh. Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 2, 3, 4, 5 at Vill. Barai, Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL 2716.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 659 situated at J. Dewas, Dewas,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 25-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Vijay Kumar S/o Shanker Rao and Dr. Smt. Savita W/o Dr. Vijaykumar—Inamdar, R/o Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bankatlal S'o Hiralal Gupta, 47, Neelkanth Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

l and S. No. 659 situated at Jue Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2717.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. House No. 401 Plot No. 32 situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 23-11-1981.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yunous Bhai S/o Abdula Bhai, Susuri, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Yasuf Bhai S/o Sheikh Hussain Bhai, Turab Bhai S/o Lukmanji and Smt. Arva Bai W/o Faizulla Bhai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mucl. No. 401 Ward No. 12 built on Nazul Plot No. 32, at Itwara, Burhanpur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.) Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2718.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 24 situated at Saketh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Indore on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unusfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. ramely:—

50--216GI/82

1) Dr. Digamber S/o Mukund Bhoraskar—power of attorney Shri Chandrakant S/o Shri Raghunath Bhoraskar. R/o 43, Vishna Puri, Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan W/o Shri Inderlalji Tharani, R/o 134 Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 situated at Saketh Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Indiding
T. T. Nagar, I hopal

Date: 9-7-1982

PIOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2719.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No. S. No. 6051

situated at Ratlam

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Behrulal S/o Hemraji, Nand Bai W/o Bherulalji, R/o Triveni Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Sh. Dungarsidas Devilalji Sureka, R/o Ratlam, Chandni Chowk, Ratlam Karta family: Sh. Dungarsidas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and situated at S. No. 6051 Mauja Kasba Ratlam Tehsil Ratlam.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri building
T. T. Nagar, Eliopal

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.---

1. Bherulal S/o Hemrajji 2. Nandi Bai W/o Bherulalji R/o Triveni Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.) Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2720.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Survey No. 605/A situated at Ratlom.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ratlam on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Sh. Pramod Kumar S/o Shantilalji Patni, R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 605/A at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Ehopal

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2721.—Wheeas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 604-A

situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Bherulal S/o Hemramji
 2. Nandi Bai W/o Bherulalji
 R/o Tivenui Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Sh. Saubhagmal S/o Chaganlalji Chopra, R/o Bajajkhana, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 604/A at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/8PL/2722,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Plot No. 14

situated at Jawahar Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Officer at Indore on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rameshlal S/o Sh. Kherajmal Lulla, R/o 1 Katju Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Naresh S/o Sh. Sudamamal Lalwani, R/o Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14 situated at Jawahar Nagar, Indore.

D. P. PANTA; Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax; Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Ruilding T. T. Nagar, Shopal

Date: 7-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2723.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 205 situated at Mahatma Gandhi Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Ratan Chandra S/o Thakurchandji Kotari, R/o 6, Kanchan bagh, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Suganyaj S/o Thakurchand Kotari, 205, Mahatma Gandhi Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 205 situated at Mahatma Gandhi Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1982

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/2724.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 345 situated at Saketh Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vasudeo Singh S/o Harduttsinghji—Power of attorney Smt. Harjesh Kaur W/o Harbansinghji Oberoi, R/o 1/7 Yeshwant—Niwas Road, Indore.

 (Transferor)
- Smt. Lajwanti W/o Gopaldasji Motwani, 18, Rajesh Nagar Colony, Indorc.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Plot No. 345 situated at Saketh Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2725.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House M. No. 305 situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Jatankumara W/o Shri Mithalalji Ranka, 42. Patrakar Colony, Indore.

 (Transferor)
- (2) Smt. Dr. Chanchal Jain W/o Trilokchand Jain, 305, Jawahar Marg, Indore.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of House No. 305 situated at Jawahar Marg. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2726.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 205 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51--216GI/82

(1) Shri Ratanchand S/o Shri Thakurchandji Kothari, R. o 6 Kanchan Bagh, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Mehta W/o Rajendrakumar Mehta, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of house No. 205 at Mahatma Gandhi Marg, Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 6-7-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ramkaran Ghisalal, Siyagani, Indore—Propritor Shrikrishna S/o Shri Ramkaranji Goyal, & Balkrishna S/o Shri Ramkaranji Goyal, R/o Hathipala Road, Indore.

(Transferor)
Yadav, R/o

(2) Smt. Lakhraj Bai W/o Shri Hithlalji 14/10 Pardeshipura, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2727,—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marktt value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House No. 20 situated at Pardeshipura, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 20 situated at Pardeshipura Road No. 10, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated : 9-7-1982

 Dr. Rajendra S/o Mangilalji Koolwal, R/o 70, Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Shri Laxminarayan S/o Shobharamjayant, R/o 458, Vishnupuri Extension, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2728.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 210 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 210 under Scheme No. 44 situated at Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2729.--Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Plot No. 141 situated at Srinagar Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

fndore on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Dutta Trai Berve S/o Mahadeo Berve through Shri D. N. Gadkar, R/o 11, Sainath Colony, (Tilak Nagar) Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Arora W/o Dr. Chimanlal Arora— R/o 75, Jawahar Marg, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 141 situated at Srinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangottl Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2730.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 129 situated at Barathi Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumatrai S/o Dheromalli, R/o 78, Sarvodaiyanagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Pehlajrai S/o Shri Tujumal Motalani, R/o 16, Manikchowk, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South portion of house built on Plot No. 129 at Berathi Colony No. 2. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2731.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4 situated at Jai Builders Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Banwarilal S/o Mahaliramil and Laxminarayan S/o Mahaliram Kediya,
 Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jugalkishore S/o Kishangopalji Nandana and Vimal S/o Kishangopalji Nandana, 95, G. S. T. I. Road, Vinay Building, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 situated at Jai Builders Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 12-7-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2732.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 30 (portion) situated at Sanyogithagani, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 26-11-1981 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hirul Bai Wd/o Late Shri Narsumalji, 163. Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Harish Traders, 282, Sitaram Park Colony, Indore through partners—(11 Rajkumari W/o Chanshyamdas and (2) Janki Devi W/o Parasramji, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 30 situated at Sanyogithagani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Bullding,
T. T. Nagar, Bhopal,

Dated: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Daranidhar Sharma S/o Bhikamprasad Sharma, and Sh. Balnarain S/o Darindhar Sharma, R.o Manik Vilas, Lashkar Gwalior

(Transfeor)

(2) Sh. Devsthan Griha Nitman Sahakari Samiti Ltd. Gwalior,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2773.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Thatipur Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 13-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Thatipur Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
equisition Range, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2733,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 60

situated at Sitalamata Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-216GI/82

- (1) Late Smt. Manak Bai W/o Suganchandjî Bedjatiya, 55, Sitaram Park Colony, Indore.

 (Transfeor)
- (2) Late Nirmala Bai W/o Anantkumar Doshi, 51, Malharganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60 (Portion) situated at Sitalmata Bazor, Indore,

D. P. PANTA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-82

12004

(hereinafter referred

FORM I.T.N.S.---

(1) Sh. Anwar W/o Mamad, Itawa.

(Transfeor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Chitragupta Nagar Griha Nirman Sanstha, 1307 B.N.P. Colony, Dewas—Chairman Shii Mohindersingh S/o Sangathsingh, Dewas. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

Bhopal, the 12th July 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

> > in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2734.--Whereas, I, D. P. PANTA.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Rs. 25,000/- and bearing No. P. H. No. 19 situated at

Vill. Itawa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land P.H.N. No. 19, S. No. 126 situated at Vill. Itawa.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2735.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 384/2

situated at Prithampur, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Tolaram S/o Chomalal Raghuvanshi, Vill. Akoliya, Dhar.

(Transfeor)

(2) M/S. Adcon Electronics (P) Ltd., 31/1 South Tukoganj, InJore, through Managing Director Awadhesh Kumar Lalmohan Pandey.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land S. No. 384/2 & Khata No. 82 situated at Vill-Prithampur, Dhar.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPI./2736.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 225/1&2 situated at

Birla Gram, Nagda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagda on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Govind 2. Vishnu 3. Vasant 4. Trimbak 5. Vinod S/o Laxmikantji Bhujang 6. Leela Bai Wd/o Laxmikantji Bhujang, R/o Mehtvas.

(Transfeor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Mfg, (WVG) Co. Ltd., Birla Gram, Nagda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter &XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 255/2 and 255/1 situated at Nagda.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 13-7-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2737.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Land S. No. 1128, 1136 and 1266,

situated at Todi, Mandsaur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mandsaur on 12-11-1981

for an apparent consideration which is need than the fair market value of the aforesaid property and. I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bapulal S/o Maganram 2. Nathulal S/o Bapulal 3. Raju S/o Bapulal through guardian Rameshchandra S/o Bapulal, R/o Elchi Pargana, Mandsaur.

(Transferor)

(2) Sh. Anii Kumar S/o Dalalsingh, R/o Mandsaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisitoin of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 1136, 1128 and 1266 situated at Vill-TODI Pargana, Mandsaur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal-

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)
Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2738.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at

Kalani Bag Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 10-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mangladevi W/o Yogeshchandra Pandya Rajeshkumar S/o Governdhanlal Vyas R/o No. 1, Deshara Moiden, Ujjain, No. 2, 101, Snehranagar, Indore. Lajwanti Bai.

(Transferor)

(2) Smt. Kushalkumar S/o Sh. Jainath Pavaha, R/o Khatriwara, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Kalani Bag, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 13-7-1982

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAU (M.P.)

Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2739. --Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. Plot situated at

Kalani Bag, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 10-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Mangla Devi W/o Sh. Yogeshchandra Pandiya, R/o Deshara Muiden, Ujjain
 Rajeshkumar Governdhanlal Vyas, R/o
 Snch Nagar, Indore.
 Smt. Lajwanti W/o Sh. Motilal Sarlacha, R/o 35, Arvind Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Sh. Surendranath S/o Sh. Charandas Juneja, Katriwara, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Kaloni Bag, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-7-1982

FORM 1.T.N.S.----

(1) Sh. Manohariai S/o Thawardas Tairoja, R/o Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhabai W/o Dr. Kishorilat Lachwani, R 'o 127, Hebathiao Marg, Deway, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned ---

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 14th July 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication

Ref. No. IAC/ACQ/BPL 2740 -- AVherous, 1,

of this notice in the Official Gazette.

D. P. PANTA.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House and open land

situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 12-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than -fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and open land situated at HEWAT RAO MARG Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nugar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2741.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 58 situated at Agrawal Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-216GI/82

 Spri Kailashchand Garg s/o Chaganlai Garg, R/o 46 Agrawal Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Pragathi Construction Co., Indore, 36, Siyagani, Indore, Through Partner—Sanat Kumar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, situated at Agrawal Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangetri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2742,—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 124 situated at Devi Ahlliya Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Indore on 13-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Dr. Tarakchand s/o Shri Jagatchand Bose, 10, Nethaji Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad Agrawal S/o Darbari Lalji Agrawal, Devi Ahiliya Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 at House No. 124 Devi Ahlliya Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date2: 14-7-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2743.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 522 situated at Vishnupuri, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harishkumar Purohit S/o Ratanlalji, R/o 522, Vishnupuri Annex, Indore.
- (Transferor)
 (2) Smt. W/o Madhavrao Vamke,

Smt. W/o Madhavrao Vamke,
 Harsidhi Main Road,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on plot No. 522 situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.~

NOLICE ONDER SECLION 569D(1) OF THE INCOME (1961 40 F) 1961 (194 XAT

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF NCOME 1AX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2744.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 164/1 situated at South Tukogani, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bhanu Shanker S/o Shyamrao Kanooge, R./o 164/1, Ravindranath Tagore Marg, Indore.

(Transferor)

Shri Sharadchandra S/o Rangaraoji Jamindar
 Shri Atalkumar S/o Narendrakumar Pandit
 R/o 72, Raoji Nagar, Main Road,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 164/1 situated at South Tukoganj, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./2745.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

House No. 164/1 situated at Ravindranath Tagore Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhanu Shanker S/o Shyamraoji Kanoongo, R/o 164/1, Ravindranath Tagore Marg, Indore.
- (Transferor)
 (2) 1. Shri Sharadchandra S/o Rangaraoji Jamindar
 2. Atulkumar S/o Narendrakumar Pandit,
 Rfflo 72, Raoji Bazar, Main Road,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 164 situated at Ravindranath Tagore Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 14-7-1982

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2746,—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 112, 113, 114, 115 situated at Sagar Khash, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Rama Devi W/o Krishna Murari Dubey 2. Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari Dubey

Smt. Sudha Devi W/o Madhav Murari Dubey,
 Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Murari Dubey,
 R/o Sukruwari Tori, Sagar.

(Transferor)

 Shri Vijay Kumar S/o Lakhmichand Keshwarni, R/o Jawahar Ganj, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 112, 113, 114, 115 situated at Sagar Khash.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2747.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 210 situated at Sagar Khash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons pamely :---

- Smt. Rama Devi W/o Krishna Murari Dubey
 Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari Dubey
 Smt. Sudha Devi W/o Madhva Murari Dubey,
 Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Kumar Dubey,
 - R/o Sukhrawara Sagar, (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Brijlal S/o Harprasad Ghoshi R/o Baniya Ghat, Ward Sagar (M.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 210 situated at Sagar Khash.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2748.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Kh. No. 112, 113, 114, 115 situated at Sagar Khash,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. Rama Devi W/o Krishna Murari Dubey
 Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari Dubey
 Smt. Sudha Devi W/o Madhav Murari Dubey,
 Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Murari Dubey,
 R/o Sukhrawara Sagar,

(M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Puranlal S/o Ganesh Prasad R/o Bhavan Ganj Ward, Sagar (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 112, 113, 114, 115 situated at Sagar Khash.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2749.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 210 situated at Sagar Khash

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

54—L216GI/82

- Smt. Rama Devi W/o Krishna Murari Dubey
 Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari Dubey
 Smt. Sudha Devi W/o Madhav Murari Dubey
 Smt. Vidhwa Devi W/o Krishna Murari Dubey
 R/o Sukruwari Toti, Sagar. $(\dot{\mathbf{M}}.\mathbf{P})$

(Transferor)

(2) Shri Leeladhar S/o Ganesh Prasad Patel, R/o Pared Tahaseel, Sagar. (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 210 situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSINER OF INCOME TAX.

ΛCQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ /2750.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No.

Kh. No. 263, 196 situated at Sagar Khash, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rama Devi W/o Krishna Murari Dubey
 Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari Dubey
 Smt. Sudha Devi W/o Madhav Murari Dubey
 Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Murari Dubey
 R/o Snkruwari Tori, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Shivprasad S/o Gorelal Goshi, R/o Jamuniya, Teh. Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 263-196 situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, 'T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2751.- Whereas, I. D. P. PAN'TA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beating No.

Kh. No. 48/1 situated at Sagar Khash

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rama devi W/o Krishna Murari, 2. Smt. Savitri Devi W/o Shyam Murari, 3. Smt. Sudha Devi W/o Madhav Murari,
 - R o Sanichari Tori, Sagar,

(Transferor)

(2) Shii Premayanath S/o Bajnath Prasad Pathak, R/o Sadar Bazar, Sagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 48/1 situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2752. -Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 263/210 situated at Tilakganj Ward, Sagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Vidhya Devl W/o Krishna Kumar Dubey, R/o Sukruwari Tori, Sagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Govind Singh S o Bhagat Singh, R /o Bhopal, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 263/210 situated at Tilakganj, Ward, Sagar Khas, Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/2753.—Whereas J. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding, Rs. 21,000/- and beating

No. land Kh. No. 210 situated at Sagar Khash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Vidhyadevi W/o Krishna Kumar Dubey, R/o Sukrawari Tori, Sagar. (Transferor)
- (2) Shri Rajendia Singh S/o Durag Singh, R/o Gamiria—Teh, Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 210 situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM 1.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2754.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 112, 113, 114, 115, 116 situated at Sagai Khash, Sagai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 5 November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Kumar Dubey R/o Sukrawari Tori. Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Dultchand S/o Bhagwandas, R/o Chaturbhata, Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCEDUHLE

Land Kh. No. 112, 113, 114, 115, 116, situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dute: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Vidhya Devi W/o Krishno Kumar Dubey R/o Sukrawara Tori. (Transferor)

(2) Shri Maheshkumar Syo Parmanand Chourasia, Ryo Ptovyas, Sagar, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ BPL/2755 —Whereas I, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. PC 77, Kh. No 263/196 situated at Tilakganj Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 5 November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.04 Acres i.e. 45344 Sq. ft. Mauza Sagar Khush bearing PC 77, kh. No. 263/196 at Tilakganj Ward, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-7-1982

FORM I.T.N.S.—

 Smt. Vidhya Devi W/o Krishna Kumar Dubey R/o Sukrawari Tori,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shri Singh S/o Kuwar Singh Thakur, R/o Bhopel, Teh. Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2756.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 112, 113, 114, 115, 116 situated at Sagar Khash, Sagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar on 5 November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 112, 113, 114, 115, 116 situated at Sagar Khash, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-7-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Manohar Rao S/o Gopal Rao, R/o Delhi, Bariyaghat, Sagar. (Transferor)

(2) Shri Omprakash S/o Govind Prasad Sunanya. R/o Bariyaghat, Sagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2757.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Bariyaghat Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagaron 12-11-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 55—216 GJ/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Bariyaghat, Sagar-Area-3086. Sq. ft.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhonal

17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

IAC/ACQ/BPL/2758.—Whereas I, D. P. Ref. No. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. House situated at Bariyaghat, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sagar on 12th November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Manohar Rao S/o Gopal Rao, R/o Delhi, Bariyaghat, Sagar.
- (Transferor) (2) Shri Gaurav Kumar S/o Captain K. M. Saraf, R/o Bariyaghat, Sagar. Vali Mother Shoula Rani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House situated at Bariyaghat Ward Sagar-Area—3115 Sq. ft.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

17-7-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2759.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Bhagwanganj, Sagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 9th November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi W/o Ratiram Gupta, R/o Bhagwan ganj Ward, Sagar. (Transferor)

(2) (1) Mohan Kumar W/o Ratanchand
(2) Sunilkumar S/o Ratanchand Oswal, R/o
Rahatgarh, Teh. Sagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Bhagwanganj Ward, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

17-7-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Babulal S/o Pyarelal Sahu, R/o Bhagwangani Ward, Sagar. (Transferor)

(2) Shri Jetha Bhai S/o Maoji Bhaiand 8 others, R/o Bhagwanganj Ward, Sagar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2760.—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing.

No. 132 situated at Mouza Pathariya Hath, Sagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Sagar on 25th November 1981

omeer at Sagar on 25th November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land N. M. 132, P. C. No. 78 at Mouza Pathriya Hath, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN●OME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Babulai S/o Pyarelni Sahu, R/o Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Sanker Bhai etc. S/o Jetha Bhai & 8 others, R/o Sagar. Bhagwanganj Ward, Sagar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2761.—Whereas I, D. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 132 situated at Mouza Pathriya, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 25th November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land N.M. 132 situated at Mouza Pathriya Hath, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2765.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 4/1297 (Old)

situated at Ram Mandir Road, Gesta ke Tajiya, Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramchandra Rao,
Shri Mansingh Rao,
Shri Udaysingh Rao,
All S/o Sardar Trimbaktao Patankar,
Smt. Mrudula Raje w/o Late Raja Jaising and
Smt. Laxmidevi W/o Shri Yeshwant Singh,
R/o Bai Saheb ki Parade &
Gestha-ke-Tajiya, Gwalior, Model Colony,
Pune & Nagda.

(Transferor)

(2) Shri Rihsabhadas Jain, Advocate, Soda Ka Kunn, Gwalior

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 4/1297(Old) situated at Ram Mandir Road, Gesth ke Tajiya, Lashkar, Gwallor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-7-1982

FORM LT.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S/Shri (1) Halsingh, (2) Shlvnarayan Pisran, Jagatpal, R/o Amalideh, Raipur.

(Transferor)

 Smt. Parvati Devi W/o Kundansingh, R/o State Bank Colony, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2766.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 289/1, situated at Amalideh, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Land Kh. 289/1, situated at Amalideh, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

I. Halsingh S/o Jagat Prasad,
 Sheonarain S/o Jagat Prasad,
 R/o Amalidih.
 Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Nareshkumar S/o Kanhaiyalal. R/o State Bank Colony, Raipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2767.—Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 289/, situated at Amalidih, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 289/1, situated at Amalidih. Raipur-Area-2.56 Areas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2768.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 3-A situated at Near Alpana Talkies, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 16-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

56-216 GI/82

- (1) Shri Narendra Kumar S/o Chiranjilal, R/o 13/156, Govindnagar, Kanpur U.P. (Transferor)
- (2) Shi Harishkumar Arora, S/o Kartar Singh, R/o Asifabad, Itarsi, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-A situated at Near Alpna Talkies, Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-7-1982

Scal:

(1) Shri Narendrakumar S/o Shrl Chiranjilal, R/o 13,/156, Govindnagar, Kanpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parveca Arora W/o Shri Surendrasingh, R/o Isifabad, Itarsi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2769.—Whereas I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Plot No. 3 situated at Near Alpna Talkies, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhopal on 16-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot situated near Alpna Talkies, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2770.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 Acre Land situated at Bawadia, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bhopal on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhunnu S/o Kaluram, R/o Vill: Bavadiya Kala, Teh: Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) Major Manjitsingh Ahuluwalia S/o Sardar Gopal Singh (2) Smt. Jogendra Kaur, R/o New Delhi, (3) Smt. Karuna Anand (4) Satyajit Walia, R/o Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hardin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (Land) situated at Village Bawadia of Tehall Hujur, Bhopal-5 Acre.

D. P. PANTA
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-7-1982

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Bhagwandas S/o Dayaram, R/o Shajahanabad, Bhopal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankerlal S/o Jethanand, R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2771.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Tripple storey House situated at Ghora Nikas, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Ghora Nikas, Bhopal

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated: 16-7-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Gopaldas S/o Chandmal Vaish Karta HUUF, R/o Sarafa Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Archanadevi W/o Sureshchand, R/o Kasera Oli Lashkar, Gwaliot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2772.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 41 552 situated at Sarafa Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 25-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Jacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The term, and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 41/552 situated at Sarafa, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Dated: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2774.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Thatipur, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gwalior on 13-11-1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prakash Narayan & Om Narain S/o Dharanidhar Sharma, R/o Manik Vilas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Devsthan Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Thatipur, Gwallor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ BPI (2775. -Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land and build up area situated at Anandnagar, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the fisue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Sitaram S/o Manakchand, R/o Anand Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shoi Bholanath \$/o Gyanchand Chandik, R/o Anand Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Anandnagar, Bhopal (Land and built up area)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2776.—Whereas I, D. P. PANTA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot, situated at Dharampuri, Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kazim Ali Khan S/o Sajid Ali Khan, R/o Shimla Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Raisa Khatun W/o Shri Itshad Ali. R/o Itwara Gali No. 2. Bhopal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ane Aragi Plot, situated at Dharmpuri, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopaal.

Date: 16-7-1982

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2?77.—Whereas J. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land, situated at Damkheda, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57-216GI/82

 Shri Bodar Singh S/o Khumansingh, R/o Tarela Shankri Dambbeda

Teh Hujar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Ramavtar Garg S/o Radhumohan Garg, R/o Chhola Road, Bhopal.

(2) Shri Daulatram S/o Hasanand Pahuja, R/o Gomi Niwas Ashoka Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 204/1/1, situated at Damkheda-Teh. Huzur, Bhopal.

Area: 2.10 Acre.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopaal.

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2778.—Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 54/55/56 57 & 58, situated at Sumerkhedi, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shaifq Hussain S/o Mubarik Hussain, R/o Peergate. Bhopai

(Transferor)

(2) Shri Haji Mohammad Khan S/o Haji Ali Munsah, and Shahjad Beguin W/o Shri A. Alimshah. R/o Buihaapur & Jogipura, Budhwara, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property y be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 54-55-56/2 & 57 & 58, situated at Sumer-khedi, Teh. Buzur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2779.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Sumerkhedi, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shahjahan Alvi W/o Shri Shahmat Hussain, R/o Karbala Road, Bhopal.

 (Transferor)
- (2) Smt. Taj Bibi W/o Shri Hamza Ali Khan, R/o Ghanora, Sarangpur, Rajgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 59/2 situated at Sumerkhedi, Teh: Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 16-7-1982.

 Km. Shahin Ali S/o hamst Hussain Through Power of Attorney Shahan Alvi W/o Shri Shahmath, Hussain R/o Karbala Road, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sanamjan W/o Shri Mohd. Ibrahim, R/o Ghanora, Sarangpur, Rajgarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2780.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Kh. No. 53-60/1, situated at Sumerkhedi, Bhopal

situated at Village Makarba Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 53 & 60/1 situated at Sumorkhedi, Teh: Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Foor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/278/.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No.

Kh. No. 54-551 situated at Sumerkhedi, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on 4-11-1981

believe that the fair market value of the property as aforesaid for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby for all proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Laiq Hussain S/o Mubarak Hussain, Peergate, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Halim Shah Sahani S/o Abdul Matin Shah, R/o Budhvara, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 54-55/1 situated at Sumerkhedi, Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range,
4th Foor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 16-7-1982.

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Subhashchand S/o Bheverchand, Rajeshkumar Praveenkumar Minor Through Shri Vhaverchand, R/o Betulganj, Betul

(Transferor)

(2) Shri Prasentkumar S/o Basantrao Uikey,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2782.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe 536/5 paiki, situated at Dhoraji, Dist. Rajkot

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

Kh. No. 21/1 situated at Betul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Betul on 4-11-1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 21/1 situated at Betul.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Foor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACL/BPL/2788.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 2207, 2208 situated at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shandal S/o Jeethmalji Mahajan,
 R/o Bednawar, Dhar.

(Transferor)

(2) Shishak Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Bednawar through Chairman Ravindrasingh-Raghuvanshi, Bednawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2207 & 2208 at Vill: Kheda. Bednawar, Dhar.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Ruilding,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 16-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2784.—Whereas J, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kh. No. 226/3 situated at Tikrapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 21-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceulment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act, to the following persons, namely a

(1) (1) Rambagas (2) Basantlal (3) Premlal (4) Genda lat P. Kanshiya (5) Agni bai Wd/o Kanahaiya R/o Tikarapara, Raipur.

(Transferor)

 Gitanjali Griha Nirman Sahakan Samiti, Tikarapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land Kh. No. 226/3 situated at Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Foor, Gangoiri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2785.—Whereas I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 226/3 situated at Tikarapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 21-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—216GI/82

 (1) (1) Rambagas (2) Basantlal (3) Premlal (4) Genda lai P. Kanahiya (5) Agni bai Ww/o Kanahiya R/o Tikarapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Geetanjali Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Tikarapara, Raipur through Chairman Prakash Dabada S/o Maganlal Dabada, R/o Ameenpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 226/3 situated at Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Dated: 16-7-1982.

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2786.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 6/817, 6/819, 6/820 situated at Hospital Ward,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 2-11-1981

Raipur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Renuka Bhatachariya Wd/o Birendranath Bhatachariya and Maliklal S/o Virendranath Bhatachariya and Hiralal S/o Virendranath Bhatachariya, Dhirendranath Bhatachariya & Narendranath S/o Nivaranchand Bhatachariya and Jitendranath S/o Nivaranchand Bhatachariya, Smt. Ha Bhatachariya Wd/o Harendranath Bhatachariya and Smt. Rahi Bhatachariya Wd/o Satyendranath Bhatachariya, R/o Hospital Ward, Raipur.

 (Transferor)
- (2) M/s Modern Builders, Jawahar Nagar, Raipur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Nazul Plot No. 6/817, 6/819, 6/820 at Hospital Ward, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 19-7-1982.

(1) Shri Aambagas, (2) Basantlal (3) Premlal (4) Gendlal P. Kanahya (5) Agnibai Wd/o Kanahya R/o Tikarapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Geetanjali Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Tikarapara, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2787.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 226/3 situated at Tikarapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 21-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land Kh. No. 226/3 situated at Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 17-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/2783.—Whereas I, D. P. PANTA (

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 174/2 situated at Tikrapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 30-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vinodkumar S/o Raghulal Sandhani
 (2) Smt.
 Priti Davada S/o Prakash Davada
 (3) Pranlal S/o
 Udhaiji Gujarathi
 (4) Shabhuddin S/o Abdul Rajjak, R/o Raipur.

(Transferor)

(2) Gitanjali Griha Nirman Sahakari Tamiti Ltd., Tikrapara, Raipur through Chairman Shri Chabmath, Mishra.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquaitton of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 174/2 situated at Tikrapara, Raipur.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Foor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2789.—Whereas I, . P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. bearing No. As per Schedule

Land Kh. No. 2207 & 2208 situated at Vill; Kheda, Bednawar, Dhar

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bednawar Dhar on 7-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

 Shri Shreniklal S/o Jeethmalji Mahajan, Bednawar.

(Transferor)

(2) Shishak Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Bednawar through Chairman Ravindrasinhji-Raghuvanshi, Bednawar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2207 & 2208 at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated 16-7-1982 Seal:

 Shri Girdhari S/o Jeethmalji Mahajan, Bednawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shishak Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Bednawar through Chairman Ravindrasinhji-Raghuvanshi, Bednawar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2790.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 2207 & 2208 situated at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bednawar Dhar on 7-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2207 & 2208 at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar,

D. P. PANTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 16-7-1982

NOTICE UNDER GLOUDN for to OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhonal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2791. - Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 2207 & 2208 situated at Vill: Bednawar Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

at Badnawar Dhar Distt. on 7-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any icome or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Anandkumar S/o Hasthimalji Mahajan, R/o Bednawar, Dhar. (Transferor)
- (2) Ghri Ghishak Gilha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Beduawar, through Charman Shri, Rayindrasinghji Raghuvanshi, Bednawar, Dhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2207 & 2208 at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ/2792. —Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 2207 & 2208 situated at Vill: Kheda, Bednawar, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bednawar Distt. Dhar on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Samrathmal S/o Jeethmalji Mahajan, Bednawar.

(Transferor)

(2) Shri Shishak Grihan Nirman Sahakari Samiti Ltd., Bednawar Through Chairman Shri, Ravindra Singhji Raghuvanshi, Bednawar, Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lond Kh. No. 2207 & 2208 at Vill: Kheda Bednawar. Dhar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2793.—Whereas, I D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kh. 873 & 875 situated at Jr. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 第五十二
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—216GI|82

(1) Smt. Padma Bai W/o Shri Ishwardas, R/o Dewas.

(Transferor)

(2) 1. Anil Kumar, 2. Ramratan, 3. Hiralal, 4. Ashok Kumar 5. Rajendrakumar 6. Kripashanker 7. Rampyari Bai 8. Susheela Devi 9. Krishna Devi 10. Manorama Devi, All R/o Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 873 & 875 situated at Jr. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

Seal;

FORM LT.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2794.—Whereas, J D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kh. No. 873 & 875 situated at Jr. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Dewas on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chunilai S/o Ishwardas—Power of attorney Ishwardas, R/o Dewas.

 (Transferor)
- (2) 1. Anil Kumar, 8. Ramratan, 3. Hiralal, 4. Ashok Kumar 5. Rajendrakumar 6. Kripashanker 7. Rampyari 8. Susheela Devi 9. Krishna Devi 10. Manorama Devi, R/o Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 873 and 875 stituated at Jrd. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2795 —Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kh. No. 873 & 875 situated at Jr. Dewas, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dewas on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tikamchand S/o Ishwar Das, R/o Dewas.
 (Transferor)
- (2) 1. Anil Kumar, 2. Ramratan, 3. Hiralal, 4. Ashok Kumar 5. Rajendrakumar 6. Kripashanker 7. Rampyari Bai 8. Susheela Devi 9. Krishna Devi 10. Manorama Devi, All R/o Indore.
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 873 & 875 situated at Jr. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

(Transferor)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2796.—Whereas, I D. P. PANTA being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. 4/1 situated at Hatipala Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Molezali S/o Abdul Kadar Bhai Bohara, R/o Jawahar marg, Indore.

(2) Burhani Committee Junapitha Indore Through

Akbarali & Mulla Nazar Hussain, Zakir Hussain S/o Mulla Nazar Hussain, Akbar Ali S/o Haji Syed Ali, Iqbal Hussain, S/o Haji Syed Ali, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/1 situated at Hathipala Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

 Shri Moiezali S/o Abdul Kadar Bhai Bohara, R/o Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amiruddin S/o Abbas Ali, R/o 44, Bohara Bakhal, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2797.—Whereas 1, D P. PANTA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to 95 the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 4'1 situated at Hathipala Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

House No. 4/1 situated at Hathipala Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2798.—Whereas I, D P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 736/6 situated at Kasba Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankeriai S/o Nancoramji Patidar, R/o Mohalia Sharkergarh, Ratiam.

(Transferor)

 Shri Ramanlal S/o Surajmalji Bohara 2. Shri Vijendrakumar S/o Nathmalji, R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 736/6 situated at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-7-1982

Shri Shankerlal S/o Nanooram Patidar, Shankergarh, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2799.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land S. No. 736/6, situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratiam on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Gokulchand,
 Govind, Both S/o Kishanji Sharma.
 R/o 210, Mahatmagandhi Marg,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 736/6, situated at Kasva Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2800.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House Sheet No. 26 plot No. 682,

situated at Naya Bazar Damoh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Damoh on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramcharan Lal Sahu S/o Penglinand and Jagrani Wd/o Parmanand Sahu.
R/o Damoh

(Transferor)

(2) Shri Darbatilal, Dwarikaprasod S/o Shri Mulchand Gupta, R/o Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Sheet No. 26, Plot No. 682, situated at Naya Bazar, Damoh.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2801.--Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land No. 47,

situated at Govt. Industrial Estate, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----60-216GI/82

- (1) Smt. Chandraprabha Wd/o Muilidhar Singh, R/o Sheer Sagar. Ujjain.
- (2) M/s. Surena Printing, Chowk Bazar, Ujjain-Through partners-
 - 1. Rajendrakumar S/o Pannalal Surena, 2. Smt. Prabhawat W/o Shri Narendrakumar Surena 3. Smt. Manjula W/o Nirmalakumar Surena,

R/o Chatri Chowk, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 47, situated at Govt Industrial Estate, Maxi Road, Ujjain on which Shed godown etc. are constructed, and Prabha Plastic Industries was situated.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2802.—Whereas I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 827/1 and S. No. 826, situated at Jue Dewas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 4-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramchandra S/o Khanderao Subekar,
 Saidham Civil Lines, Dewas.

(Transferor)

(2) Vardaman Griba Nirman Sahakari Samiti Ltd.,
 Dewas,
 through Chairman Shri D. S. Jain,
 6, Panchsheel Nagar, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 827/1 and S. No. 826 at Jue Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2803.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3/3.

situated at Snehlata Ganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Aat I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, amely:—

 Shri Sharad S/o Shri Narayan Bhalarao, R/o 43 Suthargali, Indore.

(Transferor)

 Smt. Sheela Devi W/o Prakashchandra Saluja, R/o 3/3, Snehlata Ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3/3, situated at Snehlata Ganj, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar. Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2804.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 18, situated at Jail Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 10-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

- (1) Smt. Rajkumari Devi W/o Shri Surendra Kumarji Awasthi, R/o 18/2, Jail Road, Indore.
- (2) Shri Vimelchand Jain S/o Shri Ganeshilalji Jain, R/o 28, Tilak Path, Indore.

(Transferce)

(Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18, situated at Jail Road, Gali No. 2, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2805.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. T.S. 22, situated at Navalakha, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haji Mulla Asgar Ali, s/o Khanbai Bohra, R/o 349, Maulana Azad Marg, Bombay-4, Through Power of attorney Kurban Hussain, S/o Iceva Khan, R/o 11 Ruj Marg, Indote.

Transferor)

(2) Shii Shah Family Trust. 1/1, South Tukogani, Green Park-Namli Kothi, Indore Through Gunwantral Desai, and Vinodrai, Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. T.S. 22-Scheme No. 31 at Navlekha, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2806.—Whereas I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Mncl. H. No. 9fflA-1

situated at South Tukoganj, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 16-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

 Shri Pradeep Kumar S/o Balkrishna Yadav, 9/A-I, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prasant Kumar S/o Shri Vijay Kumar Bunglow No. 4, Old Palasia.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal H. No. 9/A-I Plot No. 2, situated at Street No. 1, South Tukogan), Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Hhopal

Date: 17-7-1982

FORM I.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2807.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 11,

situated at North Tukoganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 25-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrì Mahendra kumar S/o Purshottam Patidar, 20, Chota Sarafa. Indore.

(Transferor)

(2) Abhishek Cooperative Housing Society, 11: New Palsia, Indore, Through Chairman Shri Ashivin Kumar Javeri, R/o 11: 5 New Palsia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, situated at North Tukoganj, (Palasia Hana), Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2808.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

New No. 13, 14 & 15,

situated at Subhash Marg, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ujjain on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed & between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Laxmibal W/o Shankerlala Bankeda, R/o H. No. 102. Nazar Ali Marg.

(Tran fero.)

1. Shri Prakashchandra S/o Bhagitath Yadav,
 2. Gopal S/o Bhagirath Yadav,
 R/o Anand Ganj ki Chiri,
 Uliain.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house No. 1/110 & 1/111 New No. 13, 14-15, situated at Subhash Marg, Ujjain.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tor Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2809.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Municipal H. No. 9-A/1, situated at South Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61-216GT/82

(1) Shri Pradeep S/o Balkrishna Jadhav, R/o Municipal H. No. 9/A-1, South Tukoganj, Street No. 1, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Bai W/o Nemchand Join, R/o 692, Jawahar Ganj, Jabalpur At present Shoping Comples, A.B. Road, Indote

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal H. No. 9/A-1, plot No. 1, situated at Street No. 1, South Tukoganj, Inodre.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-7-1982

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2810.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mucl. H. No. 9/A-I situated at South Tukogani, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pradeep S/o Balkrishna Jadhav, R/o Mucl. H. No. 9-A-I, South Tukoganj, Indore.

Transferor'

(2) Dr. Rajendra Kumar S/o Madanmohanji Lahoti, R/o 19, Yeshwant Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 9-A/I Plot No. 3 situated at Street No. 1, South Tukoganj, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-7-82

FORM ITNS ---

NOTICE UNITER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2811.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 41/552 (portion) situated at Sarafa, Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Chotelal S/o Chandmal, Sitaram, Surendrakumar S/o Chotelalji Agarwal, R/o Surafa Bazar, Lashkar, Gwalior.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sureshchand Agarwal S/o Gopaldas Agarwal, R/o Kasera Oli, Lashkar, Gwalior
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property at Sarafa Bazar, Lakshar, Gwalior Mucl. Corporation No. 41/552.

D. P. PANTA
Competent Anthority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-7-82

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2812.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Mucl. No. 41/525 situated at Sarafa, Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmandas S/o Chandmal and Padamchandra and Mohan S/o Laxmandas Goyal R/o Sarafa, Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Archana Devi W/o Sureshchandra, R/o Kasera Oli, Lashkar, Gwallor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 41/525, situated at Sarafa-Bazar, Lushkar, Gwellor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-7-82

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2813.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land & House situated at Anand Nagar, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhashchandra Khambra S/o Shri Gopalchandra Khambra, R/o Anand Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shii Bhagwandas S/o Dwarkadas Khambra, R/o Shahjanabad, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House at Anand Nagar, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2814.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Anandnagar

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evaling of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subashchandra Khambara S/o Gopalchandra Khambra R/o Sadik Pur, Teh. Huzur, Bhopal (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Bhagvandas S/o Dwarikadas R/o Bhopal M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Land situated at Anand Nagar Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2815.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10/12 and 11/12 situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Rajkumar S/o Shri Kashiprasad Tiwari and Smt. Vibha W/o Rajkumar Tiwari, R/o Drug.

(Transferor)

(2) Sh. Shashikant S/o Jamnadas Mirani, R/o Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of one House, Plot No. 10/12 and 11/12, Block No. 11, at Civil Lines, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 19-7-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2816.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10/12 and 11/12 situated at Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disvlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Rajkumar S/o Kashiprasad, Civil Lines, Smt. Vibha W/o Dr. Rajkumar Tiwari, R/o Drug.

(Transferor)

(2) Shri Tarachandra S/o Jamnadas Mirani, R/o Civil Lines, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of one House (upper portion) plot No. 10/12 & 11/12 Block No. 11, at Civil Lines, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2817.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Navbahar Sangam Talkies, Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November, 1981

for an apparent consideration

:--

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-216GT/82

(1) Shri Khushalchand Jetha S/o Kishorllal Jetha, R/o New Itwara, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Surjitkumar S/o Ishwardas, Rfflo E-6/68, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3A situated at Nav Bahar near Sangam Talkies, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2818.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Near Sangam Talkies, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Khushalchand Jetha S/o Late Kishorilal Jetha, New Itwara Road, Bhopal.

(Transferor:

(2) Snit. Surjitrani W/o Madanlal, R/o E-3/68, Arera Colony, Bhopal.

W. The state of th

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-B near Sangam Talkies Navbahar Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2819.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 327. H. Np. 2/885/1, situated at Tikarapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 13-11-1918,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subacction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagmohan Singh Self and Agent Harjit Singh, Randhir Singh, Smt. Swarnajit Kaur and Smt. Ranjana Devi Kaur, Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Chanda Bai W/o Shri Vimal Kumar, R/o Old Basthi, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kh. No. 527 and house No. 2/885/1 at Tikrapara, Raipur.

> D. P. PANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2820.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 327 and H. No. 2/885/1, situated at Tikarapara, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 13-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Agent Jagmohan Singh S/o Sujan Singh,
For Harjit Singh, Randhir Singh S/o Sujan Singh,
Smt. Swarnajit Kaur, Rupinder Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Gendlal S/o Deshraj Verma, Butapara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kh. No. 328 and house No. 2/885/1 at Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gaugotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 19-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2821.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-As Per Schedule situated at and bearing

No. Kh. No. 327 (Portion) H. No. 2/885/4 (portion) situated at Tikarapara, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer Raipur on November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shi Jagmohan Singh S/o Sujan Singh Agent for Harjit Singh, Randhir Singh S/o Sujan Singh and Swarnejlt Kaur, Rajinder Kaur, Civil Lines, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ratanchandra S/o Nathuram Saraf, Sadar Bazar, Raipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kh. No. 327 and House No. 2/885/4 at Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-7-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2822.—Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 327, H. No. 2/885/3 situated at Tikarapara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagmohan Singh Agent for Harjit Singh, Randhir Singh S/o Sujan Singh, Smt. Swarnajit Kaur, Kavinder Kaur, R/o Civil Lines, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Rajaram S/o Shanerlal Choudhary, R/o Old Basthi, Raipur.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kh. No. 327 House No. 2/885/3, at Tikara-para, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 19-7-1982

(1) M/s Vinodkumar and Company, Jawahar Nagar, Raipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Mahavir Rice Mills Mahasamund, Raipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 19th July 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2823 .-- Whereas I. D. P. PANTA,

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

Kh. No. 9 and 10 situated at Mouza Khera, Mahasamunder. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahasamunder on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

any moneys or other assets which have not been or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Diverted land Mouza Khera Kh. No. 9 and 10 at Vill. Khera, Raipur and constructed area.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th July 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2824.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door No.

No. 49/1225 situated at Jawahar Nagar Lashkar, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shil Laxman Mukund Pathak S/o Mukund Shivram Pathak, 9/25, South T. T. Nagar, Bhopal.

 (Transferor)
- (2) Shri Radhelal Sharma S/o Bhagwanlal Sharma, R/o

Roxy Cenema Gali, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 49/1225, situated at Jawahar Nagar, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th July 1982

Notice No. 435/81-82/Acq.D.—Whereas, I, MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner MANJU of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 10-7 situated at Katewadi Mohalla Basava Kalyana Bidar (Dt.).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basava Kalyana under doucument No. 928/81-82 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

(1) Shri Mohammed Manzoorul Hassan, 7/0 Mohammed Yousuf Ali, R/0 Katewadi Mohalla, Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Abdul Rashced, S/o Mohammed Ibrahim Manyar, R/o Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 928/81-82 Dated 30-11-81] All that property bearing No. 10-7 situated at Katewadi Mohalla. Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-7-1982

FORM J.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th July 1982

Notice No. 436/81-82/Acq.D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-8 situated at Katewadi Mohalla, Basava Kalyana Bidar (Dt.). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basava Kalyana under document No. 929/81-82 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

 Shri Mohammed Manzoorul Hassan, S/o Mohammed Yousuf Ali, R/o Katewadi Mohalla, Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferor)

(2) Shri Jaleel Ahamad Minor by guardian father Sri Mohammad Abdul Rasheed, R/o Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 929/81-82 Dated 30-11-81] All that property bearing No. 10-8 situated at Katewadi Mohalla, Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

MANJU MADHAVAN +
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th July 1982

Ref. No. 437/81-82/Acq.D.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-10/1 situated at Katewadi Mohalla, Basava Kalyana Bidar (Dt.).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basava Kalyana under document No. 930/81-82 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohammed Manzoorul Hassan, S/o Mohammed Yousuf Ali, R/o Katewadi Mohalla, Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferor)

(2) Smt. Zorra alias Joran Bee W/o Mohammed Abdul Rasheed R/o Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 930/81-82 Dated 30-11-81]
All that property bearing No. 10-10/1 situated at Katewadi Mohalla, Basava Kalyana, Bidar (Dt.).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority

Date: 13-7-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangatore-560001, the 16th July 1982

CR. No. 62/32907/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 681-3 707 681 -170-681-708

situated at Attawar Village, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore City, Under Document No. 1143/81-82 on 18 November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr. to the following persons, namely:-

- (1) (a) Sri T. Vasudeva Valke (b) Sri T. Paramananda Valke (c) Sri T. Indushekar Valke (d) Sri T. Divakar Valke

 - Bolar, Mangalore-6.

(Transferor)

(2) (a) Mr. Krishna Kumar Sharma, No. 9-7-418-3, Azizuddin Road, Bunder, Mongalore-1.

Mrs. Madhu Agarwal, W/o Suresh Agarwal, M/s. B.S. Agencies, Bhatkar Bazar, Mangalore-1.

- (c) Mr. Hiralal Kabra, S/o K. L. Kabra, M/s. Sri Krishna Textiles, Johar Building, Market Road, Mangalore-1.
- (d) Mr. Jaysukhlal Dhirajlal Vasani, S/o Dhirajlal Vasani, Chandra Kutir, Block No. 2, Attawar.

Mangaloro-1.

(e) Mrs. Shusheela P. Shah,
W/o Praveen Bhai Shah,
J.M. Road, Mangalore-1

(f) Sri Mark Balthizar Bapstish Lobo, Lourdes View, Silva, Lane. Kankanady,

Mangalore-1.
(g) Sri Pramod Kumar Saboo,
Alok Distributors, Hampanakatta, Mangalore-1.

(h) Sri Mahendra V. Gandhi, M/s. Gandhi Sons, Azizuddin Road, Mangalore-1.

(i) Smt. Savithaben Revalal, W/o Revalal, Cowrimutt Street,

Mangalore-1.

(j) Sri Suresh Kumar Sharma,
No. 10-1, 9/3,
Azizuddin Cross Road, Bunder, Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1143/81-82 Dated 18-11-19817 All that property bearing R.S. No. 681—3 707 169 681 - 3170-681---3 170~ 708 situated in Attawar Village, Mangalore City.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority

Date: 6-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalors 560001, the 3rd July 1982

C.R. No. 62/32798/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Corporation No. 30, situated at 18th Cross Road,

Malleswaram Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore under document No. 4545/81-82 on 14-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property I the fisue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

 Shri V. S. Sundera Murthy Trust Represented by—
 Smt. S. Neelaveni,
 No. 25, Annaswamy Mudaliar Road, Bangalore-42.
 Shri V. A. Krishna Murthy,
 No. 11, Osborne Road,
 Bangalore-42.

Trustees

(Transferor)

(2) I Shri S. Narayana
 2. Smt. Vijayalakshmi,
 No. 16. O.V.H Road, Basavangudi,
 Bangalore-4.

(Transferee)

(3) 1. Dr. Rajashekar
2. Shri R. Somashekar
3. Shri R. Chandrasekar
4. Dr. R. Gangadhar
5. Shri R. Shaokarappa
6. Shri R. Palaksha
7. Shri R. Prabhakar
8. Smt. Rangamma

(Persons in occupation of the property)

(4) Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLNATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 4545/81-82 Dated 14-12-81]
All that property bearing Corporation No. 30, situated at 18th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Bangalore

Date: 3-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th July 1982

C.R. No. 62/33194/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

48, situated at Dacasta Square, 1st Cross, St. Mary's Town, Bangalore-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Document No. 2706 on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

S1i Benito Nestonso,
 S/o Pietro Bentonso,
 No. 48, Dacasta Square, 1st Cross,
 St. Mary's Town,
 Bangalore-84.

(Transferor)

1. Doris Gertrude Periera,
 2. Miss Iris Faith Pegg,
 3. Mrs. Phyllis Beryl Carr,
 No. 52, Regal Building,
 Parliament Street,
 New Delhi-110001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2706 Dated 4-12-1981]
Premises No. 48, Dacasta Square, 1st Cross, St. Mary's Town, Bangalore-84.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date:5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Narayana Swamy, No. 112, 5th Cross, Manasarovar Road. Ittigegud, Mysore.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavani Bai, No. 210, Ashoka Road, Mysore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

C.R. No. 62/32800/81-82/ACQ-B.—Whereas, J, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

114/A, 114/A-1, Mansarovar Road, Mysore situated at Ittigegud, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Document No. 3404 on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3404 Dated 7-12-1981] No. 114/A and 114/A-1, Manasarovar Road, Ittigegud, Nazarbad, Mysore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd June 1932

CR. No. 62/33778/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

19, situated at Sounders Road, Cleveland Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Document No. 3428 on 12-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ismail Sulaiman Sait,
 C/o Mr. John D'Souza,
 16/3, Rest House Crescent,
 Bangalore.

(Transferor)

 Smt. Elizabeth Thomas, 10, Nandidurg Road, Bangalore.
 Bangalore.

(Transferee)

(3) Cantonment Polyclinic.

(Persons in occupation of the property)

(Person yhom the undermentioned know to be interested in the property

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3428 Dated 12-2-82] Ground floor No. 19, Saunders Road, Cleveland Town. Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

CR. No. 62/33779/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19/1, First Floor, situated at Sounders Road,

Cleveland Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Salem) on 14-11-1981.

Shivajinagar, Document No. 3429 on 12-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
64—216GI/82

 Shri Ismail Sulaiman Sait, C/o Mr. John D'Souza, 10/3, Rest House Crescent, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Leona Rajam,6, Promenade Road,Bangalore.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3429 | Dated 12-2-1982] First floor bearing No. 19/1, Sounders Road, Cleveland Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 15th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/148.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land at Chhehrta

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr. to the following persons, namely :---

(1) Smt, Raj Kumari Seth W/o Muni Lal Seth R/o Inner Circular Road Dhab Khatikan Amritsar now 94-Joshi colony near lawrance road through Sh. Subash Chander Ahalmad Court Sardarni Bakh-thish Kaur Sub Judge, Local Commissioner Commissioner Amittee.

(Transferor)

- (2) Sh. Kesho Ram Wahi S/o Tirath Ram Wahi, Rajinder Nath Wahi Kewal Kumar Wahi Ravi Kumar Wahi Vinod Kumar Wahi Ss/o Kesho Ram Wahi R/o Goli Gusaian Katra Bhai Sant Singh Amritsar. (Tansferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 450 sq. yds situated in Chhehrta, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14656 dated 3-11-81 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Amritsar.

Pate: 15-7-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/149.—Whereas, I, anand singh irs.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One property in the City Centro situated at Improvement Trust Scheme Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Nov 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Sh. Avtar Singh S/o Santokh Singh R/o Gali No. 5, H. No. 794, Sharifpura Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Harbhajan Singh S/o Lal Singh & Balwinder Singh S/o Harbhajan Singh R/o 433/13, G.T. Road, Sharifpura Amritsar, (Tansferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property plot No. 108 (area 115 sq. yds.) situated in the city Centre Improvement Trust Scheme Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15089 dated 12-11-81 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-7-82

(Transferor)

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsor, the 15th July 1982

Rcf. No. ASR/82/83/150.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. One property at Katra Dulo situated at Amritsur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Lubhaya Kapur S/o Sh. Janak Raj Kapur R/o Basant Avenuc Amritsar.
- (2) Sh. Sirikishan Chadha S/o Sh. Bhim Sen Chadha R/o H. No. 2822/X-9 Gali Mada Penja, Amritsar. (Tansferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 Smt. Lajaia Wanti-35/- Sh. Gupta, 20/-, Surinder
 Kumar 20/-, Brij Lal Gupta 20/-, Niranjan Das
 12.50 paise Sohan Lal-15/-.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in katra Dulo Amritsar on a plot of land measuring 95 sq. yds. as mentioned in the sale deed No. 15848 dated 26-11-81 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/151.—Whereas, J, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Land in village Kiri Khurd situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Pathankot on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Neelam Rani W/o Kanwar Raj Bir Singh S/o Ch. Kesho Dass R/o Daulapur, Pathankot. (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit Kaur alias Swaraj Kaur W/o Ch. Kesho Dass R/o Daulapur, Pathankot.

 (Tansferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenaut(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 240 kanals 3 marlas gair mumkin, situated in village Kiri Khurd, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2229/dated 10-11-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar-

Date: 15-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsor, the 15th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/152.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Land in village Anandpur

situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Pathankot on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurdev Sharma S/o Sh. Dharam Dev Sharma R/o Jodha Mal Colony, Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani Chopra W/o Sh. Vishnu Chopra Ncclu Chopra W/o Kishan Chopra R/o Kathlore Colony, Pathankot.

(Tansferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1K 6M 150 ft. situated in Anandpur, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2425/dated 27-11-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-7-82

Seal !

HOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/133.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot near T.B. Hospital,

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:—

(1) Smt. Champa Wati Wd/o Jai Kishan, Kahan Chand S/o Jai Kishan R/o Bombay through Sh. Joginder Singh attorney R/o village Mudhal, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Naresh Kumar S/o Kamal Kishore R/o Chowk Datbar Sahib Amritsar.

(Transferce)

(3) at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 240 sq. yds, situated near T.B. Hospital Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14725 dated 4-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/134,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot of land near T.B. Hospital

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Kahan Chand S/o Jai Kishan. Champa Wati Wd/o Sh. Jai Kishan R/o Bombay through Shrl Joginder Singh Attorney R/o village Mudhal, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Parmod Kumar S/o Sh. Kamal Kishore R/o Chowk Darbar Sahib Amritsar,

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 240 sq. yds. situated near T.B. Hospital Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14726 dated 4-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/135.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One plot of land near T.B. Hospital situated at ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—. 65—216GI/82

(1) Sh. Kahan Chand S/o Sh. Jai Kishan & Champa Wati Wd/o Sh. Jai Kishan R/o Bombay through Sh. Joginder Singh attorney R/o village Mudhal Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Parmod Kumar S/o Sh. Kamal Kishore R/o Chowk Darbar Sahib Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 240 sq. yds. situated near T.B. Hospital Amritsar us mentioned in the sale deed No. 15712/dated 23-11-81 of the registering authority. Amritsar,

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amiltsar.

Date: 14-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/136.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. One plot of land near T.B. Hospital situated at ASR,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Champa Wati Wd/o Jai Kishan and Kahan Chand S/o Jai Kishan R/o Bombay through Joginder Singh attorney R/o village Mudhal Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Naresh Kumar S/o Kamal Kishore R/o Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 240 sq. yds, situated near T.B. Hospital Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15958 dated 27-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-7-82

FORM ITNL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82/83/137.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in New Garden Colony situated at ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Firm M/s Raomesh & Co. through Sh. Ved Parkash S/o Sh. Puran Chand R/o Ajit Nagar Amritsat.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Sardari Lal Sarin R/o Amtitsar now Patti Mohalla Bhallian H. No. 84/10.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yds. situated in New Garden Colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15975 dated 27-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/138.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land at Radha situated at Swami Road, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other vassets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Jia Lal Tirath Ram S/o Sh. Tirath Ram R/o Bombay through Sh. R. K. Gupta S/o Durga Dass R/o Tahli Sahib Amritsar Mukhtar.
- (Transferor) (2) Sh. Balwant Singh S/o S, Ram Singh R/o Chatiwind Gate Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 283 sq. yds. situation Radhaswami Road, Raghunathpura, The Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15982/dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar,

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/139.—Whereas, 1, ANAND SINGH 1RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One plot on Radha Swami Road

situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jia Lal Tirath Ram S/o Sh. Ritath Ram R/o Bombay through Sh. R. K. Gupta S/o Sh. Durgu Dass R/o Tahli Sahib Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/o Ram Singh R/o Chatiwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2, and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 283 sq. yds. situated on Radha Swami Road, Raghunath Pura The Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15976 dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/140.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

bearing No. One property on Maqbul Road,

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushila Gupta W/o Sh. Lekh Raj Gupta & Kamal Gupta S/o Sh. Lekh Raj Gupta R/o Kothi No. 7, Maqbul Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Dr. Rajinder Singh Thind S/o Sh. Balwant Singh Thind R/o 92 Lal Bagh The Mall Patiala, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2, and tenant(s) if any.
 (Person in Occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with structure situated at Maqbul Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15270 dated 16-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Rcf. No. ASR/82-83/141.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One property at Maqbul Read, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR ASR on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Gupta W/o Sh. Lekh Raj Gupta & Kamal Gupta S/o Sh. Lekh Røj Gupta R/o Kothi No. 7 Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur W/o Dr. Rajinder Singh Thind R/o 92 Lal Bagh, The Mall, Patiala. (Transferee)
- (3) As at Sr No 2, and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with structure situated at Maqbul Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15348 dated 17-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82

Seat:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/142.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. One plot of land near T.B. Hospital situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kahan Chand S/o Sh. Jai Kishan & Smt. Champa Wati Wd/o Sh. Jai Kishan Bombay through Sh. R. K. Boga through Sh. Joginder Singh Mukhtar nam R/o village Mudhal Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Arun Khanna S/o Sh. Shiv Parkash Khanna R/o 58 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 178 sq. yds situated near T.B. Hospital, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14868/dated 6-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-82

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/143.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in New Garden Colony situated at ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ₹ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

66-216GI/82

(1) M/s. Ramesh & Co. Katra Aluwalia through Sh. Ved Parkash S/o Sh. Puran Chand R/o Ajit Nagar

(2) Dr. Sukhwinder Singh Walia S/o Sh. Balwant Singh Aluwalia, 75-Golden Avenue Head Water Works Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 253.33 sq. yds. situated in New Garden Colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15969 dated 26-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH JRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82 Seal:

FORM I.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/144.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot near T.B. Hospital.

situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section ((1)) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kahan Chand S/o Sh. Jai Kishan & Smt. Champa Wati Wd/o Sh. Jai Kishan R/o Bombay through Sh. R. A. Boga through Sh. Joginder Singh mukhtn aam R/o village Mudhal Teh, & Distr. Amriban.

(Transferor

(2) Sh. Gauray Khanna minor son Sh. Arun Khanna R/o 58 Lawrance Road, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 175 sq. yds, situated near T.B. Haspital Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14867 dated 6-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-7-1982

Seal ;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Ameitsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/145.—Whereas, I, ANAND SINGH GH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land in East situated at Mohan Nagar ASR

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR American on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Amritsar Improvement Trust Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Inder Singh s/o Arur Singh r/o 13-East Mohan Nagar Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 13 measuring 1050 sq. yds. situated in East Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the sales deed No. 14946 dated 9-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH 1RS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/146.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Beauty Avenue

situated at ASR

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per each of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Om Parkash Chewla 5/0 Ram Lal and Smt. Uma Chawla w/0 Om Parkash & Chiman Lal 5/0 Lachhman Dass r/0 Basant Avenue Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Diwan Singh s/o Pal Singh r/o Talwandi Madho ke Teh. Jullundur and Tara Singh s/o Sadhu Singh r/o village Nur Pur Chathian Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 205 sq. yds situated in Beauty Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15922/ dated 27-11-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-82

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3. CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/147.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Plot of land in Beauty Avenuc situated at Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chiman Lal S/o Lachhman Dass & Sh. Om Parkash Chawla S/o Sh. Ram Lal Chawla & Smt. Uma Chawla D/o Om Parkash Chawla R/o Basant Avenue Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Diwan Singh S/o Pal Singh R/o Talwandi Madho ke, Teh, Jullundur & Sh. Tara Singh S/o Sadhu Singh R/o village Nur Pur Chathian Distt. Jullundur.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that:

Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 205 sq. yds. situated in Beauty Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13923/dated 27-11-81 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 12th July 1982

G.l.R. No. R-171/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8/163 M situated at Newal Kishore Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Lucknow on 27-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 f 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(I) Shri Lava Bhargava

(Transferor)

(2) Smt. Raspal Kaur

(Transferee)

(3) Tenants—1. Shri Ram Phar Pandey and Shri Paras Nath.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold out-houses with land appurtenant thereto measuring 3289.6 sq. ft. bearing plot No. 8. Khasra No. 163 (No. 8/163 M) situate at Newal Kishore Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7080/4/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-11-1981,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43_OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 12th July 1982

GIR. No. K-110/Acq.—Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9/163 (M) situated at Newal Kishore Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-11-198]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kush Bhargava.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kuljit Singh; 2. Shri Swaroop Singh through their father and Guardian, Shri Jang Singh Gambhii.

(Transferee)

(3) Tenants-1. Shri Mohan: 2. Shri Mohd, Halim, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold out-houses with land appurtenant thereto measuring 3360.6 sq ft. at plot No. 9, Khasra No. 163 (9/163 (M)), situated at Newal Kishore Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the (sale deed and form 37G No. 6838/4/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 16-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-7-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Punc-1, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli-II/81/743/82-83.— Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37/22 situated at Prabhat Road, Erandawano,* (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Shri S. R. Tipnis, Chairman, Prashant Road, Galli No. 10, Erandwana, Pune-4 (Transferor)

Shri S. R. Tipnia, Chairman, Prashant Co-op, Housing Society Ltd., 37/22, Erandwana, 7th Lane, (2) Shri S. R. Prabhat Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 37/22, situated at Prabhat Road, Frandawana, Pune-4.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 6487 in the office of the Sub Registrar. Haveli-II, in the month of Nov 1981).

> R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 14-7-1982

Seal;

FORM UNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Punc-1, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Karvir/Nov.81|745|82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1330A/9A situated at E-Ward, City Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed herate); has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Karvir on November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—67—216GI/82

(1) Son Vimal Gopalrao Chavan and others 2, C.S. No. 1330A/9A, E-Ward, Sagarmal, Kolhapur, (Transferor)

(2) Shir Bhikugonda Bobgonda Patil and Shri Ajit Bhikugonda Patil, C.S. No. 1493, D-Ward, Uttareshwar Peth, Kolhapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 1330A/9A situated at E-Ward, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3959 in the office of the Sub Registrar, Karvir in the month of November 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Poona

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Pune-1, the 14th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli/Nov.81|744|82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 54 (1)/4th share), 63/2A (1/2 share), 63/2A situated at Ambegaon Khurd,***
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Haveli-II on November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shantabai Vithoba Dalvi, Ambegaon Khurd, Post Katraj, Tal Haveli. Dist. Pune. (Transferor)
- (2) 1. Shri Vishnu Baburao Pawar, Pawar Bidi Manufacturing Works, 308, Ganesh Peth, Pune.
 2. Shri Kashinath Gangadhar Khamkar, 242, Rajen-
 - Shri Kashinath Gungadhar Khamkur, 242, Rajendra Nagar, Municipal Colony, Dandekar Pool, Pune.
 - Shri Bajirao Haribhau Jamble.
 Shri Uttam Sadashiv Dalvi.
 - Jambulwadi, Post Katraj, Ambegaon Khurd, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 54, 60/1, 63/2A, 63/4B, 63/7-8, 63/9-B situated at Ambegaon Khurd, Tal. Havell, Dist. Punc. (Property as described in the sale deed registered under document No. 6252 in the office of the Sub Registrar, Havelini in the month of November 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Rcf. No. 1258.-Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Plot No. 8, situated at Jodhput,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at fodhpur on 18-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Mehta. (1) Shri Sagarmal Mehta, s/o Hameermalji Bhawani Singh Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Vijaymal, s/o Shri Daulatmal, Nirmal Kumar, Dhanpat s/o Shri Vijaymal, 8-Jalam Niwas, Paota, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house situated at Plot No. 8, Jalam Niwas' reheme, Paotu. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered at Jodhpur vide No. 732/2544 dated 18-11-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-82

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Ref. No. 1259.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gopal Singh S/o Shri Devi Singh, Guardian of minor Karan Veer Singh, Rajput, Bhadrajun.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Chandra Kanwar, w/o Prithvi Singh and
 Shri Prithvi Singh, S/o Sawat Singh, Janyana, Teh.
 Pachpadra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

488.88 sq. yds of land situated in residential area at Paota, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 715 2539 dated 18-11-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shri Mool Singh, S/o Shri Ram Singh, Jodhpur. (Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Lata Devi, w/o Ramesh Chander, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE JAJPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Ref. No. 1260.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agriculture land situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Acr. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 37 bigha, 11 biswa situated at Sabhawato Ki Dhani, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 715/2575 dated 21-11-81.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-7-82

 Shri Ram Chandra Devilal, S/o Munnalalji, Jodhpur.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Chandra, S/o Shri Hastimalji, Jodhpur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE

SIONER OF INCOME TAX,

Jaipur, the 16th July 1982

Ref. No. 1261.—Whereas, J MOHAN SINGH, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agriculture land situated at Jodhpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jodhpur on 21-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and measuring 33 bigha. 16 biswa of cultivated land situated at Sobhawati wati ki Dhani, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 732 dated 21-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-82

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th July 1982

Ref. No. 1262.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agriculture Land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Ujagar Singh S/o Thokur Singh, R/o Pacci, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Bairaj Singh and Balvinder Singh, Sons of Sohan Singh. R/o Pacci Dhani Mohanpura, Teh. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 bigha agriculture land situated at Chak Pacci, Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide No. 3353 dated 31-12-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-7-82

PORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Ref. No. 1263.—Whereas, I. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51-B, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 24-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Phapu Bai w/o Balchand, R/o 51-B Block, Srigangangar

(Transferor)

(2) Shii Gulab Rai Shurma S/o Balchand Sharma, R/o 51-B Block, Sriganganagae.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House 51-B Block, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide No. 3139 dated 24-12-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Rcf. No. 1264.—Whereas. I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Scetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agriculture Land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 5-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—216GI/82

 Shri Sukh Dev Singh, S/o Mohider Nath, R/o Chak 2-E Chhoti, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Snri Navician, S/o Madanchand, C/o Madan Chand Samput Rai, Commission Agent Shop No. 40, Dhan Mandi, Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J.VPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 bigha 6 biswa of agriculture land situated at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide No. 2993 dated 5-12-81.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-82

Scal:

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sawai Singh, S/o Mool Karanji, Charan Parloo, Teh. Pachpadra, Barmer. (Transferor)

(2) Shri Harish Chandra Parihar, S/o Rajaram Parihar, New Puli Road, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Ref No. 1265.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfeared under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-A situated at Jalam Niwas, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. 2 Jodhpur, vide No. 713/2541 dated 18-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1932

Deal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Sawai Singh S/o Mool Karanji, Charan Parloo, Teh. Panchpadra, Barmer.

(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash S/o Shri Kastoor Chand Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1982

Ref. No. 1266.- Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5B situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Jodhpur on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-B situated at Jalam Niwas, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 714/2542 dated 18-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date: 16-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAJPUR

Jaipur, the 17th July 1982

 $R_{\rm E}{\rm f.}$ No. 1267.—Whereas, 1. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-63 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Gopi Lal S/o Shri Duda Ramji Gothwal, C-63, Adarsh Nagar, Jaipur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Vishnu Kumar S/o Shri Rewachand, 724, Sindhi Colony, Raja Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at C-63, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. 1, Jaipur vide No. 3015 dated 28-11-1981.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 17-7-1982

Scal:

at Jaipar on 21-11-1981

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Gopi Lal, S/o Shri Duda Ramji Gotwal, C-63, Adarsh Nagar, Jaipur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radha Govind & Mohan Lal S/o Shri Rewachand, 724, Sindhi Colony,
Raja Park, Jaipur.

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

(Transferce)

ACQUISITION RANGE, JAJPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jaipur, the 17th July 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref No. 1268,—Whereas, I, MOHAN SINGH.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION The tettils and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Plot No. C-63 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at C-63, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. 1, Jaipur vide No. 2930 dated 21-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1982

FORM ITNS __

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1269.—Whereas, J, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agriculture Land stuated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oth or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19. 77);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shii Mahesh Narain S/o Sh. Pratap Narain, Present R/o Purchitji ki Haweli, Hangori Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi, W/o Sh. Mcharchand Jain and Sh. Daulatmal Jain, Arun Kumar Jain, 507 Thakur Pachewar Ka Rasta, Ghat Darwaza, Jaipur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 6.8 bigha situated at Village Sirsi (Jaipur) and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 3029 dated 28-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-7-1982

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1270.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Agriculture land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

taipur on 28-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahesh Narain, S/o Sh. Pratap Narain, Vill. Sirsi, Distt. Jaipur, At present purohltji Ki Haweli, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smi Daulatmal Jaiu, Arun Kumar Jain, Thakur Pachewer Ka Rasta, Ghat Darwaza, Jaipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 8.18 bigha situated at Village Sirsi (Jaipur) and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 3028 dated 28-11-1981,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay.
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1271.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-96 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Dr. S. D. Sharma (Satya Dev Sharma) \$/o Late Sh. Ram Nathji Sharma, R/o Plot No. 29, Uniyara Garden, Jaipur.
 (Transferor)

(2) Shri Kailash Chand Mittal S/o Sh. Kanhayalalji Mittal, R/o Λ-Β, Subhash Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-96, situated at Amba Bari, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2980 dated 28-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 20-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Satya Prakash Tejpal, Plot No. D-3 (A) New Bani Park, Jaipur. (Transferor)

(2) Shrimati Saryoo Devi Lakhotia, Smt. Rukmani Devi Lakhotia, Plot No. D-3(B) New Bani Park, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1272.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-216GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 situated in Durga Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2928 dated 21-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1273.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S-8(D) situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 11-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Sukh Devi, W/o Sh. Mannalal, S-8(D), Durga Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt Saroj Devi & Goverdhanlal Mandhana, Lal Haweli, Pitaliyon Ka Chowk, Jaipur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-8-(D) situated at Durga Marg, Bani Park. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 3098 dated 11-12-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1982

Ref. No. 1275.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 21 situated at Gopal Bari, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sohan Jain s/o Late Sh. Kawarilel Jain (Karta H.U.F.) r/o Deemarur Distt. Kohima (NAGALAND).

(Transferor)

(2) Shrimati Kanchan Devi Jain w/o Sh. Sohanlal Jain, R/o Deemapur, Distt. Kohima, (NAGALAND).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31 situated at Gopal Bari, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 77 dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 20-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. .—Whereas, 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agriculture land situated at Sri Ganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sri Ganganagar on 12-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely:—

 Shri Sarwan Singh, S/o Shri Wasyam Singh R/o Chak No. 1-A, Chhoti, Teh. Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) M/s. Ganesh Udyog, through Rajender Kumar, R/o 1-A Chhoti Teh. Sri Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bigha situated in Chak No. 1-A. Chhoti, Sri Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by Sub-Regisrtar, Sri Ganganagar, vide registration No. 2560 dated 12-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Laxmi Narain Bihani, R/o Hanumangarh Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radhey Shyam Goyal, S/o Shri Gopiram Goyal, R/o Sri Ganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Shop No. 63, situated at Dhan Mandi, Sri Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Sti Ganganagar, vide registration No. 2676 dated 27-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 9-7-1982

FORM 1,T.N.S.-

(1) Shri Laxmi Narain Bihani, R/o Hanumangarh Town.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chander Goyal, S/o Shri Gopiram Goyal, R/o Sri Ganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. .—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing No.

Shop No. 63 situated at Sri Ganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sri Ganganagar on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Shop No. 63, situated at Dhan Mandi, Sri Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sri Ganganagar, vide registration No. 2777 dated 24-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ranjeet Singh, S/o Shri Bahadur Singh, Bundi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, S/o Shri Nankram, Bundi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1982

Ref. No. .—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. - siutated at Bundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bundi on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3908 sq. ft. situated at Kota Road, Bundi and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Bundi, vide No. 1745 dated 24-11-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanak Ram, S/o Shri Khemchand, Bundi.

Bundi.

(1) Shri Ranjeet Singh, S/o Shri Bahadur Singh,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1982

No. Land situated at Bundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bundi on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transtes of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3908 sq. ft. situated at Kota Road, Bundi and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Bundi vide registration No. 1741 dated 24-1-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Moideen Tanwar and Lala, Ward No. 7, Sikar,

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad and others, Ward No. 4, Sikar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/(Acq)/1238,—Whereas, I MOHAN SINGII being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 12-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-

(b) facilitating the concealment of any income or any of the aforesaid property by the issue of this notice under lowing persons namely:-70-216G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of freehold land situated at Sikar (Jaipur-Sikar route) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 1281 dt. 12-1-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance, I inur-

Date: 9-7-82

 Shri Madanlal and Jugal Kishore, sons of Shri Shiv Prasad Sharma, Ward No. 12 Sikar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Surender Kumar Bhoot, s/o Sh. Mahaveer Pd. Mahajan Ward No. 3, Sikar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1242.—Whereas I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Silvar on 18-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 275.77 sq. it. situated at Ward No. 12, Sikar and more fully described in the sale deed registered, by S.R. Sikar vide No. 1306 dated 18-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1245.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 20-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal and Jugal Kishore, sons of Shri Shiv Prasad Sharma, Ward No. 12 Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Deokinandan s/o Shri Mahaveer Pd. Mahajan, Ward No. 3, Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 275.77 sq. ft. situated at Ward No. 12, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar, Vide No. 1309 dated 20-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1243.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 19-1-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal and Jugal Kishore, sons of Shri Shiv Prasad Sharma, Ward No. 12, Sikar.

(Transeror)

(2) Shii Ramavtar s/o Shri Mahaveer Pd. Mahajan Ward No. 3, Sikar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 275.77 sq. ft. situated at Ward No. 12, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar, vide No. 1307 dated 19-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Madanlal and Jugal Kishore, sons of Shri Shiv Prasad Sharma, Ward No. 12 Sikar.

(2) Shri Mahesh Kumar s/o Shri Mahayeer Pd. Mahajan, Ward No. 3, Sikar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Juipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1246.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 20-1-82

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faci lifating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respecting of any income arising from the transfer; and/or: A
- (b) faci itssing the concealment of any income or any means or other assets which have not been or which o aght to be disclosed by the transferee for the nur-reses of the Indian Accome-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 275.77 sq. ft. situated at Ward No. 12, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 1310 dated 20-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF NCOME IAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1244.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 19-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal and Jugal Kishore, sons of Shri Shiv Prasad Sharma, Ward No. 12 Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Dashrath Kumar s/o Shri Mahaveer Pd. Mahajan Ward No. 3, Sikar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI (NATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 359.44 sq. ft. situated at Ward No. 12, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 1308 dated 19-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Înspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

====

FORM ITNS-

(1) Shri Ashok Kumar s/o Madanlal c/o M/s. Agarwal Oil & Dal Mills, Dewan Market, Sikar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kamal Kumar & Smt. Basanti Devi c/o M/s. Jhumarmal Pannalal Fancy Bazar, Gauhati (Assam).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1238.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 27-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Ward No. 10 Bara Tala Road, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 57 dated 27-2-82.

MOHAN SINGH

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jaipur

g Date: 2 7 82 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.-

- (1) Shri Moideen Tanwar Ward No. 4, Sikar.
 (Transferor)
- (2) Shri Chiranjilal Jogani, Sikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. 1241.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under tise

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sikaron on 12-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of free-hold land situated at Sikar (Jaipur-Sikar Bus route) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No, 1283 dated 12-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

Scal.

and the second s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th July 1982

Ref. No. IAC/(Acq)/1240.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 12-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

71-216GI/82

(1) Shri Moideen Tanwar Ward No. 8, Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Chiranjilal Jogani, Ward No. 4, Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of free-hold land situated at Sikar (Jaipur-Sikar route) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 1282 dated 12-1-82.

MOHAN SINGH
Component Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-7-82

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 21st July 1982

Ref. No. A.P. No./3257.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) Shrimati Raj Kumari Wd/o Sh. Puran Mal and Harish Bal S/o Puran Mal Bal r/o WD-325, Brandrath Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Gokal Kaur Wife of Dr. Hari Singh Parmar R/O Phagwara Road, Jalandhar Cantt,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA-of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Portion of Bldg. No. W.D-325 situated at: Brandrath Road, Jalandhar as mentioned in the registered deed No. 4969 of 11/81 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 21-7-1982

(1) R. D. B. Properties.

(Transferor)

(2) Dinesh Kr. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th July 1982

Ref. No. 1110/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61 situated at Palm Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11 K 14 Ch. 33 sft. with building being premises No. 61, Palm Avenue. Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 15-7-1982

(1) Smt. Padma Devi Kanoria.

(Transferor)

(2) M/s. Padma Tea Co. (P.) Ltd.

(Transferee)

(3) M/s. R. S. Roy & Co.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1982

Ref. No. TR-233/81-82/Sl. 637 IAC/Acq. R-I/Cal.-Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Bowbazar Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building at Premises No. 13, Bowbazar Street, Calcutta on laud measuring 7 K 7 Ch. 2 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 9296 dt. 12-11-1982,

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA Calcutta, the 13th July 1982

Ref. No. TR-232/81-82/Sl. 638/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25B situated at Christopher Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahadev Paul.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Shaw & Smt. Tara Devi Shaw.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and structure lying & situated at 25B, Christopher Road, Calcutta-46 being land measuring 3 K 6 Ch. 14 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 9351 dt. 13-11-81.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Mahadev Paul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Bhudo Prasad Shaw.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1982

Ref. No. TR-231/81-82/Sl. 639/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 25B situated at Christopher Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and structure measuring 3 K 24 sft. lying and situated at 25B, Christopher Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 9352 dt. 13-11-81.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rail Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 33/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. 7-5-1 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Polisetty Swarajyalakshmi, w/o M. Chandranath, D. No. 20/1349, Radhakrishnanagar, Cuddanah

(Transferor)

(2) Smt. Attluri Saraswathi Devi, w/o Sri A. Durga Lakshori Prasad, Jaipur Sugar Company, Rayaghada-765 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 7-5-1 near Ramakrishna Mission, Visakhapatnam having the land area of 1200 sq. yds. registered vide documents No. 11318/81 by the S.R.O., Vizag.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 34/82-83.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing

No. S. No. 7 situated at Rachayaripalem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 30-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. M. Laxminarasamma, w/o late Sanyasichetty, and three Others, Seethammadhara, Visakhapatnam-13
- (2) Srinivasa Co-operative House Building Society Ltd., Madhuranagar, Vizag-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing No. S. No. 7 consisting of Acres 20-50 in Rachavaripalem, Vizag Town registered vide document No. 9837/81 by the S.R.O., Vizag.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No 35/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS No. 159/2 situated at Salur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salur on 23-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

72-216GI/82

- (1) Sri Raja Lakshmi Narasimha Sanyasiraju, Pedabaliyara Simbulu Bahadur and his sons, Vizianagaram. (Transferor)
- (2) Sri A. Gunnaiah Gupta 2. A. Mohanrao 3. Nageswara Rao 4. A. Parameswara Rao and 5. A. Sanyasirao of Salur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property under consideration is a Cinema hall bearing RS No. 159/2 situated at Salur registered vide document No. 1883/81 by the S.R.O. Salur. Site area 4026 sq. yds.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982 Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 36/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13-2-4 situated at Kothapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guptur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Yadavally Venkata Pamakrishaa, c/o Subbarao, Amaharam, Guntin

(Transferor)

(2) Dr. Reddy Anjaneyachowdary, 5/0 Kotaiah, Chandra-moulinagar, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

House property bearing D. No. 13-2-4 in the lane by the side of Krishna Picture Palace, Mothapeta, Guntur registered pittle document No. 11954/81 by the S.R.O., Guntur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982 Seal

year

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 37/82-83.--Wherens, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 142 & 143 situated at Stambalagaruvu

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Guntur on 3-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri I. George, s/o Shri David, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferor)

(2) The President, The Diocese of Guntur Society represented by Rev. K. Mariadas, 3/0 Rayappa Bhishop Bunglow, Ring Road, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 142 and 143, extent of land 0-44 cents at Nallapadu Panchayat, Stambala Garuvu, Guntur Muncipal area Guntur registered vide document No. 11458/81 by the S.R.O., Guntur.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Pate: 6-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 38/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 142 & 143 situated at Stambalagaruvu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 3-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kasu Yeliar Reddy, s/o Shri China Reddy. Vidyanagar, Ring Road, Guntur. (Transferor)
- (2) Sri K. Mariadoss, s/o Rayappa, Diocese Society of Guntur Society Rep. by Rev. as President, Bhishop House, Ring Road, Guntur.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 142 and 143, extent of land 0-45 cents situated at Stambalagaruvu Nallapadu Panchayat, Guntur Municipal area, Guntur registered vide Doc. No. 11459/81 by the S.R.O., Guntur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 39/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 142 & 143 situated at Stambalagaruvu

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 2-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sr₁ V. Mykhel, s/o Frances, Pottisreeramuiunagar, Guntur.

('Iransferor)

(2) The President, The Diocese of Guntur Society represented by Rev. K. Mariadas, s/o Rayappa Bhishop Bunglow, Ring Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 142 and 143, extent of land 0-45 cents at Nallapadu Panchayat, Stambala Garuvu, Guntur Municipal Area, Guntur registered vide Doc. No. 11419/81 by the S.R.O., Guntur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Doppalapudi Prakasamma, w/o Menak, Pottisreeramulunagar, Guntur.

(Transferor)

(Transferce)

(2) The President, The Diocese Society of Guntur Rep. by Rev., K. Mariadoss, s/o Sri Rayappa, Bishop Building, Ring Road, Guntur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. No. 40/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

S. No. 142 & 143 situated at Stambalagaruvu (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 2-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. S. No. 142 and 143, extent of land 0.45 cents situated at Stambala Garuvu, Nallapadu Panchayat. Guntur Municipal area, Guntur tegistered under the document No. 11420/81 by the S.R.O., Guntur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC: 41/82-83. - Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S No. 142 & 143 at Stambalagaruvu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guntur on 8 II-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (2) of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 200C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti P. Papaiah, s/c Pedda Rosaiah, Koritipadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Mariadas, President of the Diocese of Guntur Society, Resident of Bishop Bunglow, Ring Road, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 142 and 143, extent of land 0.45 Cents situated at Stambala Garuvu, Guntur Municipality, Guntur registered under the Document No. 11421/81 by the S.R.O., Guntur.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income Fax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Pate: 6-7-1982

⊱~a|

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. 42/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 142 & 143 situated at Stambalagaruvu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 15-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Paragata Pethru, s/o P. Rayappa, Vidyanagar, Ring Road, Guntur.

(2) Sri Mariadas, President of the Diocese of Guntur Society, R/o Bishop Bunglow, Ring Road, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 142 and 143 situated at Stambala Garuvu open land admensuring 0-48 cents registered under the Registered document No. 11457 registered by the S.R.O., Guntur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC. 43/82-83.-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 142 & 143 situated at Stambala Garuvu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 15-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the moperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:-

73—216GI/82

(1) Shrimati J. Naveenamma, w/o J. Krishna Murthy, Koritipadu, Guntur.

(Transferor)

(12) The President of the Diocese of Guntur Society, Bishop's House, P.B. No. 203, Guntur, Sri Maria-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. S. No. 142 and 143 admeasuring 0-48 cents situated at Stambala Garuvu, Nallapadu panchayat registered under the Registered document No. 11418/81 by the S.R.O., Guntur

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 44/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 463, 18-41 situated at Chilakalapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatham on 19-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri N. Audinarayana Murthy, s/o Kotalah;
 N. Koteswara Rao;
 N. Satyanarayana Prasad;
 N. Suryanarayana;
 Muralikrishna, sons of Audinarayana Murthy and
 Bulli Venkateswara Rao, Godugupet, Bandar, Krishna Dt.
 - (Transferor)
- (2) Bandar Cooperative Building Society Ltd., No. H6/37, President: Kondapalli Naga Venkata Ramanuja Rao. Sec.; G. Umamaheswara Rao, Chilakalapudi, Bandar Tq. Krishna Dt. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter,

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 463/18-41 extent of land 1 Acre 50 cents equal to 0.607 Hectors situated at Chilakalapudi, Bandar Taluk, Krishna District by a Registered document No. 4222/81, registered with S.R.O., Machilipatnam.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 69/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agl. land situated at Tirumalghery, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on November, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. P. Varalaxmi w/o P. Hanumath Rao;

2. Smt. Jamuna w/o M. Nagaraju;
3. Miss P. Prema d/o Sri P. Hanumanth Rao;
4. Smt. Usha w/o Sri G. S. Selvaraj, GPA Sri K. E. N. Kumar S/o Sri K. Adams, 6-6-462/2, Gundhi Nagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd., TAB 383 By President Sri K. Hanumanth Raju, Secundarahad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area *1 Acre 7 guntas in Survey No. old 17 and New 18 at Tirumalghery village, Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 3075/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 70/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Masood Rahmatullah 6-3-250/5, Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Y. Ratnamala w/o Y. Venkateswara Rao Kondrapadu village Nalgonda Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Road No. 1 Banjara Huls, Survey No. 114 Shalkpet village Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6318/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No RAC. 71/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No.

3-5-45 situated at Edenbagh, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Shankar Kulkarni alias Chagan Kulkarni S/o Triambak Kulkarni R/o Mahagaon Madhole Toluk Adilabad Dt.

(Transferor)

(2) Sri Nagarmal Agarwal S/o Sri Ram Richpal 679, Kishanguni, Hyderabad Now at 3-5-45 Edenbagh Road Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

mouse No. 3-5-45 Edengarden road Ramkot Hyderabad area 1351 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 6399/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 72/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

6-4-465 situated at Bholakpur, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. K. Ajamma w/o K. Yellappa R/o Narayanpet, Makthal Taluk Mababoobnagar Dt.

(Transferor)

Sri M. Anandam S/o Venkappa
 Sri Vijayakumar S/o Anandam
 Sri Vinodkumar S/o Anandam
 Sri Rajkumar S/o Anandam
 No. 1-4-34, Hazikhanpet
 Narayanpet 509210 Mahaboobnagar Dt.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by many of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-4-465 Bholakpur Secunderabad area 266 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc-No. 785/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 73/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agl. land situated at Kakaguda, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally in November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Ramender Reddy Sadat Manzil Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Real Estate (India) Hill Street, Raniguni Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Kakaguda Secunderabad in Survey No. 59/8 1Ac 14 guntas registered with Sub-Registrar Mared-pally vide Doc. No. 3296/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CONTRACTOR OF A PROGRAMMENT OF THE PROPERTY AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC, 74/82-83,---Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bouring

No. 10-2-48 situated at Marcdpally west, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally in November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. F. B. Cooper d/o Bomani Ruttonji Cooper;
 2. C. B. Cooper d/o Bomani Ruttonji Cooper;
 3. R. F. Ayani w/o late F. Ayani,

116. Maredpally west. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Diptish Chandra Sengupta S/o D. C. Sengupta, 14th Floor China Building, Queen's Road, Central Hengkong, GPA Mr. Tribid Sengupta, Operational Manager, Grindlays Bank Ltd., 235, M. G. Road, Hyderabad-500001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-48 at Maredpally west Secunderabad area 5,400 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Maredpally, Secunderabad vide Doc. No. 3211/81.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 75/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-4-32 situated at Humayunnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely:—
74—216GI/82

(1) 1. Mrs. T. Suguna w/o Late T. Narsing Rao; 2. Sri T. Anand S/o Late T. Narsing Rao; 3. Ku. T. Geeta d/o Late T. Narsing Rao; 4. Ku. T. Latha d/o Late T. Narsing Rao; 5. Sri T. Arvind S/o Late T. Narsing Rao; 6. Sri T. Sarat S/o Late T. Narsing Rao. 10-3-313/6, Vijayanagar Colony, Hyderabad-500028.

(Transferor)

(2) Sri Nawaz Khan S/o Sri Munawarkhan, 10-4-32, Humayunnagar. Masab Tank, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with open land 10-4-32 area 1611 sq. yards at Humayunnagar Masab tank, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6866/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 16th July 1982

Rcf. No. RAC. 76/82-83.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 17 to 20 & 22, 23 situated at Marredpally, Secundera-

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri B. K. Stinivas, Krishna Bhavan, Marredpally, Secunderabad-500 026.

(Transferor)

(2) Syndicate Bank Employees Co-Op, Housing Society Ltd., 20/92, Syndicate Bank Colony, P&T Colony Post Office, Gaddiannaram, Hyderabud-500660. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land part of S. Nos. 17, 18, 19, 20, 22 and 23 at West Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Hyderabad, vide document No. 6675/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref. No. RAC. 77/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at West Marredpally, Secunderabad situated at Prithampur, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. K. Seshu Krishna Bhawan Marredpally, Secunderabad-500 026.

(Transferor)

(2) Syndicate Bank Employees Co-operative Housing Society Ltd. TAB 103 20/92 Syndicate Bank Colony P&T Colony (P.O.) Gaddianneram, Hyderabad-500660.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land part of 17, 18, 19, 20, 22 & 23 west Mareedpally, Secunderabad registered with S.R.O. Hyderabad vide Doc. No. 6674/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Bhopal, the 13th July 1982

Ref. No. RAC. 78/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-1-300/A, situated at Ashok Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

 Sri V. Harinath Rao C/o Satyanarayana Swamy Jewellery Mart & Co. 22-8-504, Purani Haveli Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Vinayak Rao C/o Vinayak Beer & Wino Stores Vithalwadi, Hyderabad, 3-4-48, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter &XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Compounded land plot No. 7 M. No. 1-1-300/A Sanjeevanagar Ashoknagar Hyderabad area 579 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6665/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Rcf. No. RAC. 79/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open plot situated at Masabtank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Malik Arif Hussain H. No. 12-1-588 Syed Aliguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Fatima Bano Ahmed w/o Sri Mohd. Masood Ahmed H. No. 10-2-289/51 Shanthinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in premises No. 10-5-38/A Masab tank Hyderabad with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 2417/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Ref No. RAC. No. 80/82-83.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

3-4-1, situated at Kachiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Tara Devi d/o B. Singh Thakur, 340, Sachapir Street, Poona.

(Transferor)

(2) M/s. Deepak Real Estate Enterprises, 112, Marredpally West, Secunderabad-26, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. C. H No. 3-4-1, extent of area 900 sq. yds. situated at Kachiguda. Hyderabad registered vide document No. 958/81 by the S.R.O., Chikkadpally.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC 81/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-417, situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Fatima Khatoon W to Mi Syee Alam Ali Khan, H. No. 8-2-417 Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Commercial Flats Building Corporation, A-101 Satya Apartments, Opp. Polytechnic Masab Tank, Hyderabad-500028, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building M. No. 8-2-417 Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad. Area 2.700 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6360/81,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC 81/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Open land, situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Ramalakshmi W/o P. T. Seshadri, Teacher, House No. 85B, Santoshnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. G. Chowdry,Kirana Merchant,H. No. 3-6-240 Hyderguda,Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land 1200 sq. yards at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Khairatabad video Doc. No. 2299/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-19#

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

RAC No. 81/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-674/B/3, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71-216GI/82

 Smt. Sita Krishnan, w/o Vice Admiral N, Krishnan, r/o H. No. 8-2-674/B/3/1, "Kangaya" Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-500 034.

(Transferor)

(2) M/s. Shalimar Chemical Works Pvt. Ltd., 8-2-674/B/3, "KARTIKAYA" Road, No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with fixtures and fittings area 740 sq. yards bearing M. No. 8-2-674/B/3, Road, No. 12, Banjara Hills, Hyderabad registered vide document No. 2347/81 by the S.R.O., Khairatabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC 57/82-83,-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land, situated at Hayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hyderabad East on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sri Bommidi Nagaiah alias Nagireddy & 28 others, S/o Late Lakshma, Reddy, Sahebnagar Kurd, Hayathnagar Taluk, Ranga Reddy.

(Transferor)

(2) M/S Bhagyalukshmi Co-operative Housing Society Ltd., TAB 76 1-1-4/2 Mushcerabad, Hyderabad 500020, President K. Anjayya S/o late Kotaiah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 55 & 56, area 17 Acres situated at Sahebnagar khuid village, Hayathnagar Taluk, R.R. Dt. registered with Sub-Registrar, Hyderabad East vide Date: 6-7-1982

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderohad (AP.)

Date: 6-7-1982

Geal:

FORM ITNS----

(1) Sri Antanna S/o Nandaiah, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Aravindanagar Co-operative Housing Society Ltd.
 H. No. 3-6-361/46 Himayathnagar, Hyderabad-500029.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th July 1982

kef. No. RAC 58/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land Theegalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabud on November, 198)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the pusideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 2731 sq. yards in Survey No. 64, 65 & 66 Theegalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6387/81.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Faile : 7-7-1982 Geal :

FORM 1.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Gyaneswar S/o Nandaiah, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s. Aravindanagar Co-operative Housing Society Ltd.
 H. No. 3-6-361/46, Himayathnagar, Hyderabad-500029.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th July 1982

Ref. No. RAC 59/82-83.—Whereas J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Teegalguda, situated at Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 2731 sq. yards at Survey No. 64, 65 & 66 at Teegalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6388/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-7-1982

Sent:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, IIYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th July 1982

Ref. No. RAC 60/82-83.—Whereas I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-anj bearing No.

Land situated at Teegalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the names has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Kaovr S/o Nandiah, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

 (2) M/s. Aravindanagar Co-operative Housing Society Ltd.
 H. No. 3-6-361/46, Himayathnagar, Hyderabad-500029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2731 sq. yards at Teegalguda in Survey No. 64, 65 & 66 registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6389/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-7-1982

Scal;

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No. RAC 61/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agricultural land, situated at Tirumalghiry, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major M. V. Raja Rao S/o M. Bhanumurthy, 2-2-1130/8/1, New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Ravi Co-operative Housing Society Ltd. Tab No. 22, 1-5-559/1 Bakaram Road, Hyderabad. Rep. By K. Ashok Kumar, President.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1Ac, 32 guntas in Survey No. 69/1 Part D at Tirumalghiry village, Secunderabad taluk registered with Sub Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6376/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad (AP.), the 8th July 1982

Ref. No. RAC 62/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. a plot

situated at Malakpet, Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gajjala Mahalaxmi W/o Gajjala Kasipathi 127 Wage Hall St. Kavier Street, Parel, Bombay-12. (3-3-286 Subash Road, Secunderabad) (Transferor)
- (2) Dr. Gagdam Purshotham Rao S/o Gardam Narayan Rao B-5/F-10 Housing Board Colony, Old Malakpet, Hyderabad-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 area 450 sq. yards Survey No. 7, 8, & 13 ward No. 16 Block No. 9, situated at Old Malakpet, Hyderabad registered with Sub-Registrar. Azampura, Hyderabad vide Doc. No. 4084/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-7-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No. RAC 63/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Tirumalghity, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1900 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major M. V. Raja Rao S/o M. Bhanumurtl.y, 2-2-1130/8/1 New Nallekunta. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ravi Co-operative Housing Society (Tab 22),
 No. 1-5-559/1 Bakaram Road,
 Hyderabad.
 President Sri K. Ashok Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 69/1, area 1 Ac 33 guntas part E at Tirumalghiry Village Secunderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6396/81.

M. II-GAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 9-7-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No RAC 64/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, situated at Tirumalghiry, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—216 GL 82

(1) Major M. V. Raja Ruo S/o Sm M. Bhanumurthy, 2-2-1130/8/1, New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

 (2) Ravi Co-operative Housing Society TAB 22, 1-3-559/1, Bakaram Road, Hyderabad.
 Rep. By K. Ashok Kumar, President.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheeln Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 69/1, area 1 Ac 33 guntas (Part F) at Tirumalghery village Secunderabad Taluk registered with Sub Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6427/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No. RAC/65/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Building situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Khairatabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afortsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by naore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Shah Johan Begum alias Ayesha Rasool, W/o Syed Gulam Rasool, 8-2-415 Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad (3-6-778 Hamayatnagar, Hyderabad).

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sahabzadi Abdul Mai W/o Mohd. Abdul Hai:

2. Mohd. Abdul Hai S/o Nawab Mohd. Abdul Jabbar, H. No. 6-3-671 Panjagutta, Hyderabad.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (double storeyed) with land 3663 sq. yards, No. 8-2-415 Road No. 4. Banja a Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Khairatabad vide Doc. No. 2320/81

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 9-7-1982

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No. RAC 66/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agl. land, situated at Gaganpahad Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranga Reddy Dt. on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. K. Zachariah, B 116 Sainikpuri, Secunderabad-500594.

(Transferor)

 Master Neeraj S/o Dr. Shyamraj, H. No. 5-9-7/3 Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural dry land in survey No. 328, area 5 Ac. 28 guntas, situated at Gaganpahad village R.R. Dt. registered with Sub-Registrar, Ranga Reddy Dt. Doc. No. 7321/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri I. Yellaish S/o Shankaraish & Others. H. No. 5 Sappers Lane, Secunderabad.

(Transferee)

(2) The Sanjeevaiah Nagar Co-operative Housing Society TBC 55, 1-10-170, Boinpally, Secunderabad.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th July 1982

Ref. No. RAC 67/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Pedda, Thokatta, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marodpally on November, 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 34 Pedda Thokatta village Bownpally, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc. No. 3144/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1982

Rcf. No. RAC 68/82-83. --Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. I and situated at Thokatta village Sec'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marcdpally on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandravathi Bai W/o Shivnarayan H. No. 5 Sapers lang Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Sanjeevaiahnagar Co-operative Housing Society TBC 55
1-10-170 Bowenpally Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 157/1 Sikh Road Thokatta village Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 3147/81.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Daty : 9-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC 45/82-83.--Whereas, 1, M. JEGAN MOHAŃ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 181/7 situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizianagaram on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri Karrothu Mareiah 2. K. Appala Naidu 3. K. Appala Naidu 4. K. Appalanaidu 5. E. Narayandrao 6. Bangari Naidu 7. B. Suri Appalanaidu 8. B. Ankayyamma 9. Mandala Papayamma W/o M. Suryanarayana, Ayyannapeta, Vizianagaram Dt. (Transferor)
- (2) The A.D.S.R.T.C. Workshop Mazdoor Co-op, House Building Society, Vizianagaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Open land admeasuring 0-98 cents in S. No. 187/7 situated at Ayyannapet, Kanapaka Madhura village, Vizianagaram Dt. registered with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 5195/81.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC No. 46/82-83.—Whereas, I, M. JIGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 181/7 situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Vizianagaram on Dec. 1981

for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid—property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent—consideration therefor—by—more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Suraiah, 2. S. Appa Rao, 3. E. Ravi, 4. E. Ramesh, 5. K. Audingrayana, 6. K. Ramaiah, 7. E. Rajarno, K.NAPAKA, modhura, Ayyannapetta, Vizianogaram Dt. (Transferor)
- (2) The Andhra Pradesh Road Transport Corporation Muzdooi Cooperative House Building Society, Vizianagaram.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 0.98 cents situated at Ayyannapet, Vizianggaram district registered with the S.R.O. Vizianagaram vide document No. 5180/81.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

Seal;

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Y. Rukmini, W/o Raghawaiah
2. E. V. Subrahmanyam, S/o V. Raghawaiah
3. Y. V. Nogashyamala and
4. E. V. Subrahmanyeswari.
Ramachandrapuram Agraharam, Guntur.
(Transferor)

(2) Dr. P. Anjaneya Chowdary,S/o Kotaiah, Chandramoulinagar,Guntur,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC No. 47/82-83.—Wherens, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (T.S. No. 538) situated at J.S. No. 538 Guntur (and more fully described in hte Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land extent 782 sq. yds. with a shed situated at Kothapet. Ward No. 5. Black No. 6, T.S. No. 538, Asst. No. 18177, D. No. 13-2-4, registered by the S.R.O., Guntur vide registered document No. 11879/81,

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC No. 48/82-83.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 15-3-2 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Guntur on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
77—216GI/82

- (1) Sri Manyam Venkatraju, S/o M. Venkataratnam 2. M. Nagachandra Rao, S/o Satyanarayanamurthy and 3. Veera Raghuram, KOVVURU, W.G. Dt.

 (Transferor)
- (2) Sri G. Namassivaiah, S/o G. Krishnumurthy Palakodetivari Street, Kovvuru, W.G. Dt. (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 15-3-2, 1st and Ground floots each consisting of plinth area 1000 sft, and on a land area of 1000 sq. yds. registered by the S. RO., KOVVURU vide document No. 1730/81.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD A.P.

Hyderabad, the 17th July 1982

Ref. No. RAC No. 49/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having bearing No. 24-11-165 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Mittalal Hundia 2. Madan Lal 3. Kishore Kumar 4. Uttamkumar 5. Multanmal Hundia 6. Ajit Kumar 7. Rakesh Kumar 8. Dungar Chand 9. Vikas Kumar 10. Kantilal 11. Ravikumar GPA Indermal 12. Ghaverchand S/o Nemichand 13. Rahul Kumar R. Agraharam, GUNTUR. (Transferor)
- (2) Sri T. Raja Rao, S/o Panakalu, R. Agraharam, GUNTUR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HOUSE PROPERTY bearing D. No. 24-11 165 situated at R. Agraharam Guntur extent of land 346 sq. yds, registered by the S.R.O. Guntur vide document No. 11603/81.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAN

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 16th July 1982

Ref. No. RAC No. 50 /82-83 —Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 44/4A situated at Vizag

Vizur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. Sanyasi, S/o late Somulu and 5 Others, Vammivaripalem, Rushikonda, Mandada (Post) VIZAG.

(Transferor)

(2) Sri Krishna Co-op. House Building Society Ltd. B-1624, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice on the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—In, terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land extent 1 Acre 58 cents bearing S. Nos. 44/4A, 44/4B and 44/4C situated at Rushikonda, Visakhapatnam registered vide document No. 9165/81 by the S.R.O. Visakhapatnam.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 16-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Sona Gaddemma, W/o Appa Rao 2. Sri Sona Raghuram, S/o Appa Rao SOMPETA (Srikakulam Dt.,).

(Transferor)

(2) Sri Malla Subba Rao and 2. Sri M. Vaikuntharao Sompeta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC No. 51/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

304/12 situated at Rice Mill, Sompeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sompeta on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RICE MILL bearing patta No. 1486, S. No. 304/12 situated at Baliyaputtuga, Kanchali Sanithi, Sompeta village, Srikakulam Dt., registered vide document No. 1610/81 by the S.R.O. SOMPETA.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1982

Ref. No. RAC No. 52/82-83.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 81/4 situated at Prasadampado Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Vijayawada on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; --

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any icome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. S. Vijayalaxmi, W/o Dr. S. Umapathi S. Sivoramakrishna, S/o Dr. S. Umapathi
 S. Malathi, D/o Dr. S. Umapathi minor rep. by father Dr. S. Umapathi Museum Road, Vijayawada,

(Transferor)

i(2) Smt. A. Kotamma, W/o Sri A. Veeralah Gudlavalleru, Gudivada Tq., Krishna Dt. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

OPEN LAND In S. No. 81/4 admeasuring 4 acres 02 cents situated at Prasadampadu village outskirts of Vijaya-wada registered vide documents No. 11018, 11019 and 11022 /81 by the S.R.O., Vijayawada.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82 Seal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1981

Ref. R.A.C. No. 53/82-83—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 5/44 situated at Valluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mandapeta on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. Tataraju 2. Veera Raghavulu 3. P. V. V. S. No. Chowdaiy 4. V. Surya Rao 5. Minor Rep. by V. Surya Rao 6. D. Laxmi Kantam 7. M. Gopalam 8. Paparao 9. M. Dharmaraju 10. M. Satyanatayana 11. and 12. Minors Rep. by Sri M. Gopalam 13. Minor Rep. by M. Dharmaraju 14. M. Mallikharjuna Rao 15. M. Satyanarayana Chowdary 16. M. Venkatarao 17. M. kusumamba, W/o M. Mallikharjuna Rao, VALLURU, Mandapeta E.G. Dt.

(Transferor)

(2) 1. Ch. Venugopal 2. Sti Ch. Srihari 3. Sti Ch. Suresh Babu 4. Ch. Ammaji 5. G. Venkatrao 6. G. Vajrakumari 7. Ch. Suryaprakasa Rao 8. Ch. Janakirani 9. Ch. Venkataraju 10. V. Suryachandra Rao 11. M. Veera Venkata Satyavarbi, SIVALAYAM STRFET, VAJ LURU, Alamuru Tq. E.G. District.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RICE MILL D. No. 5/44, Sivolayam Road, Valluru, Alamuru Taluq, East Godavari District (64/103 share) total site area is 2614 sq. yds. registered vide document No. 2859/81 by the S.R.O., Mandapeta.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT [961 (43 O) 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1982

Ref. No. RAC No. 54/82-83/Aeq. Squad, Kakinada.--Whereas, I. M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-15-196/197 '198 Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vitakhapatnam on 15-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. V. Krishna Rao, S/o Late A. S. P. Narsingrao, Gokul Road, Maharanipeta, Visakhapatnam-2.

(Transferor)

(2) Sri Attili Appalaswamy, S/o Narayanarao and his 5 brothers, 28-15-196, Srinivasa Wine Shop, Visakhapatnam-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hoose property at Door No. 26-15-196, 197, 198, Main Road, Vicakhapatham registered vide document No. 149/82, registered by the S.R.O. Visakhapatham. Extent of Ita 1 400 sq. yds.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 31st July 1982

Ref. No. BWN/22/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 500 sq yards situated at Bhiwani-Loharu Road, Near Adarash College, Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i the office of the Registering Officer at

Bhiwani in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Parbhashankar Kedia S/o Sh. Madan Lal Kedia.

2. Smt. Vidhya Devi Widow

3. Sh. Ram Shanker Kedia, Jai Shanker Kedia, Vijay Shanker Kedia ss/o Madan Lal Kedia all R/o Bhiwani now Raja Nabha Krishna Street.

(Transferor)

(2) Shiri Surender Singh S/o Shi i Harpal Singh R/o Bhiwani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 500 cq. yards Khasra No. 356 Bhiwani-Loharu Road, Near Adarsh College, Bhiwani and as mentioned in the sale deed registered on 6-11-1981 with the Sub Registrar, Bhiwani.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Robbak

Date: 31-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 31st July 1982

Ref. No. BWN/23/81-82.--Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 500 sq. yards situated at Bhiwani-Loharu Road, Near Adarash College, Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---78--216GI/82

(1) 1. Shri Parbhashankar Kedia S/o Sh. Madan Lal Kedia.

Smt. Vidhya Devi Widow. S/Sh. Ram Shanker Kedia, Jai Shanker Vijay Shanker Kedia ss/o Madan Lal Kedia all R/o Bhiwani now Reja Nabha Krishna Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Singh S/o Sh. Balwant Singh RIo Bhiwani.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 500 sq. yards Khasra No. 636 situated at Bhiwani-Loharu Road, Near Adarsh College, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered on 6-11-1981 with the Sub Registrar, Bhiwani.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 31-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref No. PNP/178/81-82.—Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market H. No. 217-MIG Housing Board Colony, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Nov. 1881

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh Kalson S/o Shri Shiv Chand r/o village Basla Disti. Bhiwani now S.P. Madhuban Disti. Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Prem Sagar Adhlakha s/o Shri Partap Lal Adhlakha s/o Shri Nota Ram r/o H. No. 217-MIG, Housing Board Colony, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being H. No. 217-MIG Housing Board Colony, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4678 dated 13-11-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Roblak

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Sh. Navneet Pathak s/o P. N. Pathak, (ii) Smt. Tirlok Pathak w/o Sh. P. N. Pathak, r/o H. No. 625 Sector 36-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dewan Ramesh Chand S/o Sh. Dewan Shamsher r/o H. No. 21, Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. KLK/21/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market valuexceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 105 Sector 6, situated at Panchkula. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kalka in Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Property being house No. 105 Sector 6, Urban Estate, Panchkula and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1601 dated 12-11-81 with the Sub Registrar, Kalka.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 19-7-1982

(1) Smt. Satvinder W/o Sh. Avtar Singh, R/o Sikka Colony, Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Sudershana Rani W/o Dr. Sunder Sham, r/o H. No. 366 Ward No. 16, Sikka Colony, Rohtak. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. SPT/88/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-anr bearing

H. No. 16/366 Sikka Colony, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the formsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being H. No. 16/366 Sikka Colony, Sonipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3371 dated 4-11-1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtals

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. SPT/90-/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 320 Ward No. 16 Near Government College, Sikka Colony, situated at Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforascid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Parma Nand S/o Sh. Chaukha Ram, Near Govt. Primary School, Sikka Colony, Sonepat.

 (Transferor)
- (2) Shri Krishan Chand S/o Kalyan Dass, Near Govt. Primary School, Sikka Colony, H. No 320 Ward No. 16 Sonepat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being H. No. 320 Ward No. 16, Near Govt. Primary School, Sikka Colony, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No 3427 dated 9-11-1981 with the Sub Registrar, Sonepat

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHFAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. SPT/95/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on Railway Road Near Sarang Cinema situated at Sonopat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Nov. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suman Singh S/o Sh. Kalka Parshad R/o Garhi Brahmanan, Sonepat.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajinder Kumar, Subhash Chand, Ramesh Chand ss/o Shri Parsotam Dass, H. No. 2, Eight Marla Colony, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house on railway road, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3567 dated 18-11-1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-7-1982

Scal:

 Shri Chanden Singh S/o Chhelu Ram, Sardar Singh S/o Singh Ram Sukhrali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) M/s Instant Battertes Limited. E-35, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.I..F. COLONY Rohtnk, the 19th July 1982

Ref. No. GRG/212/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 kanal situated at Shahpur and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Gurgaon in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanal situated at Shahpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3181 dated 9-11-81 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-7-1982

Seal;

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.I.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. GRG/213/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 46 kanal 4 marla situated at Shahpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1900) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Nand Lal, Munni Lal, Lallinii Chand ss/o Shri Hira Singh S/o Udai Singh, Khajanchi D/o Raghbir and Sort, Rain Chanderi Wd/o Shri Raghbir, Dalpai alias Dalip all 1/o of Village Sirhol. (Transferor)
- (2) M/s Instant Batteries Limited, E-35, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day₃ from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 46 kanal 4 marla at Shahpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3141 dated 4-11-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Sh. Nand Lal, Muni Lal, Lakhmi Chand ss/o Shri Hira Singh, Khazani w/o Shri Raghbir, Arender Singh s/o Dalip Singh, r/o Sirhol.

(Transferor)

(2) M/s Instant Batteries Limited, E-35, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. GRG/214/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 68 kenals 9 marlas situated at Sirhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 68 kanal 6 marla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3140 dated 4-11-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

79-216GI/82

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Rel. No. GRG/215/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 11 kanals 74 marks situated at Sirhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Munshi Ram Lakshmi Chand os/o Shri Hira Singh, Khazani daughter & Smt. Ram Chanden Wd/o Sh. Raghbir Singh, Surender Singh S/o Dalip Singh, r/o Sirhol.

(Transferor)

(2) M/s Instant Batteries Limited, E-35, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being land measuring 11 kanals 71 marla situated at Sirhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4-11-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-7-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 22nd July 1982

Ref. No. SPT/89/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. MC/2/400, Arya Nagar, situated at Sonepat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sonepat in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as attoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Biri Ram S/o Bharat Singh, Arya Nagar, Senepat.

(Transferor)

(2) S/Sh. Parbhu, Gordhan ss/o Shri Sti Chand, Village, Khewra, Teh. & Distt. Sonepat, H. No. MC/2/400 Arva Nagar. Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being H. No. MC/2/400, Arya Nagar, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3393 dated 5-11-1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. PNP/134/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being house No. 90-R, Model Town situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

 Shri Prem Sagar s/o Shri Partap Lal r/o No. 90-R, Model Town Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal s/o Utam Chand r/o H. No. 16 Subhash Colony, Teh. Camp, Panipat now H. No. 90-R, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 99-R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4430 dated 2-11-1981, with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. PNP/176/81-82,---Whereas I, G. S. GOPALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H No. 506-L, Model Town, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Tula Ram S/o Iavender, R/o T-73, Quarter Railway Road, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Sat Narain ss/o Parbhu Dayal, Smt. Raj w/o Atma Ram, Q. No. 506-L, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 506-LM.T. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4704 dated 17-11-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

> G. S. GOPALA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-7-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. KNL/60/81-82.—Whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop situated at Railway Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Atri Devi Wd/o Sh. Prem Kumar, Ram Kishan, Jai Bhagwan, Ashok Kumar, Jai Dayal, Smt. Shanti Devi, Sheela Rani Ds/o Sh. Paras Ram, 1/0 42/1, Ram Nagar, Kamal.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Abinash Chander, Ss/o Shri Bura Ram R/o H. No. 25 & 26, Sector IV, Ram Nagar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bieng a shop situated at Railway Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3980 dated 24-11-1981 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 19-7-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. GRG/143 81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 240 Sector 7, Urban Estate, situated at Gurgnon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Guigaon in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Shri I.achhman Dass S/o Honda Ram, R/o H. No. 227/7 Urban Estate, Gurgaon. (Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar Makkar
 S o Shri Jassa Ram Makkar,
 H. No. 240/7, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 240/Sector 7 Urban Estate: Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3211 dated 12-11-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

> > Rohtak, the 21st July 1982

Ref. No. SPT/100/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 23/664, Rohtak Road, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Sonepat in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sh. Gangadhar S/o Jhavri Ram and
 (2) Smt. Lajwanti W/o Sh. Gangadhar R/o Garbi Ghasita, Sonepat.

(Transferee)

(2) Smt. Satwanti W/o Sh. Parma Nand R/o Ghasita, Sonepat Shop No. 23, 664, Rohtak Road, Sonepat.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 23/664 Rohtak Road, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3706 dated 2-12-1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 21-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. THN/3/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 134, New Mandi, situated at Tohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—80—216 GI/82

 Shri Sagar Chand S/o Faqir Chand, R/o Tohana.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar S/o Nanag Rai, S/o Phal Chand, R/o Tobana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLNATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 4 portion of shop situated in New Mandi, Tohana as more mentioned in the sale deed registered at No. 2559 dated 9-12-1981 with the Sub-Registrar, Tohana.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 19-7-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. THN/4/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incom. tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'Soud' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Shop No 34 New Anaj Mandi, situated at Tohana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bajrang Dass S/o Fatch Chand S/o Kahni Ram, R/o Tohana

(2) Smt. Kamlesh Aggarwal

W/o Shri Satish Kumar S/o Nanag Rai, R/o Tohana (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated at New Anaj Mandi, Tohana, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2381 dated 12-11-1981 with the Sub Registrar, Tohana.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. KNL/77/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Lund measuring 5 kanal 17 marla situated at Vill. Daha (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Nathi Ram, Hari Singh, Om Parkash, Ss/o Sh. Hirda Ram S/o Ramji Lal Shri Data Ram S/o Ramji Dass, R/o Kambohpur.

 (2) 1. S/Shri Rakesh Kumar, Sarwan Kumar Ss/o Shri Charan Dass Bathala
 2. Smt. Kailash Rani W/o Subhash Chand

 Smt. Kailash Rani W/o Subhash Chand
 Smt. Chanchal Rani W/o Sh. Chandham R/o Kothi No. 4 Bathala Cottage, Subhash Marg, Railway Road, Karnal.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 kanal 17 marla situated at Village Daha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3814 dated 9-11-1981.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Robtals.

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1982

Ref. No. KNL/78/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 Kanals situated at Daha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karnal in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nathi Ram, Hari Singh, Om Parkash Ss/o Sh. Hirda Ram S/o Ramji Dass, Sh. Data Ram S/o Ramji Dass S/o Thakar Dass, all R/o Vill. Kamboh.

(Transferor)
(2) 1. Sh. Subhash Chander S/o Charan Dass Bathla,
Kothi No. 4, Bathla Cottage, Railway Road,
Karnal.

 Sh. Harish Chander, Mahesh Kumar, Devinder Kumar Ss/o Ganpat Rai Chawla, R/o Chawla Bhawan, Sadar Bazar, Karnal.

awan, Sadar Bazar, Karnai.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanal situated Daha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3815 dated 9-11-1981 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 19-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1982

Ref. No. III-564/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 5282, 28-C (Present) Khata No. 230, KhesaraNo. 595, 588, 594, Thana No. 18 situated at Mouza Rukun-pura P.S. Dinapore Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagarnath Singh S/o Late Juugl Singh R/o Khajepura P.O. & P.S. Gardanibash Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Mohammed Aslam S/o Md. Khalil R/o Dinapore Juma Masjid P.S. Dinapore Dist. Patna.
 - (ii) Mohammed Amin S/o Mohammed Ekbal R/o Awasti Ghat, Dinapore P.O. Gardanibagh Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 28½ decimals equivalent to 9 Katha 2 dhur 9 dhurki situated at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna morefully described in deed No. 8661 dated 14-11-1981 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th July 1982

Ref. No. III-562/Acq/82-83.—Whereaes I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Thana No. 198, Touzi No. 58, Khata No. 53, 66, 73, Plot No. 1785, 1802, 1803, 1801 situated at Baralote P.S. Daltonganj Dist. Palamaue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daltonganj on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

therefore, in pursuance of Section I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Kaushalya Rani Bhusri W/o Sri Shampuran Singh R/o P-12 Misnora Extension Calcutta, Self and on behalf of (1) Smt. Harjit Bhusri W/o Sri Indrajit Singh Bhusri R/o P-92 Misnora Extension Calcutta and Sri Haribans Singh Dugal S/o Late Dr. S. S. Dugal R/o 701 Climpus Alta Mountaint Road, Bombay-400026

(Transferor)

- (2) Shri Bijoy Kumar Jaiswal S/o Sri Bhola Nath At C/E-177 Chetganj, Varanasi, At present Dalton-ganj P.O. Daltonganj, Dist. Palamaue.
- (Transferce) (3) Bihar State Construction Corporation Ltd.

(Person in occupaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later; persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 1 acres 55 decimals with building siutated at Baralote (near G.L.A. College, Daltongang) P.S. Daltonganj Dist Palamaue morefully described in deed No. 9332 dated 6-11-1981 registered with District Sub-Registrar, Daltonganj.

> H. NARAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 16-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1982

Ref. No. III-565/Acq/82-83.—Whereas, 1, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No.

Touri No. 5282, 28-C (Present) Khesra No. 591, 588 Thana No. 18 situated at Mouza Rukunpura P.S Dinapore Dist. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-11-1981

believe that the fair market value of the property as aforesaid for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunil Kumar Singh S/o Ram Nath Singh R/o Khajepura P.S. & P.O. Gardan.bagh Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Mohmmed Usman S/o Hazi Mohmmad Ishak R/o Fulwarisarif P.S. Fulwari Dist. Patna (ii) Abdul Karim S/o Jumrati Mian R/o Dariapur Fakirbara P.O. Bankipore Dist. Patna. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 decimals equivalent to 8 Katha 12 dhur 16 dhurki situated at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna morefully described in deed No. 8663 dated 14-11-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1982

Ref. No. III-566/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 5282 28-C (New) Khata No. 230, 154, Khesara No. 599, 596 Thana No. 18 sitauted at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Most. Sia Kuar W/o Late Bishwa Nath Singh R/o Khajepura P.S. & P.O. Gardanibagh Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Jawed Ekbal S/o Mahmud
 R/o Dariapur P.S. Pirbahore, Patna (ii)
 Ashiff Ekbal S/o Mohmmed Arif
 R/o Darjitola P.O. Bankipore Dist. Patna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 decimals equivalent to 8 Katha 12 dhur 16 dhurki sltuated at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna morefully described in deed No. 8664 dated 14-11-'81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1982

Ref. No. 111-563/Acq/82-83.—Whereas, J. H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Thana No. 10 Touzi No 265, Khata No. 238, Plot No. 808 situated at Mouza Rasulpur Yogi alias Daudbigha Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--81 -- 216 GI/82

(1) Smt. Sarla Khana W/o Shri Shyam Kishore Khanna R/o 21, Tilak Nagar, Lucknow (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Mahadeo Singh (ii) Shri Radha Krishna Singh (iii) Shri Kamal Prasad All S/o Shri Fakira Bhagal All R/o village Nandlal Chapra P.S. Alamganj, Alamganj, Dist. Patna-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 decimal situated at Mouza Rasulpur Yogi alias Daudbigha Dist. Patna morefully described in deed No. 5997 dated 5-11-1981 registered with sub registrar Patna City.

> H. NARAIN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-7-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th July 1982

Ref. No. III-561/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No 26, Khata No. 101, Khesra No. 1427, Thana No. 12 situated at Mouza Kumharar Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patra City on 21-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Ram Rait Devi W/o Late Shri Bishwa Nath Mahto Alias Bisu Mahto
 - (2) Smt. Rajmani Devi D/o Late Bishwa Nath Mahto and W/o Sri Ram Swaroop Singh self and on behalf of Sri Uttam Kumar and Sri Pravin Kumar (Minor Sons).
 - (3) Smt. Ram Mani Devi D/o Late Bishwa Nath Mahto and W/o Sri Ram Pratap Singh self and on behalf of Sri Ram Krishna Singh (Minor son) All R/o Mohalla Tulsi Mandi, P.S. Alamgani, Dist. Patna.
- Alamganj, Dist. Patna.

 (2) (i) Shri Suresh Prasad Sinha S/o Dr. Sri Yogendra Prasad Sinha, (ii) Rakesh Prasad Sinha minor son of Sri Suresh Prasad Sinha R/o Mohalla Patliputra Path Rajendra Nagar P. S. Kadam Kuan, Dist. Patna.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimals situated at mouza Kumhrar P.S. Sultangani Dist. Patna morefully described in deed No. 6323 dated 21-11-1981 registered with Sub-Registrar Patna City.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 16-7-1982

(1) Shri Baldrishna Kalyandas Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil Dhirendra Kotak.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 22nd July 1982

Ref. No. ARII/3253-2/81-82.--Whereas I, M. M. SHUKLA,

being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 854 Sub Plot B-22 part of Plot No. 5-1 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as per registered deed No. 2888 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 2-11-1981.

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay.

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th Aug 1982

Ref. No. CHD/196/81-82,---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 44, Sector 8-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. P. Jain, R/o 25-Kailash Apartments, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) M/s Anand Wire and Allied Industries (P) Ltd., Anand House, M. G. Road, Ernakulan Cochin. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44 situated in Sector 8-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1463 of November, 1981 of the Registering Authority, Chandigrah).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th August 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D.(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 3rd August 1982

Ref. No. CHD/178/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 80, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pushap Lata Kapoor, Miss Rajni Kapoor & Miss Meenakshi Kapoor through Sh. Mohinder Kapoor, R/o 1128, Sec. 21B, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Shri Phool Chand Garg & Smt. Manju Garg, residents of 1128, Sec. 21B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 80 Sec. 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1285 of 11/81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date: 13-8-1982

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1983

New Delhi, the 28th August, 1982

No. F. 11/5/82-EI(B),—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, SHILLONG, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 6th February, 1983 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 28th August, 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF FXAMINATION (See Annexure I Para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
 - (i) Indian Foreign Service (B)— (Grade II of the Stenographers Sub-cadre)
 - (ii) Railway Board Secretariat
 Stenographers' Service—
 Grade C (for inclusion in
 the Select List of the Grade)
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service —Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iv) Armed Forces Headquarters Stonographers' Service— Grade C

- (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.
 - *Vacancies not intimated by Government.
 - **Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

Note—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination, in the Employment News..

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full

0++

61**

particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
MUST SUBMIT 'THEIR APPLICATIONS ON
THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1983 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1983 WILL NOT BE
ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 19th October 1982 (2nd November, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th October, 1982) and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th October 1982.

Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of

the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Majn Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH, THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH © BEIOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan who had migrated to India during the period between 1st January 1971

and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 19th October, 1982, and

(1) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 19th October, 1982, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

9. A refund of Rs. 3.00 (Rupees Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1982 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 Examination, his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund or fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1982 Examination in the Employment News.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at

Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Joint Secretary, Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eld ble. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an indian Mission abroad may be required to appear at his own expense; for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Services by registered post, giving full justification as to way as desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 6th January, 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Note—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF

NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:---
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it
 - (v) Attested Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable '(See para 5(b) below).
 - (vii) Attendance sheet (attached with the application form (duly filled in.).
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUB-MIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTI-FIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMI-NATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED MONTH OF MAY, 1983. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUB-MIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDI-DATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

82-216G1/82

Note (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:

 (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or multilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving

Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM. AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT FXAMINATION.

Note 4—A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing "Students for the Indian School Certificate

examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below part 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A Candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate [cf.: Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that:-

(1) Shri/Shrimati/Kumari: ———— son/daughter* of
Shri — has passed — class
of this school which is the penultimate class of the course
for Higher Secondary School/Indian, School Certificate
Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo
International Centre of Education, Pondicherry/Technical
Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.

	(Signature of	Headmaste.	r/Pri	incipal*)
		(Name of	the	School)
Date				
Place				

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm.×7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicate below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate

should	be •	of '	the	district,	in	w	hich	the	candidate	hio	self	ordi-
narlly	resi	des	ot!	herwise	the	un.	for	the	purpose	of	his	own
educati	ion.											

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* --

State/Union Territo	District/Dory* of —	ivision*	pelongs to	of the
Scheduled Caste/Sc				egaised as a
the Constitution (S	Scheduled C	astes) Or	der, 1950)•
the Constitution (S	Scheduled T	ribes) Or	der, 1950)•
the Constitution Order, 1951*.	(Scheduled		(Union	Territories)
the Constitution	(Scheduled	Tribes)	(Union	Territories)

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]. the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribe Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribe Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari*						
State/Union Territory* of						
Signature						
†Designation —————						
(with seal of office)						
State/Union Territory*						
Place ———						
Date						

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class stipendiary Magistrate/City Magistrate/**Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.
 - ***(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadween.
- 5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B)

should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form:—

(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari

is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of and has rendered/would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer/Clerk/Stenotypist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1983 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS/RBSSS/IFSB Stenographers Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.*

(ii) Certified that Shri/Shrimati/Kumari

is a regularly appointed Clerk/Steno-Typist/
R.M.S. Sorter* employed in the Office of the
which is a Department/Office of the Government of India/
Union Territory* of

and has rendered/
would render not less than 3 years continuous service as a
Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter/Stenographer* on 1st
January 1983 and continues/would continue to be employed
as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter*,

as a Clerk/Steno-Typist/I	R.M.S. Sorter*.
Place ———	
	Signature —————
	Designation ————————————————————————————————————
Date ————	
No	
	Ministry/Office

Office Stamp

*Strike out whichever is not applicable.

(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6(C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India

during the period between 1st January, 1964 and 25th March,

- Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- District Magistrate of the Area in which be may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- '(ii) A repartriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6 (C) (iv) of 6 (C) (v) and/or remission of fce under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repetriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (vili) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x) or 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate (in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

Date

	ST 28, 1982 (BHADRA 6, 1904) PART III—SEC.]
The form of certificate to be produced by the candidate.	(B) Applicable for serving personnel.
Certified that Rank No. Shri of Unit ————————————————————————————————————	It is certified that No. — Rank — Rank Name whose date of birth serving in the Army/Navy/Air Force from — Rank
Signature	2. He is due for release/retirement w.e.f
Designation	is likely to complete his assignment of five years by
Date	3. No disciplinary case is pending against him.
WCA MrA	Name and Designation
*Strike out whichever is not applicable.	of the Competent Authorit
(vi) A repotriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xii) or Rule 6(C) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India	Station Date
from Vietnam not earlier than July 1975. (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 6(C)(xiv) and 6(C)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form	Authorities who are competent to issue certificate are a follows:— (a) In case of Commissioned Officers including ECOs
prescribed below from the authorities concerned.	SSCOs. Army — Directorate of Personnel Services, Arm, Hgrs. New Delbi,
(A) Applicable for Released/Retired Personnel.	Navy — Directorate of Personnel Services, Nava Hgrs. New Delhi.
It is certified that No. Rank Name whose date of birth is has rendered service from	Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs. New Delhi.
to in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions :	(b) In cuse of ICOs/ORs and equivalent of the Nav and Air Force.
	Army—By various Regimental Record Offices. Navy—Naval Records, Bombay.
(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.	Air Force—Air Force Records, New Delhi.
(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on	(viii) A displaced person from erstwhile West Pakista claiming age concession under Rule 6(C)(xvi) or 6(C)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notic should produce an attested/certified copy of a certificat from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and hamigrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973:—
Name and Designation of the Competent Authority	e e e
Station	(1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;

SEAL

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii), (iv) and (viii) above and sceking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a Distict Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars than are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact—the Commission for the acknowledgement.

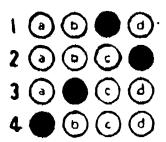
The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipvo-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance-from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



ANNEXURE II

CANDIDAES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Know-ledge will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,..., ctc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate), will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle

IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your Answer Sheet in such a manner asto mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor, YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow e instructions given by the Supervisor. When the supervisor

asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator vill give you the Answer Sheet. Fill up the required infornation on the Answer Sheet. After you have done this, the avigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is mportant for you to use your time as efficiently as possible Work steadily and as rapidly as you can, without becoming areless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult or you. Go on to the other questions and come back to the lifficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your core will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your scat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*Denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

of the nose and the ears is experienced at high countain climbers because

cossure of the blood is less than the atmospheric

- *(b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary--Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far.

(Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close pacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- (d) V₂O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 0
- (b) C
- C_3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagloclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = aex \times be_{-x}$
- (d) y = aex -a

(. "Lyonary

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 42
- (b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10, (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) co
- (d) -5

II. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (il) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic enerificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāŷa, Cārvāka, Mimāma
- (b) Nyāyā, Vaiseseikā, Jainism and Buddhism, Cārvākā
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddism, Samkhya, Mimamsa, Carvaka

14. (Political Science)

'I'unctional representation' means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- () election of, perfectionatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16 (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note :—Candidates should note that the above (auestions) have been glosen merel examples and are not necessarily in king explains for this examination.